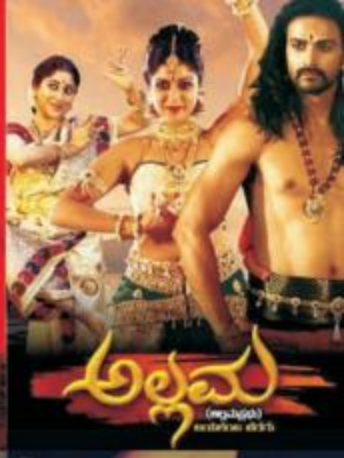

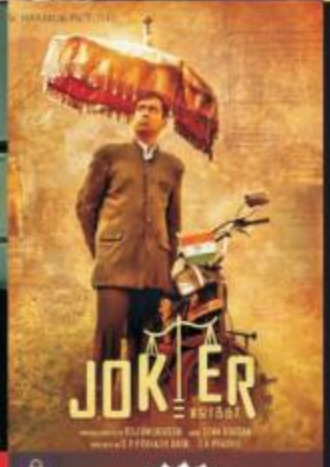

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार
Ministry of Information and Broadcasting, Govt. of India

64 वें
राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2016
National Film Awards 2016

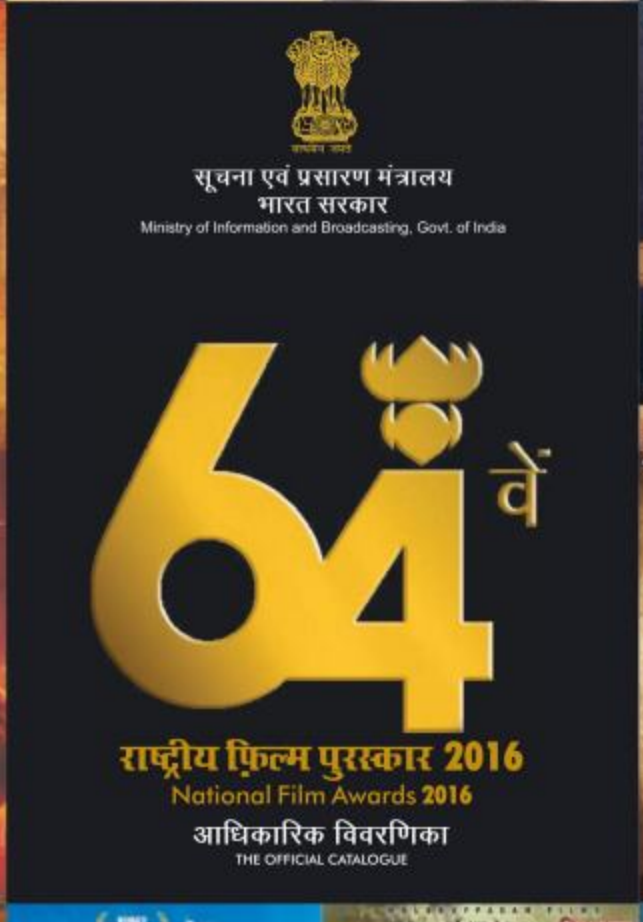

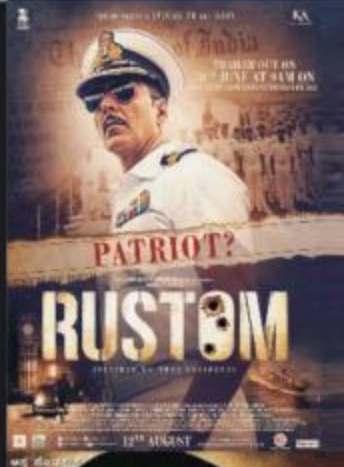

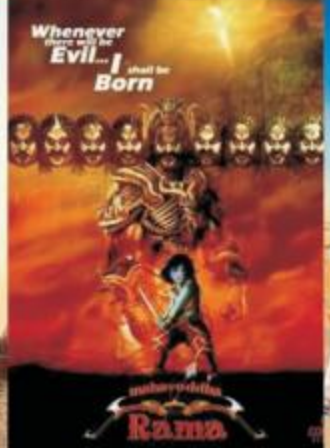

आधिकारिक विवरणिका
THE OFFICIAL CATALOGUE

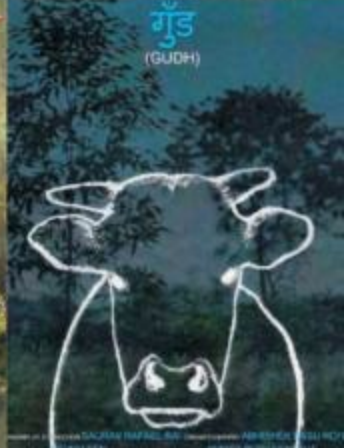

64वें

आधिकारिक विवरणिका

THE OFFICIAL CATALOGUE

सी. सेंतिल राजन (निदेशक डीएफ़एफ़)
C. Senthil Rajan (Director DFF)

के. प्रशांत कुमार (उप निदेशक), एनएफए
K. Prashant Kumar (Dy. Director), NFA

सम्पादक: **शिव सन्नी** (अंग्रेजी), **मोहित पारीक** (हिन्दी)
Editors: **Shiv Sunny** (English), **Mohit Pareek** (Hindi)

संयोजनकर्ता: **अंशुमन शेखर, हर्ष अग्रवाल**
Co-ordination: **Anshuman Shekhar, Harsh Agarwal**

कला निर्देशक: **मुकेश चंद्रा**
Creative Director: **Mukesh Chandra**

कला सहायक: **पवन यादव**
Creative Assistance: **Pawan Yadav**

प्रकाशक: **वि.दृ.प्र.नि., सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय**
Publisher: **DAVP, Ministry of Information and Broadcasting**

© Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Government of India except the film related material.

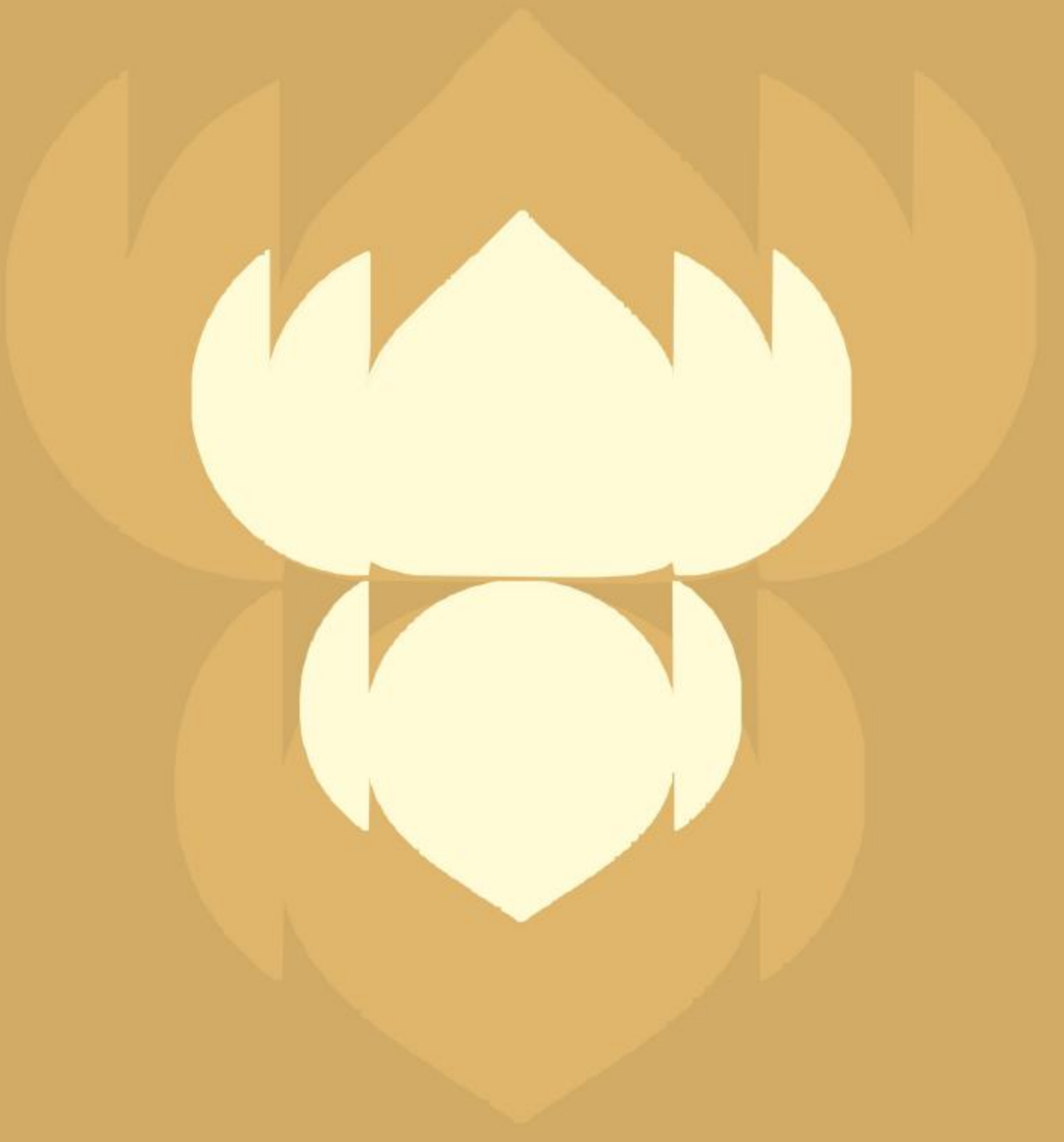

64वें

विषय सूची
CONTENTS

दादासाहब फ़ाल्के पुरस्कार
DADASAHEB PHALKE AWARD

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार के विषय में	10	About Dadasaheb Phalke Award
दादासाहेब फाल्के पुरस्कार : अब तक सम्मानित	12	Dadasaheb Phalke Award Past Recipients
पुरस्कार चयन समिति	16	Award Committee
के विश्वनाथ – प्रोफाइल	21	K Viswanath - Profile
निर्णायक मंडल (फ़ीचर फ़िल्म)	26	Feature Film Jury
निर्णायक मंडल (गैर–फ़ीचर फ़िल्म)	32	Non-Feature Film Jury
निर्णायक मंडल (सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन)	36	Best Writing on Cinema Jury
प्रादेशिक निर्णायक मंडल (फ़ीचर फ़िल्म)	38	Regional Feature Film Jury
फ़िल्म अनुकूल प्रदेश निर्णायक समिति	43	Film Friendly State Jury Committee

फ़ीचर फ़िल्में
FEATURE FILMS

फ़ीचर फ़िल्में - एक नज़र में	46	Feature Films - At a Glance
सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म	48	Best Feature Film
इन्दिरा गांधी पुरस्कार: निर्देशक की पहली सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म	50	Indira Gandhi Award for Best Debut Film of a Director
लोकप्रिय एवं स्वस्थ मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म	52	Best Popular Film Providing Wholesome Entertainment
राष्ट्रीय सद्भाव और एकता के लिए सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म का नर्गिस दत्त पुरस्कार	54	Nargis Dutt Award for Best Feature Film on National Integration
सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म	56	Best Film on Social Issues
पर्यावरण संरक्षण / परिरक्षण पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म	58	Best Film on Environment Conservation / Preservation
सर्वश्रेष्ठ बाल फ़िल्म	60	Best Children's Film
सर्वश्रेष्ठ एनीमेशन फ़िल्म	62	Best Animation Film
सर्वश्रेष्ठ असमिया फ़िल्म	64	Best Assamese Film
सर्वश्रेष्ठ बांग्ला फ़िल्म	66	Best Bengali Film
सर्वश्रेष्ठ हिन्दी फ़िल्म	68	Best Hindi Film
सर्वश्रेष्ठ कन्नड़ फ़िल्म	70	Best Kannada Film
सर्वश्रेष्ठ कोंकणी फ़िल्म	72	Best Konkani Film
सर्वश्रेष्ठ मलयालम फ़िल्म	74	Best Malayalam Film
सर्वश्रेष्ठ मराठी फ़िल्म	76	Best Marathi Film
सर्वश्रेष्ठ तमिल फ़िल्म	78	Best Tamil Film
सर्वश्रेष्ठ तेलुगू फ़िल्म	80	Best Telugu Film
सर्वश्रेष्ठ गुजराती फ़िल्म	82	Best Gujarati Film
सर्वश्रेष्ठ मोरान फ़िल्म	84	Best Moran Film
सर्वश्रेष्ठ तुलु फ़िल्म	86	Best Tulu Film

विषय सूची
CONTENTS

फ़ीचर फ़िल्में
FEATURE FILMS

सर्वश्रेष्ठ निर्देशन	88	Best Direction
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता	89	Best Actor
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री	90	Best Actress
सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेता	91	Best Supporting Actor
सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेत्री	92	Best Supporting Actress
सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार	93	Best Child Artist
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक	96	Best Male Playback Singer
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका	97	Best Female Playback Singer
सर्वश्रेष्ठ छायांकन	98	Best Cinematography
सर्वश्रेष्ठ पटकथा (मौलिक)	99	Best Screenplay (Original)
सर्वश्रेष्ठ पटकथा (रूपांतरित)	100	Best Screenplay (Adapted)
सर्वश्रेष्ठ पटकथा (संवाद)	101	Best Screenplay (Dialogue)
सर्वश्रेष्ठ ध्वन्यांकन (साउंड डिज़ाइन)	102	Best Audiography (Sound Design)
सर्वश्रेष्ठ ध्वन्यांकन (फाइनल साउंड मिक्सिंग)	103	Best Audiography (Re-recording of Final Mixed Track)
सर्वश्रेष्ठ सम्पादन	104	Best Editing
सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिज़ाइन	105	Best Production Design
सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा डिज़ाईनर	106	Best Costume Designer
सर्वश्रेष्ठ रूपसज्जा कलाकार	107	Best Make-up Artist
सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (गीत और पार्श्व संगीत)	108	Best Music Direction (Songs & Background Score)
सर्वश्रेष्ठ गीत	109	Best Lyrics
निर्णायक मंडल का विशेष पुरस्कार	111	Special Jury Award
सर्वश्रेष्ठ नृत्य संयोजन	112	Best Choreography
सर्वश्रेष्ठ स्पेशल इफैक्ट	113	Best Special Effect
सर्वश्रेष्ठ एक्शन निर्देशन	114	Best Action Direction
विशेष उल्लेख	115	Special Mention
कथासार–फीचर फिल्में	119	Synopses-Feature Films

विषय सूची
CONTENTS

ग़ैर फ़ीचर फ़िल्में
NON-FEATURE FILMS

ग़ैर फ़ीचर फ़िल्में - एक नज़र में	124	Non-Feature Films - At a Glance
सर्वश्रेष्ठ ग़ैर फ़ीचर फ़िल्म	126	Best Non-Feature Film
निर्देशक की पहली सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म	128	Best Debut Film of a Director
सर्वश्रेष्ठ जीवनी / ऐतिहासिक पुनः निर्माण संकलन फ़िल्म	130	Best Biographical/Historical Reconstruction Film
सर्वश्रेष्ठ कला / सांस्कृतिक फ़िल्म	132	Best Arts and Culture Film
सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण फ़िल्म	136	Best Environment Film
सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म	138	Best Film on Social Issues
सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक फ़िल्म	142	Best Educational Film
सर्वश्रेष्ठ गवेषणा / साहसिक फ़िल्म	144	Best Exploration/Adventure Film
सर्वश्रेष्ठ खोजपरक फ़िल्म	146	Best Investigative Film
सर्वश्रेष्ठ एनिमेशन फ़िल्म	148	Best Animation Film
निर्णायक मंडल का विशेष पुरस्कार	150	Special Jury Award
सर्वश्रेष्ठ लघु कल्पित फ़िल्म	152	Best Short Fiction Film
पारिवारिक मूल्यों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म	154	Best Film on Family Values
सर्वेश्रेष्ठ निर्देशन	156	Best Direction
सर्वश्रेष्ठ छायांकन	157	Best Cinematography
सर्वश्रेष्ठ ध्वनि आलेखन	159	Best Audiography
सर्वश्रेष्ठ संपादन	160	Best Editor
सर्वश्रेष्ठ संगीत आलेखन	161	Best Music
सर्वश्रेष्ठ प्रकथन / वॉइस ओवर	162	Best Narration/Voice Over
सर्वश्रेष्ठ ऑन–लोकेशन साउंड	163	Best On-Location Sound
विशेष उल्लेख	164	Special Mention
कथासार – ग़ैर-फ़ीचर फ़िल्म्स	167	Synopses - Non-Feature Films

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन
BEST WRITING ON CINEMA

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक	172	Best Book on Cinema
सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म समीक्षक	174	Best Film Critic
विशेष उल्लेख	175	Special Mention

फ़िल्म अनुकूल प्रदेश पुरस्कार
FILM FRIENDLY STATE AWARD

सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म अनुकूल राज्य	178	Most Film Friendly State
विशेष उल्लेख		Special Mention

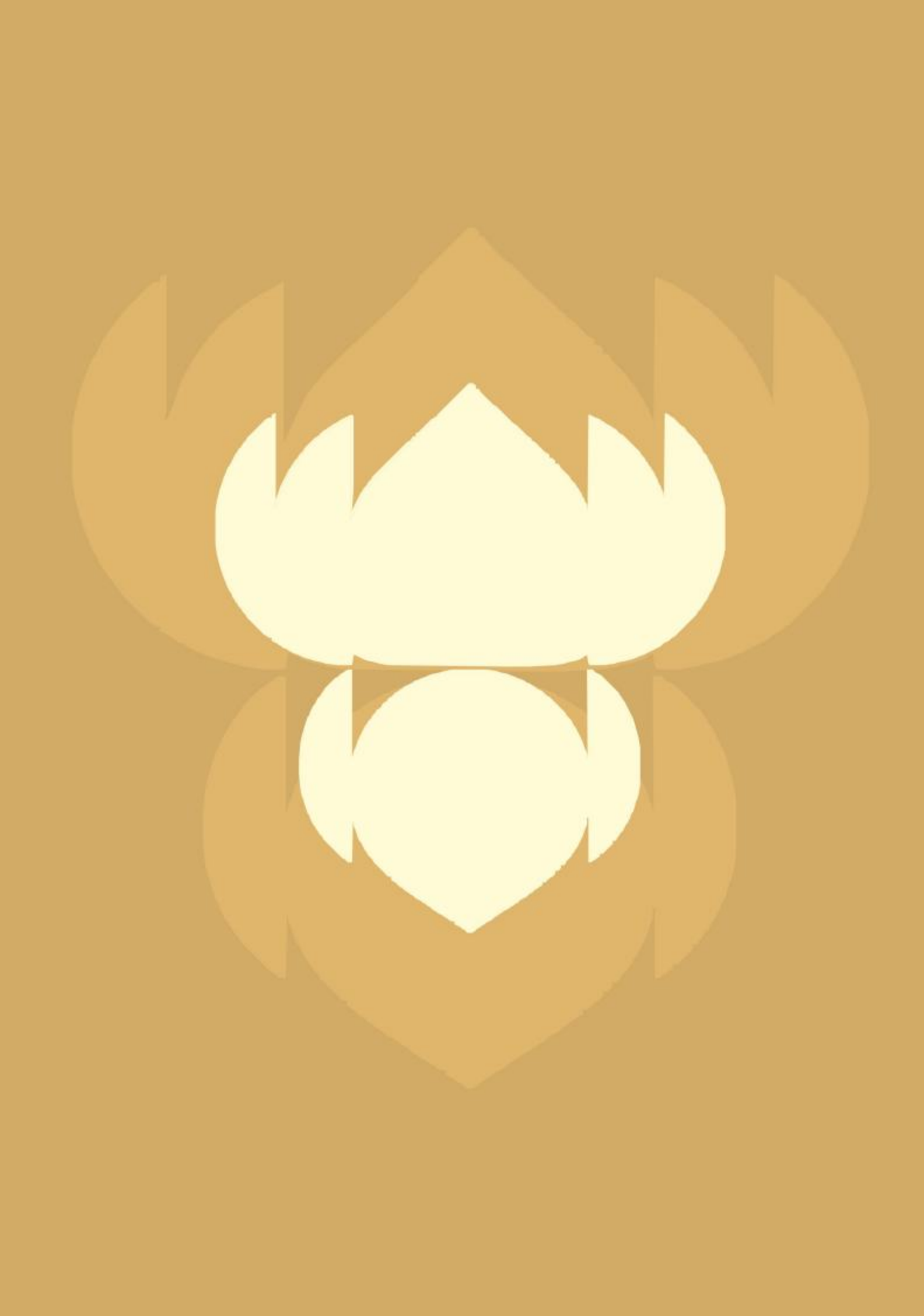

दादासाहब फ़ाल्के पुरस्कार
DADASAHEB PHALKE AWARD

64वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2016

NATIONAL FILM AWARDS 2016

दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा के संवर्धन और विकास में अप्रतिम योगदान के लिए किसी एक फ़िल्मी व्यक्तित्व को दिया जाता है। इसके अंतर्गत पुरस्कार स्वरूप स्वर्ण कमल, ₹10,00,000/– प्रशस्ति पत्र तथा शॉल प्रदान किया जाता है। भारत सरकार ने वर्ष 1969 में भारतीय सिनेमा के जनक, धुंडिराज गोविन्द फ़ाल्के के सम्मान में इसे स्थापित किया था।

The Dadasaheb Phalke Award is given to a film personality for his / her outstanding contribution to the growth and development of Indian Cinema. The Award comprises a Swarna Kamal, a cash Prize of ₹10,00,000/- (Rupees Ten Lakh) and a shawl. The award was instituted in 1969 by the government in honour of the father of Indian Cinema, Dhundiraj Govind Phalke.

दादासाहब फ़ाल्के पुरस्कार
DADASAHEB PHALKE AWARD

भारतीय सिनेमा के जनक धुंडिराज गोविंद फाल्के या दादासाहेब फाल्के (1870–1944) ने 1913 में भारत की पहली फ़ीचर फिल्म *राजा हरिश्चंद्र* के द्वारा एक विलक्षण नवोन्मेषी फिल्मी जीवन की शुरुआत की। निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखक के रूप में उन्होंने अपनी कंपनी हिंदुस्तान फिल्म्स के द्वारा सिर्फ 15 सालों में 95 फ़ीचर फिल्मों और 26 लघु फिल्मों का निर्माण किया। उनकी महत्त्वपूर्ण फिल्मों में *मोहिनी भस्मासुर* (1913), *सत्यवान सावित्री* (1914), *लंका दहन* (1917), *श्री कृष्ण जन्म* (1918) और *कालिया मर्दन* (1919) शामिल हैं।

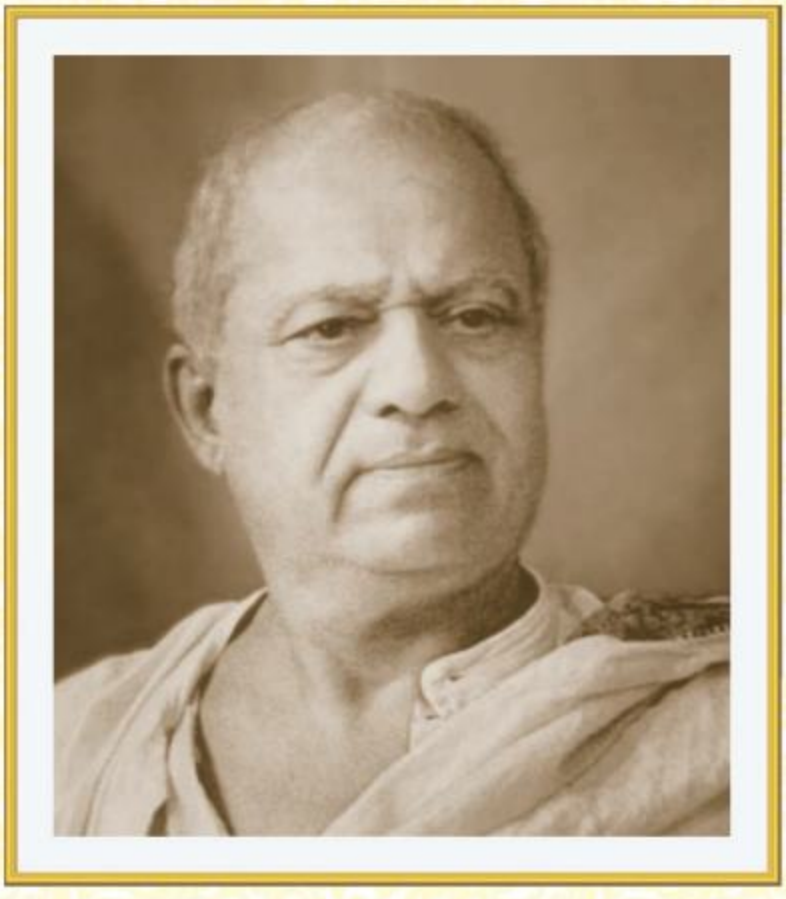

तेजी से बदलता कैरियर, हठी स्वभाव और विदेश यात्राएं, 20वीं सदी के उषाकाल में एक पारिवारिक व्यक्ति के बजाए उन्हें 21वीं सदी के किशोर के ज्यादा नजदीक ले आते हैं। मुद्रण व्यवसाय में प्रवेश करने से पहले उन्होंने फ़ोटोग्राफ़ी स्टुडियो से अपना कार्य शुरू किया। फिर कला की शिक्षा प्राप्त की और वे एक जादूगर और मंच कलाकार भी बने। चित्रकार राजा रवि वर्मा से प्रेरित होकर उन्होंने लीथोग्राफ़ी और ओलियोग्राफ़ी में दक्षता हासिल की। बाद में उन्होंने अपना प्रिंटिंग प्रेस स्थापित किया। आधुनिकतम प्रौद्योगिकी और मशीनरी के बारे में सीखने के लिए उन्होंने जर्मनी की यात्रा भी की। हालांकि अपने भागीदार के साथ विवाद होने पर उन्होंने मुद्रण व्यवसाय छोड़ दिया। एक मूक फिल्म *दि लाइफ ऑफ क्राइस्ट* से गहरे रूप में प्रभावित होने पर उन्होंने फ़िल्म बनाने का निर्णय लिया। उन्होंने लंदन से एक कैमरा, प्रिंटिंग मशीन, परफ़ोरेटर और कच्चा माल खरीदा। उन्होंने वहीं पर फिल्म बनाने का क्रैश कोर्स भी किया। इसके बाद उन्होंने भारत की पहली फ़ीचर फ़िल्म *राजा हरिश्चंद्र* बनायी। इस फ़िल्म को 1913 में बंबई के कोरोनेशन सिनेमा में प्रदर्शित किया गया और उसे अपार सफलता मिली। प्रथम विश्वयुद्ध के कारण भयंकर वित्तीय और कच्चे माल का संकट पैदा हो गया था, फिर भी उनका हौसला पस्त नहीं हुआ। उन्होंने लघु, वृत्तचित्र, शिक्षाप्रद, ऐनिमेशन और हास्य फ़िल्में बनायीं। जल्दी ही उन्होंने पाँच व्यावसायिकों की भागीदारी में एक फ़िल्म कंपनी हिंदुस्तान फ़िल्म्स की स्थापना की, जिसमें एक स्टूडियो था और प्रशिक्षित टेक्नीशियन और अभिनेता भी थे। एक बार फिर वे अपने भागीदारों के साथ संकट में फंस गये और उन्होंने कंपनी छोड़ दी।

फाल्के ने कुछ और फ़िल्मों का निर्देशन किया लेकिन वे अब अवरोध महसूस करने लगे थे। 1931 के बाद उनकी मूक फ़िल्में सवाक फ़िल्मों के साथ प्रतिद्वंद्विता नहीं कर पा रही थीं। उनकी अंतिम फ़िल्मों में *सेतु बंधन* (1932) और सवाक फ़िल्म *गंगावतरण* (1937) थीं। 1944 में उनका देहावसान हो गया। दादा साहब फाल्के ने फ़िल्मों की एक महान परंपरा का सूत्रपात किया। उन्होंने कई विपत्तियों और निजी त्रासदियों को झेला और ऐसे भारतीय फ़िल्म उद्योग की बुनियाद रखी जो आज विश्व में सर्वाधिक सफल और वैविध्यपूर्ण फ़िल्म उद्योग है।

दादासाहब फ़ाल्के पुरस्कार
DADASAHEB PHALKE AWARD

hundiraj Govind Phalke or Dadasaheb Phalke (1870-1944) is regarded as the father of Indian cinema. He directed India's first feature film, *Raja Harishchandra*, in 1913, flagging off a remarkably inventive career. A producer, director and screenwriter, he is believed to have made a significant number of the 95 feature films and 26 short films that his company Hindustan Films made in barely 15 years. His amazing body of films include *Mohini Bhasmasur* (1913), *Satyavan Savitri* (1914), *Lanka Dahan* (1917), *Shri Krishna Janma* (1918) and *Kaliya Mardan* (1919).

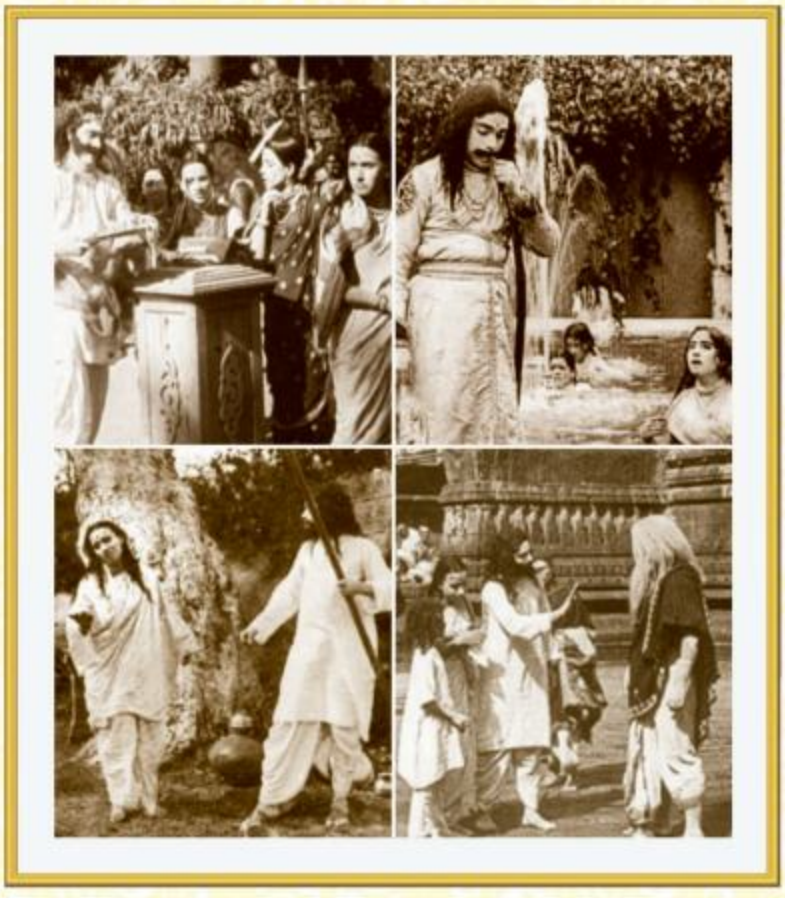

His rapid career switches, headstrong nature and trips abroad, more closely characterise a teenager in the 21st century, than a family man at the dawn of the 20th century. Starting out in a photography studio, he studied art, was a magician and stage performer, before joining the printing business. Inspired by the painter Raja Ravi Varma, Phalke specialised in lithographs and oleographs. Later, he started his own printing press, and even travelled to Germany to learn more about the latest technology and machinery. However, following a dispute with his partners, he quit the printing business. Greatly impressed by a silent film, *The Life of Christ*, he decided to make a film. He sailed for London and bought a camera, printing machine, perforator and raw stock, and even got a crash course in film-making. He soon made *Raja Harishchandra*, on a righteous king who sacrifices his family and kingdom to fulfil a vow and uphold the truth. India's first feature film *Raja Harishchandra* was exhibited at Bombay's Coronation Cinema in 1913, and was a grand success. Undeterred when World War I brought a severe financial and raw stock crunch, he made shorts, documentary features, educational, animation and comic films. Soon he established a film company, Hindustan Films, in partnership with five businessmen, with a studio, and trained technicians and actors. Again he ran into trouble with his partners and quit.

Phalke directed a few more films, but felt constrained. Moreover, his silent films were unable to cope with competition from the talkies after 1931. Among his last films were *Setu Bandhan* (1932) and a talkie, *Gangavataran* (1937). He died in 1944. Dadasaheb Phalke leaves behind a pioneer's legacy, not only of his astonishing films, but a joyous inventiveness, and a resilient, unbowed spirit that weathered many reverses and personal tragedies. Little did he know then that he was laying the foundation for the Indian film industry, today the most prolific and diverse in the world.

पूर्ववर्ती दादासाहब फ़ाल्के पुरस्कार विजेता
DADASAHEB PHALKE AWARD PAST RECIPIENTS

01

देविका रानी रोरिच
Devika Rani Roerich
▪ 1969 ▪

02

बी एन सरकार
B.N. Sircar
▪ 1970 ▪

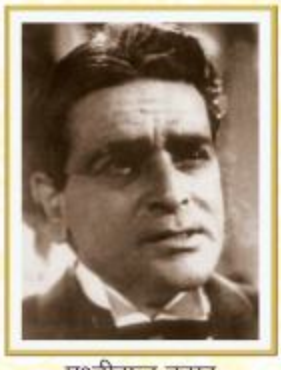

03

पृथ्वीराज कपूर
Prithviraj Kapoor
▪ 1971 ▪

04

पंकज मल्लिक
Pankaj Mullick
▪ 1972 ▪

05

सुलोचना (रूबी मेयर्स)
Sulochana (Ruby Myers)
▪ 1973 ▪

06

बी एन रेड्डी
B.N. Reddy
▪ 1974 ▪

07

धीरेन गांगुली
Dhiren Ganguly
▪ 1975 ▪

08

कानन देवी
Kanan Devi
▪ 1976 ▪

09

नितिन बोस
Nitin Bose
▪ 1977 ▪

10

आर सी बोराल
R.C. Boral
▪ 1978 ▪

11

सोहराब मोदी
Sohrab Modi
▪ 1979 ▪

12

पी जयराज
P. Jairaj
▪ 1980 ▪

पूर्ववर्ती दादासाहब फ़ाल्के पुरस्कार विजेता
DADASAHEB PHALKE AWARD PAST RECIPIENTS

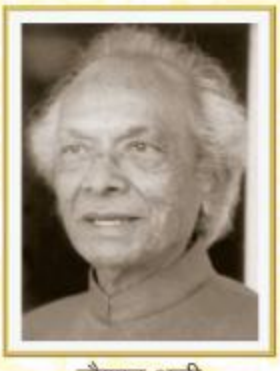
13
नौशाद अली
Naushad Ali
▪ 1981 ▪

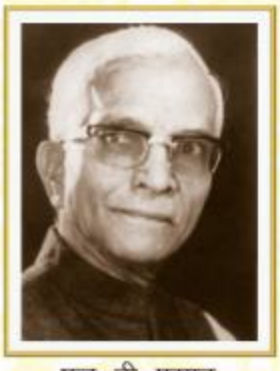
14
एल. वी. प्रसाद
L.V. Prasad
▪ 1982 ▪

15
दुर्गा खोटे
Durga Khote
▪ 1983 ▪

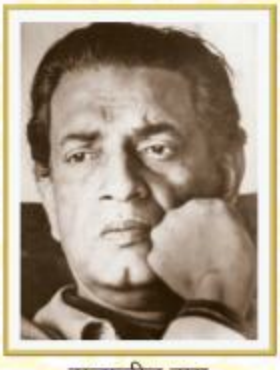
16
सत्यजीत राय
Satyajit Ray
▪ 1984 ▪

17
वी. शांताराम
V. Shantaram
▪ 1985 ▪

18
बी. नागी रेड्डी
B. Nagi Reddy
▪ 1986 ▪

19
राज कपूर
Raj Kapoor
▪ 1987 ▪

20
अशोक कुमार
Ashok Kumar
▪ 1988 ▪

21
लता मंगेशकर
Lata Mangeshkar
▪ 1989 ▪

22
ए. नागेश्वर राव
A. Nageswara Rao
▪ 1990 ▪

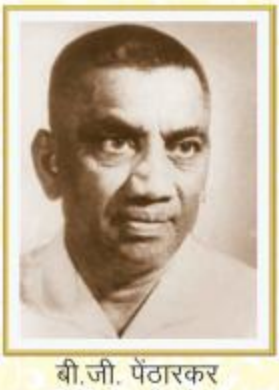
23
बी.जी. पेंठारकर
B.G. Pendharkar
▪ 1991 ▪

24
डॉ. भूपेन हज़ारिका
Dr. Bhupen Hazarika
▪ 1992 ▪

पूर्ववर्ती दादासाहब फ़ाल्के पुरस्कार विजेता
DADASAHEB PHALKE AWARD PAST RECIPIENTS

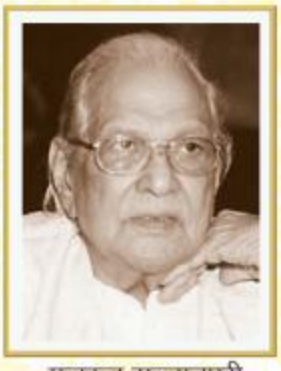

25

मज़रूह सुल्तानपुरी
Majrooh Sultanpuri
▪ 1993 ▪

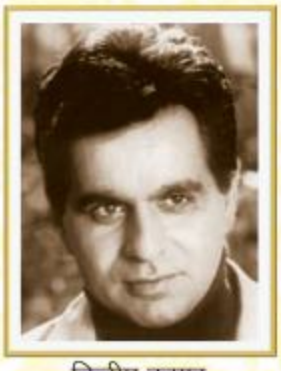

26

दिलीप कुमार
Dilip Kumar
▪ 1994 ▪

27

डॉ. राजकुमार
Dr. Rajkumar
▪ 1995 ▪

28

शिवाजी गणेशन
Shivaji Ganesan
▪ 1996 ▪

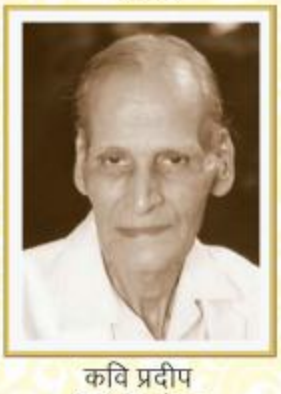

29

कवि प्रदीप
Kavi Pradeep
▪ 1997 ▪

30

बी.आर. चोपड़ा
B.R. Chopra
▪ 1998 ▪

31

ऋषिकेश मुखर्जी
Hrishikesh Mukherjee
▪ 1999 ▪

32

आशा भोंसले
Asha Bhosle
▪ 2000 ▪

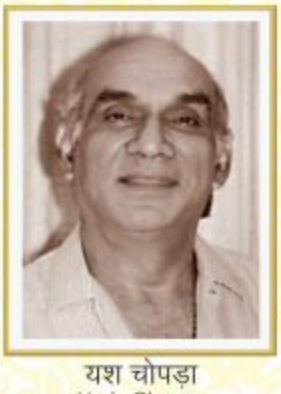

33

यश चोपड़ा
Yash Chopra
▪ 2001 ▪

34

देव आनंद
Dev Anand
▪ 2002 ▪

35

मृणाल सेन
Mrinal Sen
▪ 2003 ▪

36

अडूर गोपालाकृष्णन
Adoor Gopalakrishnan
▪ 2004 ▪

पूर्ववर्ती दादासाहब फ़ाल्के पुरस्कार विजेता
DADASAHEB PHALKE AWARD PAST RECIPIENTS

37
श्याम बेनेगल
Shyam Benegal
■ 2005 ■

38
तपन सिन्हा
Tapan Sinha
■ 2006 ■

39
मन्ना डे
Manna Dey
■ 2007 ■

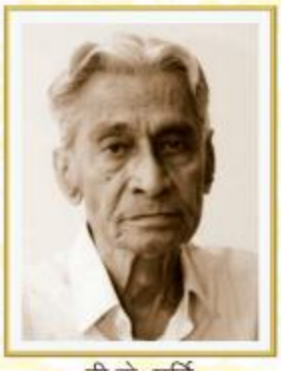
40
वी.के. मूर्ति
V.K. Murthy
■ 2008 ■

41
डी. रामानायडू
D. Ramanaidu
■ 2009 ■

42
के. बालाचंदर
K. Balachander
■ 2010 ■

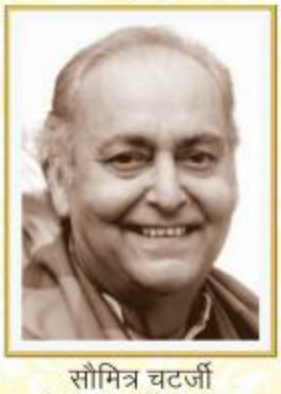
43
सौमित्र चटर्जी
Soumitra Chatterjee
■ 2011 ■

44
प्राण
Pran
■ 2012 ■

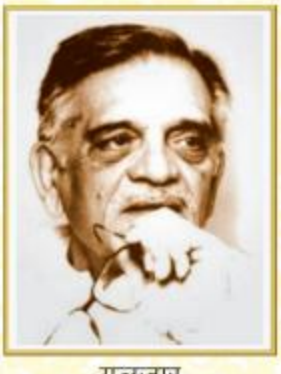
45
गुलज़ार
Gulzar
■ 2013 ■

46
शशि कपूर
Shashi Kapoor
■ 2014 ■

47
मनोज कुमार
Manoj Kumar
■ 2015 ■

दादासाहब फाल्के पुरस्कार समिति

DADASAHEB PHALKE AWARD COMMITTEE

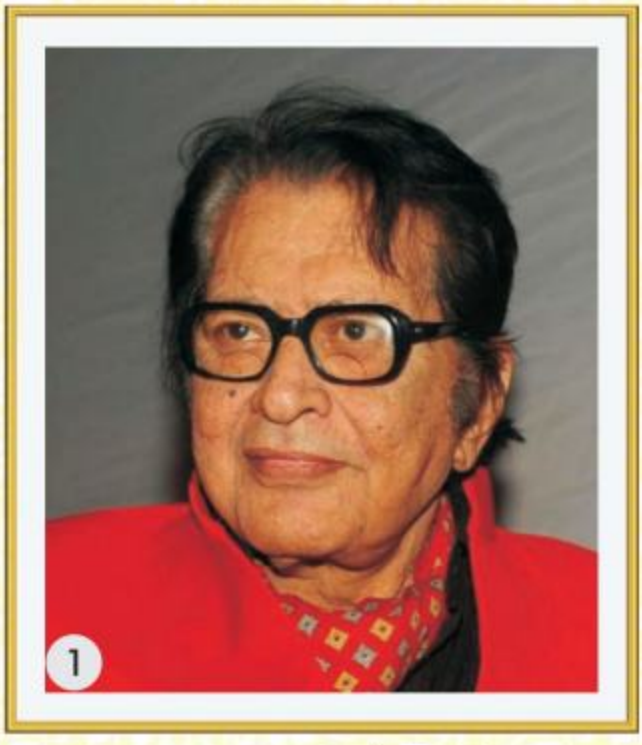

मनोज कुमार (Manoj Kumar)

मनोज कुमार बॉलीवुड के एक पुरस्कार विजेता अभिनेता और निर्देशक हैं। उन्हें उनकी फिल्म हरियाली और रास्ता, वो कौन थी?, हिमालय की गोद में, दो बदन, उपकार, पत्थर के सनम, नील कमल, पूरब और पश्चिम, रोटी कपड़ा और मकान और क्रांति के लिए याद किया जाता है। वे देशभक्ति के रुपरंग वाली फिल्मों में अभिनय और निर्देशन करने के लिए जाने जाते हैं और वे "भारत कुमार" के नाम से भी विख्यात हैं। 1992 में, उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री सम्मान और 2016 में उन्हें भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च पुरस्कार, दादा साहब फाल्के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

Manoj Kumar is an award-winning Indian actor and director in Bollywood. He is remembered for his films Hariyali Aur Raasta, Woh Kaun Thi?, Himalaya Ki God Mein, Do Badan, Upkar, Patthar Ke Sanam, Neel Kamal, Purab Aur Paschim, Roti Kapda Aur Makaan and Kranti. He is known for acting in and directing films with patriotic themes, and was fondly known as "Bharat Kumar".

In 1992, he was honoured with the Padma Shri by the Government of India. He was also honoured with the highest award in cinema, the Dadasaheb Phalke Award, in the year 2016.

2

आशा भोंसले (Asha Bhosle)

आशा भोंसले भारतीय संगीत, विशेषकर हिन्दी फिल्म संगीत की महान हस्तियों में से एक हैं। 1943 में एक पार्श्व गायिका के तौर पर अपनी यात्रा की शुरुआत करते हुए उन्होंने अब तक एक हज़ार से भी अधिक फ़िल्मों के लिए गाने गाये हैं। आशाजी ने फ़िल्म संगीत, पॉप, ग़ज़ल, पारम्परिक भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोकगीत आदि सभी विधाओं एवं शैलियों में गायन किया है। 2009 में वर्ल्ड रिकॉर्ड्स एकेडमी ने, जो विश्व रिकॉर्ड को प्रमाणित करने वाली एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है, उन्हें 'मोस्ट रिकॉर्डेड आर्टिस्ट' के तौर पर मान्यता दी है। गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने भी संगीत के इतिहास में मोस्ट रिकॉर्डेड आर्टिस्ट के तौर पर आशाजी को आधिकारिक स्वीकृति दी है। उन्हें 2000 में दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार और 2008 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया जा चुका है।

Asha Bhosle is one of the legends of Indian music, particularly Hindi film music. Starting as a playback singer in 1943, she has sung for over a thousand films. Bhosle's work includes film music, pop, ghazals, traditional Indian classical music and folk songs. World Records Academy, an international organization which certifies world records, recognized her as the 'Most Recorded Artist' in the world in 2009. In 2011, she was acknowledged by the Guinness Book of World Records as the most recorded artist in music history. She is a recipient of the Dadasaheb Phalke Award in 2000 and the Padma Vibhushan in 2008.

3

टी.एस. नागाभर्ना (T.S. Nagabharana)

टी.एस. नागाभर्ना एक फिल्म निर्देशक और वे कन्नड़ फिल्म जगत एवं समानांतर सिनेमा में अग्रणी स्थान रखते हैं। वे उन चुनिंदा फिल्म निर्देशकों में से एक हैं, जिनका मुख्यधारा और समानांतर सिनेमा जगत में नाम है। उन्होंने टेलीविजन और सिनेमा दोनों में अपार सफलता हासिल की है।

T.S. Nagabharana is an Indian film director in the Kannada film industry and a pioneer of the parallel cinema. He is one of the few film directors to have straddled the mainstream and parallel cinema worlds. He achieved success both in television and cinema. He has multiple National Awards to his credit.

कमल हासन (Kamal Hassan)

कमल हासन एक भारतीय फिल्म अभिनेता, पटकथा लेखक, निर्देशक, निर्माता, पार्श्व गायक और गीतकार हैं, जो मुख्य रूप से तमिल सिनेमा में काम करते हैं। कमल हासन ने तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और उन्नीस फिल्मफेयर पुरस्कार सहित कई फिल्म पुरस्कार जीते हैं। उनकी प्रोडक्शन कंपनी, राजकमल इंटरनेशनल ने कई फिल्में बनाई हैं। 1990 में कमल को पद्म श्री और 2014 में, भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

Kamal Hassan is an Indian film actor, screenwriter, director, producer, playback singer and lyricist who primarily works in Tamil cinema. Kamal has won several film awards including three National Film Awards and nineteen Filmfare Awards. His production company, Rajkamal International, has produced several of his films . Kamal received in 1990 the Padma Shri and in 2014 the Padma Bhushan for his contributions to Indian cinema.

एस.पी. बालासुब्रमण्यम (S.P. Balasubrahmanyam)

एस.पी. बालासुब्रमण्यम एक पार्श्व गायक, अभिनेता, संगीत निर्देशक, वॉयस एक्टर और फिल्म निर्माता है। वे एस.पी.बी. या बालू के रुप में जाने जाते हैं। सबसे अधिक गाने रिकॉर्ड करने के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ रिकार्ड्स में भी दर्ज है। उन्हें 6 बार सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक (पुरुष) के रुप में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और तेलुगु सिनेमा में उनके कार्य के लिए 21 बार नंदी पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने कई भारतीय भाषाओं में 40 हजार से अधिक गाने रिकॉर्ड किए हैं। साथ ही उन्हें भारत सरकार की ओर से पद्म श्री (2001) और पद्म भूषण (2011) जैसे नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। साल 2016 में, उन्हें 47वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में वर्ष की भारतीय फिल्म पर्सनैलिटी के रुप में उद्घाटन शताब्दी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

S.P. Balasubrahmanyam is an Indian film playback singer, actor, music director, voice actor and film producer. His name is registered in the Guinness World Record for recording the highest number of songs. SPB has won six National Awards for Playback singing and 25 Nandi Awards for his works in Telugu cinema. He has over 40,000 songs in various Indian languages. He is a recipient of Padma Shri (2001) and Padma Bhushan (2011). In 2016, he was honored with the Centenary Award for Indian Film Personality of the year at the 47th IFFI.

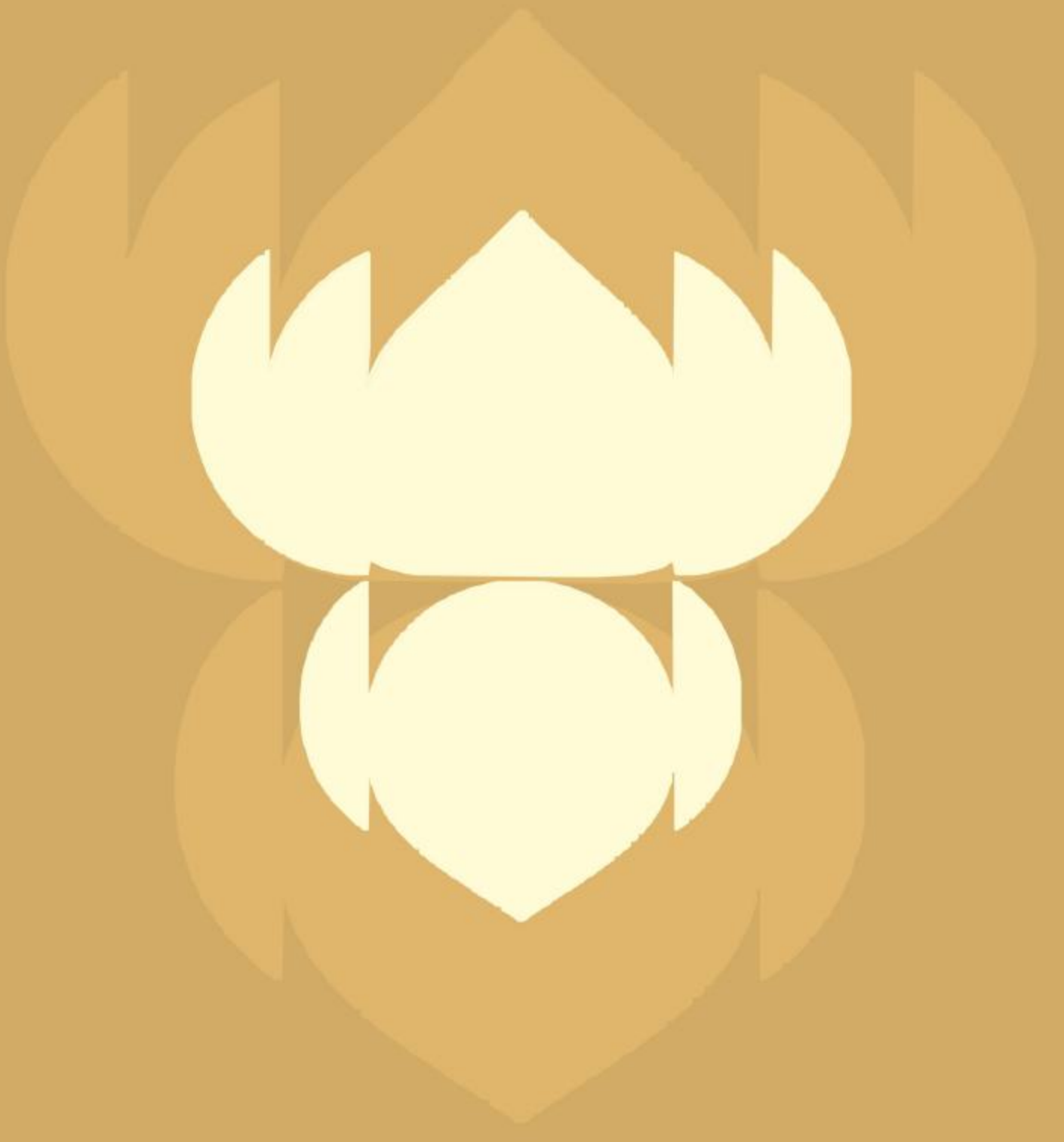

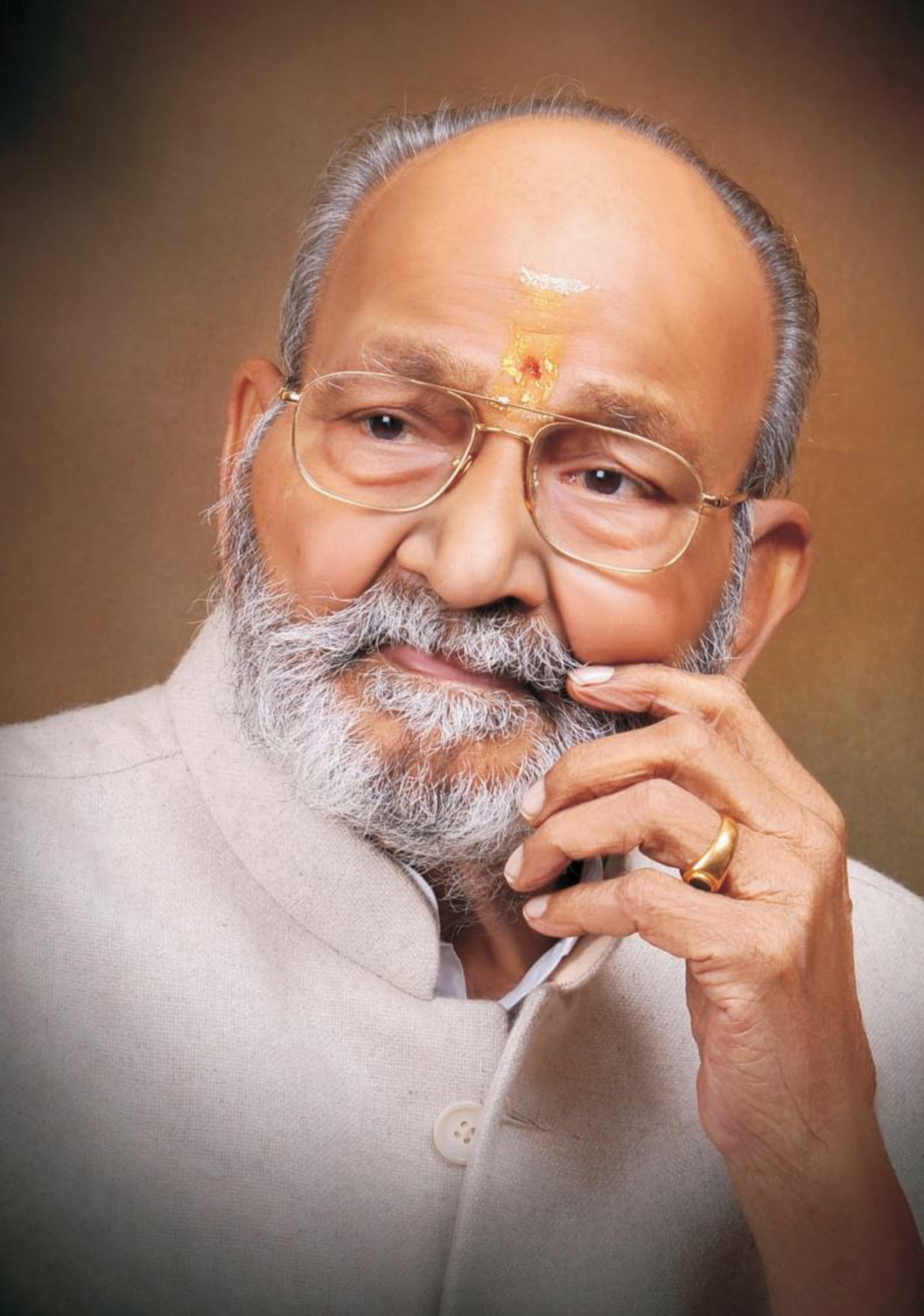

दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार विजेता परिचय
DADASAHEB PHALKE AWARD WINNER PROFILE

के विश्वनाथ

दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार विजेता, 2016

भारत के सबसे प्रचलित फिल्मकारों में से एक, के विश्वनाथ को अपने काम में प्रवीण माना जाता है। उनके द्वारा बनाई गई हर फिल्म अपने आप में विशिष्ट है। सामाजिक मुद्दों, संस्कृति और परंपराओं को मानवीय रूप से दर्शाना उनकी खासियत रही है। विश्वनाथ अपनी फिल्मों में दर्शकों को खूबसूरत संगीतमय यात्रा पर ले जाते हैं, जो व्यवसायिक पहलुओं के साथ मिलकर विषय की गहराई को दर्शाती है। वह अपनी कहनी के पात्रों को बखूबी दर्शकों से जोड़ने के लिए जाने जाते हैं।

ऐसे कई फिल्मकार हुए हैं जिनका जीवन एक संपूर्ण फिल्मी सफर रहा है और विश्वनाथ उन्ही में से एक हैं। ये अपने आप में बड़ी बात है कि एक साउंड डिजाइनर के तौर पर फिल्मों में अपना सफर शुरू करने वाले विश्वनाथ, पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और 20 बार नदी पुरस्कार और एक बार डॉक्ट्रेट (पोट्टी श्रीमुलु तेलुगु विश्वविद्यालय) की उपाधि द्वारा सम्मानित किये जा चुके हैं। संगीत और नृत्य में शास्त्रीय और लोककला विधाओं के प्रस्तुतकर्ता रह चुके विश्वनाथ, हमेशा से भारतीय फिल्म जगत के लिए एक जिम्मेदार और मार्गदर्शक ऊर्जा रहे हैं। वह कहते हैं, "संगीत किसी भी फिल्म की आत्मा है और कहानी को सार्थक रूप से दर्शाने के लिए, उसमें एक सुचारू भावनात्मक पकड़ बनाने में सहायता करता है। मेरी फिल्में अधिकतर संगीत और नृत्य पर आधारित रही हैं और उसका एक कारण ये भी है कि मैंने संगीत के संदर्भ में विशेष ध्यान दिया है।" 1992 में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में अपने बहुमूल्य योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार ने पद्म श्री से सम्मानित किया था।

उनकी फिल्में ना सिर्फ जनता से जुड़ती थी, बल्कि विचारशील और चुनिंदा लोगों के लिए भी बनाई जाती है। उन्हें तेलुगु सिनेमा को अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों तक ले जाने के वाले पहले निर्देशक होने का गौरव हासिल है। सितारों पर आधारित चलने वाले सिनेमा उद्योग में उनकी फिल्मों ने दिल को छू जाने वाली कहानियों के माध्यम से फिल्म निर्देशक को एक सितारे के रुप में पेश किया।

निश्चित रुप से, उनकी सबसे यादगार फिल्मों में से एक सिरीवेन्नेला एक अंधे बांसुरी वादक और बोल ना सकने वाले चित्रकार की संवेदनशील कहानी है, जिन्हें संगीत के प्रति स्नेह और अपनी व्यक्तिगत नाकामयाबी की वजह से एक दूसरे से प्यार हो जाता है। इस फिल्म ने काफी हद तक दर्शकों की दिव्यांगता के प्रति धारणा को बदलने में मदद की। इस फिल्म की संगीत रचनाएं अब भी ताजापन का अहसास करवाती हैं और कानों को शांति प्रदान करती है।

भारतीय शास्त्रीय संगीत में विश्वनाथ का अतुल्यनीय योगदान है। उन्हें गहराई में जाकर जीवंत और अर्थपूर्ण गीत के साथ परंपरागत सुरों को वापस लाने का श्रेय जाता है।

उनकी फिल्म संकराभरनम भारत के सबसे स्मरणीय में शामिल है, जिसे पूरे विश्व में सराहा गया। उनकी फिल्मों की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि वे पारिवारिक मनोरंजन करने वाले फिल्में रही हैं। इन फिल्मों में मनोवृत्ति के अच्छे स्तर के साथ भावनाओं, प्राकृतिक

दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार विजेता परिचय
DADASAHEB PHALKE AWARD WINNER PROFILE

सुंदरता, विनोदी संगीत, यथार्थवादी पात्र और साकार कहानी का मिश्रण होता है। उनकी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म स्वाथी मुथ्यम भारत की ओर से ऑस्कर में जाने वाले पहली तेलुगु फिल्म थी।

के विश्वनाथ, उन निर्देशकों में से एक हैं, जिन्होंने तेलुगु सिनेमा में अपने निर्देशन और फिल्मों के जरिए एक छाप छोड़ी, जिसमें संस्कृति, पारंपरिकता निहित थी। उन्हें कला के सेवक के रुप में 'कला तपस्वी' का शीर्षक दिया गया था। उनका सिनेमा के माध्यम और उसके उद्देश्य के बारे में कहना था कि, "मैं मानता हूं कि फिल्म मनोरंजन का एक माध्यम है, लेकिन मुझे यह भी लगता है कि यह बेहतर होगा कि मैं लोगों का मनोरंजन करते हुए उन्हें कुछ अच्छा बता संकू। मैं कभी भी लोगों को अव्यवहारिक चीजें नहीं दिखाना चाहता था।'

दादासाहेब फ़ाल्के पुरस्कार विजेता परिचय
DADASAHEB PHALKE AWARD WINNER PROFILE

K Viswanath
Dadasaheb Phalke Award Winner, 2016

One of India's most prominent filmmakers, K Viswanath can be termed an auteur. Every film he made was distinct and laced with his signature-style humanistic treatment of social issues, culture and tradition.

There is no stopping Kasinadhuni Viswanath. Known for taking his audience on beautiful musical journeys and blending commercial elements with in-depth content, K.Viswanath is best known for keeping his characters connected to the audience.

There are filmmakers whose lives have been inspiring and K Viswanath is certainly one among them. It is no small achievement for someone who started his journey as a sound designer to be honoured with five National Film awards, twenty Nandi Awards and an honorary doctorate (Potti Sriramulu Telugu University).

A presenter of classical and traditional art, music and dance, K Viswanath has been a responsible and guiding force in the Indian film industry. In his own words, "Music is the soul of any film and is crucial for creating the appropriate emotional grounding for the movie to play out. My films were largely based on dance and music so I took utmost care when it came to the music." He was awarded the Padma Shri in 1992 by the Government of India for his contribution to film making.

His films not only appealed to the masses, but also made the discerning and selective ones to sit back and take notice. He also has the distinction of being the first director to take Telugu cinema to an international audience. In a star-driven industry, his movies established the Director as the star by telling stories that touched one's heart.

Unquestionably, one of his most memorable films, Sirivennela is a sensitive story of a blind flautist and a mute painter who fall in love with each other, over the love of music and their individual setbacks. It helped in changing viewers' perception of disability, to a large extent. The musical compositions of this film are still fresh and soothing to the ears.

His contribution to Indian classical music is impeccable. He remained true to his roots and brought alive traditional notes with scintillating and meaningful lyrics.

His film, Sankarabharanam, is one of India's most memorable classics appreciated across the world. A remarkable feature of his films is that all of them remain wholesome family entertainers. They have a fair share of humour, sentiments and contain scenic beauty, good music, powerful and realistic characters and most importantly concrete storylines. His national award winning Swathi Muthyam, was also the first Telugu film to be sent as India's official entry to the 59th Academy Award in the Best Foreign Film category.

K Viswanath is one of the few directors who made his mark in Telugu cinema with his style of direction and films, that were rooted in culture, nativity and tradition. He went on to earn the title "Kala Thapasvi" - Devotee of the Arts.

"I believe cinema is a medium for entertainment. At the same time, I believe it can be leveraged to further social awareness and bring positive change. It is this belief that has prompted my selection of themes and treatment of my stories".

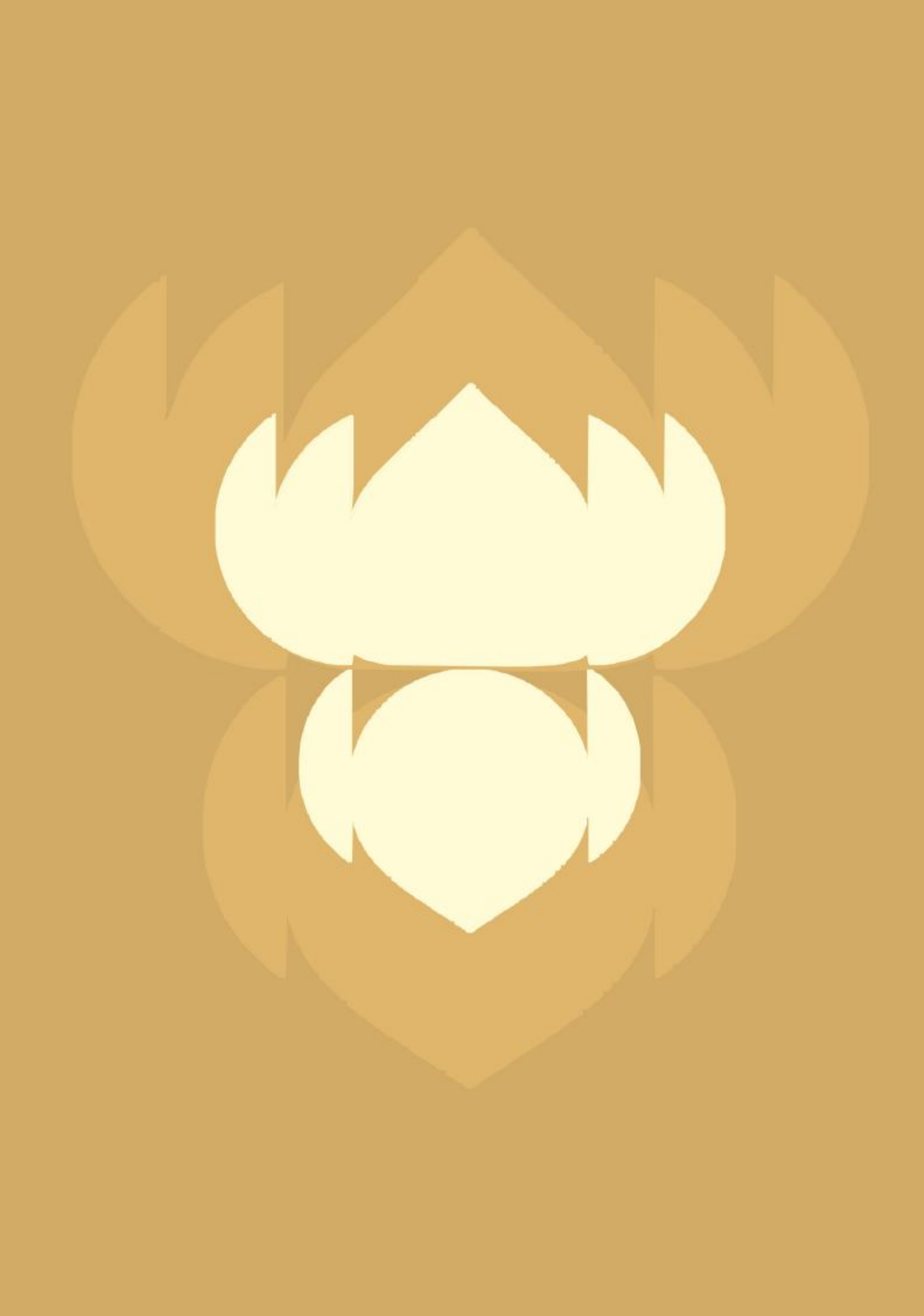

ज्यूरी
JURY

64वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2016

NATIONAL FILM AWARDS 2016

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार तीन वर्गों में दिये जाते हैं–फ़ीचर फ़िल्म, गैर–फ़ीचर फ़िल्म तथा सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन। प्रत्येक वर्ग के लिए अलग निर्णायक मण्डल होता है।

57वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कारों से फ़ीचर फ़िल्म श्रेणी में विजेताओं का चयन द्वि–स्तरीय समिति द्वारा किया जाता है। ये हैं पाँच प्रादेशिक समितियाँ और एक केन्द्रीय समिति। चयन समिति के सदस्य सिनेमा, संबद्ध क्षेत्रों और मानवीय शास्त्रों से जुड़े हुए प्रतिष्ठित लोग होते हैं। चयन प्रक्रिया के दौरान विचार–विमर्श पूर्ण रूप से गोपनीय होते हैं जिससे सदस्यों को बाहरी प्रभावों से दूर रखने में मदद मिलती है और पूरी स्वतन्त्रता, निष्पक्षता के साथ पुरस्कार विजेताओं का चयन किया जाता है।

The National Film Awards are given in three sections, viz., Feature Films, Non-Feature Films and Best Writing on Cinema. Each section has a different jury.

Since the 57th National Film Awards, the awards in feature film section are decided through a two-tier selection process comprising five regional panels and a central jury. The juries are distinguished persons in the field of cinema, other allied arts and humanities. The jury deliberations are confidential, which provides an enabling environment to insulate the jurors from external influences, and also facilitates selection with impartiality, freedom and fairness.

फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

अध्यक्ष (Chairperson)

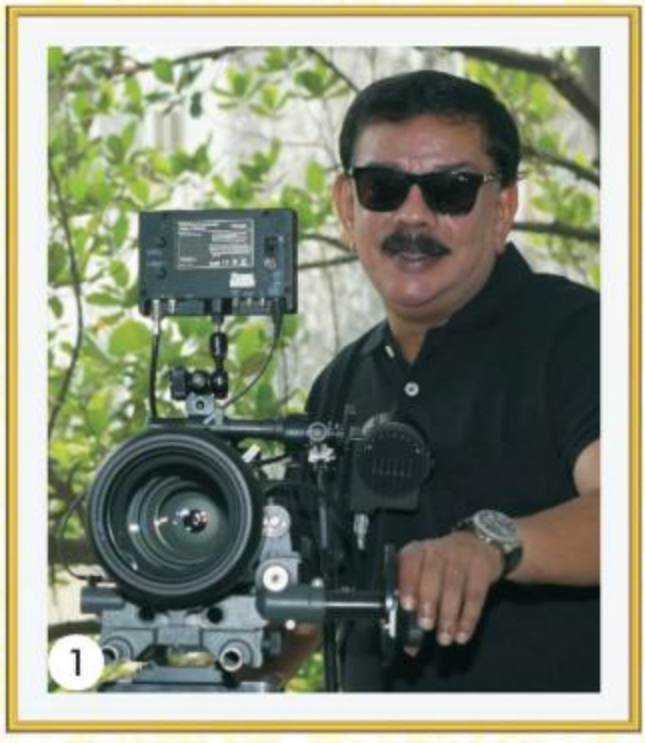

प्रियदर्शन (Priyadarshan)

प्रियदर्शन सोमन नैय्यर एक भारतीय फिल्म निर्देशक, निर्माता और पटकथा लेखक हैं। वे विगत 36 वर्षों से भारतीय फिल्म जगत में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने मलयालम, तमिल, हिंदी और तेलगु सहित चार भाषाओं में लगभग 85 फिल्में निर्देशित की है। वे भारत के उन प्रथम निर्देशकों में से एक है, जिन्होंने अपनी मलयालम फिल्मों के माध्यम से समृद्ध रंग ग्रेडिंग, स्पष्ट ध्वनि और अच्छी डबिंग की शुरुआत की थी। उनकी फिल्म 'कालापानी' और 'थेनमविन कोंबथू' को फोटोग्राफी, ध्वनि, कला निर्देशन और विशेष तकनीक के लिए 6 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्हें अपनी बेहद लोकप्रिय और प्रशंसित फिल्म कांजीवरम के लिए निर्देशक और निर्माता के रुप में स्वर्ण कमल से सम्मानित किया गया था।

Priyadarshan Soman Nair, is an Indian Film Director, Producer, and Screenwriter. Over 36 years in the Indian Film Industry, he has directed over 85 films in Malayalam, Tamil, Hindi & Telugu. He is one of the first directors in India to introduce rich color grading, clear sound and quality dubbing through his early Malayalam films. His films Kalapani and Thenmavin Kombathu won 6 National Film Awards. He won the Swarna Kamal as Director and Producer (both) for the film Kanchivaram.

फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

2

एन चंद्रा (N. Chandra)

एन चंद्रा ने मुंबई के ताड़देव में एक फिल्म सेंटर से फिल्म संपादक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी, जहां उनके पिता ने भी काम किया था। 1971 में, उन्होंने गुलजार की परिचय में क्लेपर ब्वॉय के रुप में काम किया। उसके बाद वे धीरे–धीरे फिल्म संपादक और सहायक निदेशक के रूप में आगे बढ़े। उन्होंने तेलुगु फिल्म, प्रतिघटना को प्रतिघात के रुप में बनाया, जो कि भारत में राजनीति की भयावह वास्तविकता पर आधारित थी, जिसमें सुजाता मेहता और नाना पाटेकर ने किरदार निभाया था। वर्ष 19 88 में उन्होंने तेजाब बनाई जो कि प्रभावी ढंग से माधुरी दीक्षित के करियर की शुरुआत थी।

He started his career as a film editor at Film Centre in Tardeo, Mumbai, where his father worked. His break in the film industry came in 1971, as a clapper boy in Gulzar's Parichay (1972). Gradually moving up as film editor and assistant director.

He remade Telugu film, Pratighatana (1986) as Pratighaat (The Revenge, 1987), starring Sujata Mehta and Nana Patekar, a film on the gruesome reality of politics in India. In 1988 he made Tezaab, the film that effectively launched Madhuri Dixit's career.

3

वसंत एस साई (Vasanth S Sai)

वसंत एस साई ने एक लेखक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की और उन्हें कई लघु कथाओं का श्रेय जाता है। उन्होंने पहली फिल्म केलदी कनमानी निर्देशित की थी। फीचर फिल्मों के अलावा उन्होंने लघु फिल्म, वृत्तचित्र, कॉर्पोरेट फिल्में और विज्ञापन फिल्मों का निर्देशन किया है। वे तीन बार राज्य सरकार पुरस्कार विजेता रहे है और एक बार राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। साई 2005 और 2015 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार ज्यूरी के सदस्य रहे हैं और वे साल 2006 में इंडियन पेनौरमा के निर्णायक मंडल में थे।

Vasanth S Sai started his career as a writer and has many short stories to his credit. He debuted as director with Keladi Kanmani. Apart from feature films he has directed short films, documentaries, corporate films and advertisement films. He is also a three time state government award winner and one time national award winner. He has severed as a jury member for the national film awards two times, in 2005 and 2015 and also been the jury for the Indian Panorama in 2006.

फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

4

के. जी. सुरेश (K.G. Suresh)

के. जी. सुरेश वर्तमान में भारत की प्रमुख मीडिया प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक हैं। अपने मौजूदा कार्यकाल से पहले उन्होंने भारत के सार्वजनिक समाचार प्रसारक दूरदर्शन न्यूज में वरिष्ठ कंसल्टेंसी एडिटर, एशियानेट न्यूज नेटवर्क में संपादकीय सलाहकार, प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया में मुख्य राजनीतिक संवाददाता और डालमिया भारत एंटरप्राइजेज लिमिटेड के ग्रुप मीडिया सलाहकार के रुप में काम किया है। पिछले दो दशकों से एक मीडिया शिक्षक के रुप में उन्होंने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता और संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के रूप में भी सेवा दी है।

K.G.Suresh is the Director General, Indian Institute of Mass Communication - India's premier media training institution. Prior to his current assignment, he served as Senior Consulting Editor with Doordarshan News, India's public news broadcaster; Editorial Consultant with Asianet News Network; Chief Political Correspondent with Press Trust of India and Group Media Advisor to Dalmia Bharat Enterprises Ltd.

A media educator for the last two decades, he has also served as Adjunct Professor at the Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism & Communication.

5

ईमो सिंह (Imo Singh)

मणिपुरी नृत्य में कला प्रदर्शन के क्षेत्र में उनका परिवारिक जुड़ाव होने की वजह से इस कला के प्रति उनका आकर्षण भी प्राकृतिक था। साथ ही निर्देशन, प्रोडक्शन, पटकथा और शिक्षण का अनुभव उन्हें मनोरंजन जगत का अवलोकन प्रदान करता है और इससे दर्शकों की पंसद और रुचि को समझने की क्षमता मिलती है। उन्हें सर्वश्रेष्ठ लघु काल्पनिक फिल्म पुनरावृत्ति (1992) के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

Hailing from a family with a lineage in the field of Performing Arts in Manipuri Dances, he had a natural affinity for Arts. An in-depth feel and rich concrete experience running through Direction, Production, Scripting and teaching gives him an overview of the Entertainment Industry and thereby an ability to understand Trends and Audiences' Tastes. He got the National Award for the Best Short Fiction Film, Punravritti, 1992.

फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

गिरीश मोहिते (सदस्य) (Girish Mohite)

गिरीश मोहिते प्रतिष्ठित सर जे.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड आर्ट्स, मुंबई के पूर्व छात्र हैं। वे फोटोग्राफी में विशेषज्ञता के साथ कला में स्नातक हैं। उन्होंने विभिन्न विज्ञापन एजेंसियों में काम करने के साथ कई मराठी फिल्में निर्देशित की है और बनाई है, जिसमें भारतीय, पिकनिक, मानात्लया मन्नत आदि शामिल है, जो कि प्रशंसनीय है। वह सामाजिक रूप से कई गैर–सरकारी संगठनों के साथ सक्रिय हैं, जो विशेष रूप से किसानों और सड़क के बच्चों से जुड़े हैं।

He is an alumnus of the prestigious Sir J.J Institute of Applied Arts, Mumbai. He has a Bachelor's degree in fine Art's with specialization in photography. Having worked with various advertising agencies he took to directing and producing Marathi movies, of which most , such as Bharatiya , Picnic , Baill, ManaatlyaMannat were unanimously acclaimed. He is socially active with a number of NGO's specially associated with farmers and street children.

देबोश्रुति रॉय चौधरी (Deboshruti Roy Chowdhury)

देबोश्रुति रॉय चौधरी प्रेजिडेंसी विश्वविद्यालय की डीन ऑफ स्टूडेंस और इकोनॉमिक एंड सोशल साइसेंज रिसर्च काउंसिल, ब्रिटेन की परामर्श मण्डल की सदस्य हैं।

रॉय चौधरी दर्शनशास्त्र में बीए (प्रेसीडेंसी कॉलेज) और एमए (कलकत्ता विश्वविद्यालय) हैं और एसओएएस, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन से एमए (धार्मिक अध्ययन) और पीएचडी (लैंगिक एवं धार्मिक अध्ययन) हैं। कलकत्ता विश्वविद्यालय से ईशान अद्धयता (स्कोलर) चौधरी ने मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में एक शोध सहयोगी के रूप में कार्य किया है और 10 से अधिक वर्षों के लिए एसओएएस में कार्यरत रही हैं और यहां दर्शनशास्त्र और लिंग ज्ञान की शिक्षिका भी रह चुकी हैं।

Deboshruti Roy Chowdhury is the Dean of Students, Presidency University and Advisory Board Member of the Economic and Social Sciences Research Council, UK, Research Project. An early 20th century Gender Historian, her work examines how high caste hegemony contributed to the ideal of womanhood among the Hindus in early 20th century Bengal. Roy Chowdhury has a BA (Presidency College) and MA (Calcutta University) in Philosophy, and an MA (Religious Studies) and PhD (Gender Studies and Religious Studies) from SOAS, University of London.

फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

8

सी वी रेड्डी (C.V. Reddy)

सी वी रेड्डी एक तेलुगु, तमिल व कन्नड़ फिल्मों के निर्माता व निर्देशक के साथ उपन्यासकार और लेखक भी हैं। रेड्डी पिछले 25 वर्षों से दक्षिण भारतीय फिल्म जगत से जुड़े हुए हैं। वे कई सरकारी समितियों के अध्यक्ष और भारतीय पैनोरमा निर्णायक समिति (2011 और 2016), ऑस्कर नामांकन समिति (2012) और 61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (2014) समिति के सदस्य भी रह चुके हैं। रेड्डी एक वर्ष तक तेलुगु फिल्म चैंबर ऑफ कामर्स के संयुक्त सचिव भी रहे हैं। वर्ष 1995 में उन्हें अपनी पहली फिल्म 'बादिली' के लिए नंदी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

CV Reddy is a producer and director of Telugu, Tamil and Kannada films as well as a novelist and writer. He is associated with South Indian Film Industry for 25 Years. He has been on various government committees as chairman and member; has been a member of Indian Panorama jury for 2011 and 2016, the OSCER nomination committee for 2012, and for the 61st National Film Awards committee for 2014. He served one year as Joint Secretary for Telugu Film chamber of Commerce. In 1995 he received the Nandi Award for his debut film Badilee.

9

पीसी रेड्डी (P. C. Reddy)

पीसी रेड्डी 70 और 80 के दशक में सबसे प्रसिद्ध निर्देशकों में से एक थे। रेड्डी को 90 से अधिक फिल्मों का श्रेय जाता है, जिसमें बडीपंथुलु, पाडीपंतलु, इल्लु–इल्लालु, मानवुडु–दानावुडु जैसी कई ब्लॉकबास्टर फिल्में शामिल है। उनके जीवन की तीन सर्वश्रेष्ठ फिल्में ईल्लु–इल्लाउ (कृष्णा और वानीश्री), मानवुडु–दानवुडु (सोभन बाबू और सारदा) और बडीपंथुलु (एनटीआर और अंजली देवी) हैं।

In the '70s and the '80s, **P. Chandrashekar Reddy** was one of the most sought-after directors. He has more than ninety films to his credit, including blockbusters like Badipanthulu, Paadipantalu, Illu-Illaalu, Maanavudu-Daanavudu, etc. Three of his career best films are Illu-Illaalu with Krishna and Vanisree, Maanavudu-Daanavudu with Sobhan Babu and Sarada, and Badipanthulu with legend NTR and Anjali Devi.

फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

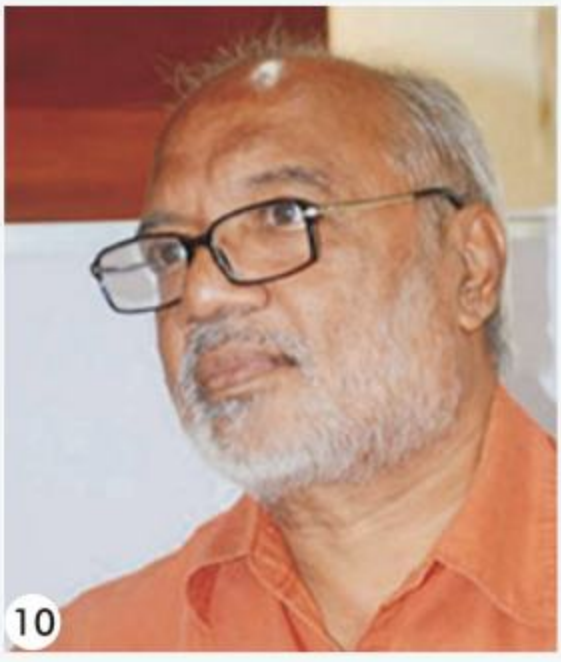

अशोक राणे (Ashok Rane)

अशोक राणे भारतीय फिल्म अकादमी के निदेशक, प्रसिद्ध फिल्म समीक्षक, फिल्म शिक्षक, शोधकर्ता और लेखक हैं। राणे फिल्म समीक्षा के क्षेत्र में 35 वर्षों से कार्यरत हैं और उन्हें सर्वश्रेष्ठ फिल्म समीक्षक के रुप में दो बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। राणे मुंबई विश्वविद्यालय और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में अतिथि शिक्षक रहे हैं जहां राणे फिल्म समीक्षा, सिनेमा का इतिहास, फिल्म मूल्यांकन और फिल्म पटकथा पढ़ाते हैं।

ASHOK RANE, the Director of IFA - Indian Film Academy, in one of the noted Film Critics, a Film Academician, Researcher and Writer.

Ashok Rane is in the profession of film criticism for about 35 years. He received National Award as best critic of the year two times. He has been a visiting faculty of Mumbai University and other prestigious institutions where he teaches Film Criticism, History of cinema, Film Appreciation and Film Script writing.

देवदास छोत्रे (Devdas Chhotray)

देवदास छोत्रे एक उड़िया लेखक, प्रशासक और शिक्षक हैं। छोत्रे रावेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक (ओड़िशा) के पहले कुलपति थे। उनके काम में कई कविता, लघु कथाएं और पटकथाएं शामिल है। उन्हें प्रजातंत्र बिसुव मिलन और उत्कल समाज शतवर्षीय (गंगाधर मेहर सम्मान) पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और उन्हें कविता के लिए राजधानी बुक फेयर अवार्ड (2008) प्राप्त हुआ था। उन्होंने उड़िया भाषा की कई फीचर फिल्मों की पटकथाएं लिखी है। इनमें इंद्रधनुरा छई 1995 में कांस फिल्म महोत्सव में दिखाई गई थी। छोत्रे 1983–89 और 1996–98 तक उड़ीसा फिल्म विकास निगम के निदेशक रह चुके हैं। चौत्रे 1999–2001 तक भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान की संचालन समिति के उपाध्यक्ष भी रहे हैं।

Devdas Chhotray is an Indian odia author, administrator and academician. He was the first vice-chancellor of Ravenshaw University, Cuttack, Odisha. His work consists of poetry, short stories, lyrics, musicals and screenplays. He has written screenplays for feature films in Oriya. One, Indradhanura Chhai (Shadows of the Rainbow) was screened at the Cannes Film Festival in 1995. Chhotray was the director of the Orissa Film Development Corporation from 1983-89 and 1996-98 and was vice-president of the governing council of the Film and Television Institute of India in Pune from 1999-2001.

गैर–फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(NON-FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

अध्यक्ष (Chairperson)

राजू मिश्रा Raju Misra (Chairperson)

राजू मिश्रा एक छायांकार और लेखक हैं, जिन्हें पथरा खासुची बाडा देउलु (1993), सागर गंगा (1994) और सता मीछा (2003) जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। छायांकार के रूप में उनकी फिल्म 'काल संध्या' को नई दिल्ली (1991) में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में दिखाया गया था और यह काइरी अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में भारतीय फिल्मों में शामिल थी। छायांकार के रुप में उनकी 'जयमोती' भारत के 37 वें, अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, एशियाई फिल्म समारोह और कोलकाता फिल्म समारोह में भी दिखाई गई थी।

Raju Misra is a cinematographer and writer, known for Pathara Khasuchi Bada Deulu (1993), Sagar Ganga (1994) and Sata Michha (2003). His movie as a cinematographer 'Kaal Sandhya'was screened at the International Film Festival of India in New Delhi (1991) and also was a part of the Indian section at the Cairo International Film festival.

His one more movie as a cinematographer 'Joymoti' was also screened at 37th International Film Festival of India (IFFI), at Asian Film Festival and also at Kolkata film Festival

गैर–फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(NON-FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

2

अशोक शरण (Ashok Sharan)

अशोक शरण ने 1978 में नाटक कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने 1981 में अपनी पहली लघु फिल्म 'द डिग्री' का बनाई और उस फिल्म में अभिनय भी किया। अब तक शरण आदिवासियों पर आधारित 100 से अधिक वृत्तचित्र बना चुके हैं और निर्देशन कर चुके हैं। 2006 में वे राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की फीचर फिल्म श्रेणी की ज्यूरी के सदस्य थे। वर्तमान में वे केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सलाहकार सदस्य हैं। उन्होंने दूरदर्शन और निजी चेनलों के लिए कई धारावाहिक बनाए हैं। वर्ष 2009 के लिए उन्हें झारखंड रत्न और वर्ष 2015 के लिए झारखंड सम्मान प्राप्त हुआ है।

He started his career as drama artist in 1978. He produced and acted in his first short film 'The Degree' in 1981. Till now he has produced and directed more than 100 documentaries on tribals covering all over nation. In 2006 he served as the jury of National Film Awards in feature film category. Currently he is the advisory member of the central board of film certification. He has produced many serials for Doordarshan and private channels. He has received Jharkhand Ratna for the year 2009 and Jharkhand Samman for the year 2015.

3

एमसी राजानारायणन (M.C Rajanarayanan)

एमसी राजा नारायणन एक द्विभाषी लेखक हैं जो अंग्रेजी और मलयालम में लिखते हैं। उन्हें 1995 में सर्वश्रेष्ठ फिल्म समीक्षक के रुप में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उनके लेख और लघु कथाएं विभिन्न प्रमुख अखबारों और अंग्रेजी व मलयालम पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई हैं, जिनमें द इंडियन एक्सप्रेस, हिंदुस्तान टाइम्स, द एशियन एज, साइमाया, मातृभूमि डेली और कलकूमुडी आदि शामिल है। वे फिल्म आलोचक अंतर्राष्ट्रीय महासंघ के सदस्य हैं। उन्होंने राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म जूरी और चयन समितियों में काम किया है।

M.C Rajanarayanan is a bilingual writer who writes in English and Malayalam. He received the national film award for the for the Best Film critic in 1995. His articles and short stories have been published in various leading newspapers and magazines in English and Malayalam that includes The Indian Express, The Hindustan times, The Asian Age, Ciemaya, Mathrubhumi Daily and illustrated weekly, kalakaumudi and many more. He is a member of international federation of film critics. He has served on the state, national, and international film jury and selection committees.

गैर–फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(NON-FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

एम मणिराम (M. MANIRAM)

एम मणिराम एक कहानी लेखक, पटकथा लेखक, निर्देशक और निर्माता हैं। उन्होंने 2008 में एक असमी फीचर फिल्म "मॉन जाई" का निर्देशन और को–प्रोड्यूस भी किया है। मोन जाय उनकी पहली फिल्म थी और 2008 भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह के इंडियन पैनोरमा सेक्शन के लिए चुनी गई और इसे 56वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला। उनकी दूसरी असमी फिल्म "ज़ुंडिक्खान" भारतीय पैनोरामा 2015 के न्यू हॉरिजन – द नॉर्थ ईस्ट सेक्शन की शुरुआती फिल्म थी। उन्हें जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, 2016 में फिल्म "ज़ेंदिख्योन" के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक समीक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

M. Maniram is a Story Writer, Screen Play Writer, Director & Producer. He Directed & Co-produced an Assamese Feature Film "MON JAAI" in the year 2008. Mon Jai was his debutant film and was selected for Indian Panorama "IFFI" in 2008 and also got the 56th National Film Award 2008 (Rajat Kamal). His second Assamese Film "Xandikkhyon" was the opening Film in Indian Penorama 2015 in the section the New Horizon - the North East. He also got the Best Director Critic Award in Jaipur International Film Festival, 2016 for "Xandikkhyon".

संजीव रतन (Sanjeev Rattan)

संजीव रतन एक लेखक, निर्देशक और अभिनेता हैं और उन्होंने करीब, मिशन कश्मीर और टेली धारावाहिक कैप्टन व्योम में अभिनय किया है। वे अपनी फिल्म करीब और मिशन कश्मीर में विधू विनोद चोपड़ा के मुख्य सहयोगी थे। इसके अलावा उन्होंने चोपड़ा के साथ आईसीआईसीआई बैंक का पहला विज्ञापन भी किया था। एक लेखक निर्माता निर्देशक के रूप में, उन्होंने लघु फिल्म पंचाक्की बनाई, जिसे 2011 में दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिले। इस दौरान फिल्म को सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन और सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए पुरस्कार दिए गए थे। उन्हें 2011 में ही दिले छ बस्या कोई (डोगरी भाषा) के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म राष्ट्रीय पुरस्कार भी दिया गया था।

Sanjeev Ratan is a writer, director and an actor. He has Acted in Kareeb, Mission Kashmir and a tele serial CAPTAIN VEOM. He was the chief associate to Mr. VIDHU VINOD CHOPRA for his feature films, KAREEB and MISSION KASHMIR. Also did the debut ad for ICICI Bank with Mr. Chopra. As a Writer/producer/ Director, he made short films: PANCHAKKI. Which got two National awards in 2011 for best film and best music direction, he also g won best film national award in 2011 for DILE CH BASYA KOI.....a Himachali feature film. (Dogri language). He also served as Jury for National Film Award 2015 in the Non Feature Film Section.

गैर–फ़ीचर फ़िल्म केन्द्रीय ज्यूरी
(NON-FEATURE FILMS CENTRAL JURY)

6

प्रीति त्रिपाठी (Preeti Tripathi)

प्रीति त्रिपाठी एक स्वतंत्र फिल्म निर्माता हैं और एशियन अकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन फिल्म/टीवी प्रोडक्शन– निर्देशन में स्नातक हैं व अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर हैं। प्रीति भोपाल दूरदर्शन में करीब 15 सालों तक वरिष्ठ समाचार वाचक थीं। उन्होंने 45 गैर–फीक्शन और फिक्शन फिल्मों का निर्माण किया है।

Preeti Tripathi is an award winning independent filmmaker, she is a graduate in Film / TV Production - Direction from Asian Academy of Film and Television (AAFT) and a Master's in English Literature, Preeti was a senior Newsreader with Doordarshan, Bhopal for fifteen years (1992-2007). Till date Preeti has produced & directed 40 non-fiction and 4 fiction films.

7

सुष्मित घोष (Sushmit Ghosh)

सुष्मित घोष ने जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य के लिए टिकाऊ कृषि और शहरीकरण के विषयों पर पुरस्कार–जीतने वाली फिल्में निर्देशित की हैं। सुष्मिता की फिल्मों को उनकी अद्वितीय दृश्य भाषा के लिए जाना जाता है और इनकी फिल्मों ने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार सहित करीब 50 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। साथ ही इनकी फिल्में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन जैसे मंचों पर चलाई गई है और कई टीवी चौनलों पर प्रसारित हुई है।

Sushmit Ghosh has directed and shot award-winning films on themes ranging from climate change and sustainable agriculture to public health and urbanisation. Sushmit's films have also been recognized for their unique visual language and received over 50 national and international awards (including the National Film Award), screened at key forums like the United Nations Climate Change Conference.

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन ज्यूरी
BEST WRITING ON CINEMA JURY

अध्यक्ष (Chairperson)

भावना सोमाया Bhawana Somaaya (Chairperson)

भावना सोमाया विगत 30 सालों से फिल्म समीक्षक हैं और उनके कई लेख द हिंदू, द हिंदुस्तान टाइम्स, पायनीर, बीबीसी और कई अन्य पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। सौमया स्क्रीन की संपादक रह चुकी हैं और उन्होंने सिनेमा पर 13 किताबें भी लिखी हैं। उनकी किताबें विस्टलिंग वूड्स, मणिपाल विश्वविद्यालय और जेएनयू विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए संदर्भ बिंदु है। उन्होंने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सलाहकार पैनल में कार्य किया है। साथ ही एफटीआईआई की गवर्निंग काउंसिल का हिस्सा रही हैं। सौमया 92. 7 बिग एफएम रेडियो चौनल की मनोरंजन संपादक हैं और द क्विंट के लिए साप्ताहिक लेख लिखती भी हैं। वह एक ऐसी पत्रकार हैं जो रेडियो, प्रिंट, टीवी, वेब में दिखाई देती हैं।

Bhawana Somaaya has been a film critic for over 30 years and has contributed columns to various publications like The Hindu, The HindustanTimes, Pioneer, BBC and many more. She is the former editor of Screen and has authored 13 books on cinema. Her books are a point of reference for students studying cinema at Whistling Woods, Manipal University and now JNU. She has served on Advisory Panel of CBFC in India and is part of the Governing Council of FTII, Pune. She is the Entertainment Editor at 92.7 Big FM and writes a weekly column for The Quint. She is the only journalist visible on all the mediums - Radio/ Print/ TV/ Web.

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन ज्यूरी
BEST WRITING ON CINEMA JURY

मोहन वी रमन (Mohan V Raman)

मोहन वी रमन एक भारतीय फिल्म और टेलीविजन अभिनेता और प्रबंधन प्रशिक्षक हैं। उन्हें तमिल फिल्मों और टेलीविजन धारावाहिकों में सहायक भूमिका निभाने के लिए प्रशंसित भी किया गया है। उन्होंने 120 से अधिक फिल्में और 5000 टीवी सीरियल एपिसोड किए हैं और इस दौरान वो कॉमेडियन से लेकर खलनायक की भूमिका में दिखाई दिए हैं। वे भारत और विदेश में कई मंच–सज्जा के सूत्रधार हैं और उन्होंने कई विज्ञापन फिल्मों में अभिनय भी किया है। रमन साउथ इंडियन आर्टिस्ट्स एसोसिएशन और फिल्म एवं टीवी उद्योग के अन्य पेशेवर निकाय के सदस्य भी हैं। वह एक लोकप्रिय वक्ता भी हैं और उन्होंने कई क्लब और समितियों को संबोधित भी किया है।

Mohan V Raman (born Pattabhi Venkata Raman) is an Indian film and Television actor. He is acclaimed for playing supporting roles in Tamil Films and television serials also he has done over 120 films and 5000 TV serial episodes and therefore appeared in a wide range of roles - from comedian to a villain. He has compered several stage shows both in India and abroad and performed in several Advertisement films. He is a member of the South Indian Artistes Association and other professional bodies of the Film and TV Industry.

प्रभात कुमार (Prabhat Kumar)

प्रभात कुमार, प्रभात ग्रुप (प्रभात प्रकाशन, ऑसियन पुस्तकें प्राइवेट लिमिटेड और प्रभात पेपरबैक्स) के प्रमुख हैं। प्रभात प्रकाशन भारत के प्रमुख प्रकाशकों में से एक है, जो अभी तक 4000 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित कर चुका है। वे भारत के प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली 'केन्द्रीय हिंदी समिति' और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी समारोह की राष्ट्रीय समिति के सदस्य हैं। साथ ही 'साहित्य अकादमी' की सामान्य परिषद् (संस्कृति मंत्रालय) के सदस्य हैं। इन सभी पदों के साथ वे मानव संसाधन विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के न्यासी बोर्ड के सदस्य हैं।

Prabhat Kumar heads the Prabhat Group (incorporating Prabhat Prakashan, Ocean Books (P) Ltd. and Prabhat Paperbacks). Prabhat Prakashan, one of the leading publishing houses of India, which has till date, published over 4,000 titles of quality books . He has been awarded the 'Young Publishers Award' by the representative body of publishers in India Federation of Indian Publishers in 2000. He is Member of the 'Kendriya Hindi Samiti' Govt. of India headed by Hon'ble Prime Minister.

फ़ीचर फ़िल्म ज्यूरी | पूर्व पैनल
FEATURE FILMS JURY | EAST PANEL

श्यामाप्रसाद (अध्यक्ष) Shyamaprasad (Chairperson)

श्यामाप्रसाद ने वर्ष 1989 में राष्ट्रमंडल छात्रवृति प्राप्त की थी और वे हल विश्वविद्यालय (ब्रिटेन) से फिल्म और मीडिया प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर हैं। उनके फीचर्स ने कई राष्ट्रीय और फिल्म पुरस्कार जीते हैं। उनकी फिल्म अग्निसाक्षी, अकेले और ओरे कादल को क्रमशः वर्ष 1998, 2004 और 2007 में सर्वश्रेष्ठ मलायलम फिल्म से सम्मानित किया गया था। साथ ही उनकी फिल्मों को कई प्रतिष्ठित फिल्म समारोह में दिखाया गया है। उनकी अन्य फिल्में रितु, एलेकत्रा, इंग्लिश, आर्टिस्ट और इवडे आदि है।

Shyamaprasad received the commonwealth scholarship in 1989 and did his master in film and media production at the Hull University, UK. His features have won him several national and film awards. Agnisakshi, Akale and Ore Kadal were adjusted the Best Malayalam film at the National Film Awards in 1998, 2004 and 2007. His films had been showcased in several prestigious film festivals. His other films include Ritu, Elektra, English, Artist and Ivide.

संजीव हज़ोरिका (सदस्य) SANJEEV HAZORIKA (Member)

संजीव वर्ष 1983 से सिनेमा जगत से जुड़े हुए हैं। उनकी पहली फिल्म हलाधर (1992) ने निर्देशक की पहली सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार जीता था। उनकी दूसरी फिल्म मीमांग्क्सा का 1995 में 26वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह के लिए चयन किया गया था और इस फिल्म ने कई फिल्म समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व भी किया था। हजोरिका राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम की पटकथा चयन समिति के सदस्य भी रहे हैं।

His association with cinema goes back to 1983. His first film Haladhar (1992) won the Indira Gandhi Award for the Best First Film of a Director. His second film Meemangxa was selected for 26th IFFI at Bombay in 1995 and represented India at various film festivals. He has also been the member of Script Selection Committee of the National Film Development Corporation (NFDC).

तनुश्री हज़ारिका (सदस्य) TANUSHREE HAZARIKA (Member)

बॉस्टन विश्वविद्यालय से व्यवसाय प्रबंधन में स्नातक **तनुश्री** ने अमेरिका में फिडेलीटी और मोर्गन स्टेनले जैसी बड़ी कंपनियों में काम भी किया है। तनुश्री वर्ष 2007 से क्षेत्र की प्रतिष्ठित अंग्रेजी मैगजीन इक्लेक्टिक नॉर्थईस्ट से जुड़ी हैं और उन्हें वर्ष 2010 में सिम्बोयसिस संस्थान से यंग कम्यूनीकेटर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। उसके बाद साल 2013 में एफएलओ (फिक्की की महिला इकाई) ने आउडस्टेंडिंग वीमन अचीवर पुरस्कार से सम्मानित किया था।

A business management graduate from Boston University, **Tanushree** has worked previously in MNCs like Fidelity and Morgan Stanley in the US. She has been successfully bringing out the most popular English magazine of the region, Eclectic Northeast since 2007. She has received the Young Communicator award from the Symbiosis Institute in 2010 and the Outstanding Woman Achiever award by FLO (ladies wing of FICCI) in 2013.

गिरीश मोहिते (सदस्य) GIRISH MOHITE (Member)

गिरीश मोहिते प्रतिष्ठित सर जे.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड आर्ट्स, मुंबई के पूर्व छात्र हैं। वे फोटोग्राफी में विशेषज्ञता के साथ कला में स्नातक हैं। उन्होंने विभिन्न विज्ञापन एजेंसियों में काम करने के साथ कई मराठी फिल्में निर्देशित की हैं और बनाई हैं, जिसमें भारतीय, पिकनिक, मानाल्या मन्नत आदि शामिल है, जो कि प्रशंसनीय है। वह सामाजिक रूप से कई गैर–सरकारी संगठनों के साथ सक्रिय हैं, जो विशेष रूप से किसानों और सड़क के बच्चों से जुड़े हैं।

He is an alumnus of the prestigious Sir J.J. Institute of Applied Arts, Mumbai. He has a Bachelor's degree in fine Art's with specialization in photography. Having worked with various advertising agencies he took to directing and producing Marathi movies, of which most, such as Bharatiya, Picnic, Baill, Manaatlya Mannat were unanimously acclaimed. He is socially active with a number of NGO's specially associated with farmers and street children.

जगोरी बांदोपाध्याय (सदस्य) Jagori Bandyopadhyay (Member)

जगोरी बांदोपाध्याय एक पत्रकार और कलकत्ता आधारित फिल्म समीक्षक हैं। जगोरी जादवपुर विश्वविद्यालय से इतिहास में स्नातकोत्तर हैं। वर्तमान में वह बंगाली दैनिक आनन्द बाजार पत्रिका में सहायक संपादक हैं। उनकी रूचि फिल्म, राजनीति में हैं। उनकी निर्देशित फिल्में (कथा ओ कहीनी, इन सर्च ऑफ ए स्टोरी, 2010) कांस फिल्मोत्सव के शॉर्ट फिल्म कॉर्नर में दिखाई गई थी।

Jagori Bandyopadhyay is a journalist and film critic based in Kolkata, West Bengal. She did her Masters in History from Jadavpur University. Currently she is positioned as Assistant Editor in the leading Bengali daily Ananda Bazar Patrika. Her interests focus on film, gender and politics. Her directorial venture (Katha O Kahini/In Search of A Story, 2010) was showcased in Short Film Corner, Cannes Film Festival.

फ़ीचर फ़िल्म ज्यूरी | उत्तर पैनल
FEATURE FILMS JURY | NORTH PANEL

के. जी. सुरेश (K.G. Suresh) (Chairperson)

के. जी. सुरेश वर्तमान में भारत की प्रमुख मीडिया प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक हैं। अपने मौजूदा कार्यकाल से पहले उन्होंने भारत के सार्वजनिक समाचार प्रसारक दूरदर्शन न्यूज, एशियानेट न्यूज नेटवर्क, पीटीआई, डालमिया भारत एंटरप्राइजेज लिमिटेड में काम किया है। पिछले दो दशकों से एक मीडिया शिक्षक के रुप में उन्होंने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता और संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के रूप में भी सेवा दी है।

K.G. Suresh is the Director General, IIMC - India's premier media training institution. Prior to his current assignment, he served in Doordarshan News, India's public news broadcaster, Asianet News Network, Press Trust of India and Dalmia Bharat Enterprises Ltd. A media educator for the last two decades, he has also served as Adjunct Professor at the Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism & Communication.

अदवैता काला (सदस्य) ADVAITA KALA (Member)

अदवैता काला एक पुरस्कार विजेता पटकथा लेखक, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित उपन्यासकार और प्रसिद्ध स्तंभलेखक / समालोचक हैं। उन्हें स्क्रीन अवॉर्ड, टाइम्स ऑफ इंडिया फिल्म अवॉर्ड, फेमिना पावरलिस्ट 2015 अवॉर्ड, जी सिने अवॉर्ड, फेसबुक और महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय 100 महिला अचीवर्स अवार्ड 2016 से सम्मानित किया गया है। उनके प्रथम उपन्यास "ऑलमोस्ट सिंगल" को वाशिंगटन पोस्ट ने 'जंजीरें तोड़ने वाला महिला लेखन कहा था' और द इंडिपेंडेंट ने 'ब्रीज जोन्स इन ए साड़ी' कहा था।

She is an award winning screenwriter, internationally published novelist and well-known columnist/commentator. Amongst the awards she has won are the Screen Award, TOIFA, Femina Powerlist 2015 Award, Zee Cine Award, Facebook and Ministry of Child and Women Welfare 100 Female Achievers Award 2016. Her debut novel 'Almost Single 'was referred as "Female writing breaking shackles" by the Washington post.

राकेश मित्तल (सदस्य) Rakesh Mittal (Member)

राकेश मित्तल विज्ञान और कानून (आनर्स) में स्नातक और चार्टर्ड एकाउंटेंट व बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। वे प्रसिद्ध समाचार पत्र नई दुनिया (जागरण प्रकाशन की एक इकाई) में विश्व सिनेमा पर दो साल से अधिक समय तक नियमित रुप से साप्ताहिक कॉलम लिखते थे। वे इंदौर में आयोजित "चित्रभारती फिल्म समारोह 2016" के मुख्य सलाहकार और अध्यक्ष रहे हैं। मित्तल "इंदौर स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स" नामक अकादमी के निदेशक हैं।

Rakesh Mittal, a graduate in science, a graduate in Law with honors and a Chartered Accountant is a multifaceted multitalented personality. He used to write a regular Weekly Column in the renowned News Paper Naidunia (A unit of Jagran Publications) on World Cinema for more than two years continuously. He was the Curator& Chief Advisor of "Chitra Bharti Film Festival 2016" held in Indore. He is the Director of an academy named "Indore School of Performing Arts".

उमा महेश्वर राव (सदस्य) Uma Maheshwar Rao (Member)

उमा महेश्वर राव को फिल्म पत्रकार के रुप में करीब 30 साल का अनुभव है। उन्हें वामसी आर्ट थियेटर की ओर से थ्री डेकेड्स एज़ फिल्म जर्नलिस्ट अवॉर्ड प्राप्त हुआ था। वे तेलगु फिल्म निर्माता परिषद (हैदराबाद), तेलुगू फिल्म पत्रकार संघ (चेन्नई), फिल्म आलोचक संघ (हैदराबाद), नंदी (आंध्रप्रदेश सरकार) पुरस्कार ज्यूरी – 2005, 2009 और 2013 व केंद्रीय बोर्ड फिल्म प्रमाणन (सेंसर बोर्ड) के सदस्य रहे हैं। वर्तमान में वे हैदराबाद में रामोजी फिल्म सिटी के फिल्म व्यवसाय सलाहकार हैं।

Uma Maheshwar Rao has experience of over 30 years as a film journalist. He has received - Three Decades as film journalist Award Given by Vamsi Art Theatres. He is the member of Telugu Film Producers Council, Hyderabad, Telugu Film Journalist Association, Chennai, Film Critic Association, Hyderabad, NANDI (A.P Government) award jury - 2005, 2009 & 2013, Member and Central Board of Film Certification (Censor Board). Currently he is the Film business consultant to RAMOJI FILM CITY at Hyderabad.

एसएस भक्कू (सदस्य) SS Bhakoo (Member)

एसएस भक्कू को दूरदर्शन के प्रमुख निर्माता के रूप में जाना जाता है जिन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मेगा कार्यक्रमों के निर्देशन और निष्पादन का काम सौंपा गया था। उन्हें टीवी प्रोडक्शन में 35 साल से अधिक का अनुभव है और वे कई सालों से दूरदर्शन की ओर से आयोजित किए गए कार्यक्रमों से जुड़े रहे हैं। एनएएम, सीएचओजीएम, आईएफएफआई और भारतीय अफ्रीका शिखर सम्मेलन जैसे अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम के प्रोग्राम का निष्पादन कर चुके हैं। उन्होंने पूरे 16 दिवसीय राष्ट्रमंडल खेल 2010 के दौरान मेजबान ब्रॉडकास्टर दूरदर्शन के लिए स्टूडियो ग्रैंडबैड शो बनाया था।

SS Bhakoo is recognized as Doordarshan's leading Producer entrusted with the direction and execution of mega productions of national and international importance. He has more than 35 years of experience in TV production and has been associated with many of the major events produced by Doordarshan over the years. He has also produced International Events like NAM (Non Aligned Meet), CHOGM (Commonwealth Head Of Govt. Meet), IFFI and India Africa summit. He produced the studio grandstand shows during the entire 16-day duration of the Commonwealth Games 2010 for which Doordarshan was host broadcaster.

फ़ीचर फ़िल्म ज्यूरी | दक्षिण - I पैनल
FEATURE FILMS JURY | SOUTH-1 PANEL

ईमो सिंह (अध्यक्ष) IMO SINGH (Chairperson)

मणिपुरी नृत्य में कला प्रदर्शन के क्षेत्र में उनका परिवारिक जुड़ाव होने की वजह से इस कला के प्रति उनका आकर्षण भी प्राकृतिक था। साथ ही निर्देशन, प्रोडक्शन, पटकथा और शिक्षण का अनुभव उन्हें मनोरंजन जगत का अवलोकन प्रदान करता है और इससे दर्शकों की पंसद और रुचि को समझने की क्षमता मिलती है। उन्हें सर्वश्रेष्ठ लघु काल्पनिक फिल्म पुनरावृत्ति (1992) के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

Hailing from a family with a lineage in the field of Performing Arts in Manipuri Dances, he had a natural affinity for Arts. An in-depth feel and rich concrete experience running through Direction, Production, Scripting and teaching gives him an overview of the Entertainment Industry and thereby an ability to understand Trends and Audiences' Tastes. He got the National Award for the Best Short Fiction Film, Punravritti, 1992.

आर. एस. विमल (सदस्य) R.S VIMAL (Member)

आर एस विमल एक भारतीय फिल्म निर्माता हैं, जो मलयालम सिनेमा में काम करते हैं। वे अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'एन्नु निन्टे मोइदीन' के लिए जाने जाते हैं। यह फिल्म मोईदीन और कंचनमाला की वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित थी, जो 1960 के दशक में मुक्कम, कोझिकोड में हुई थी। अपनी पहली फीचर बनाने से पहले विमल ने इसी विषय पर एक वृतचित्र (डॉक्यूमेंट्री) फिल्म बनाई थी, जिसका नाम मुक्कम था। विमल ने दूसरी फिल्म करनन निर्देशित की, जो कि महाभारत पर आधारित ऐतिहासिक फिल्म है।

R. S. Vimal is an Indian filmmaker from Trivandrum,. He is best known for his debut Malayalam film 'Ennu Ninte Moideen'. The film was based on the real-life story of Moideen and Kanchanamala, which took place in the 1960s in Mukkam, Kozhikode. Prior to making his feature directorial debut, Vimal made a documentary on the same subject, titled Mukkam. Vimal's second directorial venture, Karnan, is an epic historical film based on the Mahabharata.

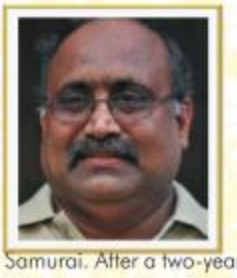

बालाजी सक्थिवेल (सदस्य) Balaji Sakthivel (Member)

बालाजी सक्थिवेल ने लोकप्रिय निर्देशक एस शंकर के सहायक निर्देशक के रूप में करियर की शुरुआत की थी। 2002 में, उन्होंने अपनी पहली फिल्म समुराई निर्देशित की थी। दो साल के अंतराल के बाद, उन्होंने एस पिक्चर्स बैनर के साथ फिल्म काधल रिलीज की। उनकी "वाझक्कु एन 18/9" ने तमिल सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। उसके बाद तमिल साप्ताहिक पत्रिका आनंद विकटन ने भी उन्हें अपनी फिल्मों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए वर्ष 2012 के शीर्ष दस व्यक्तियों में जगह दी। उनकी चौथी फिल्म ब्रेन चाइल्ड, "वाझक्कु एन 18/9" को वर्ष 2013 में 60 वें राष्ट्रीय फिल्म समारोह में सर्वश्रेष्ठ तमिल फीचर फिल्म से सम्मानित किया गया।

Balaji Sakthivel began as an assistant director of popular director S. Shankar. In 2002, he directed his first film, Samurai. After a two-year break, he released Kaadhal under the S Pictures banner. His Vazhakku Enn 18/9 won the National Film Award for Best Feature Film in Tamil. The tamil weekly magazine Ananda Vikatan selected him as one of the top ten personalities for year 2012 for addressing social issues through his films. His fourth brain child, "Vazhakku Enn 18/9" won the best Tamil feature film in the 60th National Film Festival in 2013 is identified as a trend setter for crime movies of the Cyber Age.

सुरेश चंद्रा (सदस्य) SURESH CHANDRA (Member)

सुरेश चंद्रा को समाचार पत्रकारिता, समाचार संपादन और फिल्म कवरेज में लगातार पैंतीस साल (35) का निर्बाध अनुभव है। उन्हें कन्नड़ अखबार संज वानी को इंटरनेट पर प्रकाशित होने वाला पहला अखबार बनाने का श्रेय जाता है। उन्होंने दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई, गोवा और बेंगलुरु में 15 अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में लगातार भाग लिया। उसके बाद, उन्होंने 'चामुविना चित्तारा' से फिल्मी करियर की शुरुआत की और बाद में 'नंदना लव्स नंदिता', 'जुंगली', 'उगारम' और कई फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने 20 से अधिक फिल्मों में काम किया।

Suresh Chandra has 35 years of uninterrupted experience in news reporting, news editing and film coverage. He is responsible for Sanje Vani to become the first kannada newspaper to be published on the web. He continuously attended 15 International Film Festivals at Delhi, Kolkata, Mumbai, Chennai, Goa and Bangalore. Later on he started acting in films, starting from 'CHALUVINA CHITTAARA', he went on to act in movies like 'NANDA LOVES NANDITA', 'JUNGLI', 'UGRAM' etc. He has acted in more than 20 films.

प्रिया कृष्णस्वामी (सदस्य) Priya Krishnaswamy (Member)

प्रिया कृष्णस्वामी एक फिल्म संपादक और निर्देशक हैं, जिन्हें गंगूबाई (2013), अगेंस्ट ऑल ओड्स (2004) और वॉट अबाउट द चिल्ड्रन? के लिए जाना जाता है। उन्हें समीक्षकों द्वारा प्रशंसित भारतीय फिल्मों जैसे बॉम्बे बॉयज और भोपाल एक्सप्रेस के फिल्म संपादन का श्रेय जाता है। 2013 में उन्होंने गंगूबाई के साथ पहली फिल्म निर्देशित की थी। अपार सफलता हासिल करने के बावजूद वह मिलनसार महिला हैं।

Priya Krishnaswamy is an editor and director, known for Gangoobai (2013), Against All Odds (2004) and What About the Children (2006). As a film editor she is responsible for many critically acclaimed Indian films like Bombay Boys and Bhopal Express. In 2013 she made her directorial debut with Gangoobai. In spite of her success she comes across as a grounded, approachable and fiercely intelligent woman.

फ़ीचर फ़िल्म ज्यूरी | दक्षिण - II पैनल
FEATURE FILMS JURY | SOUTH-II PANEL

वसंत एस साई (अध्यक्ष) VASANTH S SAI (Chairperson)

वसंत एस साई ने एक लेखक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी और उन्हें कई लघु कथाओं का श्रेय जाता है। उन्होंने पहली फिल्म केलदी कनमानी निर्देशित की, जिसे सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्मों में से एक माना जाता है। फीचर फिल्मों के अलावा उन्होंने लघु फिल्म, वृत्तचित्र, कॉर्पोरेट फिल्में और विज्ञापन फिल्मों का निर्देशन किया है। वे तीन बार राज्य सरकार पुरस्कार और एक बार राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। साई 2005 और 2015 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और 2006 में भारतीय पनोरमा की निर्णायक समिति के सदस्य भी थे।

Vasanth S Sai started his career as a writer and has many short stories to his credit. He debuted as director with Keladi Kanmani. Apart from feature films he has directed short films, documentaries, corporate films and advertisement films. He is also a 3 time state government award winner and one time national award winner. He has severed as a jury member for the national film awards two times and also served on the jury for the Indian Paranoma in 2006.

जी भागीराधा G. BHAGEERADHA (Member)

जी भागीराधा विगत चार दशकों से पत्रकारिता के क्षेत्र में हैं और उन्होंने आंध्र ज्योति, आंध्रप्रभा और द न्यू इंडियन एक्सप्रेस जैसे समाचार पत्रों के लिए काम किया है। उन्होंने वर्ष 1992 में सर्वश्रेष्ठ पत्रकार के रूप में आंध्र प्रदेश सिने गॉर्जस फिल्म पुरस्कार प्राप्त किया था। इसके बाद साल 1997 और साल 2000 में उन्हें आंध्र प्रदेश राज्य सरकार द्वारा सर्वश्रेष्ठ फिल्म समीक्षक के रूप में राज्य नंदी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उसके बाद भागीराधा ने वर्ष 2012 में वामसी फिल्म पुरस्कार और कई अन्य पुरस्कार प्राप्त किए।

G. BHAGEERADHA has an experience of 4 decades in the field of Journalism and has served for newspapers like Andhra Jyothi, Andhra Prabha and The New Indian Express. He won the Andhra Pradesh Cine Goers Film Award as Best Journalist in the year 1992 followed by State Nandi Award presented by Andhra Pradesh State Government as Best Film Critic in the years 1997, Vamsee Film Award as Best Journalist in the year 2012 and many more awards for his contribution to Cinema.

के एस रमेश (सदस्य) K.S.RAMESH (Member)

के एस रमेश फिल्म, टेलीविजन, मनोरंजन के क्षेत्र में 25 वर्षों के अपने अतुल्य योगदान के लिए जाने जाते हैं। वे टेलीविजन कार्यक्रमों के निर्देशक–निर्माता के साथ अभिनेता भी हैं और उन्होंने कई टीवी सीरीज, वृत्तचित्र, व्यावसायिक वीडियो बनाए हैं। उन्हें बीस से अधिक देशों में अपने शो के निर्माण में जादूगर/इल्यूजनिस्ट के रूप में अच्छा अनुभव है। उन्होंने अमिताभ बच्चन की 'जादूगर', कमल हासन की 'पुष्पक', राकेश रोशन की "किंग अंकल", शाहरुख खान की "बादशाह" और कई अन्य फिल्मों में जादू के दृश्य निर्देशित किए हैं।

K.S.RAMESH is a well known name in the fields of films, television, events and entertainment in India, for over 25 years, especially for his pioneering contribution to the art of magic in all the fields. He is also an actor and director-producer of programmes for television and has several TV series, documentaries, corporate videos to his credit. He has acted in films and television serials in various languages in India. He composed and directed the magical effects in films, 'Jadugar', 'Pushpak' and 'King Uncle'.

एच.एन. मारुती (सदस्य) H.N MARUTHI (Member)

एच.एन. मारुती कन्नड़ फिल्म जगत से लगभग पांच दशकों से जुड़े हुए हैं। इन्होंने निर्माता और वितरक के रूप में 14 फीचर फिल्में, कन्नड़ भाषा में 3 टीवी धारावाहिक का निर्माण किया है। इससे पहले उन्होंने 6 कन्नड़ फिल्मों को भी वितरित किया। वह कर्नाटक राज्य फिल्म पुरस्कार समिति के दो बार (2002–2003 और 2008–2009) जूरी सदस्य रहे हैं और 2009 से 2013 तक कर्नाटक की चलना चित्र अकादमी के सदस्य भी रहे हैं। वे वर्ष 2013–2014 तक कर्नाटक राज्य फिल्म सब्सिडी समिति के सदस्य थे। वर्तमान में मारुती 2014 से केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सदस्य हैं।

H.N Maruthi is associated with Kannada film industry for over 25 decades now. As a producer and distributor he has produced 14 Feature films and 3 TV serials. He has been the jury member for Karnataka State film Awards committee twice and was even nominated as a member of Karnataka Chalana Chitra Academy from 2009 - 2013. Presently he is a member of the CBFC from 2014.

असलम शेख (सदस्य) Aslam Sheikh (Member)

असलम शेख एक लेखक और निर्देशक हैं। उन्होंने श्री एस.यू. सैयद के साथ फिल्म भयानक में सहायक निदेशक के रूप में फिल्म जगत में कदम रखा था। एक स्वतंत्र फिल्म लेखक के रूप में उन्होंने कई भोजपुरी फिल्में–पटोहु बिटिया (कहानी), हमार सजना (कहानी–पटकथा और संवाद), परदेशियां से ना अन्खिया मिलाहिया (कहानी और पटकथा), औरत खिलौना नाही (कहानी और पटकथा) जैसी फिल्में लिखी हैं। उन्हें बंधन टूटे ना फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक से सम्मानित दिया गया। उसके बाद फिल्म बिदाई के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक–सर्वश्रेष्ठ कहानी–सर्वश्रेष्ठ पटकथा–सर्वश्रेष्ठ फिल्म और 2 अलग पुरस्कार (भोजपुरी फिल्म पुरस्कार–2008) और फिल्म परिवार के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक–सर्वश्रेष्ठ पटकथा–सर्वश्रेष्ठ फिल्म और 1 पुरस्कार (भोजपुरी फिल्म पुरस्कार–2009) से सम्मानित किया गया।

Aslam Sheikh is a Writer and a Director. He joined the film industry as a Assistant Director with Shri S.U. Saiyed for BHAYANAK. As a independent film writer he has written many Bhojpuri films like - PATOHU BITIYA (Story), HAMAR SAJANA (Story - Screenplay & Dialogues), PARDESIYAN SE NAA ANKHIYA MILAHIYA (Story & Screenplay), AURAT KHILONA NAHI (Story & Screenplay) and many more. He has received the Best Director Award for his movie BANDHAN TOOTE NA, the Best Director - Best Story - Best Screenplay - Best Film and 2 different Award (Bhojpuri Film Award 2008) for his movie BIDAAI (Bhojpuri) and the Best Director - Best Screenplay - Best Film and 1 Award (Bhojpuri Film Award 2009) for his movie PARIVAAR (Bhojpuri).

फ़ीचर फ़िल्म ज्यूरी | पश्चिम पैनल
FEATURE FILMS JURY | WEST PANEL

एन चंद्रा (अध्यक्ष) N. Chandra (Chairperson)

एन चंद्रा ने मुंबई के तर्डो में एक फिल्म सेंटर से फिल्म संपादक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी, जहां उनके पिता ने भी काम किया था। 1971 में, उन्होंने गुलजार की परिचय में क्लेपर ब्वॉय के रुप में काम किया। उसके बाद वे धीरे–धीरे फिल्म संपादक और सहायक निदेशक के रूप में आगे बढ़े। उन्होंने तेलुगू फिल्म, प्रतिघटना को प्रतिघात के रुप में बनाया, जो कि भारत में राजनीति की भयावह वास्तविकता पर आधारित थी, जिसमें सुजाता मेहता और नाना पाटेकर ने किरदार निभाया था। वर्ष 1988 में उन्होंने तेजाब बनाई जो कि प्रभावी ढंग से माधुरी दीक्षित के करियर की शुरुआत थी।

N Chandra started his career as a film editor at Film Centre in Tardeo, Mumbai, where his father worked. His received break in film industry came in 1971, as a clapper boy in Gulzar's Parichay (1972). Gradually moving up as film editor and assistant director. He remade Telugu film, Pratighatana, as Pratighaat, starring Sujata Mehta and Nana Patekar. In 1988 he made Tezaab, the film that effectively launched Madhuri Dixit's career.

संजय पवार (सदस्य) SANJAY PAWAR (Member)

संजय पवार महाराष्ट्र के एक लेखक, निर्देशक, ग्राफिक डिजाइनर और स्तंभकार हैं। वे एक लेखक और निर्देशक के रूप में सक्रिय रूप से मराठी रंगमंच के साथ काम कर रहे हैं और कई नाटक लिख भी चुके हैं। वे संवाद और पटकथा लेखक के रूप में 35 से अधिक मराठी और हिंदी फिल्मों में भी शामिल हैं। उन्होंने पटकथा और संवाद के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार समेत कई पुरस्कार जीते भी हैं। वे सामाजिक–राजनीतिक मुद्दों पर मराठी अखबारों के लिए साप्ताहिक कॉलम भी लिखते हैं।

He is a writer, director, graphic designer and columnist based in Maharashtra. He is actively engaged with Marathi Theater as a writer and director and has penned several plays; he has also been involved in over 35 Marathi and Hindi films as a dialogue and screenplay writer. He has won several including the national award for screenplay and dialogue for Me Sindhuti Sapkal.

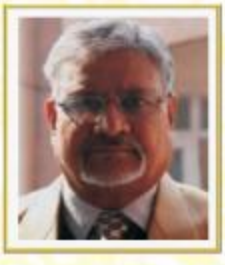

बी. दिवाकर (सदस्य) B. Divakar (Member)

बी. दिवाकर फिल्मकार के बाद शिक्षण क्षेत्र से जुड़ गए हैं और उन्होंने एफटीआईआई पुणे से सिनेमेटोग्राफी में पढ़ाई की है। उन्हें विज्ञापन, वृत्तचित्र और फीचर फिल्मों में काम करने का अच्छा अनुभव है। इनकी फिल्मों ने कई पुरस्कार जीते हैं, जिसमें केरल स्टेट फिल्म अवॉर्ड्स, एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और एकोलेड अवॉर्ड सहित कई अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल है। उन्हें पहले एफटीआईआई में सिनेमेटोग्राफी डिपार्टमेंट में पढ़ाने के लिए आमंत्रित किया गया था। इसके बाद उन्होंने एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च में फिल्म विभाग बनाया और जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में भी काम किया।

B. Diwaker is a film maker turned academician, having specialised in cinematography from the FTII. He has a vast experience of working in Advertising, Documentaries and Feature films. Many of these films received the Kerala State Film Awards, a National Film Award and many International Awards. He was invited to teach at the Cinematography Department in the FTII, followed by a massive effort of building up the Film Department in the AJK, MCRC at Jamia, New Delhi.

प्रमोद पवार (सदस्य) Promod Pawar (Member)

प्रमोद पवार मराठी सिनेमा के एक प्रसिद्ध अभिनेता हैं। उन्होंने भारत सरकार द्वारा सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार प्राप्त किया और उन्हें आघात के लिए शिवाजी गनेशन पुरस्कार दिया गया है। साथ ही खतरनाक, अशिही दयानेश्वरी, मुंबई आमिच और कई अन्य फिल्मों में काम किया है। वे इंडियन डॉक्युमेंट्री प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन, एसोसिएशन ऑफ वॉइस आर्टिस्ट, अखिल भारतीय मराठी नाट्य परिषद, अखिल भारतीय मराठी चित्रपट महामंडल और मुंबई मराठी साहित्यिक संघ के सदस्य हैं।

Promod Pawar is a renowned actor in Marathi cinema. He has received awards like best actor's Award by Govt. of India and Shivaji ganeshan Award for Aaghat and worked in movies like Khatarnak, Ashihi Dyaneshwari, Mumabi Aamchich and many more. He is the member of IDPA, Association of Voice Artists, Akhil Bhartiya Marathi Natya Parishad , Akhil Bharitiya Marathi Chitrapat Mahamandal and Mumbai Marathi Sathiya Sangha.

गोपी देसाई (सदस्य) Gopi Desai (Member)

गोपी देसाई एक अभिनेता, फिल्मकार, लेखिका हैं। रंगमंच और फिल्मों में प्रशिक्षित देसाई ने थियेटर और फिल्म कार्यशालाओं का आयोजन किया है और टेलीविजन के लिए कार्यक्रम तैयार किए हैं। उनकी फिल्में मानव हित और मजबूत सामाजिक प्रासंगिकता पर ध्यान केंद्रित करती हैं। उन्होंने कई वृत्तचित्र, फिक्शन और गैर–फिक्शन फिल्में बनाई हैं। उनकी फिल्में कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में दिखाई गई है।

Gopi Desai has a diversified career- Actor / Filmmaker / Writer. Trained in theatre and films she has conducted theatre and film workshops and created programmes for television. Her films focus on human interest and strong social relevance. She has made several Documentaries, Fiction and Non-Fiction films. Her films have participated in many important National and International Film Festivals.

फ़िल्म अनुकूल प्रदेश निर्णायक समिति
FILM FRIENDLY STATE JURY COMMITEE

मधुर भंडारकर (अध्यक्ष) Madhur Bhandarkar (Chairperson)

मधुर भंडारकर एक भारतीय फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक और निर्माता हैं। उन्होंने त्रिशक्ति के निर्देशन के साथ फिल्म जगत में कदम रखा था। उसके बाद उन्होंने 15 मिलियन के बजट के साथ फिल्म चांदनी बार (2001) निर्देशित की, जिसमें तब्बू ने मुख्य भूमिका अदा की थी। उन्होंने इस फिल्म से अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया था और उसके बाद उन्हें फिल्म पेज –3 और ट्रैफिक सिग्नल के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मधुर को भारत के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा गंगाशरण सिंह पुरस्कार (2009) से सम्मानित किया गया है और यह राष्ट्रपति पुरस्कार हिंदी सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया था।

Madhur Bhandarkar is an Indian film director, scriptwriter, and producer. He made his directorial debut with Trishakti. After that, he directed Chandni Bar starring Tabu. The film was critically acclaimed and a box office success, which took Bhandarkar into the top league of film-makers. He received his first National Award for this film and thereon won National awards for his films Page-3 and Traffic Signal. The National Film Archive of India, preserved Bhandarkar's films- Chandni Bar, Page-3, Corporate, Traffic Signal, Fashion and Jail- in the Government's Archival data for Indian Films. He received the Raj Kapoor Smriti Award (2014) by the Government of Maharashtra for excellent contribution to Indian Cinema. In July 2015, Madhur received the TSR TV9 Award for "Bollywood Creative Film Maker".

कौशिक गांगुली (सदस्य) Kaushik Ganguly (Member)

कौशिक गांगुली ने टीवी और फिल्मों में पटकथा लेखक के रूप में काम करना शुरू किया था। 1995 में, उन्होंने 'उष्नातर जान्ये', 'उल्का' और 'अतिथि' जैसी टेलीफिल्म बनाकर करियर की शुरुआत की। 2004 में गांगुली ने अपनी पहली फीचर फिल्म 'वारिश' निर्देशित की। उनकी कई फिल्में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित हो चुकी हैं, जिसमें 'शबदो', 'जस्ट अनॉदर लव स्टोरी', 'लैपटॉप', 'अपूर पांचाली', 'छोटोदेर छोबी', 'सिनेमावाला' शामिल है। गांगुली प्रतिष्ठित 'यूनेस्को फेलिन' पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले दक्षिण–पूर्व एशियाई थे और उन्हें ये पुरस्कार सिनेमावाला के लिए मिला था। उनकी फिल्मों को लगातार सात साल से इंडियन पैनोरमा द्वारा चुना जा रहा है और उन्होंने भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन सेक्शन में चार साल तक भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

In 1987, **Kaushik Ganguly** began working as a screenwriter in television and films. In 1995, he started with making telefilms like 'Ushnatar Janye', 'Ulka' and 'Atithi'. In 2004 Ganguly directed his first feature film 'Waarish'. Some of his national and international award winning films are: 'Shabdo', 'Just Another Love Story', 'Laptop', 'Apur Panchali', 'Chhotoder Chhobi', 'Cinemawala', to name a few. Ganguly was the first South-East Asian to receive the prestigious 'UNESCO FELINI' award for 'Cinemawala'. His films have been selected by the Indian Panorama for the last seven years consecutively and he has represented India in the International Competition Section in IFFI for four years.

राधा कृष्णा जगरलामुदि (सदस्य) Radha Krishna Jagarlamudi (Member)

राधा कृष्णा जगरलामुदि एक भारतीय फिल्म निर्देशक हैं, जो तेलुगु सिनेमा और बॉलीवुड में अपने अलग काम की वजह से जाने जाते हैं। उन्होंने 2008 में पहली फिल्म गमयम निर्देशित की और उसके बाद 2010 में देवम निर्देशित की। उनकी दोनों फिल्मों की समीक्षकों ने काफी प्रशंसा की और उन्हें सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के रूप में नंदी पुरस्कार और फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 2015 में, उन्होंने युद्ध नाटक फिल्म, कांचे का निर्देशन किया और इस फिल्म ने तेलुगु सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था।

Radha Krishna Jagarlamudi is an Indian film director, known for his works in Telugu cinema and Bollywood. He made his directorial debut in 2008 with Gamyam and followed it up with Vedam in 2010. Both films garnered widespread critical acclaim, fetching him the Nandi Award and Filmfare Award for Best Director. In 2015, he directed the period war drama film, Kanche setup in Nazi Germany, the film has garnered the National Film Award for Best Feature Film in Telugu.

मोहन कांडा (सदस्य) Mohan Kanda (Member)

मोहन कांडा भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। वे 2005 में आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुए और अब राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य के रूप में काम कर रहे हैं। मोहन कांडा ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में एक अधिकारी के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। आईएएस अधिकारी बनने के बाद उन्होंने आंध्र प्रदेश सरकार के साथ काम करना शुरू किया। वे भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के सचिव भी थे और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (एनडीएमए) के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। चंद्रबाबू नायडू और वाई एस राजशेखर रेड्डी सरकार में मुख्य सचिव के रूप में काम करने से पहले केंद्रीय कृषि मंत्रालय में सचिव के रूप में काम किया था।

Mohan Kanda is an Indian civil servant. He is an Indian Administrative Service officer. He retired as Chief Secretary of Andhra Pradesh (AP) in 2005 and is working as a member of National Disaster Management Authority. Mohan Kanda started his career with SBI as an Officer. After becoming an IAS officer the began working with the Government of AP. He was also Secretary, Ministry of Agriculture, Government of India and served as Vice Chairman, National Disaster Management Agency. He worked as a Secretary in the Union Ministry of Agriculture before working as Chief Secretary in Chandrababu Naidu's government and later with Y.S. Rajashekhara Reddy government.

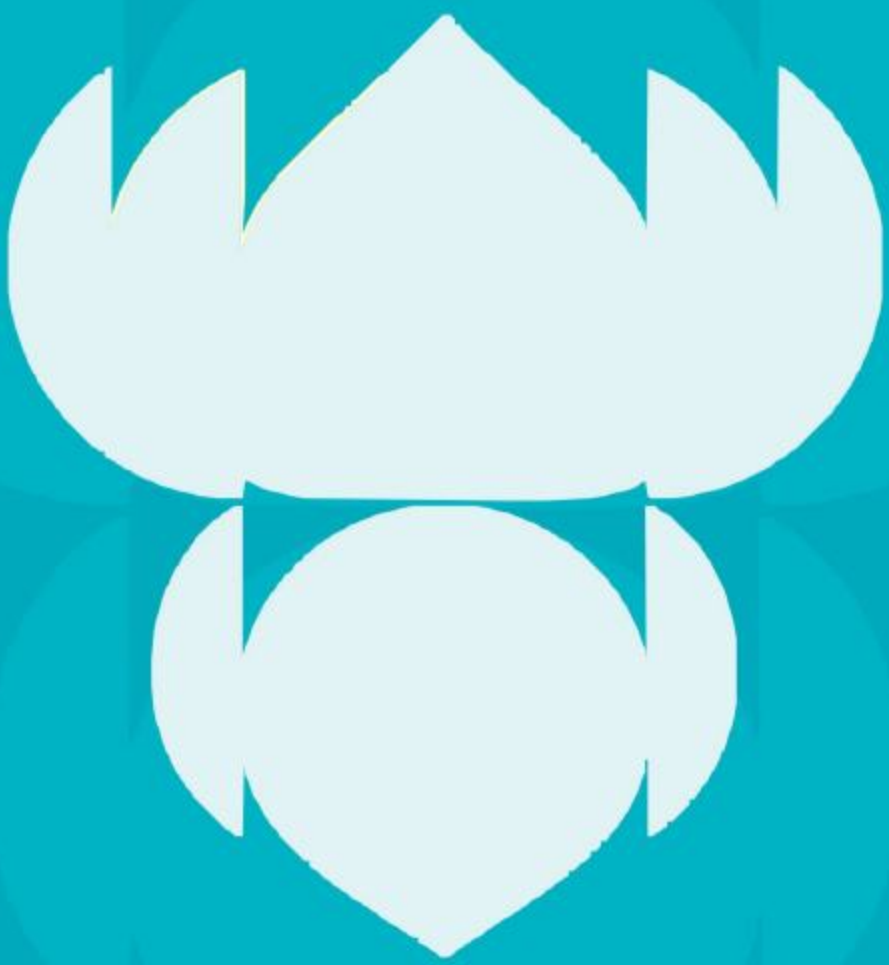

फ़ीचर फ़िल्में

FEATURE FILMS

64 वें

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2016

NATIONAL FILM AWARDS 2016

35 मि.मि. या बड़े गेज या डिजिटल प्रारूप में बनी किन्तु फ़िल्म प्रारूप अथवा वीडियो / डिजिटल प्रारूप में जारी किसी भी भारतीय भाषा में बनी और केन्द्रीय फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा फ़ीचर या फ़ीचरेट के रूप में प्रमाणीकृत फ़िल्म फ़ीचर फ़िल्म श्रेणी के लिए पात्र है।

Films made in any Indian language, shot on 35 mm or in a wider gauge or digital format but released on a film format or video/digital format and certified by the Central Board of Film Certification as a feature film or featurette are eligible for feature film section.

Alifa (Bengali)
INDIRA GANDHI AWARD FOR BEST DEBUT FILM OF A DIRECTOR
अलीफा (बंगाली)
इंदिरा गांधी पुरस्कार निर्देशक की पहली फिल्म
सर्वश्रेष्ठ फिल्म

Allama (Kannada)
BEST MUSIC DIRECTION (Songs and Background Score)
Bapu Padmanabha
Best Make-up Artist
NK Ramakrishan
अल्लामा
सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (गीत और पार्श्व संगीत)
बापू पद्मनाभ
सर्वश्रेष्ठ रूप–सज्जा कलाकार
एनके रामकृष्ण

Bisorjon (Bengali)
बिसोर्जोन (बंगाली)
Best Bengali Film
सर्वश्रेष्ठ बंगाली फिल्म

Cycle (Marathi)
Best Costume Designer
Sachin Lovalekar
साइकिल (मराठी)
सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा डिजाइनर
सचिन लोवलेकर

Dangal (Hindi)
BEST SUPPORTING ACTRESS
Zaira Wasim
दंगल (हिंदी)
सर्वश्रेष्ठ सह–अभिनेत्री
जायरा वसीम

Dashakriya (Marathi)
Best Marathi Film
Best Screenplay (Adapted)
Sanjay Krishnaji Patil
Best Supporting Actor (Male)
Manoj Joshi
दशाक्रिया (मराठी)
सर्वश्रेष्ठ मराठी फिल्म
सर्वश्रेष्ठ पटकथा (रुपांतरित)
संजय कृष्णजी पाटिल
सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेता
मनोज जोशी

Dhanak (Hindi)
BEST CHILDREN'S FILM
धनक (हिंदी)
सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म

Dharma Durai (Tamil)
Best Lyrics
Vairamuthu
धर्मा दुरई
सर्वश्रेष्ठ गीत
वैरामुथु

Dikchow Banat Palaax (Assamese)
NARGIS DUTT AWARD FOR BEST FEATURE FILM ON NATIONAL INTEGRATION
डिक्चौ बनात प्लाक्स (असमी)
राष्ट्रीय सद्भाव और एकता के लिए सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का नर्गिस दत्त पुरस्कार

Haanduk (Moran)
Best Moran Film
हांडुक (मोरान)
सर्वश्रेष्ठ मोरान फिल्म

Janatha Garrage (Telugu)
BEST CHOREOGRAPHY
Raju Sundaram
Special Jury Award
V Mohanlal
जनता गराज (तेलुगु)
सर्वश्रेष्ठ नृत्य संयोजन
राजू सुंदरम
निर्णायक मंडल का विशेष पुरस्कार

Joker (Tamil)
Best Tamil Film
Best Playback Singer (Male)
Sundarayar
जोकर (तमिल)
सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक
सुंदरय्यर

Kaadu Pookkunna Neram (Malayalam)
BEST AUDIOGRAPHY (Sound Designer)
Jayadevan Chakka Dath
कादु पूक्कुन्ना नेरम (मलयालम)
सर्वश्रेष्ठ ध्वन्यांकन (साउंड डिजाइन)
जयादेवन चक्का दाथ

Kaasav (Marathi)
BEST FEATURE FILM
कासव (मराठी)
सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म

Kadvi Hawa (Hindi)
Special Mention
कडवी हवा (हिंदी)
विशेष उल्लेख

Kunju Daivam (Malayalam)
BEST CHILD ARTIST
Adish Praveen
कुंजू देवम (मलयालम)
सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार
आदिश परवीन

K Sera Sera - Ghodpachen Ghoddtelem (Konkani)
Best Konkani Film
के सेरा सेरा– घोडपचेन घोड्डतेलम (कोंकणी)
सर्वश्रेष्ठ कोंकणी फिल्म

Loktak Lairembee (Manipuri)
BEST FILM ON ENVIRONMENT CONSERVATION/ PRESERVATION
लोकतक लैरांबी (मणिपुरी)
पर्यावरण संरक्षण और परिरक्षण के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म

Madipu (Tulu)
Best Tulu Film
मदीपु (तुलु)
सर्वश्रेष्ठ तुलु फिल्म

Mahayodha Rama (Hindi)
BEST ANIMATION FILM
महायोद्धा राम (हिंदी)
सर्वश्रेष्ठ एनीमेशन फिल्म

Maheshinte Prathikaram (Malayalam)
Best Malayalam Film
Best Screenplay (Original)
Syam Pushkaran
महेशिंते प्रतिकारम (मलयालम)
सर्वश्रेष्ठ मलयालम फिल्म
सर्वश्रेष्ठ पटकथा (मौलिक)
श्याम पुष्करन

Maj Rati Keteki (Assamese)
BEST ASSAMESE FILM

फ़ीचर फ़िल्में | एक नज़र में FEATURE FILMS | AT A GLANCE

माज रति केतेकी (असमी)
सर्वश्रेष्ठ असमी फिल्म
चमबपंस डमदजपवद
।कपस भ्नेंपद
विशेष उल्लेख
आदिल हुसैन

Mukti Bhawan (Hindi)
Special Mention
Special Mention
Adil Hussain
मुक्ति भवन (हिंदी)
विशेष उल्लेख
विशेष उल्लेख
आदिल हुसैन

Munthirivallikal Thalirkkumbol (Malayalam)
Special Jury Award
V MohanLal
मुंथिरीवल्लीकल थलीरक्कुमबोल (मलयालम)
विशेष उल्लेख
वी मोहन लाल

Minnaminungu - the Firefly (Malayalam)
BEST ACTRESS
Surabhi C.M
मिन्नामिनुनगु– द फायर लाई (मलयालम)
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री
सुरभि सीएम

Neerja (Hindi)
Best Hindi Film
Special Mention
SonamKapoor
नीरजा (हिंदी)
विशेष उल्लेख
सोनम कपूर

Peli Chuplu (Telugu)
Best Telugu Film
Best Screenplay (Dialogues)
Tarun Bhascker
पेली चुपलु (तेलुगु)
सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फिल्म
सर्वश्रेष्ठ पटकथा (संवाद)
तरुण भास्कर

Pink (Hindi)
BEST FILM ON SOCIAL ISSUES
पिंक (हिंदी)
सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म

Praktan (Bengali)
Best Lyrics
Anupam Roy
Best Playback Singer (Female)
Iman Chakraborty
प्राकतन (बंगाली)
सर्वश्रेष्ठ गीत
अनुपम रॉय
सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायिका
इमान चक्रवर्ती

Pulimurugan (Telugu)
Best Action Direction
Peter Hein
Special Jury Award
V Mohan Lal
पुलीमुरुगन (तेलुगु)
सर्वश्रेष्ठ एक्शन निर्देशन
पीटर हेन
विशेष उल्लेख
वी मोहन लाल

Railway Children (Kannada)
BEST CHILD ARTIST
Manohara K
रेलवे चिल्ड्रन (कन्नड़)
मनोहरा के

Reservation (Kannada)
BEST KANNADA FILM
रिजर्वेशन (कन्नड़)
सर्वश्रेष्ठ कन्नड़ फिल्म

Rustom (Hindi)
BEST ACTOR
Akshay Kumar
रुस्तम (हिंदी)
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता
अक्षय कुमार

Sahaj Pather Gappo (Bengali)
BEST CHILD ARTIST
Nur Islam
Saimul Alam
सहज पाथेर गप्पो (बंगाली)
सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार
नूर इस्लाम
सैमुल आलम

Sathamanam Bhavathi (Telugu)
BEST POPULAR FILM PROVIDING WHOLESOME ENTERTAINMENT
सथमानम भवती (तेलुगु)
लोकप्रिय एंव स्वस्थ मनोरंजन प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ फिल्म

Shivaay (Hindi)
BEST SPECIAL EFFECTS
Naveen Paul
शिवाय (हिंदी)
सर्वश्रेष्ठ स्पेशल इफेक्ट
नवीन पॉल

Ventilator (Marathi)
BEST DIRECTION
Rajesh Mapuskar
Best Editing
Rameshwar bhagat
Best Audiography (Re-recordist of the Final Mixed Track)
Alok De
वेंटिलेटर (मराठी)
सर्वश्रेष्ठ निर्देशन
राजेश मापुस्कार
सर्वश्रेष्ठ संपादन
रामेश्वर भगत
सर्वश्रेष्ठ ध्वनि आलेखन (रि–रिकॉर्डिस्ट ऑफ फाइनल मिक्स्ड ट्रैक)
आलोक डे
Wrong Side Raju (Gujarati)
Best Gujarati Film

24 (Tamil)
BEST CINEMATOGRAPHY
S. Thirunavukarasu
Best Production Desigm
AMit Ray & Subrata Chakraborty
24 (तमिल)
सर्वश्रेष्ठ छायांकन
एस थिरुनावुकरासु
सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिजाइन
अमित रे और सुब्रत चक्रवर्ती

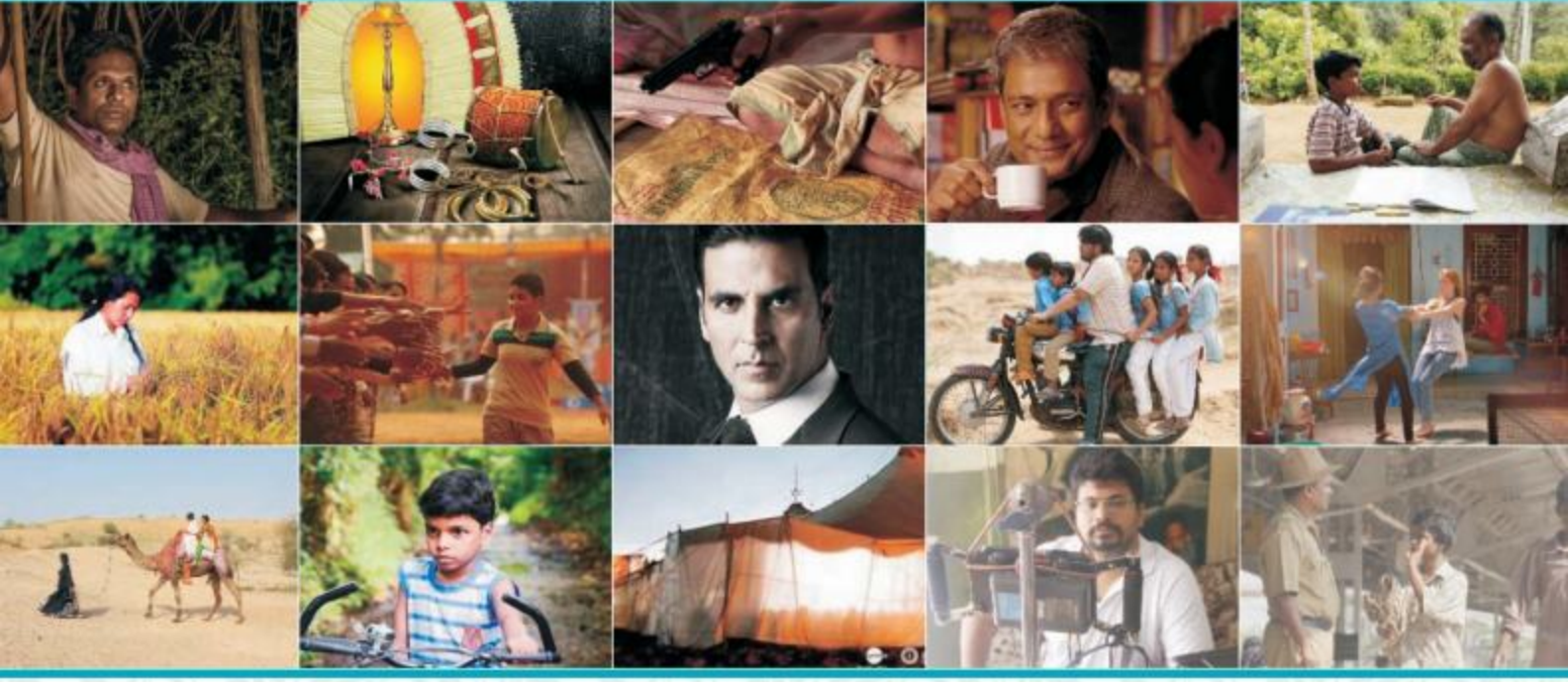

कासव
सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म

Kaasav | Best Feature Film

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 2,50,000/-

मराठी | 105 मिनट

निर्देशन: सुमित्रा भावे और सुनील सुकथंकर

निर्माता: विचित्र निर्मिती और मोहन अगाषे

लेखक: सुमित्रा भावे

संपादक: मोहित ताकलकर

छायांकार: धनंजय कुलकर्णी

संगीत: साकेत कानेतकर

अभिनय: इरावती हर्षे, आलोक राजवडे, किशोर कदम, मोहन आघाषे, देविका दफ्तारदार और संतोष रेडकर

Marathi | 105 mins

Direction: Sumitra Bhave & Sunil Sukthankar

Production Company: Vichitra Nirmiti & Mohan Aghase

Writer: Sumitra Bhave

Editor: Mohit Takalkar

Cinematographer: Dhananjay Kulkarni

Music: Saket Kanetkar

Cast: Irawati Harshe, Alok Rajwade, Kishor Kadam, Mohan Agashe, Devika Daftardar & Santosh Redkar

परिचय | PROFILE

सुमित्रा भावे, सुनील सुकथंकर (Sumitra Bhave, Sunil Sukthankar)

एक सामाजिक वैज्ञानिक–शोधकर्ता **सुमित्रा भावे** ने 1985 में **सुनील सुकथंकर** के साथ फिल्ममेंकिंग के क्षेत्र में प्रवेश कर लिया था। उन्होंने 14 फीचर फिल्म, 50 से अधिक लघु फिल्म, 5 टीवी धारावाहिक और टेलीफिल्म भी निर्देशित की है।

Sumitra Bhave, a social scientist-researcher turned to filmmaking with **Sunil Sukthankar** in 1985. They have directed 14 feature films, 50 short films, 5 TV serials and tele-films.

मोहन अगाषे, विचित्र निर्मिती (Dr. Mohan Agashe, Vichitra Nirmitee)

मोहन अगाषे एक अभिनेता और एक मनोवैज्ञानिक हैं जिन्होंने स्वास्थ और सामाजिक मुद्दों पर बात करने के लिए मनोरंजन का रास्ता चुना। सुमित्रा भावे और सुनिल सुकथंकर, **विचित्र निर्मिती** के साथ मिलकर स्वतंत्र और कलात्मक रूप से सामाजिक विषयों को दिखाते हैं।

Dr. Mohan Agashe, an actor and psychiatrist, chooses the entertainment route to communicate health and socially relevant issues. Sumitra Bhave & Sunil Sukthankar, independently and artistically express the socially important subjects with **Vichitra Nirmitee**.

कथासार - तलाकशुदा जानकी, तटीय गांव में चलाए जा रहे समुद्री कछुआ संरक्षण परियोजना में जीवन के अर्थ को खोजने की कोशिश कर रही है। इस दौरान वो अचानक एक अनजान युवक मानव से मिलती है, जो अस्पताल से भाग जाता है जहां उसे आत्महत्या की कोशिश करने को लेकर भर्ती किया गया था। जानकी उसकी मदद के लिए गैर–निष्पक्ष, बिना दखल वाला, सकारात्मक वातावरण बनाने की कोशिश करती है।

Synopsis - Janaki, a divorcee trying to find meaning of life in sea-turtle conservation project run in a coastal village; during travel she accidentally meets an anonymous young man Manav who has escaped from the hospital where he was in for attempted suicide. Janaki tries to create a non-judgmental, non-intrusive, warm atmosphere to help him bloom.

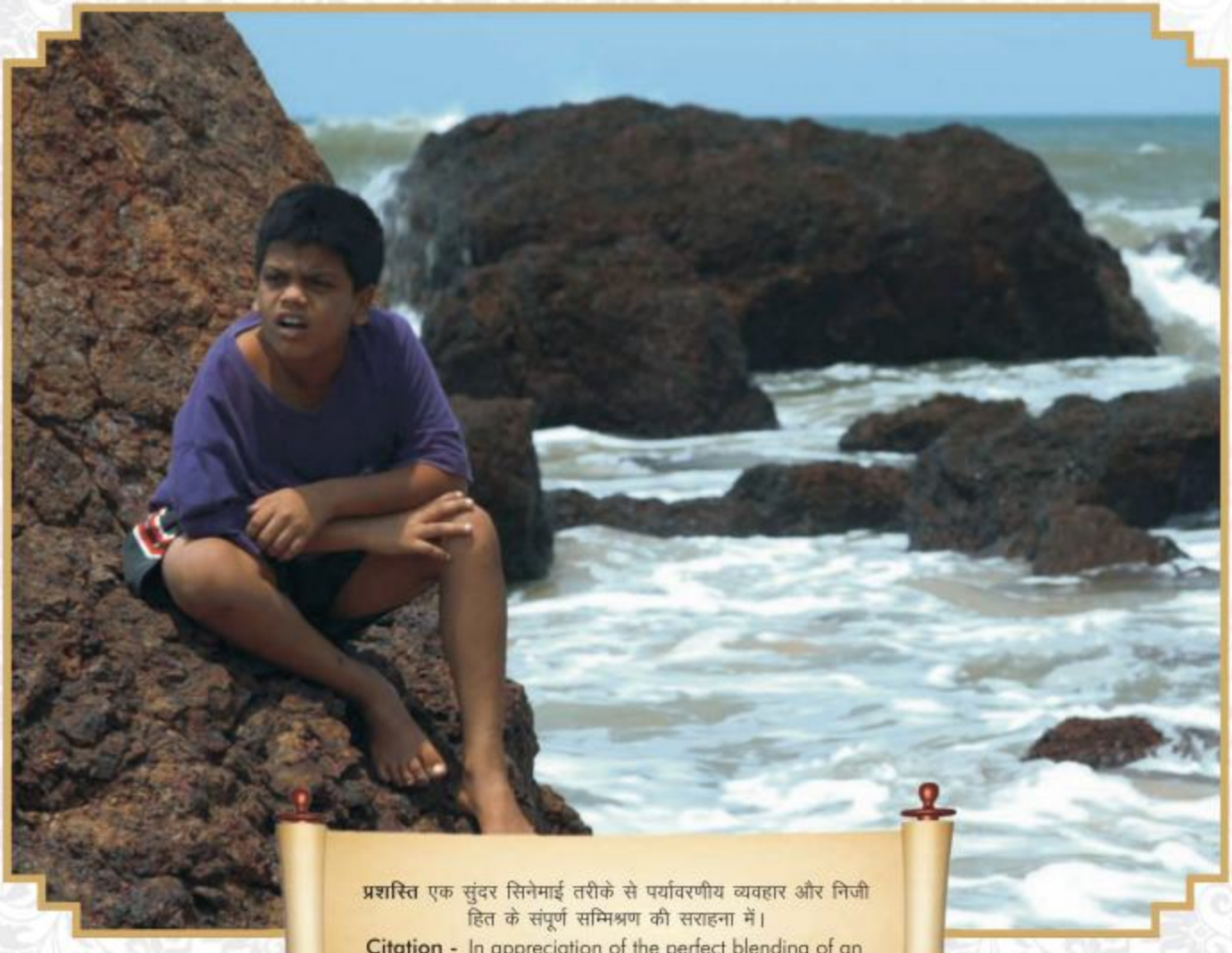

प्रशस्ति एक सुंदर सिनेमाई तरीके से पर्यावरणीय व्यवहार और निजी हित के संपूर्ण सम्मिश्रण की सराहना में।

Citation - In appreciation of the perfect blending of an environmental behaviour and a personal one in a poignantly beautiful cinematic way.

Contact: vichitranirmiti@gmail.com

अलीफा

निर्देशक की पहली फ़िल्म के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार

Alifa | Indira Gandhi Award for Best Debut Film of a Director

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 1,25,000/-

बंगाली | 109 मिनट

निर्देशन और पटकथा: दीप चौधरी

निर्माता: अरमान प्रोडक्शन्स

संपादक: राबिरंजन मैत्रा

छायांकार: नाहिद अहमद

संगीत: बिक्रम घोष

अभिनय: बाहरुल इस्लाम, जया सील घोष, पाकिजा हासमी और रेयान अब्दुल

Bengali | 109 mins

Direction & Screenplay: Deep Choudhury

Production Company: Arman Productions

Editor: Rabiranjan Maitra

Cinematographer: Nahid Ahmed

Music: Bickram Ghosh

Cast: Baharul Islam, Jaya Seal Ghosh, Pakija Hasmi & Rayan Abdul

परिचय | PROFILE

दीप चौधरी (Deep Choudhury)

कई चीजों में रूचि रखने वाले **दीप**, अंग्रेजी साहित्य में अपनी स्नातक स्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद, वे तब तक कई नौकरियां करते रहें, जब तक कि उन्हें एहसास हुआ कि फिल्म निर्माण उनका जुनून है। उन्होंने वर्ष 2014 में मुंबई शॉर्ट्स इंटरनेशनल फेस्टिवल में फिशिंग सुरमाई के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक जूरी पुरस्कार प्राप्त किया था।

Deep Choudhury, a man of many interests, completed his graduation in English literature and continued doing many odd jobs till found his passion in film making. He received Best Director Jury Award in Mumbai Shorts International Festival in the year 2014 for Fishing Surmai.

अरमान प्रोडक्शंस (Arman Productions)

वर्ष 2015 में अर्थपूर्ण सिनेमा बनाने की दृष्टि से **अरमान प्रोडक्शंस** की स्थापना की गई थी। पेशे से व्यवसायी और प्रोडक्शन हाऊस के मालिक अरमान अहमद अपने मन में हमेशा कला और संस्कृति के क्षेत्र में कुछ करने की दृष्टि रखते थे। अलीफा, अरमान प्रोडक्शंस का पहला प्रयास है।

Arman Productions was established in the year 2015, with the vision of producing meaningful cinema. Arman Ahmed the sole proprietor of the production firm a business man by profession had always in his mind this vision of doing something in the field of art and culture. Alifa is the maiden endevour of Arman Productions.

कथासार - अलीफा, प्यार, घृणा, सपने और इच्छाओं के मूल प्रश्नों के साथ–साथ मानव प्रकृति और बड़े सामाजिक संबंधों की निर्बलता को लेकर मानव जीवन के संघर्ष की कहानी है। अली, एक बड़े शहर के आसपास रहने वाला दिहाड़ी मजदूर है, जिसे हर रोज अनिश्चितता, कठिनाई और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। वह अपनी मेहनत, पत्नी और अपने दो बच्चों से खुश है। हालांकि फातिमा का किसी सह–कर्मी के साथ रिश्ता बन जाता है, जिससे अली के विश्वास और पत्नी के लिए प्यार को गहरी चोट पहुंचती है। इसके परिणामस्वरूप उसके परिवार पर बुरा असर पड़ने लगता है।

Synopsis - Alifa is a saga of human-wildlife conflict competing with basic questions of love, hatred, dreams and desires as well as the frailties of human nature and wider social bonding. Ali, a daily wage earner living in the vicinity of a sprawling city, has to cope with uncertainty, hardship and abuses. He finds solace in his hardworking, young wife and their two children. As fate would have it, Fatima developed an affair with a co-worker that caused grave injury to Ali's faith and longing for her. What follows is the hardest fate befalling Ali's family.

प्रशस्ति फिल्म एक बहुत ही जटिल सामाजिक–पर्यावरणीय समस्या की बारीकियों को सामने लाती है।

Citation - It brings out the nuances of a very complex socio-environmental problem.

Contact: armanahmed77@yahoo.com

सथमानम भवथी

लोकप्रिय एवं स्वस्थ मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म

Sathamanam Bhavathi | Best Popular Film Providing Wholesome Entertainment

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 2,00,000/-

तेलुगु | 134 मिनट
निर्देशक और लेखक: सतीश वगेस्ना
निर्माता: श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस
संपादक: मधु
छायांकार: समीर रेड्डी
संगीत: मिकी जे मेयर
अभिनय: सरवानंद, अनुपमा परमेश्वरन, प्रकाश राजू और जयासुधा

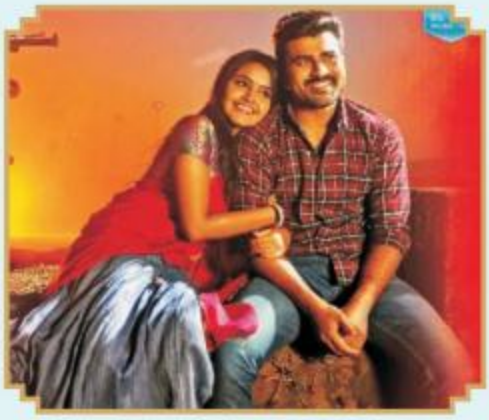

Telugu | 134 mins
Director & Writer: Satish Vagesna
Production Company: Sri Venkateswara Creations
Editor: Madhu
Cinematographer: Sameer Reddy
Music: Mickey J Meyer
Cast: Sarvanand, Anupama Parameshwaran, Prakash Raju & Jyasudha

परिचय | PROFILE

सतीश वेगेस्ना (Satish Vegesna)

सतीश वेगेस्ना एक भारतीय फिल्म पटकथा लेखक, संवाद लेखक और निर्देशक हैं, जो विशेष रूप से तेलुगु सिनेमा में खासतौर पर कॉमेडी फिल्मों के लिए काम करते हैं।

Satish Vegesna is an Indian film screenwriter, dialogue writer and director known for his works exclusively in Telugu cinema and comedy films.

श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस (Sri Venkateswara Creations)

श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस भारतीय फिल्म प्रोडक्शन कंपनी है। हैदराबाद में स्थित कंपनी की स्थापना 2003 में हुई थी। कंपनी ने कई तेलुगू फिल्मों का निर्माण किया है। उन्होंने उद्योग में फिल्मों का वितरण भी शुरू कर दिया है।

Sri Venkateswara Creations is an Indian film production company based in Hyderabad. The company was established in 2003. It has produced several Telugu films. They have also started distribution of films in the industry.

कथासार - फिल्म संस्कृति बनाम प्रौद्योगिकी संघर्ष, संयुक्त परिवार बनाम एकल परिवार और जीवन के संघर्षों के बारे में है। अपने पोते के साथ रह रहा एक बूढ़ा दंपति अपने बच्चों के प्यार के लिए तड़प रहा है, जो कि विदेश में रहते हैं और वे उनके पास बहुत कम आते हैं। दंपति अपने बच्चों को वापस घर बुलाने के लिए एक योजना बनाते हैं।

Synopsis - The film which deals with "tradition-technology conflict", "joint family vs nuclear family", and "mid-life crisis". An old couple who live with their grandson, yearn for the love of their children who live abroad and hardly visit them. The couple hatch a plan to make their children come home.

प्रशस्ति एक बेजोड़ तरीके से पारिवारिक मूल्यों का सम्मान करते हुए उत्साह की भावना प्रदान करने के लिए।

Citation - In appreciation of providing a feeling of jubilation by respecting family values in an unexplored manner

Contact: seshu.kolanu@gmail.com

डिक्चौ बनात प्लाक्स

राष्ट्रीय सद्भाव और एकता के लिए सर्वश्रेष्ठ फ़ीचर फ़िल्म को नर्गिस दत्त पुरस्कार

Dikchow Banat Palax | Nargis Dutt Award for Best Feature Film on National Integration

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,50,000/-

असमी | 117 मिनट

निर्देशक और लेखक: संजीब साभापंडित

निर्माता: कैन्वास्कोप और असम स्टेट फिल्म निगम (विपणन और विकास)

संपादक: सौरभ दत्ता

छायांकार: पराशर बरुआ

प्रोडक्शन डिजाइनर: गौतम दास

अभिनय: माला गोस्वामी, कुलाधा कुमार भट्टाचार्जी, लोलेनला आओ और चिन्मय चक्रवर्ती

Assamese | 117

Director & Writer: Sanjib Sabhapandit

Production Company: Canvascope & Assam State Film Corporation (Finance & Development)

Editor: Sourabh Dutta

Cinematographer: Parasher Baruah

Production Designer: Gautam Das

Cast: Mala Goswamy, Kulada Kumar Bhattacharjee, Lolenla Ao & Chinmoy Chakravarty

परिचय | PROFILE

संजीव सभापंडित (Sanjib Sabhapandit)

संजीव सभापंडित, एक उद्यमी, डिजाइनर, स्तंभकार, लेखक और एक फिल्म निर्माता हैं। उन्होंने पूर्वोत्तर भारत के जीवन और संस्कृति पर नॉर्थ ईस्ट काउंसिल प्रोजेक्ट के 88 एपिसोड का निर्देशन किया है और इसके अलावा कई लघु फिल्में और वृत्तचित्र भी बनाए हैं। उन्होंने जहानु बरुआ की ओर से निर्देशित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित फिल्म कुखल में भी अभिनय किया है।

Sanjib Sabhapandit, is an entrepreneur, designer, columnist, writer and film maker. He has made short feature films and documentaries besides directing an 88 episode North East Council project on North East India. He also acted in the internationally acclaimed film director Jahnu Barua's film Kuhkhal.

कैनवास्कोप, असम स्टेट फिल्म निगम (Canvascope, Assam State Film Corporation)

CANVASCOPE

कैनवास्कोप उत्पल कुमार दास के स्वामित्व वाला एक प्रोडक्शन हाउस है। **असम स्टेट फिल्म** (वित्त एवं विकास) **निगम** का उद्देश्य असमिया सिनेमा की विरासत को बनाए रखने, उसे विकसित करना और बढ़ावा देना है।

Canvascope is a production house owned by Utpal Kumar Das. **The Assam State Film** (Finance & Development) **Corporation** aims to uphold, develop and promote the legacy of Assamese Cinema

कथासार - डिकचो बनत पलाक्स कई दशकों के वियोग के माध्यम से एक स्वतंत्रता सेनानी और एक नागा महिला के संबंधों का अन्वेषण करती है। 1946 में, उन्हें ब्रिटिश सरकार द्वारा साम्राज्य से लड़ने को लेकर अपने गृह जिले से हटा दिया गया था। वो बाद में नागा हिल्स वापस जाने के बारे में सोचता है, जो कि असम का एक हिस्सा है। हालांकि दुर्भाग्यवश, कुछ कारणों की वजह से उसे अलग होना पड़ा। जेल और कोलाहल के प्रवास के बाद, वो अंततः घर वापस आ जाता है, लेकिन जीवन की वास्तविकताओं की वजह से वो अपनी प्रेमिका के पास नहीं जा सका। हालांकि उसने अपनी डायरी में उसे हमेशा जिंदा रखा. दो दिमागी दौरे पड़ने के बाद प्रेमिका विस्मरण में ही गायब हो जाती है और सेनानी भी मृत्यु की ओर बढ़ने लगता है। अब दोनों की आत्माएं साथ मिलना चाहती हैं।

Synopsis - Dikchow Banat Palaax explores the relationship of a freedom fighter and a Naga woman through decades of separation. In 1946, he was banished from his home district in Assam by the British for fighting against the empire. He wandered his way back to the Naga Hills, then a part of Assam. But as destiny would have it, they got separated in some bizarre turn of events. Through a sojourn of jail and turmoil, he ultimately came back home. But the realities of life prevented him from going back to his beloved. Although he kept her alive in his diaries, after two brain strokes, she vanished into oblivion and he was sliding towards death. His soul is now possessed to meet his soul mate.

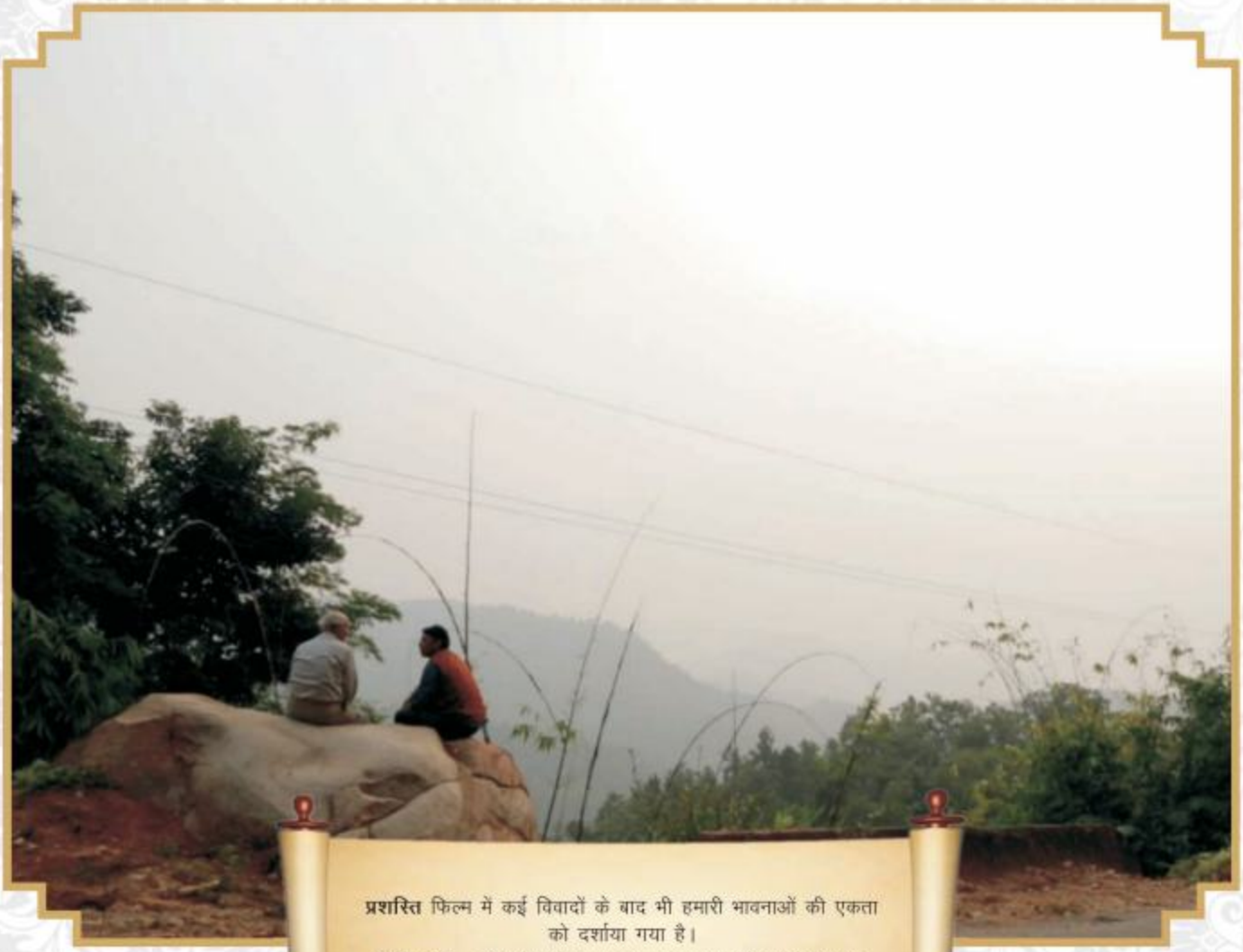

प्रशस्ति फिल्म में कई विवादों के बाद भी हमारी भावनाओं की एकता को दर्शाया गया है।

Citation - The film brings out oneness of our feelings amidst differences.

Contact: utpal_das57@yahoo.com

पिंक
सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म

Pink | Best Film on Social Issues

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,50,000/-

हिन्दी | 131 मिनट

निर्देशनः अनिरुद्ध रॉय चौधरी

निर्माताः रश्मि शर्मा फिल्म्स, राइजिंग सन फिल्म्स, सरस्वती एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड और शील कुमार

लेखकः रितेश शाह

एडिटरः बोधादित्य बंदोपाध्याय

छायांकारः अविक मुखोपाध्याय

अभिनयः अमिताभ बच्चन, तापसी पन्नु, कीर्ती कुलहरू, एंड्रिया तरीयांग और अंगद बेदी

Hindi | 131 mins

Direction: Aniruddha Roy Chowdhury

Production Company: Rashmi Sharma Films, Rising Sun Films, Saraswati Entertainments Pvt. Ltd. & Sheel Kumar

Writer: Ritesh Shah

Editor: Bodhaditya Bandyopadhyay

Cinematographer: Avik Mukhopadhyay

Cast: Amitabh Bachchan, Tapasee Pannu, Kirti Kulhari, Andrea Tariang & Angad Bedi

परिचय | PROFILE

अनिरुद्ध रॉय चौधरी (Aniruddha Roy Chowdhury)

अनिरुद्ध रॉय चौधरी, एक भारतीय फिल्म निर्देशक हैं, जो राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता बंगाली फिल्म 'अनुराणान' और 'अंतधीन' में मानव रिश्तों की जटिलताओं की खोज के लिए जाने जाते हैं। 'पिंक' उनकी पहली हिंदी फिल्म है। निर्देशक होने के साथ साथ, वे एक अभिनेता और एक सरोद वादक भी हैं।

Aniruddha Roy Chowdhury, is an Indian film director, known for exploring the intricacies of human relationships in National Award-winning Bengali films 'Anuranan' and 'Antaheen'. 'Pink' is his debut hindi film. Apart from being a director, he is also an actor and a sarod player.

रश्मि शर्मा फिल्म्स, राइजिंग सन फिल्म्स, सरस्वती एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, शील कुमार

RSF
RISING SUN FILMS

फिल्म का निर्माण चार प्रोडक्शन हाऊस द्वारा किया गया है, जिसमें रश्मि शर्मा का **रश्मि शर्मा फिल्म्स** और सूजीत सिरकार का **राइजिंग सन फिल्म्स** और **सरस्वती एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड** और **शील कुमार** शामिल है।

Pink has been jointly produced by **Rashmi Sharma Films** owned by Rashmi Sharma, **Rising Sun Films** owned by Soojit Sircar, **Saraswati Entertainments Pvt. Ltd.** & **Sheel Kumar**

कथासार - देश के अलग अलग हिस्सों से आईं तीन लड़कियां मिनल, फलक और एंड्रिया दक्षिण दिल्ली में किराएदार के रूप में रहती हैं। अपने समय के जाने–माने वकील 'दीपक सहगल' भी वहीं रहते हैं। जश्न की एक रात इन तीन लड़कियों के लिए एक अंधेरी सच्चाई बन जाती है जो भविष्य में उन्हें सताती रहेगी। इसके बाद मिनल पर 'हत्या का प्रयास' का आरोप लगाया जाता है, जहां दोषी पाए जाने पर उसे 10 साल की सजा हो सकती थी। 'पिंक' एक सामाजिक थ्रिलर है जो आज के समय की संदिग्ध नैतिकता को दर्शाती है।

Synopsis - Minal, Falak and Andrea, three young girls, from different parts of India, stay together as tenants in a posh South Delhi locality. In the same locality, stays the mysterious and ominous figure, 'Deepak Sehgal', a yester-year 'big league' lawyer. One night, which was supposed to be a girls' night out, becomes for them a dark truth that would continue to hound their future. Soon after, Minal is charged for 'attempt to murder', where she could face imprisonment for more than 10 years, if convicted. 'PINK' is a social thriller that reflects on the dubious morals of todays' times.

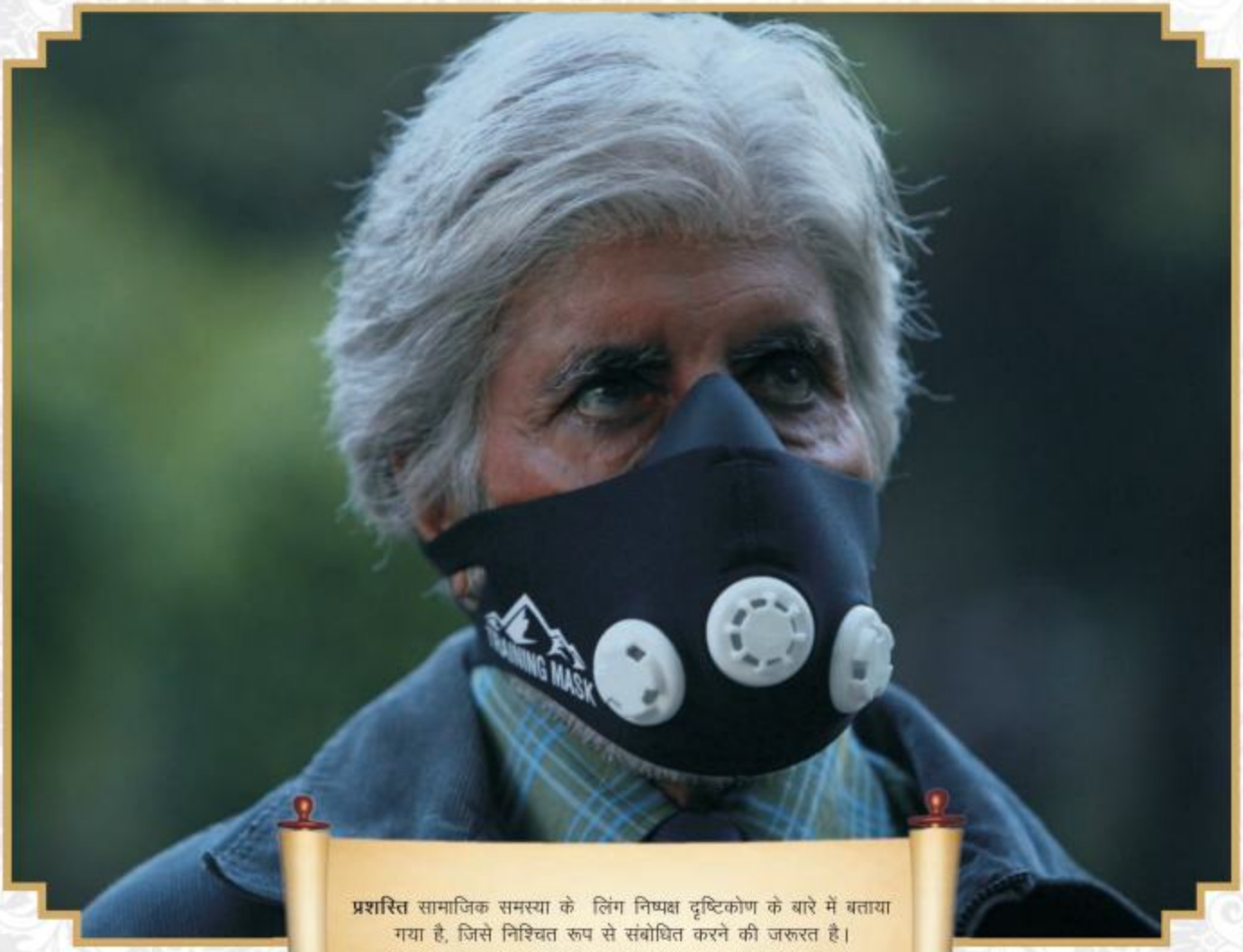

प्रशस्ति सामाजिक समस्या के लिंग निष्पक्ष दृष्टिकोण के बारे में बताया गया है, जिसे निश्चित रूप से संबोधित करने की जरूरत है।
Citation - A gender neutral perspective of a social problem, which definitely needs to be addressed.

Contact: msrashmi2002@gmail.com

लोकतक लैरम्बी
पर्यावरण संरक्षण / परिरक्षण पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म

Loktak Lairambee | Best Film on Environment Conservation/Preservation

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,50,000/-

मणिपुरी | 72 मिनट

निर्देशन और निर्माता: हाओबन पबन कुमार

लेखक: सुदीर नाओरोइबम और हाओबन पबन कुमार

संपादक: सांखा

छायांकार: शेहनाद जलाल

ध्वनि: सुकांता मजूमदार

अभिनय: निंगोजम सानातोंबा और सागोल्सम थामबलसंग

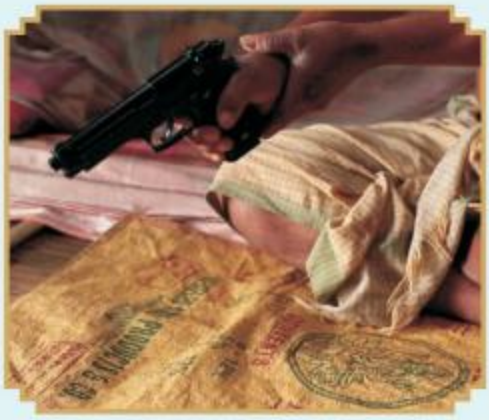

Manipuri | 72 mins

Director & Producer: Haoban Paban Kumar

Writers: Sudhir Naoroibam & Haoban Paban Kumar

Editor: Sankha

Cinematographer: Shehnad Jalal

Sound: Sukanta Majumdar

Cast: Ningthoujam Sanatomba & Sagolsam Thambalsang

परिचय | PROFILE

हाउबम पबन कुमार (Haobam Paban Kumar)

हाउबम पबन कुमार देश के प्रमुख वृत्तचित्र निर्माता हैं। उन्होंने एसआरएफटीआई से निर्देशन और पटकथा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया है। उनके कुछ उल्लेखनीय कार्यों में 'एएफएसपीए 1958', 'नगाईहक लम्बिडा', 'ए क्राई इन द डार्क', 'द फर्स्ट लीप', 'मिस्टर इंडिया', 'रप्टर्ड स्प्रिंग', 'नुपिशाबी' आदि शामिल हैं। उन्होंने 5 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त किए हैं और उनकी 5 फिल्में भारतीय पैनोरमा में चयन की गई थी।

Haobam Paban Kumar is one of the leading documentary film-maker of the country. He has a 3 Year Post Graduate Diploma in Direction & Screenplay writing from SRFTI. Some of his notable works are 'AFSPA 1958', 'Ngaihak Lambida', 'A cry in the dark', 'The first leap', 'MR INDIA', 'Ruptured Spring', 'Nupishabi' etc. Haobam has 5 National Film Awards and 5 Indian Panorama Selections to his credit.

कथासार - लोकतक झील एक अद्वितीय पर्यावरणीय घटक है, जहां मछुआरे तैरते हुए बायोमास पर बनाई गई झोपडियों में रहते थे। 2011 में, पर्यावरण की सुरक्षा के नाम पर अधिकारी सैंकड़ों झोपड़ियां जला देते हैं, जिसकी वजह से हजारों मछुआरे बेघर हो जाते हैं। इस दौरान बेघर हुए मछुआरों में से एक टोम्बा विस्थापन से उभरने के एक खौफनाक दु:स्वप्न के साथ जीता रहता है।

Synopsis - Loktak Lake is a unique ecosystem where fishermen lived in huts built on floating biomasses. In 2011 the authorities, in the name of protecting serenity of the ecosystem, burnt down hundreds of these crumbly huts leaving thousands of fishermen homeless. Tomba, one of the victims, lives with a harrowing nightmare of looming displacement since then.

प्रशस्ति यह फिल्म पर्यावरण के मुद्दे की बारीकियों को दिल छू लेने वाले तरीके से पेश करती है।

Citation - The film brings out the nuances of an environmental issue in a heart wrenching and touching manner.

Contact: haobampaban@gmail.com

धनक
सर्वश्रेष्ठ बाल फ़िल्म

Dhanak | Best Children's Film

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 1,00,000/-

हिन्दी | 106 मिनट

निर्देशक और लेखक: नागेश कुकुनूर

निर्माता: दृश्यम फिल्म्स और एसआईसी प्रोडक्शंस

संपादक: संजीब दत्ता

छायांकार: चिरंतन दास

संगीत: तापस रेलिया

अभिनय: कृष छाबड़िया, हेतल गाडा, विपिन शर्मा और

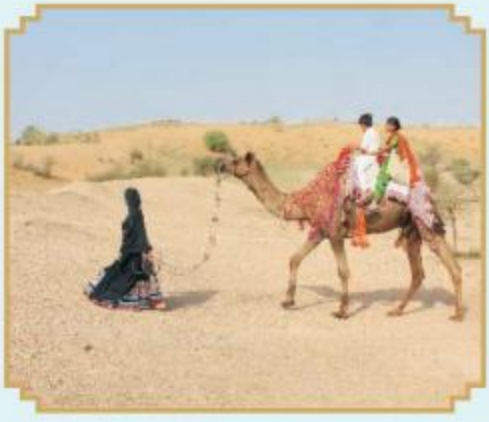

Hindi | 106 mins

Director & Writer: Nagesh Kukunoor

Production Company: Drishyam Films & SIC Productions

Editor: Sanjib Datta

Cinematographer: Chirantan Das

Music: Tapas Relia

Cast: Krrish Chhabria, Hetal Gada, Vipin Sharma & Suresh Menon

परिचय | PROFILE

नागेश कुकुनूर (Nagesh Kukunoor)

पेशे से एक रासायनिक इंजीनियर, **नागेश कुकुनूर** ने अटलांटा में पर्यावरण सलाहकार के तौर पर बने करियर को छोड़कर, अपनी निजी बचत का इस्तेमाल कर अपनी सफल फिल्म बनाई। हैदराबाद ब्लूज (1998) अंग्रेजी में सबसे ज्यादा कमाने वाली कम बजट की भारतीय फिल्म बनी।

A chemical engineer by profession, **Nagesh Kukunoor** gave up his career as an environmental consultant in US and using his personal savings wrote, produced, acted in and directed his immensely successful debut film, Hyderabad Blues.

दृश्यम फिल्म्स, एसआईसी प्रोडक्शंस (Drishyam Films, SIC Productions)

दृश्यम फिल्म्स फिल्म निर्माता मनीष मुंद्रा द्वारा स्थापित स्टूडियो है। **एसआईसी प्रोडक्शंस** एक प्रोडक्शन हाउस है, जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक नागेश कुकुनूर और एलाह हिप्टोला ने स्थापित किया है।

Drishyam Films is a studio set up by film producer Manish Mundra. The studio aims to build a platform for unique voices of Indian independent cinema. **SIC Productions** is a production house founded by national award winner director Nagesh Kukunoor and Elahe Hiptoola.

कथासार - धनक की कहानी मरु प्रदेश राजस्थान में रेत की टीलों के बीच एक खूबसूरत गांव में रहने वाली 10 वर्षीय, परी और उसके 8 साल के छोटे भाई, छोटू के इर्द–गिर्द घूमती है। छोटी उम्र में ही, दुर्घटना में उनके माता–पिता के गुजरने के बाद वो अपने रिश्तेदार के साथ रहते हैं। फिल्म में इन दोनों की एक जादुई यात्रा दर्शायी गई है, जो मासूम बचपन का रोचक अनुभव करवाती है। छोटू और परी अपने पड़ाव में कई किरदारों से मिलते हैं, इनमें से कुछ उनकी मदद करते हैं, तो कुछ उनके सफर में रुकावट बन जाते हैं। लेकिन हर किरदार किसी न किसी रूप में उन्हें अपने सफर में आगे ही बढ़ाता है। धनक एक अद्भुत कल्पित कहानी है, जो इस विश्वास की पुष्टि करती है कि जीवन सुंदर है।

Synopsis - Dhanak's story revolves around the wonderful relationship between a 10-yearold girl Pari and Chotu, her 8-year old brother who live in a picturesque village nestled among the sand dunes in the desert state of Rajasthan, India. Having lost their parents to an accident at a very early age, they live with their uncle and aunt. What unfolds is a magical journey that only the innocence of childhood allows you to experience. Chotu and Pari meet a host of colorful characters who sometimes help and sometimes thwart their plan but always nudge them one step closer to their destination. Dhanak is an enchanting fable that reinforces the belief that life is beautiful.

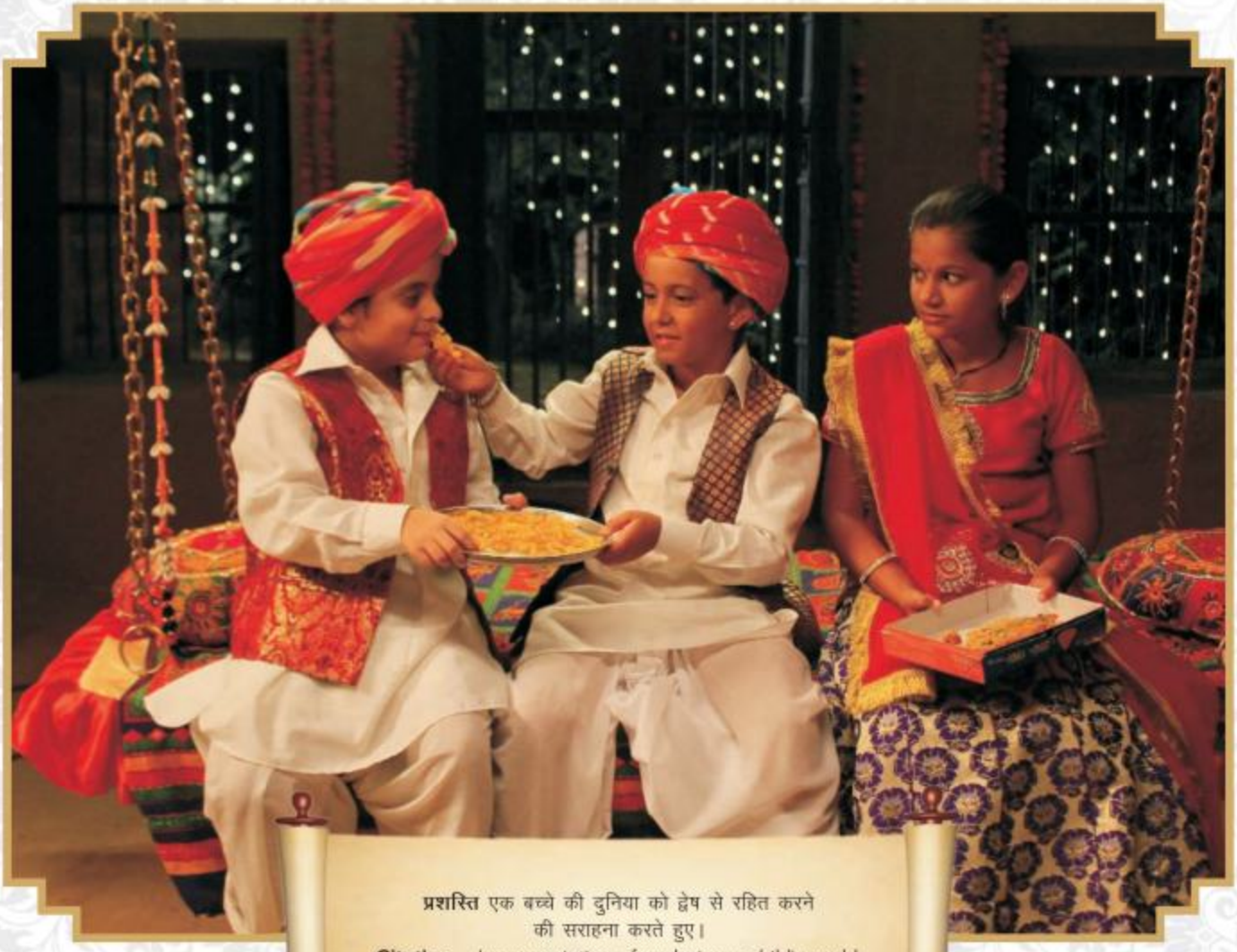

प्रशस्ति एक बच्चे की दुनिया को द्वेष से रहित करने की सराहना करते हुए।
Citation - In appreciation of exploring a child's world devoid of malice.

Contact: mmundra@gmail.com

महायोद्धा राम
सर्वश्रेष्ठ एनीमेशन फ़िल्म

Mahayodha Rama | Best Animation Film

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 1,00,000/-

हिन्दी | 106 मिनट

निर्देशनः अभिमन्यु सिंह

निर्माताः
कॉंटिलॉय पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड

विशेष प्रभावः निशिकांत महापात्र और भरत मिस्त्री

एनीमेटरः दीपक एस वी

वॉयस ओवरः गुलशन ग्रोवर, कुणाल कपूर, जिमी शेरगिल, मौनी रॉय, स्वर्गीय सदाशिव अम्परापुकर और रजा मुराद

Hindi | 106 mins

Direction: Abhimanyu Singh

Production Company: Contiloe Pictures Pvt. Ltd.

Special Effects: Nishikant Mohapatra & Bharat Mistry

Animator: Deepak S.V

Voice Over: Gulshan Grover, Kunal Kapoor, Jimmy Shergill, Mouni Roy, Late Sadashiv Amprapukar & Raza Murad.

परिचय | PROFILE

रोहित वैद (Rohit Vaid)

रोहित वैद भारतीय टीवी की दूसरी पीढ़ी के अग्रणी हैं, जिन्होंने हमें टीवी की वास्तविक दुनिया से रूबरू करवाया। वे डिजनी और पोगो पर अगडम बगडम तिगडम और सीआईए जैसे शो से बच्चों की प्रोग्रामिंग में एक नई लहर लेकर आए थे।

Rohit Vaid is the second generation of the pioneers of Indian television who introduced us to the world of Reality TV. He brought in a new wave of children's programming on Disney and Pogo with shows like Agdam Bagdam Tigdam and CIA.

कॉंटिलॉय पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड
(Contiloe Pictures Private Ltd.)

कॉंटिलॉय पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड तथ्यात्मक और गैर–तथ्यात्मक फिल्म और कार्यक्रम बनाने वाले प्रमुख निर्माताओं में से एक है। इन वर्षों में, कॉंटिलॉय ने अपनी शीर्ष गुणवत्ता वाली प्रस्तुतियों के लिए कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं। कॉंटिलॉय पिक्चर्स राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गुणवत्ता और उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है।

Contiloe Pictures Private Ltd. is one of India's leading producers of Factual and Non-factual programming. Over the years, Contiloe has received numerous awards for its top quality productions. Contiloe Pictures prides itself on quality and excellence at a National and International level.

ऐनीमेटर Animator)

दीपक एसवी एक पुरस्कार विजेता ऐनीमेटर हैं। वह फिल्म महायोद्धा राम के क्रिएटिव निर्देशक हैं।

Deepak SV is an awarding winning animator. He is also the Creative Director of the film Mahayodha Rama.

कथासार - महायोद्धा राम में हिंदू देवता राम के महान महाकाव्य के बारे में बताया है। इस महाकाव्य में, राम का जन्म राजा दशरथ के यहां हुआ और उनका दशानन रावण के साथ युद्ध होता है। फिल्म में रामायण का रावण के परिप्रेक्ष्य में एक अलग तरीके से वर्णन किया गया है।

Synopsis - Mahayoddha Rama retells the great epic of Hindu god, Rama. In this epic, Rama is born to King Dashrath and as an adult fights the 10-headed demon Ravanna. It is the epic Ramayana narrated in a different way, this time from the perspective of Ravana.

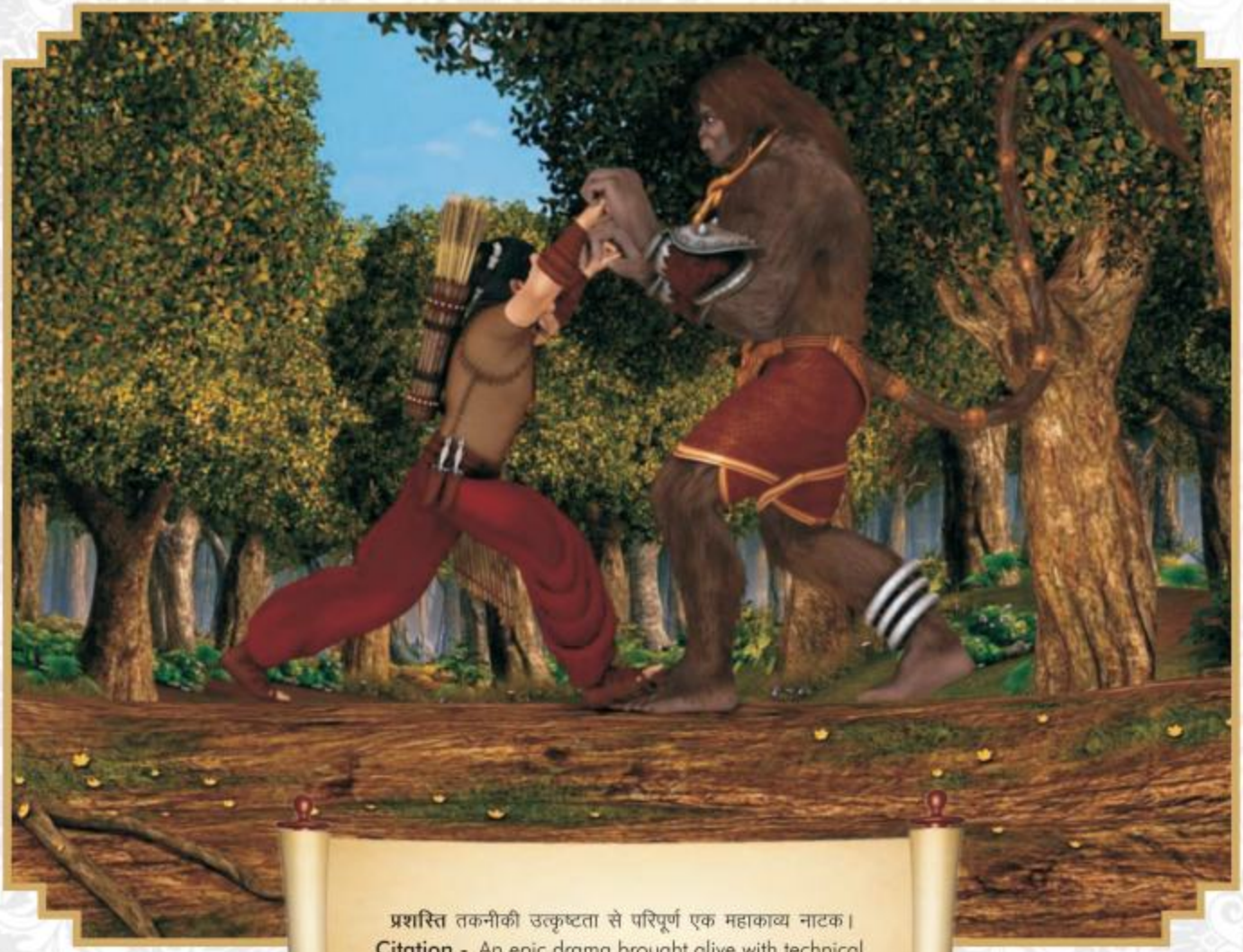

प्रशस्ति तकनीकी उत्कृष्टता से परिपूर्ण एक महाकाव्य नाटक।
Citation - An epic drama brought alive with technical excellence

Contact: abhimanyu@contiloe.in

माज रती केतेकी
सर्वश्रेष्ठ असमी फ़िल्म

Maj Rati Kateki | Best Assamese Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

असमी | 117 मिनट

निर्देशन और लेखक: सांत्वना बोरदोलोई

निर्माता: उदारा फिल्म्स

संपादक: उषमा बारदोलोई

छायांकार: गनाना शेखर वीएस

प्रोजक्शन डिजाईन: उषमा बारदोलोई

अभिनय: आदिल हुसैन और मौमिता तालुकदार

Assamese | 117

Director & Writer: Santwana Bardoloi

Production Company: Udara Films

Editor: Ushma Bardoloi

Cinematographer: Gnana Shekar. V.S

Production Design: Ushma Bardoloi

Cast: Adil Hussain & Moumita Talukdar

परिचय | PROFILE

सांत्वना बरदोलोई (Santwana Bardoloi)

रेडियो / थियेटर अभिनेत्री, **सांत्वना बरदोलोई** को असम की सांस्कृतिक दुनिया में अच्छी तरह से जाना जाता है। उन्होंने 1996 में पहली फिल्म अदाज्य निर्देशित की थी। इस फिल्म का भारतीय पैनोरमा के लिए चयन किया गया था और उसे कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भी आमंत्रित किया गया था।

Accomplished radio/theatre actress **Santwana Bardoloi** is well known in the cultural world of Assam. Her first directorial venture Adajya (1996) was selected for the Indian Panorama and also invited to many International film festivals.

उदारा फ़िल्म्स (Udara Films)

उदारा फ़िल्म्स एक भू–स्वामित्व वाली फर्म है, जिसके मालिक सांत्वना बरदोलोई है। उन्होंने अच्छे सिनेमा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छोटे, लेकिन सभी उपकरणों से युक्त प्रेक्षागृह के साथ गैर–मुनाफे के आधार पर इसे शुरू किया था।

UDARA FILMS is a proprietorship firm owned by Santwana Bardoloi. It started as a non-profit, small but well-equipped auditorium with the purpose of promoting good cinema.

कथासार - करीब 10 वर्षों के बाद, प्रसिद्ध लेखक प्रियेंदू हजारिका उस शहर में वापस आते हैं, जहां वो एक लेखक के रूप में अपनी यात्रा शुरू करने के लिए प्रेरित हुए थे। पुरानी यादों में खोए हुए हजारिका उन लोगों को याद करते हैं, जिन्हें वो प्यार करते थे और अब नहीं हैं। हालांकि आखिरकार वो अकेले ही अपने सच का सामना करने का फैसला करते हैं, दर्शकों से बहुत दूर।

Synopsis - After a long gap of more than ten years, renowned writer Priyendu Hazarika returns to the town where once he was inspired to begin his journey as a writer. Memories stir and he remembers people he loved and lost. At the end of the day however, he decides to face his own truth, alone, away from the appreciative audience.

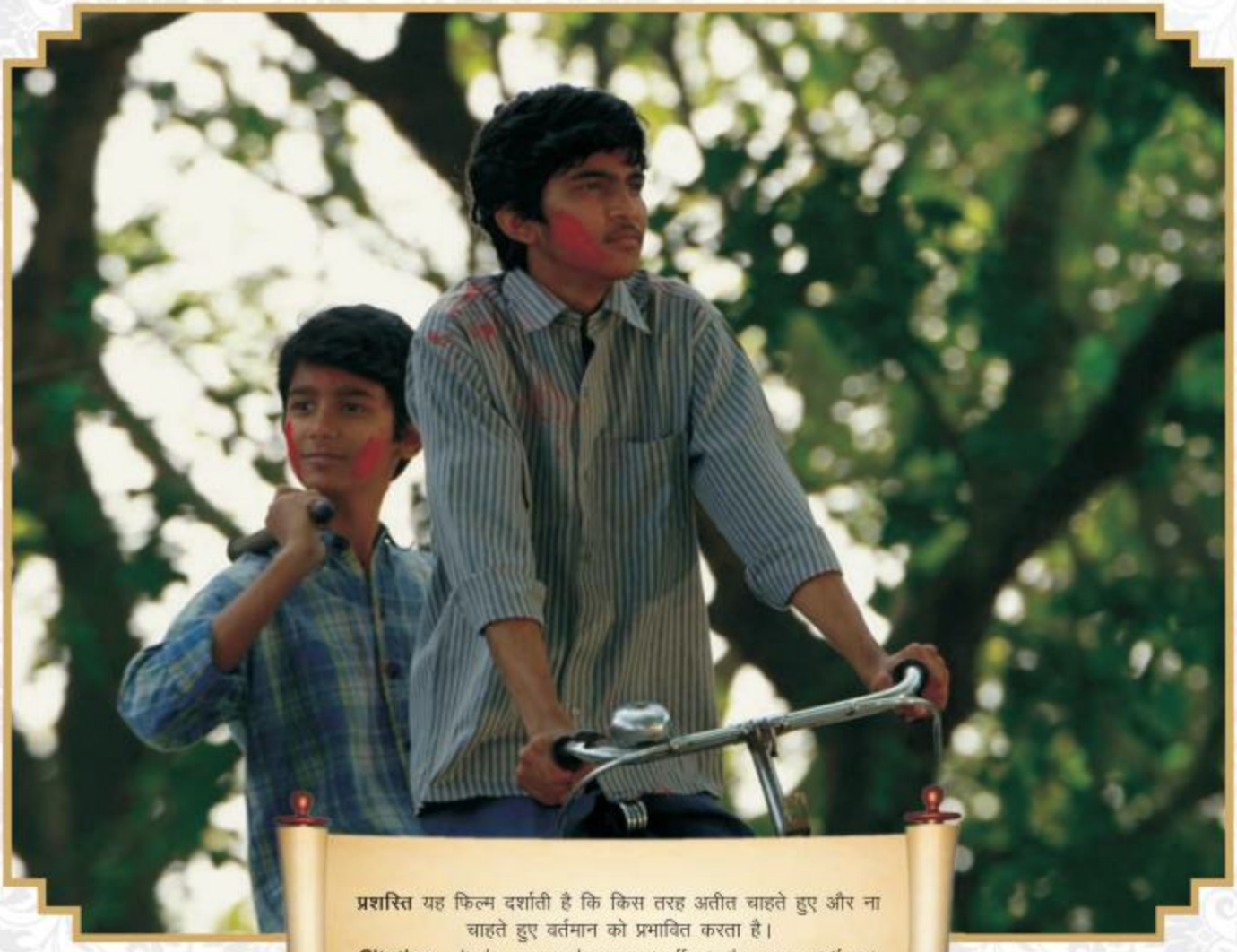

प्रशस्ति यह फिल्म दर्शाती है कि किस तरह अतीत चाहते हुए और ना चाहते हुए वर्तमान को प्रभावित करता है।

Citation - It showcases how past affects the present if not by choice then by chance.

Contact: drsbardoloi@gmail.com

बिसोर्जोन
सर्वश्रेष्ठ बांग्ला फ़िल्म

Bisorjon | Best Bengali Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

बंगाली | 139 मिनट

निर्देशक और लेखक: कौशिक गांगुली

निर्माता: ओपेरा मूविज़

संपादन: सुभाजीत सिंह

छायांकार: सौविक बासु

वेशभूषा: चुर्नी गांगुली

अभिनय: अबीर चटर्जी, जोया अहसान और कौशिक गांगुली

Bengali | 139 mins

Director & Writer: Kaushik Ganguly

Production Company: Opera Movies

Editor: Subhajit Singha

Cinematographer: Sauvik Basu

Costume: Churni Ganguly

Cast: Abir Chatterjee, Joya Ahsan

परिचय | PROFILE

कौशिक गांगुली (Kaushik Ganguly)

कौशिक गांगुली प्रतिष्ठित 'यूनेस्को फेलिन' पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले दक्षिण–पूर्व एशियाई थे, जो उन्हें सिनेमावाला के लिए मिला था। उनकी फिल्मों को लगातार सात साल से इंडियन पैनोरमा द्वारा चुना जा रहा है और उन्होंने ईफ्फी में इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन सेक्शन में चार साल तक भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

Kaushik Ganguly was the first South-East Asian to receive the prestigious 'UNESCO FELINI' award for 'Cinemawala'. His films have been selected by the Indian Panorama for the last seven years consecutively and he has represented India in the International Competition Section in IFFI for four years.

ओपेरा (OPERA)

साल 2009 में, संगीत और सिनेमा के क्षेत्र में कुछ अच्छा काम करने के उद्देश्य से दो निजी शैक्षणिक संस्थानों (अकेडमिक्स और द एज) के निदेशक सुपर्णाकांती कराती ने **ओपेरा मूविज़** की स्थापना की थी। 'बिसोर्जोन' ओपेरा द्वारा बनाई गई पहली फिल्म है इसका मकसद समाज में कला के माध्यम से सकारात्मकता फैलाना है।

OPERA Movies was established by Suparnakanti Karati, the Director of two private academic institutes (Academics & The EDGE), in the year 2016 with the dream to do some good work in the field of music and cinema. 'Bisorjon' is the first film produced by OPERA. Its motive is to be spread positivity in the society through art.

कथासार - बिसोर्जोन बांग्लादेश और उससे सटे बंगाल की एक कहानी है और यह एक अलग दृष्टिकोण पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि एक पश्चिम बंगाल के मुस्लिम लड़के को बांग्लादेशी हिंदू विधवा के घर में रहने की जगह मिल जाती है। यह कहानी दो बंगाल और हिंदू–मुसलमान के बीच दोस्ती और प्रेम की कहानी है, जिसे इतिहास जुदा करता है, लेकिन समय दोनों को साथ लाता है।

Synopsis - 'Bisorjon' is the story of this love between Bangladesh and this side of Bengal, West Bengal. The story is set in quite the opposite approach. A suburban Muslim boy from West Bengal finds shelter at a Bangladeshi Hindu widow's house. This story is the tale of friendship and love between the two Bengals and the Hindus and Muslims that comprise it; separated by history but united by time.

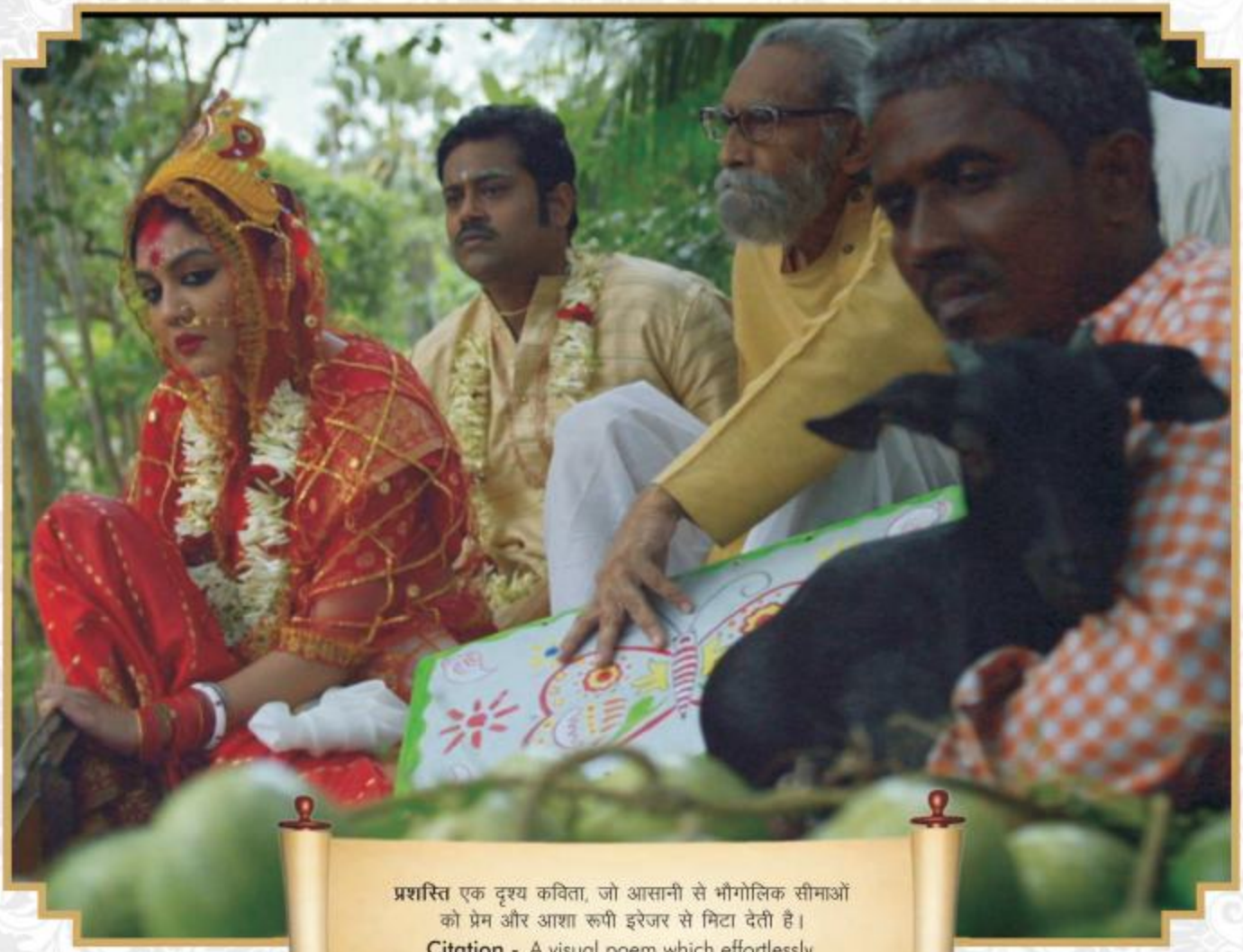

प्रशस्ति एक दृश्य कविता, जो आसानी से भौगोलिक सीमाओं को प्रेम और आशा रूपी इरेजर से मिटा देती है।
Citation - A visual poem which effortlessly liquidates geographical boundaries with an eraser made of love and hope.

Contact: drsbardoloi@gmail.com

नीरजा
सर्वश्रेष्ठ हिन्दी फ़िल्म

Neerja | Best Hindi Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

हिन्दी | 122 मिनट

निर्देशक: राम माधवानी

निर्माता: फोक्स स्टार स्टूडियो और ब्लिंग अनप्लग्ड

संपादक: मोनिशा बालदवा

छायांकार: मितेश मिरचंदानी

प्रोडक्शन डिजाइन: अपर्णा सूद और अन्ना ल्पे

संगीत: विशाल खुराना

अभिनय: सोनम कपूर, शबाना आजमी, जिम सर्भ, योगेंद्र टीक्कू और शेखर रावजीआनी

Hindi | 122 mins

Direction: Ram Madhvani

Production Company: Fox Star Studios & Bling Unplugged

Editor: Monisha Baldawa

Cinematographer: Mitesh Mirchandani

Production Design: Aparna Sud & Anna Ipe

Music: Vishal Khurana

Cast: Sonam Kapoor, Shabana Azmi, Jim Sarbh, Yogendra Tikku & Shekhar Ravjiani

परिचय | PROFILE

राम माधवाणी (Ram Madhvani)

इस पेशे में 20 से अधिक वर्षों का अनुभव रखने वाले **राम माधवाणी** ने देश की सभी महत्वपूर्ण विज्ञापन एजेंसी के साथ काम किया है और आज भारत के सबसे सम्मानित फिल्मकारों में एक हैं। उनकी पहली फिल्म लेट्स टॉक का लॉकार्नो फिल्म समारोह में प्रीमियर हुआ था।

With over 20 years of experience in the profession **Ram Madhvani** has worked with every important advertising agency in the country to become one of India's most respected filmmakers. His debut feature film Let's Talk premiered at the Locarno Film Festival.

फॉक्स स्टार स्टूडियोज, ब्लिंग अनप्लग्ड

(Fox Star Studios, Bling Unplugged)

फॉक्स स्टार स्टूडियोज एक भारतीय फिल्म निर्माण और वितरण कंपनी है।

ब्लिंग अनप्लग्ड एक फिल्म प्रोडक्शन हाउस है, जिसका नेतृत्व अतुल कासबेकर, शांती सिवराम मैनी, पिया साहनी और स्वाती अय्यर करती हैं।

Fox Star Studios is an India-based movie production and distribution company. **Bling Unplugged** is a film production house, spearheaded by Atul Kasbekar, Shanti Sivaram Maini, Piya Sawhney and Swati Iyer.

कथासार - 'नीरजा' उस घटना का सिनेमाई प्रतिरुप है, जो 5 सितंबर 1 986 को उस वक्त घटी थी जब बॉम्बे से न्यू यॉर्क जा रहे पन एम फ्लाईट 73 विमान का कराची में जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अबू निदाल के आतंकवादियों संगठन के फिलीस्तीनी चरमपंथियों ने अपहरण कर लिया था। साथ ही फिल्म 22 वर्षीय अंशकालिक मॉडल नीरजा भनोट की जीवनी भी है, जो उस वक्त विमान मुख्य पर्सर थीं। फिल्म नीरजा की ताकत, साहस और बलिदान का चित्रण है और विश्व के सामने इस भारतीय नायिका की कहानी को सामने लाने का एक प्रयास है, ताकि वह आने वाली पीढ़ियों तक युवा लड़कियों के लिए आदर्श और प्रेरणा बन सके।

Synopsis - 'Neerja' is a biopic and a cinematic representation of the dramatic events that unfolded on September 5th, 1986 when Pan Am Flight 73 from Bombay to New York was hijacked at its transit at Jinnah International Airport in Karachi, by Palestinian extremists from Abu Nidal's terrorist outfit. This is the story of Neerja Bhanot, a 22 year old part time model, who was the head purser on the flight. This is a portrayal of Neerja's strength, courage and sacrifice and an attempt to bring before the world this lesser known Indian hero's story, so that she becomes an example and inspiration to young girls all over, for generations to come.

प्रशस्ति एक संवेदनशील कहानी, जिसमें एक साहसी लड़ाई को सिनेमाई उत्कृष्टता और प्रतिभा के साथ दर्शाया गया है।
Citation - A sensitive story of a valiant battle brought alive with cinematic brilliance.

Contact: shahana.dasgupta@in.foxstarstudios.com

रिजर्वेशन
सर्वश्रेष्ठ कन्नड फ़िल्म

Reservation | Best Kannada Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

कन्नड | 91 मिनट

निर्देशनः निखिल मंजू

निर्माताः थोटाडमने

संपादकः एन आदित्य कुनिगल

छायांकारः पीवीआर स्वामी

संगीतः समीर कुलकर्णी

अभिनयः निखिल मंजू, मानसी सुधीर और श्रीनिवास मेश्तरु

Kannada | 91 mins

Direction: Nikhil Manjoo

Production Company: Thotadamane

Editor: N Adithya Kunigal

Cinematographer: PVR Swamy

Music: Sameer Kulakarni

Cast: Nikhil Manjoo, Manasi Sudhir & Srinivas Meshtru

परिचय | PROFILE

निखिल मंजू (Nikhil Manjoo)

निखिल मंजू एक भारतीय फिल्म अभिनेता और निर्देशक हैं, जो मुख्यतः कन्नड़ फिल्म उद्योग में काम करते हैं। उनकी पहली फिल्म हज, 2013 में बनाई गई और उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, निर्देशन और पटकथा के लिए तीन राज्य पुरस्कार भी प्राप्त किए हैं।

Nikhil Manjoo is an Indian film actor and director, who works primarily in the Kannada film industry. His earlier film Hajj, made in 2013, won three state awards for best actor, direction, and screenplay

थोटाडा माने (THOTADA MANE)

थोटाडा माने एक फिल्म प्रोडक्शन हाउस है, जिसने दशक भर में एक बहुमुखी साहित्यिक रचनात्मक अभिव्यक्ति रखने में विरासत कायम की है। यह कर्नाटक के तटीय शहर कुंडापुर के निकट एक स्थान गुल्दिडी में स्थित है और इसे क्षेत्र के लोगों के रचनात्मक मानस के विस्तार का श्रेय जाता है।

"THOTADA MANE" is a film production house which has a heritage in holding a versatile literary an creative expressions across decade . Located in Gulvady, a place near Kundapura in Coastal town of Karnataka it holds the credit of expanding the creative psyche of the people of this area.

कथासार - फिल्म ने भारतीय समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आरक्षण की नीति के असर और नतीजों का विस्तार से वर्णन किया है, जो कि देश में प्रचलित है और जिसे हर कोई अपने जीवन में भी अनुभव कर रहा है। कोई इसे न्यायसंगत नहीं मान सकता और इसके आधार पर आसानी से धारणा भी नहीं बना सकता।

Synopsis - The film elaborates the effect and repercussions of the reservation policy on the various segments of the society which is prevailed in India and one can also see it as a Pan- Indian phenomenon. One can't justify it and also can't make value judgements very easily on it.

प्रशस्ति हमारे समाज की मौजूद कठोर वास्तविकता को दर्शाने का साहसिक प्रयास।

Citation - A brave attempt to showcase the harsh reality prevalent in our society.

Contact: yk.gulvady@gmail.com

के सेरा सेरा – घोडपचेन घोड्डतेलम
सर्वश्रेष्ठ कोंकणी फ़िल्म

K Sera Sera - Ghodpachen Ghoddtelem | Best Konkani Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

कोंकणी | 136 मिनट

निर्देशक और लेखक: राजीव शिंदे

निर्माता: दि गोआं स्टूडियो

संपादक: निराज वोरालिया

छायांकार: हरि नैय्यर

अभिनय: पलोमी घोष, राजेश आर पेडनेकर, सलील नाइक, लीना पेडनेकर, स्नेहल जोग, सुविधा तोरगल और जैकब फर्नांडीस

Konkani | 136 mins

Director & Writer: Rajeev Shinde

Production Company: de Goan Studio

Editor: Niraj Voralia

Cinematographer: Hari Nair

Cast: Palomi Ghosh, Rajesh R Pednekar, Salil Naik, Leena Pednekar, Snehal Jog, Suvidha Torgal & Jacob Fernandes

परिचय | PROFILE

राजीव शिंदे (Rajeev Shinde)

राजीव शिंदे पिछले 30 सालों से रंगमंच की दुनिया में नाटककार, निर्देशक और सेट डिजाइनर की भूमिका में जुड़े हुए हैं। अनेक सम्मान और पुरस्कार विजेता, शिंदे को ईफ्फी–2009 में वसुंधरा सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है।

Rajeev Shinde has been actively involved in theater activities for the last 30 years as playwright, director and set designer. A recipient of numerous awards and felicitations, he was nominated at IFFI 2009 for the Vasundhara Award.

दि गोआं स्टूडियो (de Goan Studio)

de Goan **Studio**

दि गोआं स्टूडियो द्वारा इस फिल्म का निर्माण किया गया है, जो राजेश आर. पेडनेकर के स्वामित्व में है, जो पिछले 30 वर्षों से थियेटर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे हैं तथा थियेटर समर्थक के रूप में कार्य कर रहे हैं।

The film has been produced by **de Goan Studio,** a production house owned by Rajesh R Pednekar, who is a theatre enthusiast actively involved in theater activities for the last 30 years.

कथासार - 'के सेरा सेरा' 'क्या हम जीवन जीते हैं ... या जीवन हमें जीता है...' की अवधारणा के चारों ओर घूमती है। यह कहानी दो ऐसे व्यक्तियों के बारे में है, जिनमें एक परिस्थितियों को सटीक और निश्चित फैसलों के साथ बदलने में विश्वास करता है और दूसरा शख्स आसपास की परिस्थितियों के साथ अपने आपको ढालने में विश्वास करता है और मानता है कि परिस्थितियां जिंदगी का मार्ग निर्धारित करती हैं।

Synopsis - The film is a story of two distinct individuals, one who believes in changing the circumstances with precise and definite decisions and the other who believes in drifting with the situations around and let the circumstances decide the course of life.

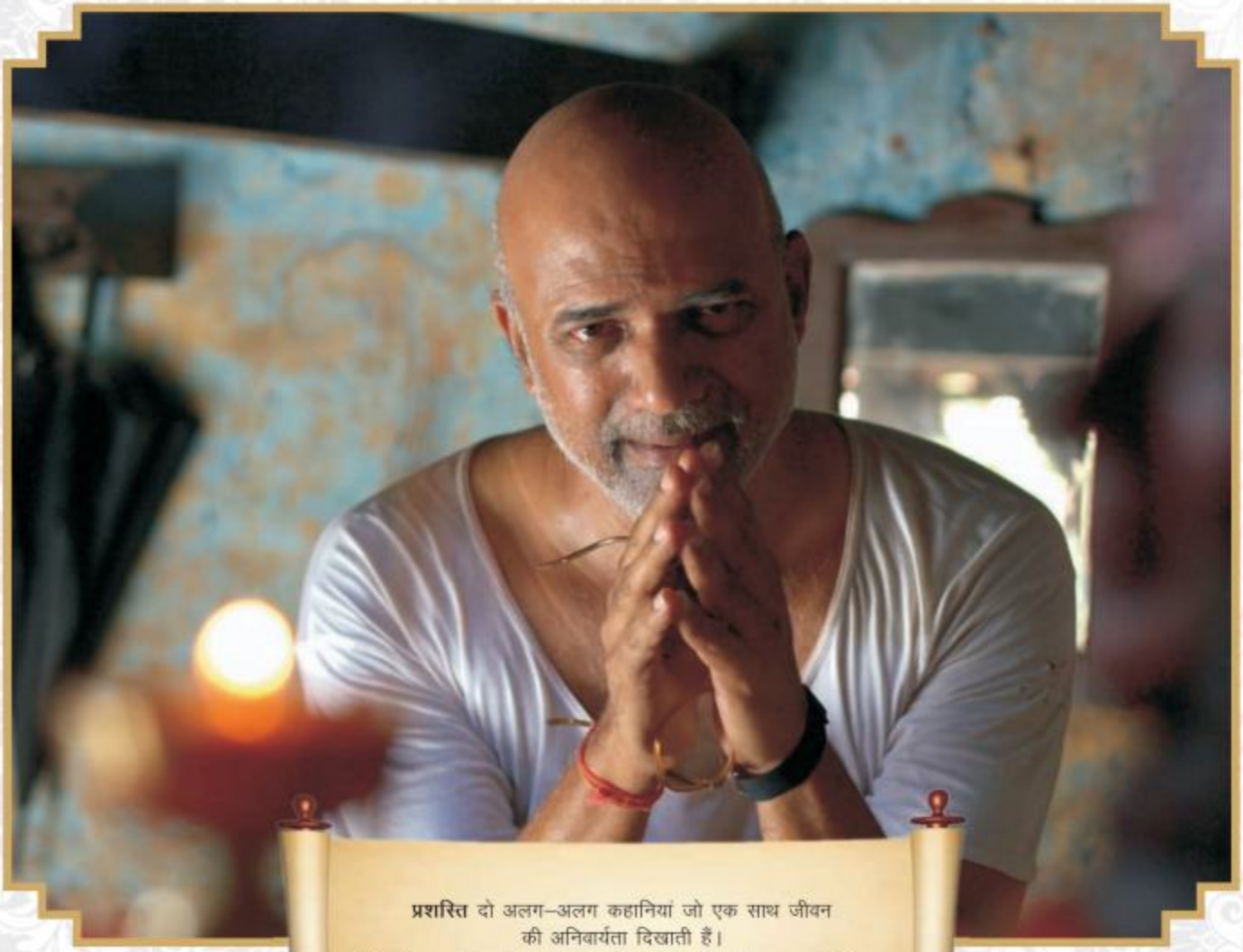

प्रशस्ति दो अलग–अलग कहानियां जो एक साथ जीवन की अनिवार्यता दिखाती हैं।

Citation - Two different stories which simultaneously bring out the inevitability of life.

Contact: rrpednekar.5@gmail.com

महेशिंते प्रतिकारम
सर्वश्रेष्ठ मलयालम फ़िल्म

Maheshinte Pratikaram | Best Malayalam Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

मलयालम | 121 मिनट

निर्देशनः दिलीश पोथान

निर्माताः ड्रीम मिल सिनेमाज एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड

लेखकः स्याम पुष्करन

संपादकः सायजू श्रीधरन

छायांकारः स्यजू खालिद

संगीतः बिजिबल

अभिनयः फहाद फासिल, अपर्णा बालामुरली, एलेंसिएर, सौबिन शाहिर और अनुश्री

Malayalam | 121 mins

Direction: Dileesh Pothan

Production Company: Dream Mill Cinemas and Entertainment Pvt.Ltd.

Writer: Syam Pushkaran

Editor: Saiju Sreedharan

Cinematographer: Shyju Khalid

Music: Bijibal

Cast: Fahadh Faasil, Aparna Balamurali, Alencier, Soubin Shahir & Anusree

परिचय | PROFILE

दिलीश पोथान (Dileesh Pothan)

दिलीश पोथान एक भारतीय फिल्म निर्देशक और अभिनेता हैं, जो अपनी मलयालम फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 'सॉल्ट न पेपर', 22 फीमेल कोट्टायम, इडुक्की गोल्ड, गैंगस्टर, और आईओबिनट पुस्तकम जैसी लोकप्रिय फिल्मों में अभिनय किया है।

Dileesh Pothan is an Indian film director and actor known for his Malayalam films. He has acted in popular films like Salt N' Pepper, 22 Female Kottayam, Idukki Gold, Gangster, and Iyobinte Pusthakam.

ड्रीम मिल सिनेमा और एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड

(Dream Mill Cinemas and Entertainment Pvt. Ltd.)

ड्रीम मिल सिनेमा और एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड एक मीडिया प्रोडक्शन हाऊस है, जो फिल्म, विज्ञापन, व्यावसायिक फिल्म्स और कई अन्य फिल्मों का निर्माण करती है। फिल्म निर्देशक आशिक अबू द्वारा स्थापित प्रोडक्शन हाऊस ने बहुत ही कम समय में मलयालम फिल्म उद्योग में परचम लहराया है।

Dream Mill Cinemas and Entertainment Pvt. Ltd. is a Media Production House that creates movies, advertisements, corporate films and more. Founded by director Aashiq Abu, it has set a mark in the Malayalam film industry in a very short span of time.

कथासार - महेश अपने फोटोग्राफी स्टूडियो के साथ एक सरल जीवन यापन करता है। वह अपने पिता विन्सेंट के साथ रहता हैं जो फिल्मी फोटोग्राफर थे। महेश अपनी सहपाठी सौम्या से प्यार करता है, जो कि नर्स है। साथ ही वह अपने मित्र के साथ भी काफी खुश रहता है, जिसकी भावना स्टूडियो के पास एक डिजाइन फर्म होती है। महेश की जिंदगी में उस वक्त एक नया मोड़ आ जाता है, जब वह बेबी और पास के एक शहर के लड़के जिमसन के बीच लड़ाई में पड़ जाता है। यह फिल्म एक गांव में महत्वपूर्ण घटनाओं के साथ आगे बढ़ती है और इसके निवासियों के बीच संबंध विकसित करती है।

Synopsis - Mahesh, with a suffix Bhavana, the name of his photography studio, leads a simple life. He lives with his father Vincent who was a film-era photographer. Mahesh is in love with his schoolmate Soumya who works as nurse. And he also enjoys the company of his long time companion Baby who has a design firm next to his Bhavana studio.

Mahesh's life takes an unexpected turn when he is drawn into a small fight between Baby and a next-town tough guy Jimson. The movie develops through a string of small yet significant incidents in the village and the evolving relationship between its inhabitants.

प्रशस्ति तदनुकूल लिखे गए पात्रों के साथ एक घुमावदार सफर तय करती हुई फिल्म।

Citation - A roller coaster ride with tailor made characters.

Contact: aashiqabu@gmail.com

दशाक्रिया
सर्वश्रेष्ठ मराठी फ़िल्म

Dashakriya | Best Marathi Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

मराठी | 139 मिनट

निर्देशनः संदीप बालचंद्र पाटिल

निर्माताः रंगनील क्रिएशंस

लेखकः संजय कृष्णजी पाटिल

संपादकः सुनील नारायण जाधव

छायांकारः महेश आने संगीत अमृत राज

अभिनयः आर्या अधव, दिलीप प्रभावलकर, मनोज जोशी, अदिति देशपांडे, मिलिंद शिंदे और नंदकिशोर छोगुले

Marathi | 139 mins

Direction: Sandeep Bhalachandra Patil

Production Company: Rangneel Creations

Writer: Sanjay Krishnaji Patil

Editor: Sunil Narayan Jadhav

Cinematographer: Mahesh Aney

Music: Amitraj

Cast: Master Aarya Adhav, Dilip Prabhavalkar, Manoj Joshi, Aditi Deshpande, Milind Shinde & Nandkishor Choghule

परिचय | PROFILE

संदीप भालचंद्र पाटिल (Sandeep Bhalchandra Patil)

संदीप भालचंद्र पाटिल, बीएससी (भौतिकी) में स्नातक हैं, लेकिन उन्होंने रुइया कॉलेज में अपने आप को अच्छे से पहचाना। वे अपने कॉलेज के बाद से कई लघु फिल्म, विज्ञापन और फीचर लम्बी फिल्मों में सहायक निर्देशक के साथ–साथ सहयोगी निदेशक के रूप में काम कर रहे हैं।

Sandeep Bhalchandra Patil has a degree in B.Sc. Physics but he found his true roots on the stage of Ruia college. He has been working as an assistant director in many short films, ads and feature length films since his college days.

रंगनील क्रिएशंस (Rangneel Creations)

रंगनील क्रिएशंस की स्थापना कल्पना विलास कोठारी ने की थी। वह केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की सदस्या भी रही हैं। वह प्रेम नाम है मेरा, प्रेम चोपड़ा, प्रपोजल (37 पुरस्कार), भाए इठले संपत नाही और अतिथि देवो भवः जैसे कई व्यावसायिक नाटकों की निर्माता भी हैं।

Rangneel Creations was founded by Ms. Kalpana Vilas Kothari. She has also has been a member of the Central Board of Film Certification. She has been the producer of several plays like Prem Naam Hai Mer, a Prem Chopra, Proposal, Bhay Ithle Sampat Nahi and Atithi Devo Bhav.

कथासार - दशक्रिय भानुदास के कार्य, कुशलता और मेहनती प्रकृति की कहानी है। दशाक्रिया उस समाज की परीक्षाओं और कष्टों को उजागर करती है जो पुरानी परंपराओं में जकड़े हुए हैं। कई समुदाय जीविका के लिए जाति व्यवस्था से ग्रस्त होने के साथ एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

Synopsis - 'Dashkriya' is the story of Bhanudas's enterprise, resourcefulness and hardworking nature. Dashkriya highlights the trials and tribulations of the society that is caught in age old traditions, various communities that are tied together to earn livelihood at the same time ridden with the norms of the caste system.

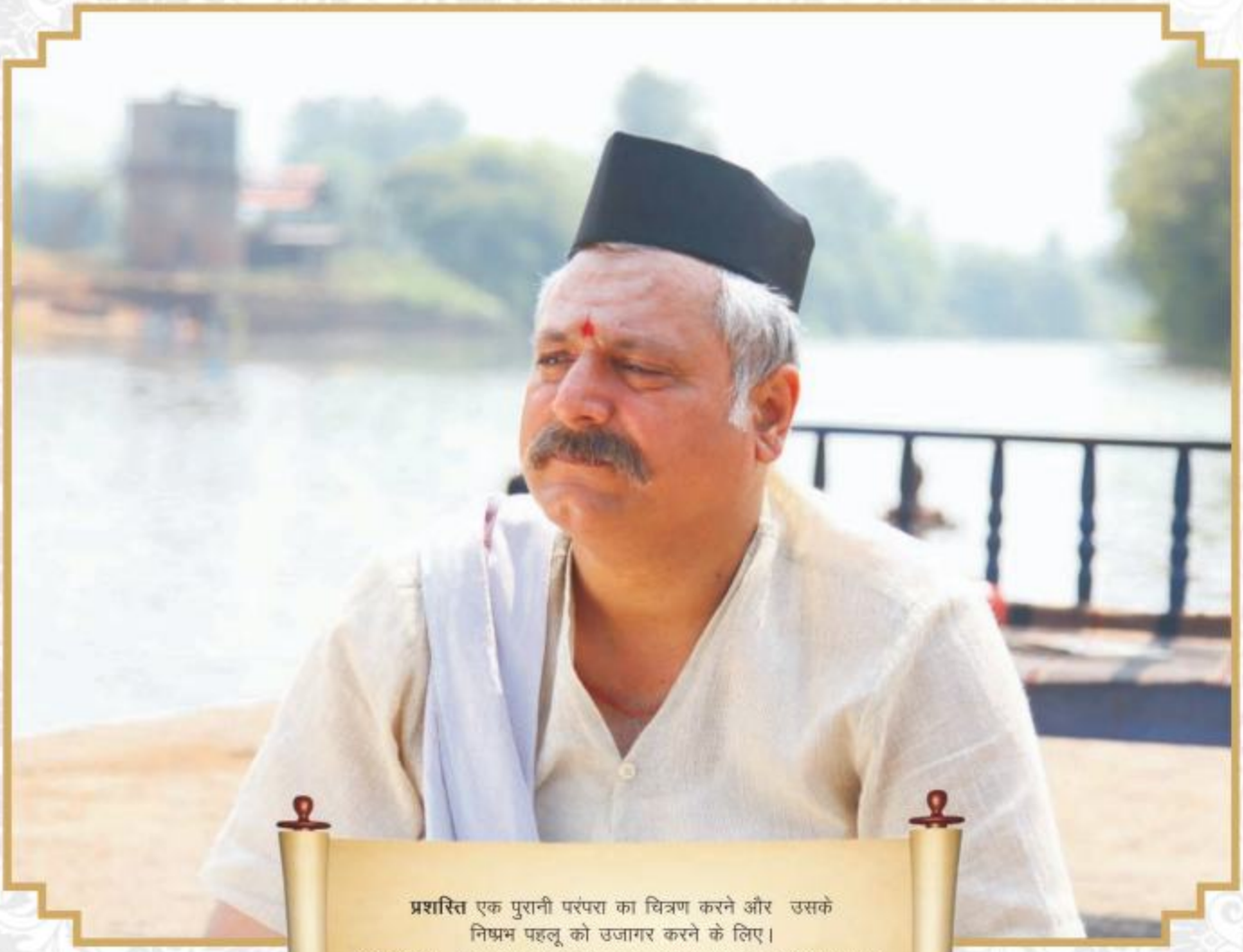

प्रशस्ति एक पुरानी परंपरा का चित्रण करने और उसके निष्प्रभ पहलू को उजागर करने के लिए।

Citation - For depicting an age old tradition and exposing it's darker side.

Contact: sanjaykpatil1967@gmail.com

जोकर
सर्वश्रेष्ठ तमिल फ़िल्म

Joker | Best Tamil Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

तमिल | 131 मिनट

निर्देशक और लेखक: राजू मुरुगन

निर्माता: ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स

संपादक: शनमुगम वेलुसमी

छायांकार: चेजीयान

संगीत: सीन रोलडन

अभिनय: गुरु सोमासुंदरम, राम्या पांडीयान, गायत्री कृष्णा, बावाछेल्लादुरई और मुरामसमी

Tamil | 131 mins

Director & Writer: Raju Murugan

Production Company: Dream Warrior Pictures

Editor: Shanmugam Velusamy

Cinematographer: Chezhiyan

Music: Sean Roldan

Cast: Guru Somasundaram, Ramya Pandian, Gayathri Krishna, Bava Chelladurai & Mu Ramasamy

परिचय | PROFILE

राजू मुरुगन (Raju Murugan)

राजू मुरुगन, तमिलनाडू के अभीविरीथीस्वरम से आते हैं। उन्होंने डिप्लोमा लेने के बाद कई काम किए और एक गीतकार बनने के सपने के साथ चेन्नई आए। उन्होंने वर्ष 2014 में उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'कोक्यू' के साथ फिल्म जगत में कदम रखा।

Raju Murugan, born in Abhivireethiswaram, a small remote village in Tamilnadu, did several odd jobs being a diploma holder. He came to Chennai with a dream to become a lyricist. He made his debut in the year of 2014 with the Movie called 'Cuckoo'

ड्रीम वॉरीयर पिक्चर्स (Dream Warrior Pictures)

DREAM WARRIOR PICTURES

ड्रीम वॉरीयर पिक्चर्स चेन्नई की एक कंपनी है, जिसे एसआर प्रकाशबाबू और एसआर प्रभु द्वारा 2010 में स्थापित किया गया था। उनके काम में स्क्रिप्ट चयन, कास्टिंग, बजट, प्रोडक्शन डिजाइनिंग, प्रोडक्शन, सेल्स, प्रचार और वितरण आदि कार्य शामिल है।

Dream Warrior Pictures is a Chennai based company founded in 2010. The film production company involves in wholesome production process from script selection, casting, budgeting, production designing, production, sales, promotion and distribution.

कथासार - मन्नार मन्नन, जो खुद को भारत का राष्ट्रपति मानता है और हमेशा विभिन्न प्रदर्शनों के माध्यम से अपने गांव में और उसके आसपास सरकार और सरकारी अधिकारियों की मूर्खता का विरोध करता है। उसे गांव और आस–पास के लोग जोकर मानते हैं। हालांकि उसका घुमावदार अतीत है और यह फिल्म एक प्रश्न के साथ खत्म होती है कि "असली जोकर कौन है?"

Synopsis - Mannar Mannan, a villager, who declares himself as President of India, always opposes the Government's and Government official's absurdities in and around his village through various protests. He is treated as Joker by the people of his village and nearby. He has a twisted past. The movie will ends with a question to the audience "Who's the real Joker?"

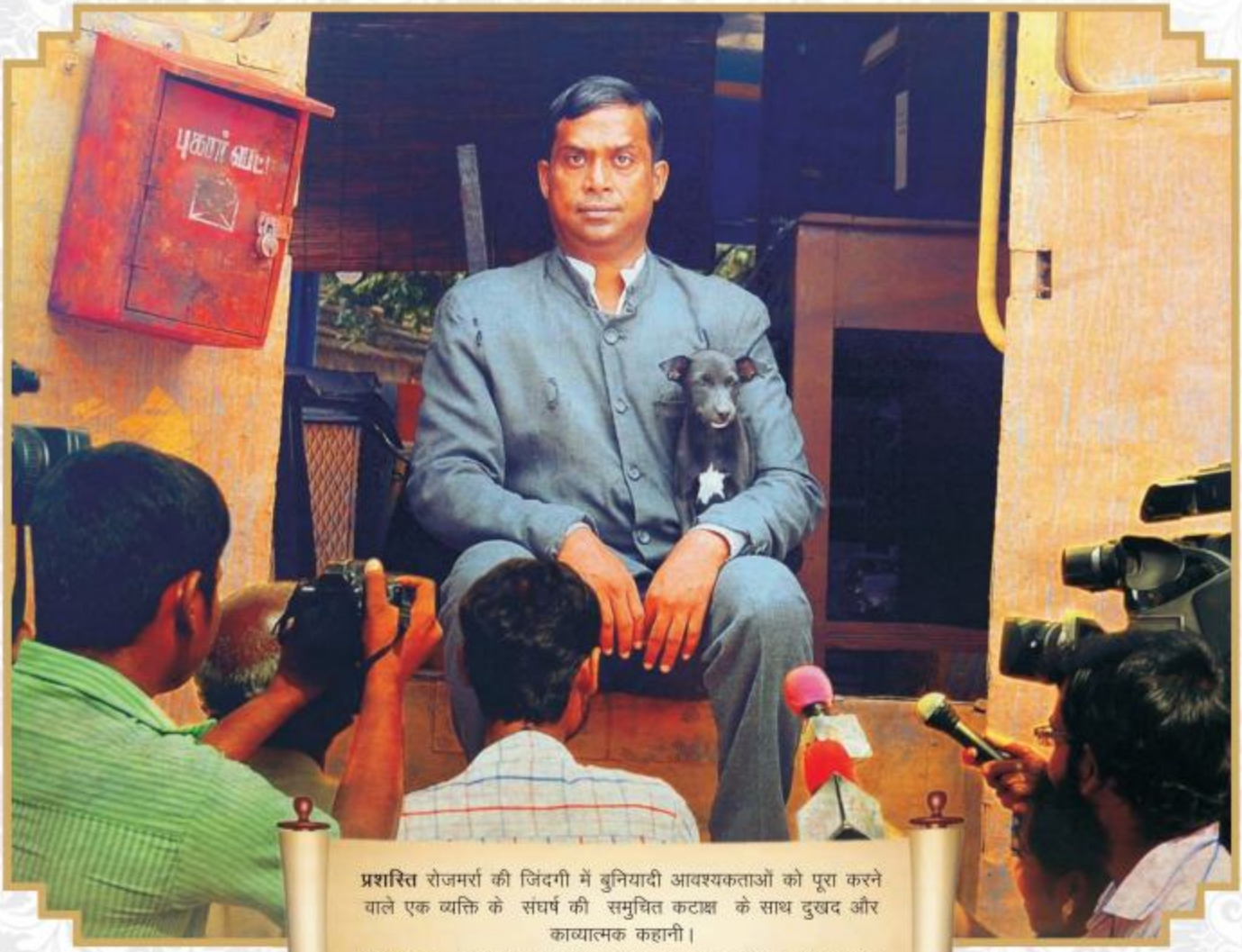

प्रशस्ति रोजमर्रा की जिंदगी में बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने वाले एक व्यक्ति के संघर्ष की समुचित कटाक्ष के साथ दुखद और काव्यात्मक कहानी।

Citation - A tragic and poetic narrative of an individual's struggle for a basic need in day to day life, with an adequate dressing of sarcasm.

Contact: workshopsubmissions@gmail.com

पेली चूपुल्लु
सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फ़िल्म

Pelli Choopulu | Best Telugu Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

तेलुगु | 126 मिनट

निर्देशक और लेखक: तरुण भास्कर

निर्माता: धर्मपथ क्रिएशन

संपादक: टी रवि तेजा

छायाकार: नागेश बनवेल

संगीत: विवेक सागर

अभिनय: विजय देवकरकोंडा, रितु वर्मा, प्रियदर्शी और अभय

Telugu | 126 mins

Director & Writer: Tharun Bhascker

Production Company: Dharamapatha Creations

Editor: T. Ravi Teja

Cinematographer: Nagesh Banevell

Music: Vivek Sagar

Cast: Vijay Devarakonda, Rithu Varma, Priyadarshi & Abhay

परिचय | PROFILE

तरुण भास्कर दास्सयम (Tharun Bhascker Dhaassyam)

तरुण भास्कर दास्सयम ने हैदराबाद पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की है और उन्होंने अपने स्कूल के अंतिम वर्ष में विदाई का वीडियो बनाकर अपनी यात्रा की शुरुआत की थी। फिर उन्होंने 2011 में एनआईएफए से फिल्म निर्माण में डिप्लोमा किया।

Tharun Bhascker Dhaassyam, an alumnus of the Hyderabad Public School began his film making journey in his final year at school when he made the farewell video for his graduating class. Always recognized as a good artist, Tharun went on to do a Diploma in film-making from NYFA in 2011.

धर्मपथ क्रिएशन्स (Dharamapatha Creations)

धर्मपथ क्रिएशन्स की स्थापना हैदराबाद में स्थित फिल्म प्रोडक्शन एंड डिस्ट्रीब्यूशन फर्म राज कन्दुकुरी द्वारा की गई थी। इस प्रोडक्शन के बैनर तले 10 से अधिक फिल्मों का निर्माण किया गया और सिनेमा के कई अन्य कामों को वितरित किया है।

Dharamapatha Creations was founded by Raj Kandukuri, a film production and distribution firm based in Hyderabad, India. The film banner has produced over 10 films and distributed several other works of cinema over the years.

कथासार - यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी है, जिसमें दो व्यक्तियों की कहानियों को प्रदर्शित किया गया है। दोनों के जीवन जीने का दृष्टिकोण बिल्कुल अलग है। रितु एक ऐसी महिला है, जो सिर्फ पैसा कमाना चाहती है, जबकि विजय एक लापरवाह इंसान है जो अपनी मस्ती में खोया रहता है। वो उस लड़की से इसलिए शादी करना चाहता है, क्योंकि लड़की के पिता ने उसे दहेज देने की पेशकश की है, जो उसके लिए पर्याप्त है, क्योंकि वो जनता है कि वो कोई भी काम करने में असक्षम है। असल में उसका दिमाग अभी भी एक बालक की तरह है, लेकिन शरीर से वो आदमी बन गया है।

Synopsis - The film is a coming of age romantic comedy which showcases the stories of two individuals whose approach to life is as different as chalk and cheese. Ritu is a level-headed woman with her eyes on making money, and Vijay has his head in the sky always. He wants to marry a woman because the woman's father offers to pay him dowry and that's enough for him as he is convinced that he's a good-for-nothing teenager in a grown up man's body.

प्रशस्ति युवा पीढ़ी की हल्की इच्छाओं और आकांक्षाओं को सरलीकरण से दर्शाया गया है।

Citation - Desires and aspirations of the younger generation on a lighter note.

Contact: raj9696@gmail.com

रॉन्ग साइड राजू
सर्वश्रेष्ठ गुजराती फ़िल्म

Wrong Side Raju | Best Gujarati Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

गुजराती | 140 मिनट

निर्देशन: मिखिल मुसले

निर्माता: सिनेमन प्रोडक्शन लिमिटेड और फेंट्म फिल्म्स

लेखक: करण व्यास, मिखिल मुसले और निरेन भट्ट

संपादक: छेरग टोडीवाला

छायांकार: त्रिभुवन बाबु

संगीत: सचिन जीगर

अभिनय: प्रतीक गांधी, कवि शास्त्री, रागी जानी, जयेश मोर, आसिफ बसरा और मौलित चौहान

Gujarati | 140 mins

Direction: Mikhil Musale

Production Company: Cineman Production Limited & Phantom Films

Writers: Karan Vyas, Mikhil Musale & Niren Bhatt

Editor: Cheragh Todiwala

Cinematographer: Tribhuvan Babu

Music: Sachin-Jigar

Cast: Pratik Gandhi, Kavi SHastri, Ragi Jani, Jayesh More, Asif Basra & Maulik Chauhan

परिचय | PROFILE

मिखिल मुसले (Mikhil Musale)

मिखिल मुसले अहमदाबाद से आते हैं। अभियांत्रिकी की पढ़ाई करते हुए उन्होंने फिल्में बनाना शुरू कर दी थी। उन्होंने पूरे भारत और विदेश में विभिन्न ब्रांडों के अब तक 30 से अधिक टेलीविजन विज्ञापनों को निर्देशित किया है।

Mikhil Musale was born & brought up in Ahmedabad. While pursuing Engineering he started making films. He has directed more than 30 Television Commercials uptil now for various category of brands from all over India & across.

सिनेमन प्रोडक्शंस, फ़ैंटम फ़िल्म्स (Cineman Productions, Phantom Films)

रॉंग साइड राजू दो प्रोडक्शन हाऊस ने मिलकर बनाई है, जिसमें नगन जैन का **सिनेमन प्रोडक्शंस** और अनुराग कश्यप, विकास बहल, विक्रमादित्य मोटवानी और मधु मनटेना का **फ़ैंटम फ़िल्म्स** शामिल है।

Wrong Side Raju is a joint production of **Cineman Productions** owned by Nayan Jain and **Phantom Films**, owned by Anurag Kashyap, Vikas Bahl, Vikramaditya Motwane and Madhu Mantena

कथासार - राजू अंबानी, जो दिन में एक वाहन चालक और रात में शराब की तस्करी का काम करता है , एक सरल और आकर्षक आदमी है। एक दिन अपनी खुद की ट्रेवल एजेंसी खोलने का सपना देखता है। वो एक फ्रेंच लड़की शैली आशेर के प्यार में पड़ जाता है, जो उसके दोस्त तन्मय शाह के कहने पर अहमदाबाद आई थी। एक दिन राजू तन्मय के साथ एक सड़क हादसे के मामले में फंस जाता है। तन्मय एक अमीर वकील श्री अमिताभ शाह का बेटा होता है। जैसे जैसे यह मामला बढ़ता है, कहानी भी आगे बढ़ती जाती है।

Synopsis - Raju Ambani, a driver by day and bootlegger by night, is a simple and charming guy who dreams of opening up his own travel agency someday. He falls in love with Shaily Asher, a French girl who has come down to Ahmedabad at the behest of her friend Tanmay Shah. Life was seemingly perfect for Raju till he finds himself unwillingly stuck in a hit and run situation involving Tanmay, who happens to be the son of an affluent lawyer, Mr. Amitabh Shah. The case intensifies as the story progresses.

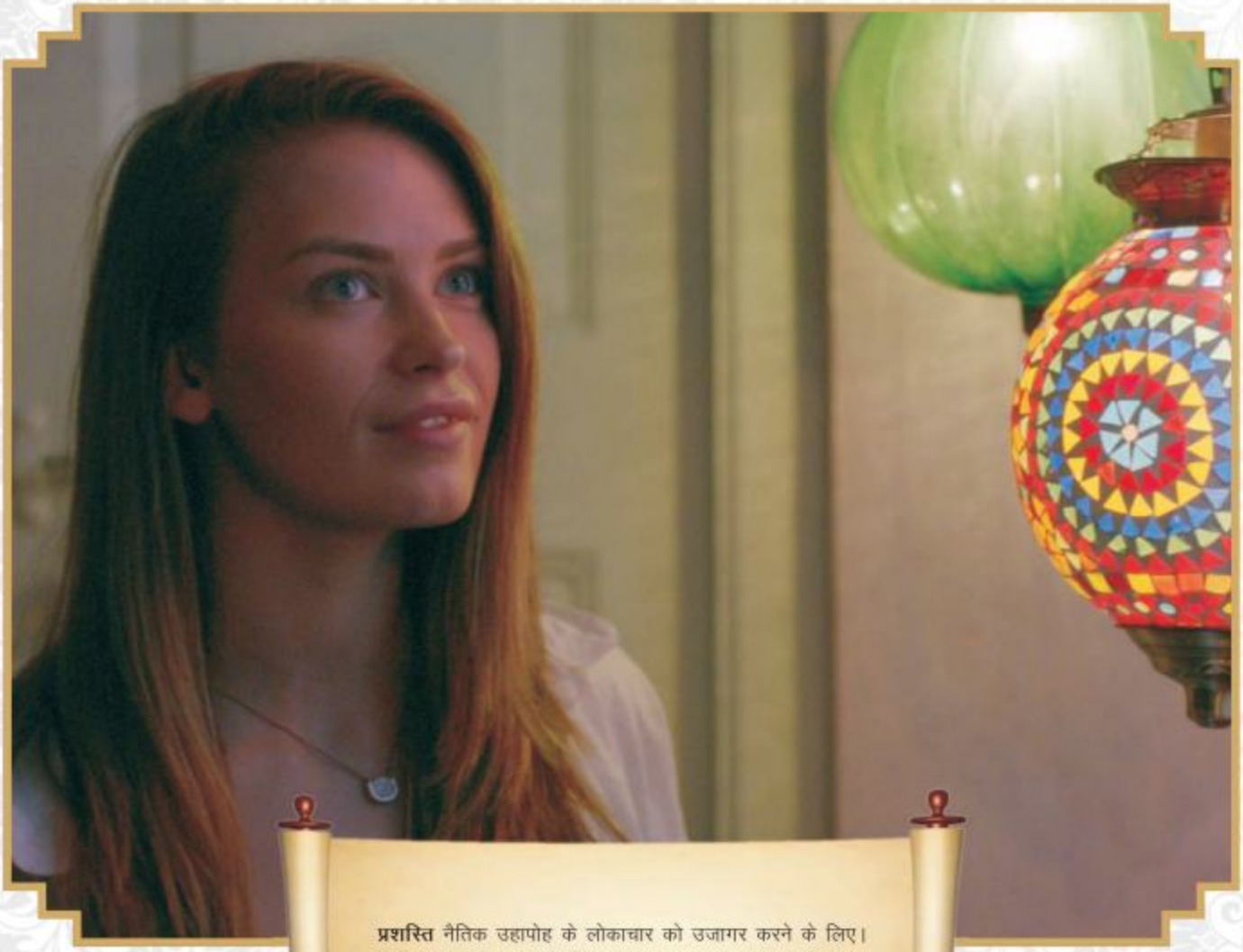

प्रशस्ति नैतिक उहापोह के लोकाचार को उजागर करने के लिए।
Citation - For highlighting the ethos of moral dilemma

Contact: info@cineman.in

हांडुक
सर्वश्रेष्ठ मोरान फ़िल्म

Haanduk | Best Moran Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

मोरान | 90 मिनट

निर्देशक: जयचेंग जय डोहुतिया

निर्माता: मयामारा प्रोडक्शन

लेखक: भास्कर ज्योति दास और जेयचेंग जय दोहुतिया

संपादक: दिगांता बोरा और जयचेंग जय दोहूतिया

छायांकन: छिदा बोरा

अभिनय: बोंदोई चेतिया, बिशाल अनुराग, निवेदिता बरुआ और जीतू मोहन

Moran | 90 mins

Direction: Jaicheng Jai Dohutia

Production: Mayamara Production

Writer: Bhaskar Jyoti Das & Jaicheng Jai Dohutia

Editor: Diganta Bora & Jaicheng Jai Dohutia

Cinematographer: Chida Bora

Cast: Bandoi Chetia, Bishal Anurag, Nivedita Baruah & Jitu Moran

परिचय | PROFILE

जयचेंग जय डोहुतिया (Jaicheng Jai Dohutia)

जयचेंग जय डोहुतिया अपने अलग दृष्टिकोण और मूल रचनात्मक कार्यों के लिए जाने जाते हैं। लेखक, निर्देशक, निर्माता जैकेंग जय दोहुतिया असम से आते हैं। ज्योति चित्रबन फिल्म और टेलीविजन संस्थान से स्नातक करने के बाद उन्होंने लघु कथाएं और वृतचित्र बनाए हैं।

Jaicheng Jai Dohutia is known for his different approach and original creative works. By profession writer, director, producer Dohutia was born in Assam. In 2009, after completing his film graduation from Jyoti Chitraban Film & Television Institute, Guwahati he examined with shorts and documentaries.

मयामारा प्रोडक्शन (Mayamara Production)

वर्ष 2008 में, जयचेंग जय दोहुतिया ने स्वतंत्र फिल्म, वृत्तचित्र और अन्य वीडियो बनाने के उद्देश्य के साथ **मयामारा प्रोडक्शन** की स्थापना की थी।

In the year 2008, **Mayamara Production** was incepted by Jaicheng Jai Dohutia with the mission of making independent films, documentary & other video installation arts.

कथासार - यह फिल्म, चरमपंथी मुक्ति की मां हेरामोनी के बारे में है, जो उसका अंतिम संस्कार करके आई है और अब लाचार है, क्योंकि उसका संगठन उसे अपनाने से इनकार कर रहा है। दूसरी ओर, बिपलब जो अब संगठन का हिस्सा नहीं है और वह भी अपने उन साथियों की तरह अकेला है, जो आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उसे अपने अस्तित्व को लेकर कई परेशानियां हैं।

Synopsis - Heramoni, mother of untraced extremist Mukti, whose last rites she had performed receives intimation that his death cannot be confirmed by the outfit and knows not how to respond while Biplob, who had left the outfit and is alone, unable to be part of the mainstream surrendered rebels, has his own problems of existence.

प्रशस्ति फिल्म पृष्ठभूमि के रूप में विद्रोह की समस्या के साथ प्रतीक्षा करने के सार को दर्शाने की कोशिश करती है।

Citation - The film tries to capture the essence of waiting with the problem of insurgency as a backdrop.

Contact: jaichengdohutia@gmail.com

मदीपु
सर्वश्रेष्ठ तुलु फ़िल्म

Madipu | Best Tulu Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

तुलु | 116 मिनट

निर्देशनः चेतन मुंदादी

निर्माताः आस्था प्रोडक्शन

संपादकः श्रीकांत

छायांकारः गणेश हेगड़े

संगीतः मनोहर वित्तल

अभिनयः सरधर सत्या, एमके मता, सुजाता शेट्टी और सीता कोटे

Tulu | 116 mins

Direction: Chetan Mundadi

Production Company: Aastha Production

Editor: Srikanth

Cinematographer: Ganesh Hegde

Music: Manohar Vittal

Cast: Sardhar Sathya, MK Mata, Sujatha Shetty & Seetha Kote

परिचय | PROFILE

चेतन मुंदादी (Chetan Mundadi)

चेतन मुंदादी विगत 15 सालों से फिल्म जगत में हैं और उन्होंने कन्नड़ फिल्म अपथामित्रा और करिया जैसी फिल्में और रियलिटी शो सारेगामापा और कॉमेडी खिलाड़ीगलु सहित करीब 60 अन्य कार्यक्रमों में कला निर्देशक के तौर पर काम किया है।

Chetan Mundadi, a veteran of 15 years in the film industry, has worked as an art director for Kannada films like Apthamitra and Kariya, reality shows like SaReGaMaPa and Comedy Khiladigalu and over 60 other TV programmes.

आस्था प्रोडक्शन (Aastha Production)

आस्था प्रोडक्शन, 2015 में स्थापित किया गया था और उसके बाद से कंपनी, मोशन पिक्चर के क्षेत्र में लगातार वृद्धि कर रही है। उन्हें टीवी वृत्तचित्र, म्यूजिक एलबम, मोशन पिक्चर्स में महारत हासिल है। संदीप कुमार अमीन इसके मालिक हैं।

Aastha Production, founded in 2015, has been on a steady growth curve in the sphere of motion picture. They specialise in TV documentaries, music Aalbums and motion pictures. Sandeep Kumar Amin is the owner of the unit.

कथासार - मदीपु एक वास्तविक घटना पर आधारित है, जो कि 50 साल पहले बेल्टेंगडी में घटी थी। 'मदीपु', भूथार्धाने या भूथा कोला और हिंदुओं और मुसलमानों के संबंधों पर केंद्रित है। फिल्म एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है, जिसने पूजा को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना दिया और वो इससे बाहर निकलता है तो किस तरह से अवसाद में चला जाता है। यह कहानी नस्लवाद और आध्यात्मिकता को भी छूती है।

Synopsis - Madipu is based on a real incident which took place in Beltangady 50 years ago. 'Madipu & focuses on Bhootharadhane or Bhootha Kola and the relationship of Hindus and Muslims. The film shows how a person who has made the worship a part of his life goes into depression when he steps out of it, the story also rolls towards racism and spirituality.

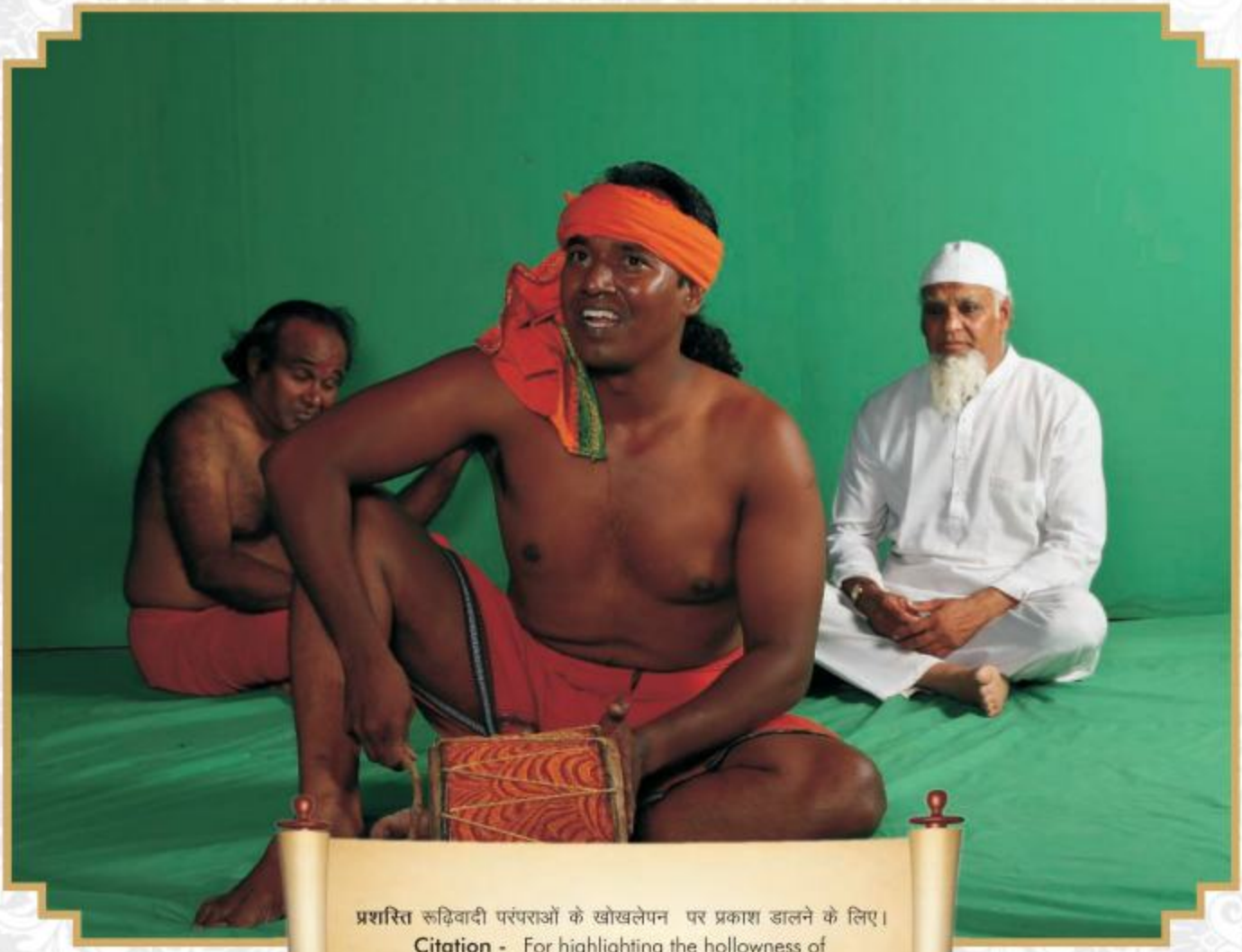

प्रशस्ति रूढ़िवादी परंपराओं के खोखलेपन पर प्रकाश डालने के लिए।
Citation - For highlighting the hollowness of orthodoxical traditions.

Contact: sandeepmmc7@gmail.com

वेंटिलेटर
सर्वश्रेष्ठ निर्देशन

Ventilator | Best Direction

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 2,50,000/-

मराठी | 143 मिनट

निर्देशक और लेखकः राजेश मापुस्कार

निर्माताः पर्पल पेबेल पिक्चर्स

संपादकः रामेश्वर भगत

छायांकारः सविता सिंह

संगीतः रोहन

अभिनयः जितेंद्र जोशी, सतीश आलेकर, सुकन्या कुलकर्णी, आशुतोष गोवारिकर, संजीव शाह और दीपक शिरके

Marathi | 143 mins

Director & Writer: Rajesh Mapuskar

Production Company: Purple Pebble Pictures

Editor: Rameshwar Bhagat

Cinematographer: Savita Singh

Music: Rohan

Cast: Jitendra Joshi, Satish Alekar, Sukanya Kulkarni, Ashutosh Gowariker, Sanjeev Shah & Deepak Shirke

प्रशस्ति एक विशाल चित्रफलक जिसमें परम प्रभुत्व के साथ कलाकार और एक अलग विषय भी शामिल है।

Citation - A huge canvas, an ensemble cast and a different subject all dealt with utmost supremacy.

राजेश मापुस्कर

राजेश मापुस्कर अपनी फिल्में मुन्ना भाई सीरीज, 3 इडियट्स और फरारी की सवारी आदि के लिए जाने जाते हैं। वे भारतीय फिल्म लेखक, निर्देशक और निर्माता हैं। वे कम उम्र में ही सिनेमा जगत से जुड़ गए थे, क्योंकि उनके परिवार का सिनेमा हॉल था। मापुस्कर ने भारत और विदेश में कई फिल्में निर्देशित की हैं।

Rajesh Mapuskar - is known for his work on films like the 'Munna Bhai' series, '3 Idiots' and 'Ferrari Ki Sawaari'. He is an Indian film writer, director and producer. He got involved in the world of films at a very young age, as his family owned a cinema hall. Mapuskar has directed numerous ad films in India and abroad

Contact: preeti.singh@purplepebblepictures.com

Synopsis of the film on page no. 119

रुस्तम
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता

Rustom | Best Actor

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

हिन्दी | 151 मिनट

निर्देशक: टीनू सुरेश देसाई

निर्माता: फ्राइडे फिल्मवर्क्स, केप ऑफ गुड फिल्म्स, जी स्टूडियो और क्रिअर्ज एंटरटेनमेंट

लेखक: नीरज पांडे और विपुल के रावल

संपादक: श्री नारायण सिंह

छायांकार: संतोष थुंडियाइल

वेशभूषा डिजाइन: अमैरा पूनवानी

अभिनय: अक्षय कुमार, इलियाना डी क्रूज, ईशा गुप्ता, अर्जुन बाजवा और कुमुद मिश्रा

Hindi | 151 mins

Direction: Tinu Suresh Desai

Production Company: Friday Filmworks, Cape of Good Films, Zee Studio & Kriarj Entertainment

Writer: Neeraj Pandey & Vipul K Rawal

Editor: Shree Narayan Singh

Cinematographer: Santosh Thundiayil

Costume Design: Ameira Punvani

Cast: Akshay Kumar, Ilena D'cruz, Esha Gupta, Arjan Bajwa & Kumud Mishra

प्रशस्ति व्यक्तिगत और सामाजिक उथल पुथल में पकड़े हुए किरदार का आदर्श चित्रण।

Citation - A perfect portrayal of a character caught in personal and social turmoil.

अक्षय कुमार

अक्षय कुमार एक भारतीय अभिनेता हैं, जो विगत 25 वर्षों से भारतीय फिल्म उद्योग में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने 140 फिल्मों में काम किया है। दिल्ली के अक्षय कुमार ने हर बार नया किरदार निभाने के लिए खुद को तैयार कर लिया है। वे आज देश में सबसे अमीर और लोकप्रिय कलाकारों में से एक हैं।

Akshay Kumar is an Indian actor in the Indian film industry for over 25 years and with 140 films to his name. He hails from Delhi and has carved a niche for himself, experimenting and trying out new characters each time. He is today, one of the most bankable and loved artists in the country.

Contact: adityad@fridayfilmworks.com

Synopsis of the film on page no. 119

मिन्नामिनुंगु–द फायरफ्लाई
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री

Minnaminungu – The Firefly | Best Actress

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

मलयालम | 131 मिनट
निर्देशन: अनिल वी थॉमस
निर्माता: मूवी मैजिक
लेखक: मनोज राम सिंह
संपादक: के श्रीनिवास
छायांकन: सुनील प्रेम
वेशभूषा: निनीश मनंथवडी
अभिनय: रेबेक्का, सुरभि सीएम, बालु नारायणन और प्रेम प्रकाश

Malayalam | 131 mins
Direction: Anil V Thomas
Production Company: Movie Magic
Writer: Manoj Ramsingh
Editor: K Sreenivas
Cinematographer: Sunil Prem
Costume Design: Nineesh Mananthavadi
Cast: Rebecca, Surabhi CM, Balu Narayan & Prem Prakash

प्रशस्ति एक दुर्भावनापूर्ण सामाजिक स्थिति में एक मां की पीड़ा और हर्षोन्माद को चित्रित करने में उनकी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए।
Citation - Showcasing her brilliance in portraying pain and ecstasy of a mother in a deplorable social condition.

सुरभि सीएम

केरल की **सुरभि सीएम** वर्तमान में कलादी श्री शंकराचार्य कॉलेज से पीएचडी कर रही हैं। अपनी दादी लक्ष्मी से प्रेरित, सुरभि को थिएटर से लगाव है। 2010 में नाटक 'यक्षिकाथकलुम नात्तुर्थमंगलंग' में उनकी भूमिका ने केरल साहित्य नाटक अकादमी का सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पुरस्कार जीता था। उन्होंने थिराकथा, एबीसीडी, पकल नक्षत्रंगल, गुलमोहर जैसी फिल्मों में अभिनय किया है। साल 2012 में उन्होंने टेलीविजन धारावाहिक 'कदायिले राजकुमारी' में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी और विभिन्न विज्ञापनों में अभिनय भी किया है।

Surabhi CM is an Indian actress from Kerala. She is currently a research scholar(PhD) at the Kaladi Sree Sankaracharya College. Inspired by her grandmother Lakshmi, Surabhi's first love is for theatre arts. Her role in the drama 'Yakshikathakalum Naattuvarthamanangalum' won her the Kerala Sahitya Nataka Academy's best actress award in 2010. She has acted in films like Thirakkatha, ABCD ,Pakal Nakshatrangal, Gulmohar etc. In 2012, she did a major role in the television serial 'Kadhayile Rajakumari'. She has acted in various commercials too.

Contact: manojmarvel@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 119

दशाक्रिया
सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेता

Dashakriya | Best Supporting Actor (Male)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

मराठी | 139 मिनट

निर्देशन: संदीप भालचंद्र पाटिल

निर्माता: रंगनील क्रिएशंस

लेखक: संजय कृष्णजी पाटिल

संपादक: सुनील नारायण जाधव

छायांकार: महेश आने

संगीत: अमितराज

अभिनय: मास्टर आर्य अधाव, दिलीप प्रभावलकर, मनोज जोशी, अदिति देशपांडे, मिलिंद शिंदे और नंदकिशोर चोघुले

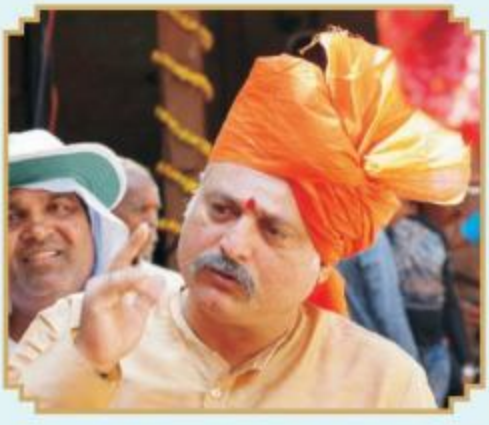

Marathi | 139 mins

Direction: Sandeep Bhalachandra Patil

Production Company: Rangneel Creations

Writer: Sanjay Krishnaji Patil

Editor: Sunil Narayan Jadhav

Cinematographer: Mahesh Aney

Music: Amitraj

Cast: Master Aarya Adhav, Dilip Prabhavalkar, Manoj Joshi, Aditi Deshpande, Milind Shinde & Nandkishor Choghule

प्रशस्ति किरदार के सम्पूर्ण निर्देशक के लिए।

Citation - For an accomplish portrayal of the character.

मनोज जोशी

मनोज जोशी एक भारतीय फिल्म और टेलीविजन अभिनेता हैं। वे गुजरात के अदापोदरा गांव के रहने वाले हैं। जोशी ने मराठी रंगमंच के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी और गुजराती और हिंदी थिएटर में भी प्रस्तुतियां दी हैं। उन्होंने 60 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है। उनकी सबसे प्रशंसित फिल्मों में हल चल, धूम, भागम भाग, फिर हेरा फेरी, चुप चुप के, भुल भुल्लैया और बिल्लू बार्बर शामिल हैं। वह अपने कॉमेडी के लिए बेहद लोकप्रिय हैं।

Manoj Joshi is an India film and television actor. He hails from Adapodara Village, Gujarat. Joshi began his career in Marathi theatre, also putting up performances in Gujarati and Hindi theatre. He has acted in over 60 films. Some of his most acclaimed performances are Hungama, followed by Hulchul, Dhoom, Bhagam Bhag, Phir Hera Pheri, Chup Chup Ke, Bhool Bhulaiyaa, and Billo Barber. He immensely popular for his comic timing.

Contact: sanjaykpatil1967@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 119

दंगल
सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेत्री

Dangal | Best Supporting Actor (Female)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

हिन्दी | 161 मिनट

निर्देशन: नितेश तिवारी

निर्माता: आमिर खान प्रोडक्शंस, यूटीवी सॉफ्टवेयर कम्यूनिकेशंस

लेखक: नितेश तिवारी, पीयूष गुप्ता, श्रेयस जैन, निखिल मेहरोत्रा

संपादक: बल्लू सलुजा

छायांकार: सेतु

संगीत: प्रीतम चक्रवर्ती

अभिनय: आमिर खान, साक्षी तंवर, जायरा वसीम, संन्या मल्होत्रा, फातिमा साना शेख, सुहानी भटनागर और अपराशक्ति खुराना

Hindi | 161 mins

Direction: Nitesh Tiwari

Production Company: Aamir Khan Productions & UTV Software Commucations

Writer: Nitesh Tiwari, Piyush Gupta, Shreyash Jain, Nikhil Mehrotra

Editor: Ballu Saluja

Cinematographer: Setu

Music: Pritam Chakroborty

Cast: Aamir Khan, Sakshi Tanwar, Zayra Wasim, Sanya, Malhotra, Fatima Shana Shaikh, Suhani Bhatnagar & Aprashakti Khurana

प्रशस्ति वह एक महिला खिलाड़ी के रूप में अत्यंत परिपक्वता के साथ समाज के अंतर्विरोधों के साथ लड़ाई का चित्रण करती है।

Citation - She portrays a female sports person's battle with the society with utmost maturity.

ज़ायरा वसीम

ज़ायरा वसीम जम्मू और कश्मीर की एक सोलह वर्षीय भारतीय अभिनेत्री हैं और दंगल उनकी पहली फीचर फिल्म है। उनकी स्कूल प्रधानाचार्या और जानकार ने जायरा के माता–पिता को मनाया था कि उन्हें फिल्मों में अभिनय करने दिया जाए और अपने जुनून को पूरा करने दें। उन्होंने फिल्मों में आने से पहले कुछ विज्ञापन और व्यावसायिक वीडियों में काम किया था।

Zaira Wasim is a sixteen year old Indian actress from Jammu and Kashmir. Dangal is her debut feature film. It was her school principal and her aunt who convinced her parents to let her act in movies and follow her passion. She had done some ad films and commercials before doing the film.

Contact: neha.kaul@disney.com

Synopsis of the film on page no. 119

कुंजु देवम्
सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार (साझा)

Kunju Daivam | Best Child Actor (shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

मलयालम | 93 मिनट

निर्देशक और लेखक: जीओ बेबी

निर्माता: ओसिएन पिक्चर्स

संपादक: रहमान मोहम्मद अली

छायांकार: जॉबी जेम्स

संगीत: मैथ्यूज पुलीकान

अभिनय: जोजू जॉर्ज, रेना मारिया, मास्टर आदिश परवीन, सिद्धार्थ सिवा और श्रीजा थालानदु

Malayalam | 93 mins

Director & Writer: Jeo Baby

Production Company: Ocean Pictures

Editor: Rahman Mohammed Ali

Cinematographer: Jobby James

Music: Mathews Pulickan

Cast: Joju George, Reina Maria, Master Adish Praveen, Sidharth Siva & Sreeja Thalanadu

प्रशस्ति अपने आस्तीन में पवित्रता और मासूमियत समाये हुए।
Citation - He wears purity and innocence on his sleeves.

आदिश परवीन

आदिश परवीन 8 साल के हैं, जो कि केरला के एर्नाकुलम जिले में रहते हैं। उनकी पहली फिल्म 'बेन' 2015 में आई थी। आदिश की पांचवी फिल्म कुंजु देवम् (द लिटिल गॉड) है। आदिश तीसरी कक्षा में पढ़ रहे हैं।

Adish Praveen - is an 8 years old, in Kerala, Eranakulam district. First feature film was 'Ben' on 2015 directed by Vipin Atly. Adish's 5th film is 'KUNJU DAIVAM' (THE LITTLE GOD). Adish is studying on 3rd standard.

Contact: nasib.br@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 119

सहज पाथेर गप्पो
सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार (साझा)

Saahaj Pathar Gappo | Best Child Actor (shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

बंगाली | 86 मिनट

निर्देशक और लेखक: मानस मुकुल पाल

निर्माता: अविजीत साहा

संपादक: सुजय दत्ता रे और अनिर्बान मैती

छायांकार: मृनमॉय मॉडल और शुप्रतिम भोल

अभिनय: नूर इस्लाम, सैमुल आलम और स्नेहा विश्वास

Bengali | 86 mins

Director & Writer: Manas Mukul Pal

Production Company: Avijit Saha

Editor: Sujay Datta Ray & Anirban Maity

Cinematographer: Mrinmoy Mondal & Shupratim Bhol

Cast: Master Nur Islam, Master Saimul Alam & Sneha Biswas

प्रशस्ति अपने आस्तीन में पवित्रता और मासूमियत समाये हुए।

Citation - The eternal and unique way of approaching life through their extraordinary performances.

नूर इस्लाम, समीउल आलम

नूर इस्लाम नौ वर्ष के हैं और पश्चिम बंगाल के बेलपुर से आते हैं। वे कक्षा 5वीं में अध्ययन कर रहे हैं और उनकी मातृ बोली बंगाली है। उनके पिता एक किसान हैं और यह उनकी पहली फिल्म है।

समीउल आलम 12 वर्ष के हैं, जो पश्चिम बंगाल के झिकरा से आते हैं। वे कक्षा 8वीं में अध्ययन कर रहे हैं और उनकी मातृ बोली बंगाली है। उनके पिता दर्जी हैं और यह उनकी पहली फिल्म है।

Nur Islam, is a 9 years old boy from Belpur, West Bengal. He is studying in 5th standard and his mother language is Bengali. His father is farmer and this is his debut film. **Samiul Alam** is a 12 years old Jhikra village, West Bengal. He is studying in 8th standard and his mother language is Bengali. His father is a tailor by profession and this is his debut film.

Contact: avijitsaha_007@yahoo.com

Synopsis of the film on page no. 119

रेलवे चिल्ड्रन
सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार (साझा)

Railway Children | Best Child Actor (shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

कन्नड़ | 115 मिनट

निर्देशन: पृथ्वी कोनौर

निर्माता: टिन ड्रम बीट्स

लेखक: पृथ्वी कोननूर

संपादक: शिवकुमार स्वामी

छायांकार: ईश्वरन थांगावेलू

अभिनय: प्रमिला, दिव्या एमआर, मनोहरा के और यश शेट्टी

Kannada | 115 mins

Direction: Prithvi Konaur

Production Company: Tin Drum Beats

Writer: Prithvi Konanur

Editor: Shivkumar Swamy

Cinematographer: Eswaran Thangavelu

Cast: Pramila, Divya MR, Master Manohara K & Master Yash Shetty

प्रशस्ति वयस्क अवस्था प्राप्त करने की इच्छा से लेपित आवेग की तरह एक बच्चा।

Citation - A childlike impulsiveness coated with the desire of attaining adulthood.

मनोहरा के

15 वर्षीय **मनोहरा के** ग्रामीण बेंगलुरु के दोद्दाबल्लापुर जिले के किसानों के परिवार से आते हैं। 13 वर्ष की आयु में जब मनोहर 8वीं कक्षा में अध्ययन कर रहे थे तब उन्हें कन्नड़ फीचर फ़िल्म रेलवे चिल्ड्रन में जोलू का किरदार निभाने के लिए चुना गया था। रेलवे चिल्ड्रन मनोहर का पहला अभिनय अनुभव है। विशाल अभिनय प्रतिभा के साथ वे अपनी कक्षा में प्रथम आते हैं। इसके अलावा वे एथलीट भी हैं और उन्होंने स्पर्धा, खो–खो और विभिन्न जिला स्तर की प्रतियोगिताओं में कई पुरस्कार जीते हैं।

15 year old **Manohara K** comes from a family of farmers in the district of Doddaballapur in rural Bengaluru. While studying 8th grade, at the age of 13 that Manohara was selected to play Jollu in the Kannada feature film Railway Children. Railway Children is Manohara's first acting experience. He is a topper in his class and apart from his immense acting talent and intelligence, he is an athlete who has won numerous prizes for running, kho-kho and also in various district level quiz competitions.

Contact: pritkonan@yahoo.com

Synopsis of the film on page no. 119

जोकर
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक

Joker | Best Playback (Male)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

तमिल | 131 मिनट

निर्देशक और लेखक: राजू मुरुगन

निर्माता: ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स

संपादक: शनमुगम वेलुसमी

छायांकार: चेजीयान

संगीत: सीन रोलडन

अभिनय: गुरु सोमासुंदरम, राम्या पांडीयान, गायत्री कृष्णा, बावाछेल्लादुरई और मुरामसमी

Tamil | 131 mins

Director & Writer: Raju Murugan

Production Company: Dream Warrior Pictures

Editor: Shanmugam Velusamy

Cinematographer: Chezhiyan

Music: Sean Roldan

Cast: Guru Somasundaram, Ramya Pandian, Gayathri Krishna, Bava Chelladurai & Mu Ramasamy

प्रशस्ति अपने प्यार के लिए देहाती अत्यलंकृत आवाज के लिए।

Citation - A rustic flamboyant voice yearning for his lady love.

सुंदरय्यर

यह ध्यान देने योग्य है कि जोकर **सुंदरय्यर** की पहली फिल्म हैं, जिसमें उन्होंने गायक के रुप में काम किया है। वे विगत 20 वर्षों से लोक संगीत में प्रस्तुति दे रहे हैं और तमिलनाडु की गलियों में नुक्कड़ नाटक कर रहे हैं। जब कोई फिल्म निर्माता एक देसी आवाज चाहता है, जो कि स्थानीय बोली में गा सके, तो उसके लिए सुंदरय्यर को चुना जाता है। वे सामाजिक जागरूकता फैलाने के लिए भी गाने गाते रहते हैं।

It is pertinent to note that Joker is the first film for **Sundarayar,** as a singer. He has been rendering folk music and street plays for over 20 years in the interiors of Tamil Nadu. When the filmmaker wanted a native voice who could sing in the local dialect they finalised on Sundararyar. He continues to sing songs spreading social awareness.

Contact: workshopsubmissions@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 119

प्राकतन
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका

Praktan | Best Female Playback

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

बंगाली | 143 मिनट

निर्देशक: नंदिता रॉय और शिबो प्रसाद मुखर्जी

निर्माता: विंडोज फिल्म प्रोडक्शन्स

पटकथा: नंदिता रॉय

संपादक: मलय लाहा

छायांकार: गोपी भगत

प्रोडक्शन डिजाईनर: नीतिश रॉय

अभिनय: प्रोसेनजीत चटर्जी, रितूपर्णा सेनगुप्ता, अपराजीता ऑड्डी, अविप्सा बसक और सौमित्रा चटर्जी

Bengali | 143 mins

Direction: Nandita Roy & Shibo Prasad Mukherjee

Production Company: Windows Film Productions

Screenplay: Nandita Roy

Editor: Malay Laha

Cinematographer: Gopi Bhagat

Production Designer: Nitish Roy

Cast: Prosenjit Chatterjee, Rituparna Sengupta, Aparajita Auddy, Avipsa Basak & Soumitra Chatterjee

प्रशस्ति 'छोड़ने' के भाव को, बेहद मधुर और आरामदायक तरीके से व्यक्त किया गया है।

Citation - Extolling the pathos of the situation gelling beautifully with the philosophy of 'letting go'.

इमान चक्रवर्ती

इमान चक्रवर्ती एक बंगाली गायिका हैं, जो रवींद्र संगीत और बंगाली गीतों की अन्य शैलियों में अपनी दिवंगत मां और अन्य प्रमुख दिग्गजों से प्रशिक्षित हैं। इमान रवींद्र भारती विश्वविद्यालय से रवींद्र संगीत में स्नातकोत्तर हैं और द म्यूज़िक ऑफ़ सत्यजीत रे पर पीएचडी भी कर रही हैं। उन्होंने दुनिया भर में रबिन्द्र संगीत, लोकगीत, भक्तिपूर्ण गाने और आधुनिक बंगाली रचनाओं के माध्यम से लोगों को सम्मोहित किया है।

Iman Chakraborty - is a Bengali singer, trained in Rabindra Sangeet and other genres of Bengali songs from her late mother and other leading stalwarts. Iman holds a Masters in Rabindra Sangeet from Rabindra Bharati University and is also pursuing her Ph.D programme on The Music of Satyajit Ray. She has travelled to concert stages across the world enthralling the audience with Rabindra Sangeet, folk songs, devotional pieces and modern Bengali compositions with equal ease.

Contact: windowsfilmproductions@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 119

24
सर्वश्रेष्ठ छायांकन
24 | Best Cinematography

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

तमिल | 164 मिनट

निर्देशक–पटकथा: विक्रम के कुमार

निर्माता: 2डी एंटरटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड

संपादक: प्रवीन पुडी

छायांकन: एस थिरूनावुकरसू

संगीत: एआर रहमान

अभिनेता: सुरीया, सामंथा रूथ प्रभू और सरणया पोनवान्नन

Tamil | 164 mins

Director & Writer: Vikram K Kumar

Production Company: 2D Entertainment Private Ltd.

Editor: Prawin Pudi

Cinematographer: S Thirunavukarasu

Music: AR Rahman

Cast: Suriya, Samantha Ruth Prabhu & Saranaya Ponvannan

प्रशस्ति लोकप्रिय 'फिल्म देखने के अनुभव' की आवश्यकताओं को समझने और इसे कई गुना बढ़ाने के लिए।

Citation - For understating the basic requirements of popular 'movie watching experience' and enhancing it manifold.

एस थिरुनवुकारसु

एस थिरुनवुकारसु को प्यार से 'थिरू' बुलाया जाता है, उन्होंने छायांकार पी सी श्रीराम के सहयोगी के रूप काम किया है। वे "मगलिर मत्तुम" के साथ एक स्वतंत्र छायांकार बन गए। उन्होंने हिंदी, तमिल, मलयालम और तेलुगु भाषाओं में काम किया है। उनके उल्लेखनीय कार्यों में हे! राम, अलावनधन कांचीवरम, क्रिश–3, जनता गैराज और 24 शामिल है। उन्होंने 1500 से अधिक टेलीविजन विज्ञापनों में काम किया है। थिरू 'मोशन कंट्रोल कैमरा' का इस्तेमाल करने और 'सुपर 16' प्रारूप में फिल्म का इस्तेमाल करने वाले पहले भारतीय छायांकार थे और वह हमेशा फिल्म निर्माण में नई प्रौद्योगिकियों का पता लगाने के लिए उत्सुक हैं।

S Thirunavukarasu, 'Thiru' as he is affectionately called, worked as an associate to cinematographer Mr. P. C. Sreeram. He became an independent cinematographer with "Magalir Mattum". He has worked in Hindi, Tamil, Malayalam & Telugu languages. Few of his notable works are Hey! Ram, Aalavandhan, Kanchivaram, Krrish 3, Janatha Garage & 24. He has also worked in more than 1500 television commercials. Thiru was the first Indian cinematographer to use " motion control camera" and to film in "Super 16" format and he is always eager to explore new technologies in film-making.

Contact: rajsekarpandian@2dentertainment.in

Synopsis of the film on page no. 120

महेशिंते प्रतिकारम्
सर्वश्रेष्ठ पटकथा (मौलिक)

Maheshinte Prathikaaram | Best Screenplay (Original)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

मलयालम | 121 मिनट

निर्देशक: दिलीश पोथान

निर्माता: ड्रीम मिल सिनेमाज एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड

लेखक: श्याम पुष्करन

संपादक: साईजु श्रीधरन

छायांकार: श्यजू खालिद

संगीत: बिजीबल

अभिनय: फहद फासिल, अपर्णा बालामुरली, एलंसीर, सोबिन शाहीर और अनुश्री

Malayalam | 121 mins

Direction: Dileesh Pothan

Production Company: Dream Mill Cinemas and Entertainment Pvt.Ltd.

Writer: Syam Pushkaran

Editor: Saiju Sreedharan

Cinematographer: Shyju Khalid

Music: Bijibal

Cast: Fahadh Faasil, Aparna Balamurali, Alencier, Soubin Shahir & Anusree

प्रशस्ति पटकथा इडुक्की नदी के नजदीक एक छोटे शहर की व्यक्तिगत विशिष्टता को एक साथ मिलाती है।

Citation - The screenplay interweaves the various idiosyncrasy of a small town near Idukki river.

श्याम पुष्करन

केरल के **श्याम पुष्करन** एक भारतीय पटकथा लेखक हैं, जो मलयालम सिनेमा में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने फिल्म 'सॉल्ट एन पेपर' में पटकथा लेखन से शुरुआत की थी। महेशिंते प्रतिकारम उनकी पहली स्वतंत्र फिल्म है। उनकी कुछ फिल्मों में रानी पद्मिनी, ल्योबिन्ते पुस्तकम और 5 सुंदरिकल आदि शामिल है।

Syam Pushkaran from Kerala, is an Indian scriptwriter best known for his work in Malayalam cinema. He made his screen writing debut with Salt N' Pepper. Maheshinte Prathikaaram is his first independent work. Some of his films are Rani Padmini, Iyobinte Pusthakam and 5 Sundarikal.

Contact: aashiqabu@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 120

दशाक्रिया
सर्वश्रेष्ठ पटकथा (रूपांतरित)

Dashakriya | Best Screenplay (Adapted)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

मराठी | 139 मिनट

निर्देशनः संदीप बालचंद्रा पाटिल

निर्माताः रंगनील क्रिएशंस

लेखकः संजय कृष्णजी पाटिल

संपादकः सुनील नारायण जाधव

छायांकारः महेश आने

संगीत अमृत राज

अभिनयः मास्टर आर्या अधव, दिलीप प्रभावलकर, मनोज जोशी, अदिति देशपांडे, मिलिंद शिंदे और नंदकिशोर छोगुले

Marathi | 139 mins

Direction: Sandeep Bhalachandra Patil

Production Company: Rangneel Creations

Writer: Sanjay Krishnaji Patil

Editor: Sunil Narayan Jadhav

Cinematographer: Mahesh Aney

Music: Amitraj

Cast: Master Aarya Adhav, Dilip Prabhavalkar, Manoj Joshi, Aditi Deshpande, Milind Shinde & Nandkishor Choghule

प्रशस्ति फिल्म बाबा भण्ड के उपन्यास में निर्दिष्ट श्समयश और श्स्थानश की एक झलक को प्रस्तुत करती है।

Citation - The film brings out a semblance of 'time' and 'place' specified in the novel by Baba Bhand.

संजय कृष्णजी पाटिल

संजय कृष्णजी पाटिल, महाराष्ट्र सरकार के बिक्री कर विभाग में एक उपायुक्त पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने अभिनय नाटक और पटकथाओं के लिए कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं। 'माएलेकी' उनके सबसे प्रशंसित नाटकों में से एक है। उन्होंने फिल्म 'जोगवा' भी लिखी है, जिसने 6 राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं।

Sanjay Krishnaji Patil is a Deputy Commissioner in the Sales Tax Department, associated with the Govt. of Maharashtra. He has received several awards for his one act plays and screenplays. 'Mayeleki' is one of his most acclaimed plays. He has also written the film 'Jogwa' which won 6 national awards.

Contact: sanjaykpatil1967@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 120

पेली चुपुल्लू
सर्वश्रेष्ठ पटकथा (संवाद)

Pelli Choopulu | Best Screenplay (Dialogues)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

तेलुगु | 126 मिनट

निर्देशक और लेखक: तरुण भास्कर

निर्माता: धर्मपथ क्रिएशन

संपादक: टी रवि तेजा

छायाकार: नागेश बनवेल

संगीत: विवेक सागर

अभिनय: विजय देवकरकोंडा, रितु वर्मा, प्रियदर्शी और अभय

Telugu | 126 mins

Director & Writer: Tharun Bhascker

Production Company: Dharamapatha Creations

Editor: T. Ravi Teja

Cinematographer: Nagesh Banevell

Music: Vivek Sagar

Cast: Vijay Devarakonda, Rithu Varma, Priyadarshi & Abhay

प्रशस्ति कल्पनाशील फिल्म, निर्माण की गज़ब की भव्यता और सिनेमा के परदे पर विलक्षण कल्पनालोक रचने का अद्भुत सिनेमाई दुस्साहस।

Citation - The film has incorporated a Modern, Witty and 'on-your-face' dialogue that too with the local flavor.

तरुण भास्कर दास्सयम

तरुण भास्कर दास्सयम ने हैदराबाद पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की है और उन्होंने अपने स्कूल के अंतिम वर्ष में विदाई का वीडियो बनाकर अपनी यात्रा की शुरुआत की थी। एक अच्छे कलाकार के रूप में मशहूर तरुण की फिल्म निर्माण में दिलचस्पी उस वक्त से बढ़ गई थी। फिर उन्होंने 2011 में एनआईएफए से फिल्म निर्माण में डिप्लोमा किया।

Tharun Bhascker Dhaassyam, an alumnus of the Hyderabad Public School began his journey to being a film maker in his final year at school when he made the farewell video for his graduating class. Already recognized as a good artist, Tharun's interest in film-making only grew from thereon. He then went on to do a Diploma in film-making from NYFA in 2011.

Contact: raj9696@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 120

कादू पूक्कुन्ना नेरम
सर्वश्रेष्ठ ध्वन्यांकन (साउंड डिज़ाइन)

Kaadu Pookkunna Neram | Best Audiography (Sound Designer)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

मलयालम | 106 मिनट

निर्देशक और लेखक: डॉ. बिजू

निर्माता: वीकेंड ब्लॉकबस्टर्स

संपादक: कार्तिक जोगेश

छायांकार: एम जे राधाकृष्णन

अभिनय: इंद्रजीत सुकुमारान, रिमा कल्लींगल, इंद्रन्स, प्रकाश बारे और गोवर्धन

Malayalam | 106 mins

Director & Writer: Dr. Biju

Production Company: Weekend Blockbusters

Editor: Karthik Jogesh

Cinematographer: M.J Radhakrishnan

Cast: Indrajith Sukumaran, Rima Kallingal, Indrans, Prakash Bare & Master Govardhan

प्रशस्ति विभिन्न प्राकृतिक और अन्य तत्वों के माध्यम से वन और आदिवासी गांवों के 'अनुभव' को दिखाने लिए।

Citation - For bringing out the 'feel' of the forest and tribal hamlet through various natural as well as other elements.

जयादेवन चाक्का दाथ

जयादेवन चाक्का दाथ ने प्रतिष्ठित सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एसआरएफटीआई), कोलकाता में फिल्म ध्वनि की पढ़ाई की है। साथ ही उन्होंने कई बॉलीवुड फीचर फिल्मों में काम किया है, जिसमें कई राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म रामलीला भी शामिल है।

Jayadevan Chakka Dath studied film sound at the prestigious Satyajit Ray film and Television institute (SRFTI), Kolkata. He has worked in many Bollywood feature films including multiple National Award winning film Ramleela.

Contact: drdbijufilmmaker@yahoo.co.in

Synopsis of the film on page no. 120

वेंटिलेटर

सर्वश्रेष्ठ ध्वन्यांकन (रि–रिकार्डिस्ट ऑफ फाईनल मिक्स्ड ट्रैक)

Ventilator | Best Audiography (Re-Recordist of Final Mixed Track)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

मराठी | 143 मिनट
निर्देशक और लेखकः राजेश मापुस्कार
निर्माताः पर्पल पेबेल पिक्चर्स
संपादकः रामेश्वर भगत
छायांकारः सविता सिंह
संगीतः रोहन
अभिनयः जितेंद्र जोशी, सतीश आलेकर, सुकन्या कुलकर्णी, आशुतोष गोवारिकर, संजीव शाह और दीपक शिरके

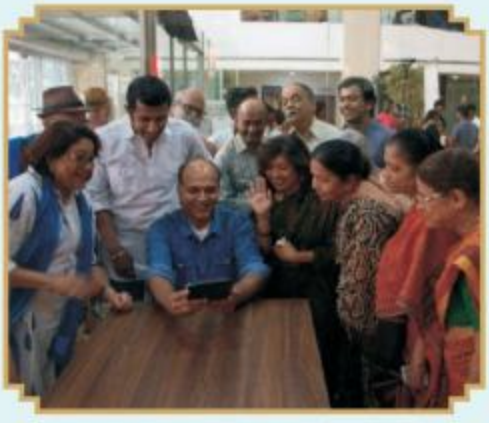

Marathi | 143 mins
Director & Writer: Rajesh Mapuskar
Production Company: Purple Pebble Pictures
Editor: Rameshwar Bhagat
Cinematographer: Savita Singh
Music: Rohan
Cast: Jitendra Joshi, Satish Alekar, Sukanya Kulkarni, Ashutosh Gowariker, Sanjeev Shah & Deepak Shirke

प्रशस्ति फिल्म में उच्चारित शब्दों और चुप्पी के बीच एक नाजुक संतुलन है।

Citation - The film brings out a delicate balance between various spoken words and silence.

आलोक डे

आलोक डे ने साउंड रिकॉर्डिंग और साउंड इंजीनियरिंग में एफटीआइआइ, पुणे से स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया है। उन्होंने मदारी, वज़ीर, मिस्टर एंड मिसेज अय्यर, कोई मिल गया, इकबाल, डोर, जब वी मेट, लव आजकल, रॉकस्टार, गुलाल, देट गर्ल इन येलो बूट्स, उड़ान, आमिर, नो वन किल्ड जेसिका और अन्य फिल्मों के ध्वनि विभाग का संचालन किया है। उन्हें सन् 2013 में फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

Alok De did his postgraduate diploma in sound recording and sound engineering from FTII, Pune, and has handled the sound department in films lime Madari, Wazir, Mr. & Mrs. Iyer, Koi Mil Gaya, Iqbal, Dor, Jab We Met, Love Aaj Kal, Rockstar, Gulal, That Girl in Yellow Boots, Udaan, Aamir, No One Killed Jessica, among others. He won the National Award for Gangs of Wasseypur in 2013.

Contact: preeti.singh@purplepebblepictures.com

Synopsis of the film on page no. 119

वेंटिलेटर
सर्वश्रेष्ठ सम्पादन

Ventilator | Best Editing

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

मराठी | 143 मिनट

निर्देशक और लेखकः राजेश मापुस्कार

निर्माताः पर्पल पेबेल पिक्चर्स

संपादकः रामेश्वर भगत

छायांकारः सविता सिंह

संगीतः रोहन

अभिनयः जितेंद्र जोशी, सतीश आलेकर, सुकन्या कुलकर्णी, आशुतोष गोवारिकर, संजीव शाह और दीपक शिरके

Marathi | 143 mins

Director & Writer: Rajesh Mapuskar

Production Company: Purple Pebble Pictures

Editor: Rameshwar Bhagat

Cinematographer: Savita Singh

Music: Rohan

Cast: Jitendra Joshi, Satish Alekar, Sukanya Kulkarni, Ashutosh Gowariker, Sanjeev Shah & Deepak Shirke

प्रशस्ति संपादन में मूलभूत और कृत्रिम दृश्यों के मिश्रण में एक भी नीरस क्षण नहीं है।

Citation - Never a dull moment through 'organic' as well as 'plastic' juggling of short- lengths.

रामेश्वर एस भगत

1974 में पैदा हुए, **रामेश्वर एस भगत** गोवा के एक भारतीय फिल्म संपादक हैं। वे कॉलेज के दिनों में फिल्म निर्माण के विभिन्न तकनीकी पहलुओं के प्रति आकर्षित थे। एलफिन्स्टन कॉलेज से स्नातक करने के बाद, उन्होंने राजकुमार हिरानी के साथ एक प्रशिक्षु के रूप में अपना करियर शुरू किया। उन्होंने कई प्रतिष्ठित बॉलीवुड प्रोडक्शन हाउस के साथ काम जारी रखा और उन्होंने धूम, धूम 2, न्यूयॉर्क, उन्नईपोल ओरुवन (तमिल), एक था टाइगर, किक, बजरंगी भंजन और सुल्तान समेत कई हिट फिल्में संपादित की।

Rameshwar S. Bhagat is an Indian film editor from Goa. He was very attracted towards technical aspects of film & making from his college days. After graduating (B. Sc. Chemistry) from Elphinstone College, he found his vocational calling in editing and began his career with Rajkumar Hirani. He continued working with several reputed production houses and has edited scores of hit films including Dhoom, Dhoom 2, New York, Unnaipol Oruvan, Ek tha Tiger, Kick, Bajrangi Bhaijaan and Sultan

Contact: preeti.singh@purplepebblepictures.com

Synopsis of the film on page no. 119

24
सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिज़ाइन
24 | Best Production Design

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

तमिल | 164 मिनट

निर्देशक और लेखक: विक्रम के कुमार

प्रोडक्शन कंपनी: 2डी एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड

संपादक: प्रवीन पुडी

छायांकार: एस थिरुनवुकरसु

संगीत: एआर रहमान

अभिनय: सुरिया, समनता रुथ प्रभु और सरनाया पोनवानन

Tamil | 164 mins

Director & Writer: Vikram K Kumar

Production Company: 2D Entertainment Private Ltd.

Editor: Prawin Pudi

Cinematographer: S Thirunavukarasu

Music: AR Rahman

Cast: Suriya, Samantha Ruth Prabhu & Saranaya Ponvannan

प्रशस्ति फिल्म का कुल प्रोडक्शन मूल्य इसके "कला प्रभाव, शूटिंग स्थान, उपकरण आदि" की तुलना में अधिक है। यह इसे एक मूलभूत रूप प्रदान करता है।

Citation - The total production value of the film is more than it's' art effects, locations, gadgets etc. whereby giving it an organic whole.

सुब्रत चक्रवर्ती, अमित रे

प्रोडक्शन डिजाइनर **सुब्रत चक्रवर्ती** और **अमित रे** अपनी विशिष्ट शैली के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने रंग दे बसंती, ओमकारा, रावण, गुरु जैसी कई अन्य पर काम किया है। मटरु की बिजली का मंडोला, हवाईजादा, हैदर, रंगून, उड़ता पंजाब, प्रोजेक्ट 24 आदि फिल्मों में भी उन्होंने भूमिका निभाई है। वे पिछले 17 सालों से एक साथ काम कर रहे हैं।

Ace Production designers **Subrata Chakraborty** and **Amit Ray** are known for their distinctive style. They have worked on films like Rang de Basanti, Omkara, Ravan, Guru and many more. Some of other works are Matru Ki Bijlee Ka Mandola, Hawaizaada, Haider, Rangoon, Udta Punjab, Project 24 etc. They have been working together for the past 17 years.

Contact: rajsekarpandian@2dentertainment.in

Synopsis of the film on page no. 120

साइकिल
सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा डिज़ाईनर

Cycle | Best Costume Designer

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

मराठी | 103 मिनट

निर्देशनः प्रकाश कुंते

निर्माताः हैप्पी माइंड एंटरटेनमेंट

संपादकः मयूर हरदास

छायांकारः अमलेंदु चौधरी

संगीतः आदित्य बेडेकर

अभिनयः ऋषिकेश जोशी, बालचंद्रा कदम, प्रियदर्शन जाधव और मैथिली पटेवियर्धन

Marathi | 103 mins

Direction: Prakash Kunte

Production Company: Happy Minds Entertainment

Editor: Mayur Hardas

Cinematographer: Amalanedu Chaudhary

Music: Aditya Bedekar

Cast: Hrishikesh Joshi, Bhalachandra Kadam, Priyadarshan Jadhav & Maithili Patweardhan

प्रशस्ति यह फिल्म वेशभूषा के माध्यम से ग्रामीण जीवन की एक देहाती और सरल भावना को दिखाने में सक्षम है।

Citation - The film is able to achieve a rustic and simple sense of rural life through its costumes.

सचिन लोवलेकर

सचिन लोवलेकर विगत 14 वर्षों से भारतीय फिल्म उद्योग में स्वतंत्र वेशभूषा डिजाइनर के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कई प्रशंसित फिल्मों जैसे पान सिंह तोमर, किला, डोंबिवल्ली फास्ट, भूतनाथ रिटर्न्स, मदारी और कोर्ट जैसी फिल्मों में योगदान दिया है।

Sachin Lovalekar has been working in the Indian film industry as an independent costume designer for the past fourteen years. He has worked on acclaimed films like, Paan Singh Tomar, Killa, Dombivalli Fast, Bhootnath Returns, Madari and Court.

Contact: sangram@thinkwhynot.com

Synopsis of the film on page no. 120

अल्लामा
सर्वश्रेष्ठ रूपसज्जा कलाकार

Allama | Best Make Up Artist

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

कन्नड़ | 140 मिनट

निर्देशनः टीएस नागाभर्ना

निर्माताः यजामन एंटरप्राइजेज

लेखकः सिद्दागनगौया कंबल और टीएस नागभर्ना

संपादकः बीएस केमपराजू

सिनेमेटोग्राफरः जीएस भास्कर

संगीतः बापू पद्मनाभ

अभिनयः धनंजय, मेघना राज, संचारी विजय, रामकृष्णन और मिको मंजू

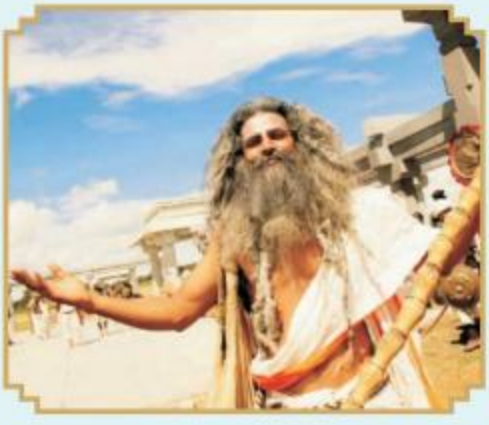

Kannada | 140 mins

Direction: TS Nagabharana

Production Company: Yajaman Enterprises

Writer: Siddagangaiah Kambal & TS Nagabharana

Editor: BS Kemparaju

Cinematographer: GS Bhaskar

Music: Bapu Padmanabha

Cast: Dhananjaya, Meghana Raj, Sanchari Vijay, Ramakrishna & Mico Manju

प्रशस्ति फिल्म रूप–सज्जा की कला और शिल्प के माध्यम से 'एक ऐतिहासिक रूप' और 'समय' की भावना को दर्शाती है।

Citation - The film gives a sense of 'a historical figure' and 'time' through the art and craft of make-up.

एन के रामकृष्ण

एन के रामकृष्ण भारतीय फिल्म उद्योग के एक वरिष्ठ मेक–अप कलाकार हैं। वह अभिनेता कमल हासन के व्यक्तिगत मेक–अप कलाकार हैं।

NK Ramakrishna is a senior make-up artist from the Indian film industry. He is the personal make-up artist of actor Kamal Hassan.

Contact: shruthalaya@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 120

अल्लामा
सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (गीत एंव पार्श्व संगीत)

Allama | Best Music Direction (Songs & Background Score)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-
रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

कन्नड | 140 मिनट

निर्देशनः टीएस नागाभर्ना

निर्माताः यजामन एंटरप्राइजेज

लेखकः सिद्दागनगौया कंबल और टीएस नागभर्ना

संपादकः बीएस केमपराजू

सिनेमेटोग्राफरः जीएस भास्कर

संगीतः बापू पद्मनाभ

अभिनयः धनंजय, मेघना राज, संचारी विजय, रामकृष्णन और मिको मंजू

Kannada | 140 mins

Direction: TS Nagabharana

Production Company: Yajaman Enterprises

Writer: Siddagangaiah Kambal & TS Nagabharana

Editor: BS Kemparaju

Cinematographer: GS Bhaskar

Music: Bapu Padmanabha

Cast: Dhananjaya, Meghana Raj, Sanchari Vijay, Ramakrishna & Mico Manju

प्रशस्ति कन्नड़ रागों के माध्यम से अंतर्आत्मा को फिल्म से जोड़ने के लिए।

Citation - For adding soul to the film through Carnatic ragas.

बापू पद्मनाभ

बापू पद्मनाभ ने एक गांव के त्यौहार से खरीदी हुई बांसुरी के साथ संगीत की दुनिया में प्रवेश किया था और वो बांसुरी के साथ आसक्त हो गए। उन्होंने पंडित हरिप्रसाद चौरसिया को अपना गुरु माना और उन्होंने लंबे समय बाद अपने गुरु से मुलाकात की और वर्ष 1999 से औपचारिक रियाज शुरू किया। उन्होंने अपनी आधुनिक संगीत को नया आयाम दिया। उन्होंने हरिहरन, शान, शंकर महादेवन और कई अन्य लोगों के साथ काम किया है।

Bapu Padmanabha entered the music world with a flute purchased at a village festival and became obsessed with the flute. He started idolizing Pt. Hariparasad Churasia as his Guru. After deep research, he finally met his idol in 1999 and started formal training. Bapu Padmanabha gave a different dimension to the modernist music movement by eliminating shallow dichotomies and binaries that figured quite prominently in most other younger performers of India. He has worked with singers like Hariharan, Shaan, Shankar Mahadevan and many more.

Contact: shruthalaya@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 120

धर्म दुरई
सर्वश्रेष्ठ गीत (साझा)

Dharma Durai | Best Lyrics (Shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

तमिल | 147 मिनट

निर्देशक और लेखक: सीनू रामसमी

निर्माता: स्टूडियो 9

संपादक: कासी विश्वनाथन

छायांकार: एम सुकुमार

संगीत: युवान शंकर राजा

अभिनय: विजय सेतुपति, तमन्ना भाटिया, राधिका सरथकुमार, सृष्टि डांगे और ऐश्वर्या राजेश

Tamil | 147 mins

Director & Writer: Seenu Ramasamy

Production Company: Studio 9

Editor: Kasi Viswanathan

Cinematographer: M Sukumar

Music: Yuvan Shankar Raja

Cast: Vijay Sethupathi, Tamannaah Bhatia, Raadhika Sarathkumar, Srushti Dange & Aishwarya Rajesh

प्रशस्ति यह आशा और खुशी के तत्व–ज्ञान को स्पष्ट करता है।
Citation - It elucidates the philosophy of hope and happiness.

वैरामुथु

वैरामुथु एक कवि, गीतकार, कुशल लेखक, प्रेरक निबंधक और समकालीन युवाओं के आत्मसम्मान के लिए एक महत्वपूर्ण विचारक हैं। विगत चालीस वर्षों से वे जीवन के महान सत्य और उन मान्यताओं को बता रहे हैं, जो मानवता को कला के रूप में भारतीय, विशेष रूप से तमिल साहित्य के माध्यम से आगे ले जाएगा। उन्होंने सात राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते हैं।

VAIRAMUTHU is an accomplished poet, an achieved lyricist, a skilled writer, an inspiring essayist, a spirited social enthusiast and a vitalizing thinker for the self empowerment of the contemporary youth. Over forty years he has been telling the Great Truths of Life and the beliefs that would take humanity forward through Indian, particularly Tamil literature in a language that transcends as Art. This win takes his National Film Award for Best Lyrics tally to seven.

Contact: studio9prdn@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 120

प्राकतन
सर्वश्रेष्ठ गीत (साझा)

Praktan | Best Lyrics (Shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

बंगाली | 143 मिनट

निर्देशक: नंदिता रॉय और शिबो प्रसाद मुखर्जी

निर्माता: विंडोज फिल्म प्रोडक्शन्स

पटकथा: नंदिता रॉय

संपादक: मलय लाहा

छायांकार: गोपी भगत

प्रोडक्शन डिजाईनर: नीतिश रॉय

अभिनय: प्रोसेनजीत चटर्जी, रितूपर्णा सेनगुप्ता, अपराजीता ऑड्डी, अविप्सा बसक, सौमित्रा चटर्जी

Bengali | 143 mins

Direction: Nandita Roy & Shibo Prasad Mukherjee

Production Company: Windows Film Productions

Screenplay: Nandita Roy

Editor: Malay Laha

Cinematographer: Gopi Bhagat

Production Designer: Nitish Roy

Cast: Prosenjit Chatterjee, Rituparna Sengupta, Aparajita Auddy, Avipsa Basak & Soumitra Chatterjee

प्रशस्ति करुणा भरे हालात की प्रशंसा करते हुए उन्हें खूबसूरती से श्छोड़ देनेश की भावना के साथ जोड़ना।

Citation - Extolling the pathos of the situation gelling beautifully with the philosophy of 'letting go'.

अनुपम रॉय

अनुपम रॉय एक भारतीय गायक–गीतकार और संगीत निर्देशक हैं। अनुपम, स्टूडियो एलबम (गायक–गीतकार) के लिए एकल कलाकार के रूप में काम करते हैं। उन्होंने गीतकार, संगीत निर्देशक और पार्श्व गायक के रूप में कई फिल्मों में योगदान दिया है। कलकत्ता में पैदा और बड़े हुए अनुपम ने जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता से इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में स्नातक किया है।

Anupam Roy is an Indian singer-song writer & music director. Anupam works as a solo artist for studio albums (singer-song writer). As a film music contributor, he works as lyricist, music director & playback singer. Born and brought up in Calcutta, he is a graduate in electronics and telecommunication engineering from Jadavpur University, Kolkata.

Contact: windowsfilmproductions@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 119

वी. मोहनलाल
निर्णायक मंडल का विशेष पुरस्कार

V. Mohanlal | Special Jury Award

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 2,00,000/-

Munthirivallikal Thalirkkumbol

Janatha Garrage

Pulimurugan

प्रशस्ति अनूठी अभिनय प्रतिभा के साथ–साथ विभिन्न तरह के पात्रों से निपटने में उनकी महारत के लिए।

Citation - For his mastery in dealing with characters of various shades with unparallel acting brilliance.

वी. मोहनलाल

35 साल से ज्यादा के करियर में **वी. मोहनलाल** ने 350 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है और 35 फिल्में बनाई है या सह निर्माता भी रहे हैं। साथ ही उन्होंने 2 पेशेवर नाटक में भी भूमिका निभाई है। उन्होंने 25 से अधिक फिल्मों और एलबम के लिए गाने गाए हैं। उनकी अभिनीत फिल्मों में हिंदी, तमिल, तेलुगू और कन्नड़ फिल्में शामिल हैं। वी. मोहनलाल ने चार राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए हैं। साल 2001 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया था।

In a career spanning over 35 years **V. Mohanlal** has acted in over 350 films and produced 35 movies. Besides he has also acted in 2 professional Dramas (stage plays) He has sung more than 25 songs for films and albums. His acting credits include Hindi, Tamil, Telugu and Kannada Films. V. Mohanlal has won four National Awards. In 2001 Govt. of India honored him with Padma Shri.

Contact: sophiapaulthomas@gmail.com, mythrimovies@gmail.com, mulakuppadamfilms@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 120

जनता गराज
सर्वश्रेष्ठ नृत्य संयोजन

Janatha Garrage | Best Choreography

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

तेलुगु | 163 मिनट

निर्देशक और लेखरः कोरताला सिवा

निर्माताः मैत्री मूविज मेकर्स

संपादकः कोतागिरी वेंकटेशवरा राव

सिनेमेटोग्राफरः थिकुनावुक्कारासु एस

संगीतः जेवी श्री प्रसाद

अभिनयः एनटी रामा राव जूनियर, समंता, मोहन लाल, नित्या मेनन और सचिन खेडेकर

Telugu | 163 mins

Director: Writer: Koratala Siva

Production Company: Mythri Movie Makers

Editor: Kotagiri Venkateswara Rao

Cinematographer: Thirunavukkarasu S.

Music: Devi Sri Prasad

Cast: NT Rama Rao Jr., Samantha, Mohan Lal, Nithya Menon & Sachin Khedekar

प्रशस्ति देखने में आकर्षक और नृत्य को एक सुशोभित और संपूर्ण रूप देती हुई।

Citation - Visually appealing and with a definite flourish and finish to the dance moves.

राजू सुंदरम

राजू सुंदरम भारतीय फिल्म उद्योग के एक बहुत प्रसिद्ध नृत्य संयोजक हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी सहित अधिकांश भाषाओं में काम किया है। वे प्रशंसित और महान नृत्य संयोजक मुगुबर सुंदर के पुत्र और प्रभुदेवा के बड़े भाई हैं। अत्यंत बहुमुखी और रचनात्मक होने की वजह से उन्होंने कुछ फिल्मों और संगीत वीडियो में अभिनय भी किया है और उन्होंने फीचर फिल्मों का निर्देशन भी किया है। उन्होंने अपने 25 साल के शानदार करियर में 700 से अधिक फिल्मों को कोरियोग्राफ किया है।

Raju Sundaram is a very well-known choreographer of the Indian Film Industry having worked in most of the languages including Tamil, Telegu, Malayalam, Kannada & Hindi. He is the son of acclaimed and legendary choreographer Mugur Sundar and the elder brother of the Prabhudeva. Being highly versatile and creative, he has also occasionally acted in many films and music videos and has directed feature films too. He has choreographed over 700 films in his career spanning an illustrious 25 years.

Contact: mythrimovies@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 120

शिवाय
सर्वश्रेष्ठ स्पेशल इफेक्ट

Shivaay | Best Special Effects

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

हिन्दी | 131 मिनट
निर्देशन: अजय देवगन
निर्माता: अजय देवगन एंड फिल्म्स
लेखक: संदीप श्रीवास्तव
संपादक: धर्मेंद्र शर्मा
छायांकार: असीम बजाज
संगीत: मिथून
अभिनय: अजय देवगन, सय्यशा सईगल, अबीगैल ईम्स, ईरिका गौर और गिरीश करनाड

Hindi | 131 mins
Direction: Ajay Devgn
Production Company: Ajay Devgn FFilms
Writer: Sandeep Shrivastav
Editor: Dharmendra Sharma
Cinematographer: Aseem Bajaj
Music: Mithoon
Cast: Ajay Devgn, Sayyeshaa Saigal, Abigail Eames, Erika Gaur & Girish Karnad

प्रशस्ति फिल्म में अविश्वसनीय मनोरंजक एक्शन दृश्यों का विवेकपूर्ण मिश्रण है।

Citation - The film has a judicious mix of unbelievable yet entertaining action scenes.

नवीन पॉल

नवीन पॉल के पास वीएफएक्स आधारित फिल्मों में वीएफएक्स सुपरवाइजर के रुप में 16 से अधिक वर्षों का अनुभव है और उन्होंने 60 से अधिक फिल्मों में क्रिएटिव प्रमुख के तौर पर काम किया है। साथ ही नवीन को विज्ञापन–फिल्में और फिल्मों में डिजाइनिंग और तकनीकी रूप से मजबूत शॉट्स डिजाइन करने का अनुभव है। वे ऑस्कर विजेता और नामांकित फिल्म कोरियन्स ऑफ नार्निया (2005), सुपरमैन रिटर्न्स (2006) जैसी दृश्य प्रभाव फिल्मों की मुख्य टीम का हिस्सा रहे हैं।

Naveen Paul with 16 plus years of experience in high-end film based VFX pipelines, as a Vfx Supervisor and Creative Head on more than 60 feature films, has an extensive hands on experience in designing aesthetically correct and technically strong shots for films and ad-films. He has also been part of the core team in Oscar winning and nominated visual effects films like, Chronicles of Narnia (2005), Superman Returns (2006) etc.

Contact: vikrant@adffilms.com

Synopsis of the film on page no. 121

पुल्लीमुरूगन
सर्वश्रेष्ठ एक्शन निर्देशन

Pulimurugan | Best Action Direction

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

तेलुगु | 162 मिनट

निर्देशनः व्यस्क

निर्माताः मुलकुप्पदम फिल्म्स्

लेखकः उदयकृष्ण

संपादकः जोन कुट्टी

सिनेमेटोग्राफरः शाहजी कुमार

संगीतः गोपी सुंदर

अभिनयः मोहन लाल, कमलिनी मुखर्जी, गोपाकुमार, सूरज वेंजारामुदू और अजास

Telugu | 162 mins

Direction: Vysakh

Production Company: Mulakuppadam Films

Writer: Udayakrishnan

Editor: John Kutty

Cinematographer: Shaji Kumar

Music: Gopi Sundar

Cast: Mohan lal, Kamalini Mukherjee, Gopakumar, Suraj Venjaramoodu & Ajas

प्रशस्ति फिल्म में एक्शन निर्देशक लड़ाई के बेहतर प्रभाव की प्राप्ति के लिए विभिन्न युद्ध शैलियों को शामिल करता है।

Citation - The action director incorporates various genres of fighting styles to achieve his effect in the film.

पीटर हेन

पीटर हेन भारतीय फिल्म उद्योग में एक्शन निर्देशक, एक्शन को–ऑर्डिनेटर हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत अतिरिक्त स्टंट बॉय के रूप में की, और उन्होंने विजयन और कनल कन्नन जैसे एक्शन निर्देशक के साथ सहायक फाइट मास्टर के रुप में काम किया है। मुरारी उनकी पहली फिल्म थी, उन्होंने एक पूर्ण एक्शन निर्देशक की भूमिका निभाई। उन्होंने अंजी, रन, काखा काखा, छत्रपति, आदादु, वर्षम, अन्नियन जैसी कई फिल्मों के लिए समीक्षकों और मीडिया से प्रशंसा प्राप्त की।

Peter Hein is a action director, action co-ordinator in the Indian film industry. He was born in Chennai to Vietnamese immigrants and settled down in Chennai. He started his career as extra stunt boy, assistant fight master for action directors like Vijayan and Kanal Kannan. Murari was his first movie in which he became a full length action director. He acquired well recognition from critics and media for his work in several movies like Anji, Run, Kaakha Kaakha, Chatrapathi, Athadu, Varsham, Anniyan etc.

Contact: mulakuppadamfilms@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 120

नीरजा
विशेष उल्लेख
Neerja | Special Mention

प्रशिस्त पत्र | CERTIFICATE

हिन्दी | 122 मिनट
निर्देशक: राम माधवानी
निर्माता: फोक्स स्टार स्टूडियो और ब्लिंग अनप्लग्ड
संपादक: मोनिशा बालदवा
छायांकार: मितेश मिरचंदानी
प्रोडक्शन डिजाइन: अपर्ना सूद और अन्ना ल्पे
संगीत: विशाल खुराना
अभिनय: सोनम कपूर, शबाना आजमी, जिम सर्भ, योगेंद्र टीक्कू और शेखर रावजीआनी

Hindi | 122 mins
Direction: Ram Madhvani
Production Company: Fox Star Studios & Bling Unplugged
Editor: Monisha Baldawa
Cinematographer: Mitesh Mirchandani
Production Design: Aparna Sud & Anna Ipe
Music: Vishal Khurana
Cast: Sonam Kapoor, Shabana Azmi, Jim Sarbh, Yogendra Tikku & Shekhar Ravjiani

प्रशस्ति वास्तविक जीवन की नायिका का सजीव चित्रण।
Citation - A convincing performance of a real life icon.

सोनम कपूर

सोनम कपूर एक भारतीय फिल्म अभिनेत्री हैं, जिन्होंने नीरजा की सफलता के साथ शीर्ष पर पहुंचने का रास्ता बना लिया है। वह कई समीक्षकों द्वारा प्रशंसित और व्यावसायिक रूप से सफल फिल्मों का हिस्सा भी रही हैं, जिसमें रांझणा और भाग मिल्खा भाग शामिल हैं। उन्हें हाल ही में 'फाइट फॉर हंगर' और 'कडल्स फाउंडेशन' का एंबेसडर भी बनाया गया है और कपूर कई अन्य धर्मार्थ प्रयासों से भी जुड़ी हुई हैं। उन्हें स्टाइल और फैशन के लिए जाना जाता है।

Sonam Kapoor is an Indian Film actress who has catapulted her way to the top with the success of Neerja. She has also been part of several critically acclaimed and commercially successful blockbusters including Raanjhanaa and Bhaag Milkha Bhaag. She recently turned ambassador for 'Fight for Hunger' and 'Cuddles Foundation' and has also been associated with several other charitable initiatives. She is regarded for her impeccable sense of style and rare fashion sensibility.

Contact: shahana.dasgupta@in.foxstarstudios.com

Synopsis of the film on page no. 121

आदिल हुसैन
(मुक्ति भवन और माज रति केतेकी)
विशेष उल्लेख

Adil Hussain (Mukti Bhawan & Maj Rati Keteki) | Special Mention

प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

मुक्ति भवन
हिन्दी | 99 मिनट
निर्देशक: शुभाषीष भूतीआनी
निर्माता: रेड कारपेट मूविंग पिक्चर्स
अभिनय: आदिल हुसैन, ललित बहल, गीतांजली कुलकर्णी

Mukti Bhawan
Hindi | 99 mins
Director & Writer: Shubhashish Bhutiani
Production Company: Red Carpet Moving Pictures
Cast: Adil Hussain, Lalit Behl, Geetanjali Kulkarni

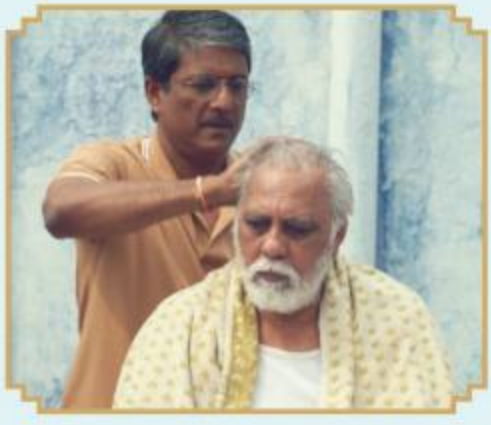

माग रति केतेकी
हिन्दी | 99 मिनट
निर्देशन और लेखक: सांत्वना बोरदोलोई
निर्माता: उदारा फिल्म्स
अभिनय: आदिल हुसैन और मौमिता तालुकदार

Maj Rati Keteki
Hindi | 99 mins
Director & Writer: Santwana Bardoloi
Production Company: Udara Films
Cast: Adil Hussain & Moumita Talukdar

प्रशस्ति दो अलग–अलग फिल्में, दो अलग–अलग किरदार किन्तु एक ही अभिनेता और अभिनेता के लिए एक ही शब्द– उत्कृष्ट।
Citation - Two different films, two different characters, one same actor. One word- Brilliant.

आदिल हुसैन

असम के गोलापाड़ा में जन्मे **आदिल हुसैन** कॉमेडी, थियेटर, टेलीविजन, रेडियो और फिल्मों में काम कर रहे हैं और वे 1993 में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली से स्नातक हैं। 'ओथेलो–ए प्ले इन ब्लैक एंड व्हाइट' में ओथेलो के रुप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित प्रदर्शन करने के बाद आदिल, मंच कलाकार के रुप में भारत में लोकप्रिय हो गए। उन्होंने भारत और नीदरलैंड में कई लोकप्रिय संस्थानों में अभिनय पढ़ाया है और उन्हें 1500 से अधिक मंच शो और 50 फिल्मों में अभिनय किया है। वे इंग्लिश विंग्लिश, लाइफ ऑफ पाय और मुक्ति भवन व कई अन्य फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

Adil Hussain was born in Goalpara, Assam. Initially working in stand up comedy, theatre, television, radio and film, he graduated from the NSD, New Delhi in 1993. He became well known in India as a stage actor after his internationally acclaimed performance as Othello in "Othello- A play in Black and White" which received a Fringe First in Edinburgh. He taught acting in numerous premiere institutions in India and the Netherlands, and has over 1500 stage shows and nearly 50 films to his credit. He is known for his popular roles in English Vinglish, Life of Pi, Mukti Bhavan and many more.

Contact: sajida@redcarpetmovingpictures.in, drsbardoloi@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 121

मुक्ति भवन
विशेष उल्लेख
Mukti Bhawan | Special Mention
प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

हिन्दी | 99 मिनट
निर्देशक: शुभाशीष भूतिआनी
निर्माता: रेड कारपेट मूविंग पिक्चर्स
संपादक: मानस मित्तल
छायांकार: माइक सैकस्वीनी, डेविड हुविलेर
संगीत: ताजदार जुनैद
संगीत: आदिल हुसैन, ललित बहल, गीतांजली कुलकर्णी, पलोमी घोष, नवनिंद्र बहल और अनिल के रस्तोगी

Hindi | 99 mins
Director & Writer: Shubhashish Bhutiani
Production Company: Red Carpet Moving Pictures
Editor: Manas Mittal
Cinematographer: Mike Mcsweeny & David Huwiler
Music: Tajdar Junaid
Cast: Adil Hussain, Lalit Behl, Geetanjali Kulkarni, Palomi Ghosh, Navnindra Behl & Anil K Rastogi

प्रशस्ति एक फिल्म जो आशा की भावना के साथ मृत्यु के बारे में चर्चा करती है।
Citation - A film which talks about death with the spirit of hope.

शुभाशीष भूतिआनी (Shubhashish Bhutiani)

शुभाशीष भूतिआनी भारत के हिमालयी इलाकों में बड़े हुए हैं और उन्होंने वूडस्टॉक स्कूल, मसूरी से पढ़ाई की हैं। उन्होंने साल 2013 में न्यूयॉर्क विजुअल आर्ट्स ऑफ स्कूल से निर्देशन में पढ़ाई की। शुभाशीष ने पहली फीचर फिल्म मुक्ति भवन निर्देशित की है।

Shubhashish Bhutiani grew up in a small town in India and attended Woodstock School, Mussoorie and specialized in Direction as an undergraduate from the School of Visual Arts, New York in 2013.

रेड कार्पेट मूविंग पिक्चर्स (Red Carpet Moving Pictures)

रेड कार्पेट मूविंग पिक्चर्स ने दुनिया भर में दक्षिण अफ्रीका, यूरोप, भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय और बहुराष्ट्रीय ग्राहकों के लिए कई टीवी विज्ञापनों का निर्माण किया है।

Red Carpet Moving Pictures has produced TV commercials across the globe for Indian and Multinational Clients in North & South America, South Africa, Europe, India and South East Asia.

Contact: sajida@redcarpetmovingpictures.in

Synopsis of the film on page no. 121

कड़वी हवा
विशेष उल्लेख

Kadvi Hawa | Special Mention

प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

हिन्दी | 100 मिनट

निर्देशनः निला मदहब पांडा

निर्माताः अक्षय कुमार परीजा प्रोडक्शन और इलिअनोरा इमेजेस प्राइवेट लिमिटेड

लेखकः नितिन दीक्षित

संपादकः जाबीन मरचेंट

छायांकारः रामानुज दत्त

वेशभूषा डिजाइनः बरनाली रथ

अभिनयः संजय मिश्रा, रणवीर शोरे, तिलोतमा और एकता सावंत

Hindi | 100 mins

Direction: Nila Madhab Panda

Production Company: Akshay Kumar Parija Productions & Eleeanora Images Pvt. Ltd.

Writer: Nitin Dixit

Editor: Jabeen Merchant

Cinematographer: Ramanuj Dutta

Costume Design: Barnali Rath

Cast: Sanjay Mishra, Ranvir Shorey, Tilotama Shome & Ekta Sawant

प्रशस्ति बदलती पर्यावरण परिस्थितियों के खिलाफ किसान के संघर्ष को उजागर करने के लिए।

Citation - For highlighting the farmer's struggle against the changing environmental conditions.

नीला माधव पांडा (Nila Madhab Panda)

ओडिशा में जन्मे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता, **नीला माधव पांडा** एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित फिल्मकार और निर्माता हैं। उनकी अधिकांश फिल्में अपने जीवन से ली गई अनूठी अंतर्दृष्टि हैं।

Odisha-born national award winner, **Nila Madhab Panda** is an internationally acclaimed film maker and producer. Most of his films have unique insights drawn from his own life.

इलीओ इमेजेस (Eleeonora Images, Akshay Kumar Parija)

इलीओ इमेजेस सबसे मनोरंजक और लोकप्रिय कला रूप में एक नई मानव क्रांति बनाने के दृष्टिकोण के साथ काम कर रहा है।

अक्षय कुमार परीजा प्रोडक्शन की स्थापना अक्षय कुमार परीजा ने की थी।

Eleeonora Images is a production house with a vision to create a new human revolution in this 21st century. **Akshay Kumar Parija** Productions was founded by Akshay Kumar Parija.

Contact: akparija@hotmail.com

Synopsis of the film on page no. 121

कथासार | SYNOPSIS

वेंटिलेटर (Ventilator)

गणपति महोत्सव के 7 दिन पूर्व एक परिवार के वरिष्ठ सदस्य को वेंटिलेटर पर रखा जाता है, इससे परिवार के बीच अटकलों और घबराहट की विविधताएं दिखाई देने लगती हैं। महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों के साथ ही विदेश से परिवार के सदस्य अपने स्वार्थ के लिए अस्पताल में डेरा जमाने लगते हैं। ये पूरा माहौल हंसी, आंसू और रिश्तों के एक घुमावदार मिश्रण में बदल जाता है। फिल्म में मानवीय भावनाओं को बखूबी दर्शाया गया है।

An alling senior member of a family is put on the ventilator 7 days prior to the Ganpati festival. This leads to varied degree of speculation and panic amongst the large coastal clan he belongs to. Family members from different part of Maharashtra as well as abroad descend on the hospital with personal agendas. What ensues is a rollercoaster ride of laughter, tears and relationships. It takes viewers through the highs and lows of human emotions.

रुस्तम (Rustom)

यह कहानी 1950 के दशक से पहले के समय पर आधारित है. कहानी एक भारतीय नौसेना अधिकारी रुस्तम पावरी के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसका सेंथिया पावरी से विवाह हुआ है। उनके रिश्तों में उस वक्त कड़वाहट आ जाती है, जब रुस्तम को पता चलता है कि उसकी पत्नी के उसके दोस्त के साथ संबंध हैं।

The story dates back to the late 1950s and revolves around an Indian Naval Officer Rustom Pavri, who is happily married to Cynthia Pavri. Their marriage hits the rocks when Rustom discovers about his wife's affair with his friend.

मिन्नामिनुंगु–द फायरफ्लाई (Minnaminungu - the Firefly)

फिल्म दुखद परिस्थितियों में फंसी एक महिला की गंभीर स्थिति का चित्रण है। महिला को अपना ऋण चुकाने, पिता की देखभाल करने जैसी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं। उसका सपना है कि वो अपनी बेटी के लिए घर बनाए और ताकि वो लौटकर उस घर में रहे।

The film portraits the plight of a woman trapped in her own tragic circumstances. She has to do a lot of things now, like paying back the loans, looking after her father and she dreams to make a house for her daughter to come and stay when she returns.

दंगल (Dangal)

दंगल, जिसका अर्थ है 'कुश्ती'। दंगल महावीर सिंह फोगाट और उसकी बेटियों के असाधारण जीवन के आसपास घूमती है। महावीर फोगाट, भारत के पूर्व पहलवान हैं, जो भारत के लिए एक अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीतने का सपना पूरा नहीं कर सके। वो सभी सामाजिक बाधाओं के खिलाफ, बहादुरी से समाजिक आलोचनाओं, धन की कमी, अधिकारियों की लापरवाही और कई अन्य परेशानियों को नजरअंदाज करते हुए अपनी बेटियों को प्रशिक्षित करते हैं, ताकि वो भारत को स्वर्ण पदक दिलाएं।

Dangal, which means 'wrestling', revolves around the extraordinary life of Mahavir Singh Phogat and his daughters. Mahavir, an ex-wrestler could never accomplish his dream of winning an international Gold medal for India. Against all odds he bravely embraces all criticism from the society, lack of money, apathy from officials and much more, but never gives up…to train his daughters to see them win Gold for India.

कुंजु देवम् (Kunju Daivam)

यह फिल्म जोसेफ नाम के एक छठी कक्षा में पढ़ने वाले लड़के के बारे में है, जो ईश्वर से प्रार्थना में भरोसा करता है। हालांकि, उसकी सारी प्रार्थनाएं शरारती होती हैं। उसके पिता विदेश में रहते हैं और वह अपनी मां और दादा के साथ रहता है। जोसेफ और उसके दादा के बीच ज्यादा लगाव होता है। एक दिन वह परीक्षा को रद्द करने और छुट्टी के लिए भारत के राष्ट्रपति की मृत्यु की कामना भगवान से करता है। उसकी कामनना पूरू हो जाती है। अब वह ऐसी ही छुट्टी की कीमना फिर करता है, लेकिन इस बार उसके दादाजी का देहांत हो जाता है। इस मलाल के साथ वह जीवनभर सिर्फ प्रार्थना के माध्यम से ही नहीं बल्कि अपने कामों से लोगों की सेवा करना शुरू कर देता है।

The movie is about a 6th grade boy named Joseph who trusts in prayers made to god. However, all his prayers are wicked ones. He lives with his mother and grandfather, his father was abroad. Joseph and his grandfather shared a very good relationship. One day he prays for the death of President of India to skip an exam. His prayer was answered and he got a holiday and the exam was postponed. The next day he again prayed again for somebody's death to skip the some exam. But this time it was his grandfather who died. After self realization, Joseph starts working towards saving a person not only through prayers but also by his deeds.

सहज पाथेर गप्पो (Sahaj Pather Gappo)

छोटू और गोपाल गाँव में रहने वाले दो बालक हैं, जिनका बचपन तब अचानक ठहर जाता है जब उनके पिता दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। परिस्थितियाँ गोपाल को अचानक ही समझदार बना देती हैं और वो जिम्मेदारी उठाते हुए माल बेचकर अपने परिवार के लिए कुछ पैसे कमाने लगता है। फिल्म गोपाल और उसके भाई के जीवन के साथ ही आगे बढ़ती है।

Chhottu and Gopal are two brothers whose childhood is disrupted when their father meets with an accident. Circumstances force Gopal to mature quickly and he becomes more responsible and starts selling wares to earn a little money for home. The film follows what happens to him and his brother

रेलवे चिल्ड्रन (Railway Children)

12 वर्षीय बच्चा राजू एक बड़े शहर के रेलवे स्टेशन पर अकेले पहुंचता है। यहां 'सॉल्यूशन' नाम का एक इंसान उसे अपने साथ ले जाता है। राजू एक दूसरे बच्चे, जॉली के साथ प्लेटफॉर्म पर जीवन यापन करते हुए दुनिया के बारे में जानना शुरू करता है। इस दौरान वह स्वतंत्रता का आनंद लेता है, लेकिन दुर्व्यवहार, हिंसा और अपराध का सामना भी करता है।

Raju a 12 year old arrives alone at a big city railway station where he's whisked away by a man who goes by the name solution. Raju slowly begins to explore the world of surviving at a platform, along with another kid, Jolly. HE begins to enjoy freedom, alongside surviving with abuse, violence and crime.

प्राकतन (Praktan)

एक विवाहित महिला, जो ट्रेन से मुंबई से हावड़ा की यात्रा पर है और अपने पूर्व पति से मिलती है। रहस्योद्घाटन और वास्तविकताबोधक यात्रा, प्रकटन, अपने आप से और अपने प्यार के साथ शांति प्राप्त करने की कहानी है।

A married woman, who is on journey from Mumbai to Howrah by train, meets her ex-husband. A journey of realisations and revelations, Praktan is a story of being at peace with yourself and the one you love.

24 (24)

24 समय–यात्रा की अवधारणा पर आधारित एक तमिल विज्ञान फिक्शन थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में एक वैज्ञानिक एक 'टाइम मशीन' का आविष्कार करता है, जिसकी वजह से उसके जुड़वां भाई और उसके पुत्र के बीच लड़ाई हो जाती है।

24 is a science fiction thriller based on the concept of time-travel. A scientist invents a time machine, which leads to a bitter battle between his evil twin brother and his son.

कादू पूक्कुन्ना नेरम (Kaadu Pookkunna Neram)

एक पुलिसकर्मी रात में आदिवासी गांव के पास, जंगल में एक संदिग्ध माओवादी महिला को गिरतार करता है। लेकिन उसे साथ ले जाते वक्त वह जंगल से बाहर निकलने का रास्ता भूल जाता है। अब दोनों ही घने जंगल में फंसे हुए हैं। फिल्म में दिखाया गया है कि किस तरह से कानून, अपराधी, आदमी, महिला, शिकारी, शिकार के समीकरण बदलते हैं और वो बाहर निकलने के लिए क्या–क्या करते हैं।

A police man arrested a suspected Maoist woman in a forest near tribal village at night. But he lost the way out from the forest. Thus, both the hunter and the hunted are stranded in the thick forest. Power, Crime, Man, Woman, the Hunter, the Hunted... all such equations change utterly and are no more what they used to be.

साइकिल (Cycle)

फिल्म के मुख्य किरदार 'केशव' को अपनी साइकिल से बेहद लगाव होता है। एक दिन, दो चोर नए रोमांच की तलाश में मेले के अवसर पर गांव में प्रवेश करते हैं। वो गांव के मुखिया को लूटने की योजना बनाते हैं, जिसके लिए अफवाह होती है कि उसके घर बहुत मात्रा में सोना जमा है। दोनों चोर चोरी करने में सफल हो जात हैं और वापस भागते समय केशव की साइकिल भी ले जाते हैं। क्या केशव अपनी साइकिल को वापस ला पाएगा?

The main protagonist 'Keshav' has an intense love affair with his cycle. One day, two thieves on the lookout for a new adventure enter the village on the occasion of the village fair. They target the village headman's house since it is rumoured to have solid gold deities. The two manage to steal the deities and while returning they run away with Keshav's Cycle. Will Kehsav ever find his cycle back?

अल्लामा (Allama)

मंदिर में नाचने वाले एक नर्तक नीलालोचने के बेटे अल्लामा के अंदर 'मड्डेले' बजाने का प्रा.तिक कौशल मौजूद है। ज्ञान की खोज के लिए उसकी ललक उसे उन यात्राओं पर ले जाती है जो उसे अपनी हर भावनाओं, जिसमें अपनी मां के प्रति प्यार, मड्डेले के लिए जुनून, माया द्वारा दिए गए प्रलोभन और अंततः स्वयं का प्रत्यक्षीकरण शामिल है, इन सब से बाहर निकलने में मदद करती है।

Allama, the son of a temple dancer Neelalochane , has divine gift of playing Maddale. His quest for knowledge takes him on a journey that enables him to overcome each of his sentiments - his longing for his mother, his obsession with Maddale, the guru who fails him, the temptations offered by persistent Maya and finally the realization of self

धर्मा दुरई (Dharma Durai)

धर्मा दुरई गांव का एक शराबी है और उसकी हरकतों से उसके भाइयों और सालों , जो कि चिट–फंड का कारोबार करते हैं, को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। उसके भाई उसे एक खाली खंडहर में बंद करके रखते हैं और जब भी वो उनके खिलाफ खड़ा होने लगता है, उसे पीटते हैं। पूरे गांव में उसकी मां पांडीयम्मा और उसका दोस्त गोपाल ही उसके प्रति सहानूभूति रखते हैं। उसकी हरकतों से तंग आकर, उसके भाई उसे मारने की योजना बनाते हैं, हालांकि उनकी मां यह सुन लेती है और धर्मदुरई को रात को उस घर से निकलने के लिए कहती है और अपने भाइयों से दूर अच्छी जिंदगी जीने को कहती है। इस दौरान धर्मा दुराई अपने पुराने कपड़े और बैग उठाकर मदुरै के लिए चल जाता है। हालांकि उसे पता नहीं होता है कि बैग में चिट–फंड के पैसे हैं। जब धर्म दुराई के भाइयों को पता चलता है कि पैसे का बैग गायब है तो वो उसे ढूंढने की कोशिश करते हैं। यहां से फिल्म की कहानी अनेक उतार–चढ़ाव के साथ आगे बढ़ती है।

Dharma durai is the village drunkard. His antics are a constant source of embarrassment for his brothers and brother-in-law, who run a chit-fund business. The brothers lock him up partially clothed in an empty outhouse most of the time and thrash him whenever he tries to stand up to them. The only people who sympathise with Dharmadurai are his mother Pandiyamma and his close friend Gopal. One day, fed up of his antics, the brothers plot to kill him, however, Pandiyamma overhears her sons and helps Dharmadurai to escape from the outhouse in the middle of the night, advising him to leave the house for good and lead a good life far away from his brothers. With this in mind, Dharmadurai takes his old clothes and bag and leaves for Madurai. However, unknown to him, the bag contains the chit-fund money. When Dharmadurai's brothers find out that he and the money are missing the following morning, they begin a search for him. The story goes on with twists and turns.

मुंथीरीवल्लीकल थालीरक्कुंबोल (Munthirivallikal Thalirkkumbol)

एक नीरस जीवन जीने वाले पंचायत सचिव उल्लहनन अपने कॉलेज के पुनर्मिलन समारोह में शामिल होता है। ये उसके 20 साल के वैयाहिक जीवन में उत्साह पैदा करता है और उसके मन में हर उस चीज के लिए एक नया नजरिया और प्यार उत्पन्न हो जाता है, जिन पर वो कभी गौर नहीं करता था।

Panchayat Secretary Ullahanan leads a monotonous life till a college reunion rekindles excitement in his 20-year-old marital life and infuses in him a renewed sense of purpose and love for everything that he once took for granted.

जनता गराज (Janatha Garage)

यह 1980 के दशक के एक मोटरखाने यानि गैराज की कहानी है, जिसे 'जनथा गैराज' कहा जाता है। अगले 25 वर्षों में, गैराज आवश्यकता पड़ने पर लोगों की मदद करके और समाज के लिए बुरी चीजों के खिलाफ लोगों का प्रतिनिधित्व करके अपनी महानता को बढ़ाता है।

This is the story of a garage called, "Janatha Garage "in the 1980s. Gradually in 25 years, the Garage grows in its stature to represent people in need and against any thing that is evil to the society.

पुल्लीमुरुगन (Pulimurugan)

फिल्म एक सामान्य आदमी मुरुगन की कहानी बताती है, जो जंगल के पास एक गांव में रहता है और खुद को मुरुगन से पुलिमुरुगन में परिवर्तित करता है। यह सभी बाधाओं के खिलाफ धैर्य और शक्ति की लड़ाई है। यह मनुष्य बनाम जानवर की बेहद खूबसूरत एक रंगशाला है।

The movie narrates the story of Murugan, an ordinary man who lives in a village near forest area and his transformation from Murugan to Pulimurugan. It is a fight of grit and power against all odds. It is a great-looking amphitheater of Man Vs Animal.

कथासार | SYNOPSIS

शिवाय (Shivaay)

शिवाय हिमालय पर रहने वाला "पर्वतारोही" है, जो मासूम है, लेकिन उसके परिवार को बचाने के लिए विध्वंस करने में सक्षम है। यह फिल्म शिवाय के इर्द–गिर्द घूमती है, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए एक मिशन पर है, जिसका कुछ मांस व्यापारी अपहरण कर लेते हैं और उसे असहाय छोड़ देते हैं।

Shivaay is a Himalayan mountaineer who is an innocent and yet is capable of transforming into a mean destroyer when he needs to protect his family. The film revolves around a skilled mountaineer who is on a mission to rescue his daughter who gets kidnapped by flesh traders and he is left helpless.
Hindi take from file

मुक्ति भवन (Mukti Bhawan)

यूनिकोड यहाँ यह फिल्म एक पिता की पवित्र शहर वाराणसी में जाकर मरने और मोक्ष प्राप्त करने की असाधारण और विचित्र इच्छा पर आधारित है। अपने पिता की इस आखिरी इच्छा पूरी करने के अलावा उसके पास कोई विकल्प नहीं रहता है।

Faced with his father's untimely and bizarre demand to go and die in the holy city of Varanasi and attain Salvation, a son is left with no choice but to embark on this journey.

कड़वी हवा (Kadvi Hawa)

एक समय पर खेती के लिए मशहूर कहे जाने वाले महुआ क्षेत्र के लोगों को अब बारिश की सुगंध भी याद नहीं है। घटती बारिश की वजह से ये किसान बैंकों के ऋण के जाल में फंस गए हैं। बैंकों से लिए गए कर्ज ना चुका पाने और खेती ना कर पाने की वजह से उनके पास आत्महत्या ही एक विकल्प है। एक किसान के अंधे पति को भी इसका डर सता रहा है। कड़वी हवा सिर्फ काल्पनिक कहानी नहीं है, बल्कि यह इस स्थिति से गुजर रहे किसानों का आंखें खोल देने वाला चित्रण है, जो अभी भी जलवायु परिवर्तन को लेकर तैयार नहीं है।

Once famous for its farming, the people of Mahua region have forgotten the earthy scent of rain fall on their soil. Erratic and receding rainfall has led many farmers into debt traps set out as loans offered by banks. Unable to grow food grain anymore and to escape repayments, the only way out is sacrificing their own life i.e. suicide. A blind father of a farmer fears the same fate for his. Kadvi Hawa, is not just a fiction. It's an eye-opening portrayal of the suffering of people, still unprepared to face the consequences of their actions on climate change.

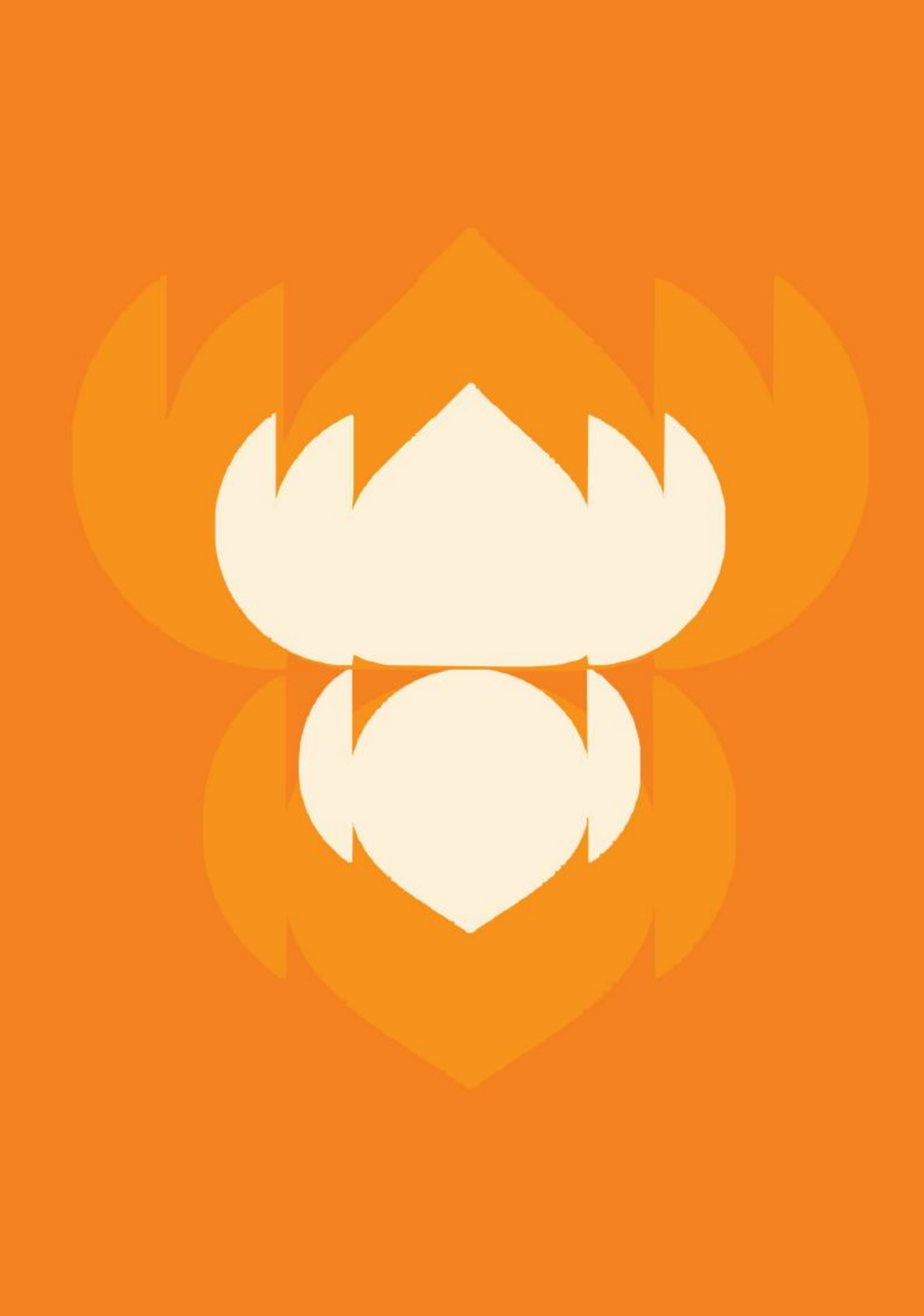

गैर फ़ीचर फ़िल्में

NON-FEATURE FILMS

64वें

राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2016

NATIONAL FILM AWARDS 2016

35 मि.मि. या बड़े गेज या डिजिटल प्रारूप में बनी किन्तु फ़िल्म प्रारूप अथवा वीडियो/डिज़िटल प्रारूप में जारी किसी भी भारतीय भाषा में बनी और केन्द्रीय फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा वृत्त–चित्र/न्यूजरील/गैर–कथाचित्र/लघु कल्पित के रूप में प्रमाणीकृत फ़िल्म ग़ैर फ़ीचर फ़िल्म वर्ग के लिए पात्र है।

Films made in any Indian language, shot on 35 mm or in a wider gauge or digital format but released on either film format or Video/Digital format and certified by the Central Board of Film Certification as a Documentary/Newsreel/Non-Fiction/Short Fiction are eligible for non-feature film section.

AABA
BEST SHORT FICTION FILM
आबा
सर्वश्रेष्ठ लघु कल्पित फिल्म

AABA AIKTAAY NAA?
BEST DIRECTION
ADITYA SUHAS JAMBHALE
आबा आइक्ताय ना?
सर्वश्रेष्ठ निर्देशन
आदित्य सुहास जाम्भले

ADNYAT
BEST CINEMATOGRAPHY
VISHAL SANGWAI
अद्नयत
सर्वश्रेष्ठ छायांकन
विशाल संगवाई

CHEMBAI – MY DISCOVERY OF A LEGEND
SPECIAL MENTION
SOUMYA SADANANDAN
चेम्बई– माय डिस्कवरी ऑफ ए लेजेंड
विशेष उल्लेख
सौम्या सदानंदन

FIREFLIES IN THE ABYSS
BEST NON-FEATURE FILM
फायरफ्लाइस इन द एबेस
सर्वश्रेष्ठ नॉन फीचर फिल्म

GUDH
BEST MUSIC DIRECTION
TANUJ TIKU
गुध
सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन
तनुज टीकू

HUM CHITRA BANATE HAI
BEST ANIMATION FILM
हम चित्र बनाते हैं
सर्वश्रेष्ठ एनीमेशन फिल्म

I AM JEEJA
BEST FILM ON SOCIAL ISSUES
आईएम जीजा
सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म

IN RETURN JUST A BOOK
BEST AUDIOGRAPHY
AJITH ABRAHAM GEORGE
इन रिटर्न जस्ट ए बुक
सर्वश्रेष्ठ ध्वन्यांकन
अजीत अब्राहम जॉर्ज

IN THE SHADOW OF TIME
BEST ARTS /CULTURAL FILM
इन द शैडो ऑफ टाइम
सर्वश्रेष्ठ कला / सांस्कृतिक फिल्म

KALPVRIKSHA
BEST CINEMATOGRAPHY
ALPESH NAGAR
कल्पवृक्ष
सर्वश्रेष्ठ छायांकन
अल्पेश नागर

LITTLE MAGICIAN
BEST FILM ON FAMILY VALUES
लिटिल मैजीशियन
पारिवारिक मूल्यों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म

THE LORD OF THE UNIVERSE
BEST ARTS /CULTURAL FILM
द लॉर्ड ऑफ द यूनिवर्स
सर्वश्रेष्ठ कला और सांस्कृतिक फिल्म

गैर फ़ीचर फ़िल्में | एक नज़र में NON-FEATURE FILMS | AT A GLANCE

MAKINO - AN INDIAN HAIKU
BEST NARRATION/ VOICE OVER
SETSU MAKINO TOGAWA
मकीनो – एन इंडियन हाइकू
सर्वश्रेष्ठ नरेशन–वॉइस ऑवर
सेत्सु मकीनो तोगावा

MATITLE KUSTI
BEST EXPLORATION / ADVENTURE FILM (TO INCLUDE SPORTS)
माटीत्ले कुस्ती
सर्वश्रेष्ठ गवेषणा / साहसिक फिल्म (खेल शामिल)

PLACEBO
BEST INVESTIGATIVE FILM
प्लासिबो
सर्वश्रेष्ठ खोजपरक फिल्म

REMEMBERING KURDI
BEST ON- LOCATION SOUND RECORDIST
Chistopher Burchell
रिमेम्बिरंग कुर्दी
सर्वश्रेष्ठ ऑन लोकेशन साउंड रिकॉर्डिस्ट
चिस्तोफेर बर्शेल

SANATH
BEST FILM ON SOCIAL ISSUES
सनथ
सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म

SIKAR ARU SITKAR
SPECIAL MENTION
RAMEN BORAH
SIBANU BORAH
सीकर अरु सित्कर
विशेष उल्लेख
रामेन बोरा
सिबानु बोरा

SOZ...A BALLAD OF MALADIES
BEST DEBUT FILM OF A DIRECTOR
सोज.. ए बल्लाड ऑफ मेलेडिज
निर्देशक की पहली सर्वश्रेष्ठ फिल्म

THE CINEMA TRAVELLERS
SPECIAL JURY AWARD
द सिनेमा ट्रेवलर्स
निर्णायक मंडल का विशेष पुरस्कार

THE EYES OF DARKNESS
SPECIAL MENTION
AMITABH PARASHAR
द आईज ऑफ डार्कनेस
विशेष उल्लेख
अमिताभ पराशर

THE LORD OF THE UNIVERSE
BEST ARTS/CULTURAL FILM
द लॉर्ड ऑफ द यूनिवर्स
सर्वश्रेष्ठ कला– सांस्कृतिक फिल्म

THE TIGER WHO CROSSED THE LINE
BEST ENVIRONMENT FILM INCLUDING AGRICULTURE
द टाइगर हू क्रॉस्ड द लाइन
सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण फिल्म (कृषि सहित)

THE WATERFALL
BEST EDUCATIONAL FILM
द वाटरफॉल
सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक फिल्म

ZIKR US PARIVASH KA: BEGUM AKHTAR
BEST BIOGRAPHICAL/ HISTORICAL RECONSTRUCTION
जिक्र उस परिवश का: बेगम अख्तर
सर्वश्रेष्ठ जीवनी / पुनः निर्माण संकलन फिल्म

फायरफ्लाइज इन द एबेस
सर्वश्रेष्ठ गैर फ़ीचर फ़िल्म

Fireflies in the Abyss | Best Non Feature Film

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 1,50,000/-

हिन्दी, अंग्रेजी, नेपाली | 88 मिनट

निर्देशक, छायांकार और निर्माता: चंद्रशेखर रेड्डी

संपादक: अब्रो बनर्जी

संगीत: कूपर–मूरे

ध्वनि: गिस्सी मिशेल

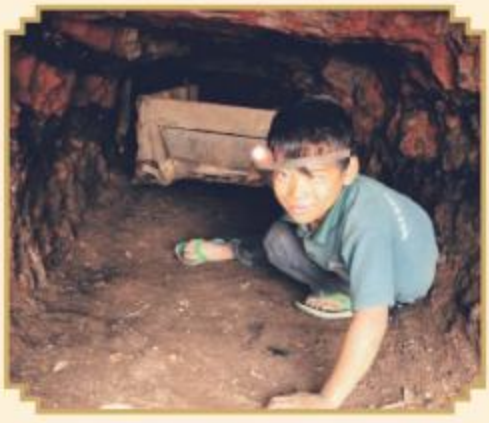

Hindi, English, Nepali | 88 mins

Director, Cinematographer & Producer: Chandrasekhar Reddy

Editor: Abhro Banerjee

Music: Cooper-Moore

Sound: Gissy Michael

परिचय | PROFILE

चंद्रशेखर रेड्डी (Chandrasekhar Reddy)

चंद्रशेखर रेड्डी एक स्वतंत्र निर्माता, निर्देशक हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय और भारतीय स्तर पर फिल्म और टेलीविजन में व्यापक अनुभव है। उन्होंने नेशनल ज्योग्राफिक एशिया, यूएनडीपी, और बीबीसी के लिए कई फिल्में बनाई हैं।

Chandrasekhar Reddy is an independent producer/director, with an extensive experience in independent film & television, both internationally and in India. Previous credits include films for National Geographic Asia, UNDP and BBC.

मायाबाजार प्रोडक्शन्स (Mayabazaar Productions)

मायाबाजार प्रोडक्शन्स चन्द्रशेखर रेड्डी के प्रोडक्शन हाउस का नाम है। फायर फ्लाइस इन द एबेस उनकी पहली फीचर वृतचित्र फ़िल्म है।

Mayabazaar Productions is owned by Chandrashekhar Reddy. 'Fireflies in the Abyss', is its debut feature length documentary.

कथासार - भारत के उत्तरी पूर्वी भाग में एक 11 वर्षीय लड़का 'सूरज', एक संकीर्ण कोयले की खान में रेंगता हुआ घुसकर चट्टान से कोयला निकालने का काम करता आ रहा है। अब इस तरह का काम कई नेपाली प्रवासियों के लिए आय का एकमात्र स्रोत बन गया है और उनकी जिंदगी का हिस्सा भी है। अपनी मां और लापरवाह शराबी पिता की मृत्यु के बाद से ही सूरज इतनी क्रम उम्र में अपने पैरों पर खड़े होने को मजबूर हो जाता है। खतरनाक खदानों में इस उम्मीद में अपनी अदम्य आत्मा और हठीली मुस्कुराहट के साथ मेहनत कर रहा है, कि एक दिन वह सभी बाधाओं को लांघकर स्कूल जाएगा। यह फिल्म एक गतिशील और भावनओं में डूबी हुई यात्रा को दर्शाती है। यह बताती है कि अपर्याप्त बाधाएं भी मानव आत्मा को बढ़ने में कैसे मदद कर सकती हैं।

Synopsis - In a narrow pit, 11-year-old Suraj crawls through tunnels, scratching coal from rock in a northeastern Indian boom town. Such "ratholes" have become the sole source of income for many Nepalese migrants, whose itinerant lives intertwine in this chronicle of people living on the margins. With the loss of his mother, and an unreliable alcoholic father, Suraj is forced to become independent at a young age. Toiling in the dangerous mines with an indomitable spirit and stubborn smile, he hopes to one day beat the odds and return to school. A transporting and immersive journey fostering deep emotional connectedness to its subjects, Fireflies in the Abyss illustrates how even seemingly insurmountable obstacles can help the human spirit grow.

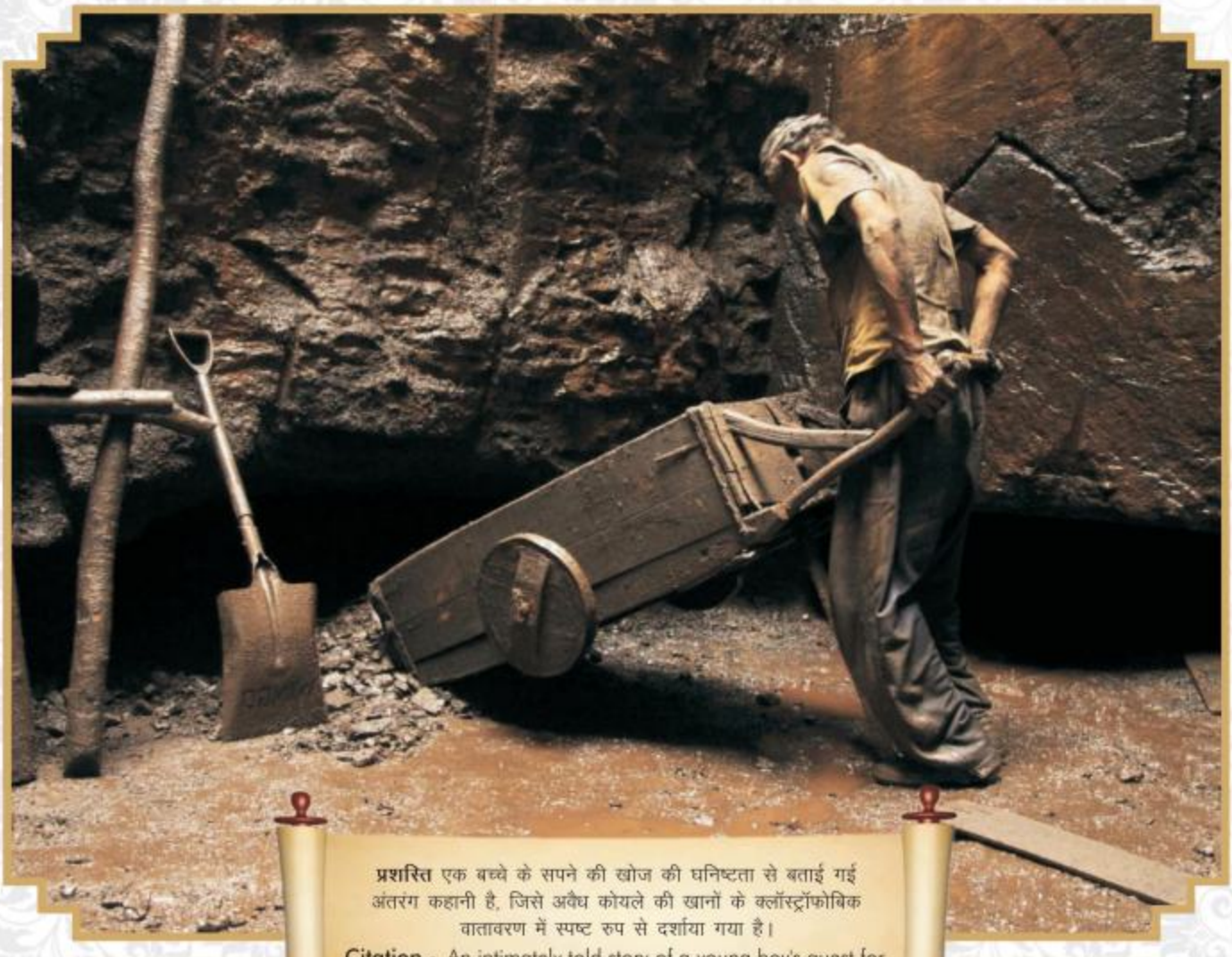

प्रशस्ति एक बच्चे के सपने की खोज की घनिष्टता से बताई गई अंतरंग कहानी है, जिसे अवैध कोयले की खानों के क्लॉस्ट्रॉफोबिक वातावरण में स्पष्ट रुप से दर्शाया गया है।

Citation - An intimately told story of a young boy's quest for his dreams, vividly depicted in the claustrophobic environment of illegal coal mines.

Contact: chandra@mayabazaarproductions.com

सोज़... ए बल्लाड ऑफ मेलेडिज़
निर्देशक की पहली सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म

Soz... A Ballad of Maladies | Best Debut Film of a Director

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 75,000/-

हिन्दी, अंग्रेजी, कश्मीरी | 84 मिनट

निर्देशनः तुषार माधव और सार्वनिक कौर

निर्माताः राजीव महरोत्रा, पीएसबीटी

लेखकः सार्वनिक कौर

संपादकः तुषार माधव

छायांकारः तुषार माधव और नागराज राथिनम

साउंडः हेमंत राव

Hindi, English, Kashmiri | 84 mins

Direction: Tushar Madhav & Sarvnik Kaur

Producer: Rajiv Mehrotra, PSBT

Script: Sarvnik Kaur

Editor: Tushar Madhav

Cinematographer: Tushar Madhav & Nagaraj Rathinam

Sound: Hemant Rao

परिचय | PROFILE

तुषार, सार्वनिक (Tushar, Sarvnik)

तुषार एक स्वतंत्र फिल्म निर्माता और फिल्म संपादक हैं। उन्होंने पिछले 7 वर्षों में कई वृत्तचित्र फिल्मों पर काम किया है। **सार्वनिक** एक लेखक और एक स्वतंत्र फिल्म निर्माता हैं और उन्होंने 7 सालों तक एक पटकथा लेखक के रूप में काम किया है।

Tushar is an independent filmmaker and film editor. He has worked on numerous documentary films over the last 7 years. **Sarvnik** is a writer and independent filmmaker. She has worked as a screenwriter in the industry over the last 7 years after completing her post-graduation in Mass Communication.

राजीव मेहरोत्रा, पीएसबीटी (Rajiv Mehrotra, PSBT)

राजीव मेहरोत्रा, एक स्वतंत्र फिल्मकार, प्रबंध न्यासी, निर्माता और लोक सेवा प्रसारण संस्थान के कमीशनिंग एडिटर हैं। उन्होंने 630 से अधिक वृत्तचित्र फिल्मों का निर्देशन किया है और निर्माण किया है, जिन्हें 255 से अधिक पुरस्कार मिल चुके हैं, जिसमें 28 राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं।

Rajiv Mehrotra, is an independent filmmaker, Managing Trustee, Producer and Commissioning editor of The Public Service Broadcasting Trust. He has directed /produced more than 630 documentary films, winning more than 255 awards including 28 national awards.

कथासार - फिल्म उन लोगों की कहनी है जो लोक संगीत, रॉक और हिप–हॉप जैसी कलाओं की साधना करते हैं, लेकिन समकालीन कश्मीर में उभर रही राजनीतिक उथल–पुथल और इसके सामाजिक मूल्यों के साथ जुड़ जाते हैं। फिल्म लोगों के उस सामूहिक विचार और इतिहास के उन पन्नों में झांकती है, जिसके चलते दुनिया के इस सबसे बड़े सैन्य क्षेत्र में प्रतिरोध की आवाजें लगातार गूंज रही हैं। यह फिल्म उस कश्मीर को दर्शाती है, जिसकी पारंपरिक कला और धरोहर में सिर्फ प्रतिरोध नजर आता है। यही परंपरा का परिवर्तन कश्मीर को उसकी खूबसूरती से अलग करता है। फिल्म लोगों की सामूहिक स्मृति और इसके इतिहास पर नजर डालती है, जो कि अभिव्यक्ति को प्रतिरोध की उभरती आवाजों और दुनिया के सबसे भारी सैन्य क्षेत्र में उनकी गूंज को समझने की कोशिश करता है।

Synopsis - Of folk, rock and hip-hop, the Film is a portrait of different cultural practitioners whose work engages with the political upheavals and its social costs in contemporary Kashmir. The Film is a glance into the collective memory of a people and the expressions of its history to understand the emerging voices of resistance and their resonance in the world's most heavily militarised zone. In a journey through the metamorphoses of Kashmir's traditional art practices into its contemporary arts of resistance, the Film unfolds a transformed cultural fabric of the valley, which departs from the notion of Kashmir as a 'paradise'.

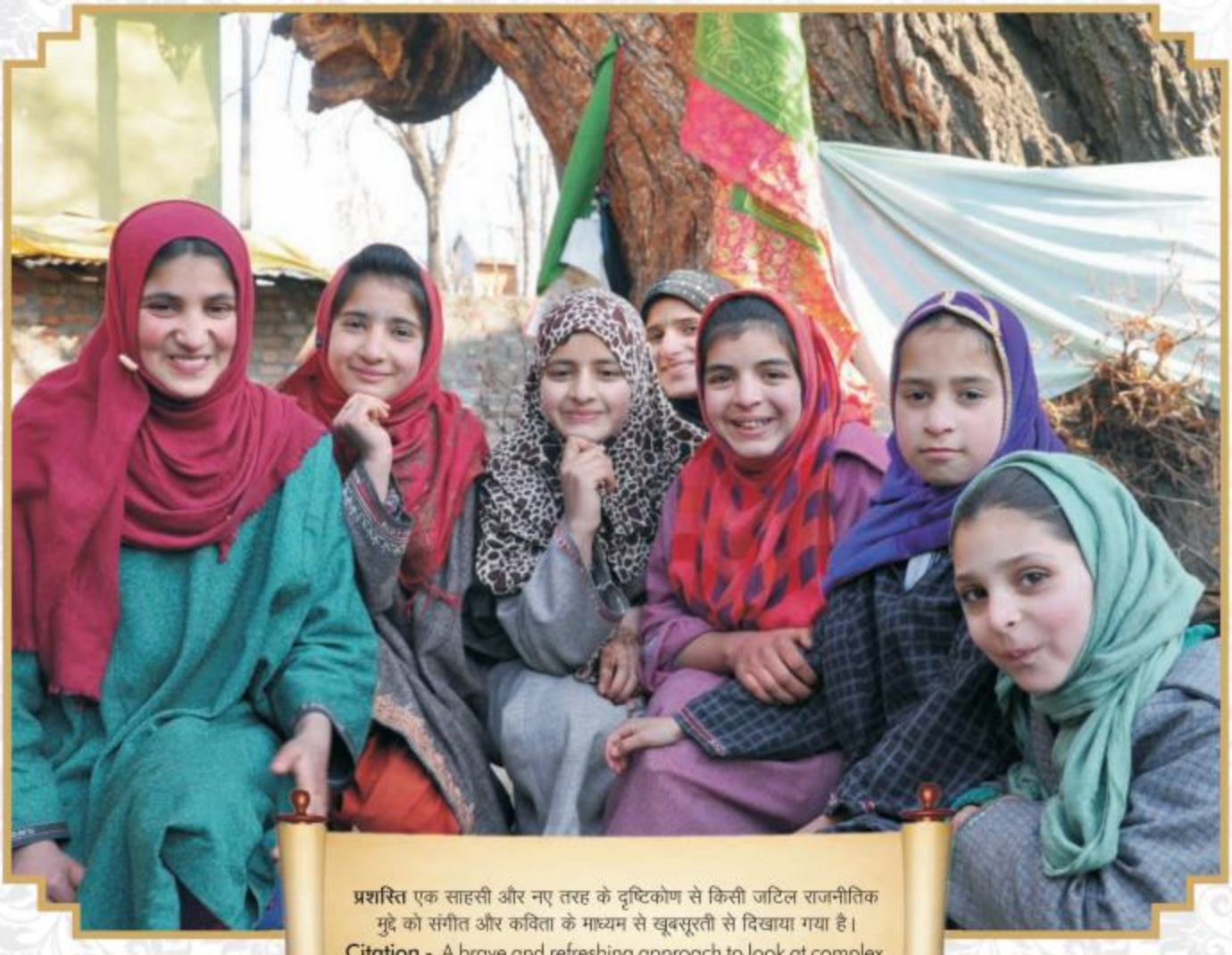

प्रशस्ति एक साहसी और नए तरह के दृष्टिकोण से किसी जटिल राजनीतिक मुद्दे को संगीत और कविता के माध्यम से खूबसूरती से दिखाया गया है।

Citation - A brave and refreshing approach to look at complex political issues weaved beautifully through music and poetry.

Contact: rajivmehrotra1@gmail.com

ज़िक्र उस परिवश का: बेग़म अख़्तर
सर्वश्रेष्ठ जीवनी / ऐतिहासिक पुनः निर्माण संकलन फ़िल्म

Zikr Us Parivash Ka: Begum Akhtar | Best Biographical/Historical Reconstruction Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

हिन्दी, उर्दु, अंग्रेजी | 64 मिनट
निर्देशनः निर्मल चंदेर
निर्माताः संगीत नाटक अकेडमी
संपादनः रीना मोहन और निर्मल चंदेर
छायांकारः रंजन पालित
नृत्य संयोजनः रुचि खरे
ध्वन्यांकारः बॉबी जॉन

Hindi, Urdu, English | 64 mins
Direction: Nirmal Chander
Production Company: Sangeet Natak Akademi
Editor: Reena Mohan & Nirmal Chander
Cinematographer: Ranjan Palit
Choreography: Ruchi Khare
Audiographer: Boby John

परिचय | PROFILE

निर्मल चंदेर (NIRMAL CHANDER)

निर्मल चंदेर एक राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता हैं, जो पिछले 20 सालों से वृत्तचित्रों के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उन्होंने एक फिल्म संपादक के रूप में अपना करियर शुरू किया और उनके द्वारा संपादित फिल्मों को कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में दिखाया गया और और उन्हें कई पुरस्कार भी प्राप्त हुए।

NIRMAL CHANDER is a National Award winning filmmaker who has been working in the field of documentaries for the last 20 years. He started his career as an editor. The films edited by him have travelled to many international festivals and have received awards.

संगीत नाटक अकादमी (Sangeet Natak Akademi)

संगीत नाटक अकादमी Sangeet Natak Akademi
NATIONAL ACADEMY OF MUSIC, DANCE AND DRAMA

संगीत नाटक अकादमी, भारत सरकार द्वारा कला के लिए स्थापित की गई पहली राष्ट्रीय अकादमी है। इसका उद्देश्य संगीत, नृत्य और नाटक की क्षेत्रीय या राज्य अकादमियों की गतिविधियों का समन्वय करना है।

Sangeet Natak Akademi is a first national level academy for performing arts set up by the Govt. of India. It aims to co-ordinate the activities of regional or State Academies of music, dance and drama.

कथासार - बेगम अख़्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत में गजल, दादरा और ठुमरी जैसी कई शैलियों की गायिका के रुप में मशहूर हैं। उनकी आवाज अद्वितीय, दर्द भरी और गहरी थी। उनकी अपनी अनोखी शैली से गजल गायन को सम्मान प्राप्त हुआ और उन्हें 'मल्लिका–ए–गजल' कहा गया और उन्होंने खुद को ऊंचाई तक पहुंचाया। 'जिक्र उस परिवश का', में उन सभी लोगों के अनुभवों का संग्रह है, जिनकी बीतते समय के साथ भी, मशहूर गजल गायिका 'बेगम अख़्तर' के लिए बेइंतेहां चाहत और उत्साह दिलों में बरकरार है।

Synopsis - One of the last legendary courtesans of India, Begum Akhtar was a well known singer of ghazal, dadra and thumri genres of Hindustani classical music. Her voice was unique, pain adding richness and depth as the years went by. Rendering them in her inimitable style, she ensured that ghazal singing received due respect and came to be called Malika-e-Ghazal (Queen of the Ghazal), reaching unparalleled heights in a world that threatened to marginalize courtesans.

प्रशस्ति यह फिल्म हमें अभिलेखीय रिकॉर्डिंग, मनोरंजन और साक्षात्कार के अद्भुत उपयोग से एक ऐसी महिला के साथ संगीतमय यात्रा करवाती है, जिसने भारत के महान संगीतज्ञ में से एक बनने के लिए सभी सामाजिक वर्जनाओं को ध्वस्त कर दिया है।

Citation - This film uses archival recordings, recreations and interviews to take us on a touching musical journey with a lady who broke open social barriers, becoming one of India's most legendary musical maestros.

Contact: secretary@sangeetnatak.gov.in

इन द शेडो ऑफ टाइम
सर्वश्रेष्ठ कला | सांस्कृतिक फ़िल्म (साझा)

In the Shadow of Time | Best Arts/Cultural Film (Shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

उड़ीया | 90 मिनट
निर्देशक और लेखक: शंखजीत डे
निर्माता: इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर ऑफ आर्ट्स
संपादक: लिपिका सिंह दराई
छायांकार: अमरनाथ संदीपामु
साउंड डिजाईनर: प्रोसेनजीत डे और प्रतीक बिसवास

Odiya | 90 mins
Director & Writer: Shankhajeet De
Production Company: Indira Gandhi National Centre for Arts
Editor: Lipika Singh Darai
Cinematographer: Amaranath Sandipamu
Sound Designer: Prosenjit Dey & Pratik Biswas

परिचय | PROFILE

शंखजित डे (Shankhajeet De)

शंखजित डे नई दिल्ली के एक स्वतंत्र शोधकर्ता और वृत्तचित्र फिल्म निर्माता हैं। उनकी रुचि परंपरा, संस्कृति और समाज के विषयों और समकालीन समय में आगामी परिवर्तनों में निहित है। वे एक एथेनॉग्राफिक लेंस के साथ वृत्तचित्र फिल्में बनाते हैं।

Shankhajeet De is a freelance researcher and documentary film-maker. His interest lies in the subjects of tradition, culture and society and the changes in contemporary times. He makes documentary films with an ethnographic lens.

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली

(Indira Gandhi National Centre for the Arts, New Delhi

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र
INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित कला संगठन है। यह केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्थान है। आईजीएनसीए प्राकृतिक और मानव पर्यावरण के संदर्भ में कला का इस्तेमाल करता है।

Indira Gandhi National Centre for the Arts, New Delhi is a premier government-funded arts organization in India. It is an autonomous institution under the Union Ministry of Culture. IGNCA seeks to place the arts within the context of the natural and human environment.

कथासार - ''समयारा छाऐर'' एक विस्तृत वृत्तचित्र फिल्म है, जिसमें 40 वर्षों से चली आ रही 'रावण छाया' परंपरा की खोज की गई है। यह परंपरा को बेहतर बनाने और उसे परिभाषित करने की प्रक्रिया के विनियोजन, स्वामित्व, अनाधिकार ग्रहण और विचारों के बदलाव की सराहना करती है और उन पर कई सवाल भी उठाती है। रावण छाया परंपरा, ओडिशा के मध्य भाग में 'भाटा समाज' में प्रचलित है, जो कई सालों से अपने ग्रामीण श्रोताओं को रामायण की कहानी बताते हैं। इस छाया कठपुतली कला को दुनिया भर में 'सिनेमा की मां' कहा गया है। छाया कठपुतली में अंधेरे में परछाई के जरिए रामायण के काव्यों का उड़ीया भाषा में प्रस्तुतीकरण होता है।

Synopsis - "Samayara Chhaire" is a feature length documentary film that explores the journey of Ravana Chhaya in the last over 40 years. It appreciates and questions the ideas of change, ownership, usurpation and appropriation in the process of bettering and defining a tradition. Ravana Chhaya shadow puppetry tradition was practiced in central regions of Odisha in eastern India by the minstrel Bhata community who narrated the story of Ramayana to a rural audience since ages. Reaching almost extinct level in the 1970's, the state machinery took up its preservation. This shadow puppetry form was much appreciated worldwide as the mother of cinematic forms. It is popular for its interplay of translucent and dark shadow and the use of lyrical Odiya poetic rendition of Ramayana.

प्रशस्ति एनीमेशन के युग में एक महत्वपूर्ण फिल्म जो एक विलुप्त होती उस कला–रूप का दस्तावेजीकरण करती है जो गरीब कठपुतली समाज की नितांत इच्छा की वजह से जीवित है।

Citation - In the era of animation, an important film that documents a dying art-form which is haunting, touching and kept alive through the sheer will of a community of poor puppeteers.

Contact: janapadasmapada@gmail.com

लॉर्ड ऑफ द यूनिवर्स
सर्वश्रेष्ठ कला / सांस्कृतिक फ़िल्म

Lord of the Universe | Best Arts/Culture Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

अंग्रेजी | 55 मिनट
निर्देशक और छायांकन: शिबू प्रस्टी
निर्माता कंपनी: रॉ एज मूविज
संपादक: सुरेश चंद्रा साहू
संगीत: सुधीर पाल
ध्वन्यांकार: रश्मिरंजन दाश
वॉइस ओवर: तपन पटनायक

English | 55 mins
Director & Cinematographer: Shibu Prusty
Production Company: Raw Age Movies
Editor: Suresh Chandra Sahoo
Music: Sudhir Pal
Audiographer: Rashmiranjan Dash
Voice Over: Tapan Patnaik

परिचय | PROFILE

शिबू प्रस्टी (Shibu Prusty)

शिबू प्रस्टी एक कहानीकार हैं, जो सिनेमा के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करना पसंद करते हैं। उनकी दृश्य भावनाएं पिता के चित्रों को देखकर बचपन से ही विकसित हो गई थी। इसलिए चित्रकला उनका शौक बन गई, बाद में उन्होंनें छायांकार के रुप में अपने करियर की शुरुआत की।

Shibu Prusty A storyteller, who loves to express the ideas through cinema. His visual sense developed from childhood, seeing his father's paintings. So, painting became his hobby, later he got interested in film-making and chooses cinematography as his career.

रॉ एज मूविज (RAW AGE MOVIES)

रॉ एज मूविज एक फिल्म प्रोडक्शन हाउस है जो मुंबई, भारत में स्थित है। इसका उद्देश्य समाज के भले के लिए कलात्मक मूल्य के साथ प्रभावी, चुनौतीपूर्ण और अनोखी फिल्मों का निर्माण करना है। फिल्म निर्माता 'शिबू प्रस्टी' इस संगठन के मालिक और संस्थापक हैं।

RAW AGE MOVIES is a film production house based in Mumbai, India. It aims to produce effective, challenging and unique films of artistic value, for the good cause of the society. Filmmaker 'Shibu Prusty' is the proprietor and founder of this organization.

कथासार - फिल्म एक विश्वास पर आधारित है। विश्वास उस पुनर्जन्म पर, जो भारत जैसे एक महान धार्मिक देश में हर इंसान में बसता है। लोगों की मान्यता है कि मृत्यु के बाद आत्मा फिर से एक नए शरीर में चली जाती है और पुनर्जन्म होता है, क्योंकि आत्मा अमर है और कभी नहीं मरती। प्राचीन काल से इस सार्वभौमिक मौत और पुनर्जन्म की प्रथा का आयोजन ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की संस्कृति में किया जाता है। दरअसल देवताओं की मूर्तियां लकड़ी से बनी होती हैं और एक समय के बाद लकड़ी खत्म हो जाती है। इसलिए, देवताओं की मूर्तियों को प्रतिस्थापन की आवश्यकता होती है।

Synopsis - The essence of the film is based on a belief, the people of a great religious country like India believe in rebirth. After death soul again takes a new body and is reborn because it is eternal and never dies. From time immemorial this universal play of death and rebirth has been performed in the culture of Lord Jagannath at Puri, in the state of Odisha. As the deities are made of wood and a wooden object is likely to decay within a span of time, so idols of the deities need replacement.

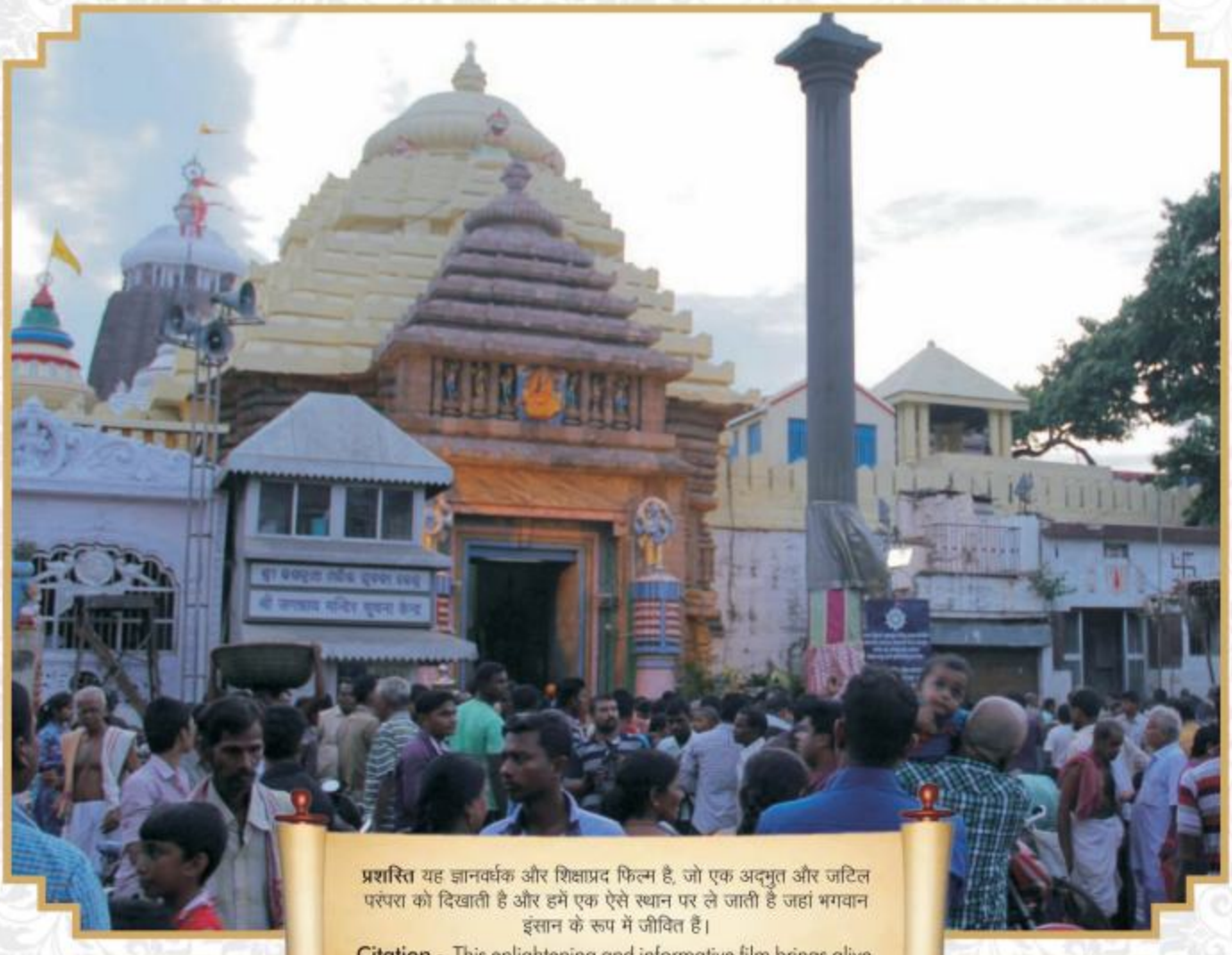

प्रशस्ति यह ज्ञानवर्धक और शिक्षाप्रद फिल्म है, जो एक अद्भुत और जटिल परंपरा को दिखाती है और हमें एक ऐसे स्थान पर ले जाती है जहां भगवान इंसान के रूप में जीवित हैं।

Citation - This enlightening and informative film brings alive an amazing and complex ritual and takes us into the only place in the world where God comes alive as a human being.

Contact: shibuprusty@gmail.com

द टाइगर हू क्रॉस्ड द लाइन
सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण फ़िल्म (कृषि सहित)

The Tiger Who Crossed the Line | Best Environmental Film (With Agriculture)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

अंग्रेजी | 45 मिनट
निर्देश, लेखक और संपादक: कृषनेंदु बोस
निर्माता: अर्थकेयर प्रोडक्शन्स
छायांकार: इसलाहुद्दीन अशरफ
संगीत: सुशांत जोशी
साउंड डिजाइनिंग और मिश्रण: आशीष पांड्या

English | 45 mins
Director, Writer & Editor: Krishnendu Bose
Production Company: Earthcare Productions
Cinematographer: Islahuddin Ashraf
Music: Sushant Joshi
Sound Designing and Mixing: Asheesh Pandya

परिचय | PROFILE

कृषनेंदु बोस (KRISHNENDU BOSE)

कृषनेंदु बोस ने 1985 में दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में स्नाकोत्तर करने के बाद, वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरणीय न्याय पर फिल्म बनाने के लिए अर्थकेयर फिल्म्स की स्थापना की। कृषनेंदु ने कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता टेलीविजन शो को को–प्रोड्यूस, प्रोड्यूस और लाइन प्रोड्यूस किया है।

KRISHNENDU BOSE, completed his Masters in Economics from Delhi School of Economics and set up Earthcare Films, making films on wildlife conservation and environmental justice. Since then he has produced several international award winning documentaries.

अर्थकेयर प्रोडक्शन्स (Earthcare Productions)

अर्थकेयर प्रोडक्शन्स दिल्ली आधारित प्रोडक्शन हाऊस है, जिसे 1995 में पर्यावरण संरक्षण पर स्वतंत्र वृत्तचित्र बनाने के लिए स्थापित किया गया था। अर्थकेयर ने 100 से अधिक फिल्में बनाई हैं, जिनमें अधिकतर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय टेलीविजन पर दिखाई गई हैं।

Earthcare Productions is a Delhi based production house set up in 1995, producing independent documentaries on environment conservation. Earthcare engages in the space overlapping nature and people – looking through the lens of the politics of conservation.

कथासार - जब दुनिया रात के अंधेरे में नींद की चादर ओढ़ लेती है, तब दूर किसी गांव में बाघ, भूतों की तरह अंधकार में घूमते दिखाई पड़ते हैं। यह वो बाघ हैं जो संरक्षित इलाके के बाहर विचरण करते हैं। लेकिन अब ये मुसीबत में हैं।

Synopsis - As the world sleeps, in the dead of night, ghost like figures of big cats roam the fringes of the villages and the cities. They are the tigers who live OUTSIDE the tiger reserves. And they are in trouble.

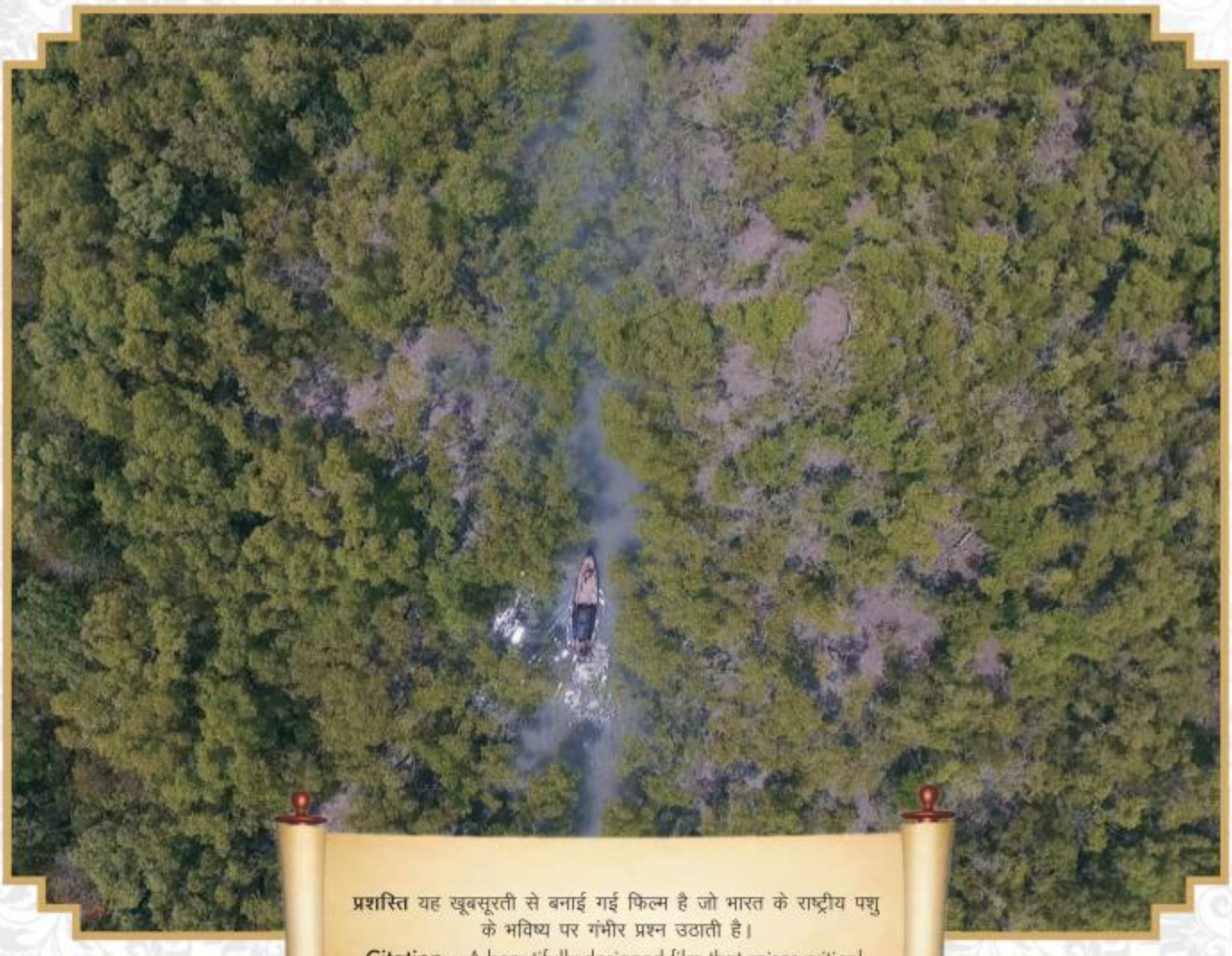

प्रशस्ति यह खूबसूरती से बनाई गई फिल्म है जो भारत के राष्ट्रीय पशु के भविष्य पर गंभीर प्रश्न उठाती है।

Citation - A beautifully designed film that raises critical questions on the future of India's national animal.

Contact: kbose61@gmail.com

आई एम जीजा
सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म (साझा)

I am Jeeja | Best Film of Social Issues (Shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 75,000/-

अंग्रेजी | 28 मिनट

निर्देशनः स्वाति चक्रवर्ती

निर्माताः राजीव मेहरोत्रा, पीएसबीटी

संपादन और मोन्टाजः तनमॉय चक्रवर्ती

छायांकारः लाडली मुखोपाध्याय

English | 28 mins

Direction: Swati Chakravarty

Production Company: Rajiv Mehrotra, PSBT

Edit & Montage: Tanmoy Chakraborty

Cinematographer: Ladly Mukhopadhaya

परिचय | PROFILE

स्वाति चक्रवर्ती (Swati)

स्वाति चक्रवर्ती ने जादवपुर विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर की पढ़ाई की है और इसके बाद उन्होंने उन्नत और वैकल्पिक संचार (एएसी) में प्रशिक्षण लिया था। चक्रवर्ती इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सेरेब्रल पाल्सी में सूचना संचार प्रौद्योगिकी विभाग की प्रमुख हैं।

Swati did her Masters in Economics from Jadavpur University and then trained in Augmentative and Alternative Communication (AAC). She heads the Department of Information Communication Technology at the Indian Institute of Cerebral Palsy.

राजीव मेहरोत्रा, पीएसबीटी (Rajiv Mehrotra, PSBT)

राजीव मेहरोत्रा, एक स्वतंत्र फिल्मकार, प्रबंध न्यासी, निर्माता और लोक सेवा प्रसारण संस्थान के कमीशनिंग एडिटर हैं। उन्होंने 630 से अधिक वृत्तचित्र फिल्मों का निर्देशन किया है और निर्माण किया है, जिन्हें 255 से अधिक पुरस्कार मिल चुके हैं, जिसमें 28 राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं।

Rajiv Mehrotra, is an independent filmmaker, Managing Trustee, Producer and Commissioning editor of The Public Service Broadcasting Trust. He has directed /produced more than 630 documentary films, winning more than 255 awards including 28 national awards.

कथासार - दिमागी तौर पर कमजोर, लेकिन एक प्रभावी और जिम्मेदार नेता जीजा घोष की पहली कथा है, जो दिव्यांगजनों के अधिकारों के लिए काम करते हैं।

Synopsis - A first person narrative of Jeeja Ghosh, an effective and responsible leader and disability rights activist living with cerebral palsy.

प्रशस्ति जीजा की जिंदगी में कई निजी संघर्षों के बावजूद उसका जीवन के प्रति उत्साह इस सामान्य कहानी को खूबरसूत बनाता है।

Citation - Jeeja's will and zest for life, despite her personal struggles, makes this simply told story a beautiful ode to life.

Contact: rajivmehrotra1@gmail.com

सनथ
सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म (साझा)

Sanath | Best Film on Social Issues (Shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 75,000/-

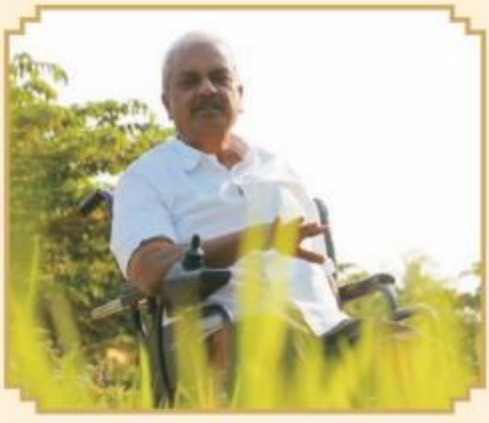

अंग्रेजी | 20 मिनट
निर्देशन: वसंत एस साई
निर्माता: श्री चित्र टॉकिज
संपादक: जी वी रंजन
छायांकार: जॉर्ज एंटनी
ध्वन्यांकार: सर्वनन रामचंद्रन

English | 20 mins
Direction: Vasanth S Sai
Production Company: Sree Chithra Talkies
Editor: G.V. Rajan
Cinematographer: George Antony
Audiographer: Saravanan Ramachandhran

परिचय | PROFILE

वसंत एस साई (Vasanth S Sai)

वसंत एस साई एक भारतीय फिल्म निर्देशक और पटकथा लेखक हैं, जो तमिल फिल्म उद्योग में काम कर रहे हैं। उन्होंने 1990 में केलदी कनमनी के साथ निर्देशन की शुरुआत की। यथार्थवादी होने के लिए साई की फिल्मों को समांतर और वाणिज्यिक सिनेमा के बीच एक "मध्य मार्ग" के रूप में वर्णित किया जाता है।

Vasanth S Sai is an Indian film director and screenwriter, working in the Tamil film industry. He made his directorial debut with Keladi Kanmani in 1990. Known for being realistic, his films have been described as a "middle path" between parallel and commercial cinema.

श्री चित्र टॉकीज (Sree Chitra Talkies)

श्री चित्र टॉकीज एक प्रोडक्शन हाउस हैं, जिसके मालिक आदित्य वी और प्रिया अरुण हैं। उन्होंने शिक्षा प्रणाली और स्कूलों में कृषि के महत्व को लेकर कई वृत्तचित्र बनाए हैं। उसके बाद वो फीचर फिल्म बनाने की ओर बढ़े।

Sree Chitra Talkies is a production house owned by Adithya V and Priya Arun. They have made documentaries on the education system and the importance of agriculture in schools. They look forward to venture into feature films

कथासार - सनथ एक दिव्यांग व्यक्ति है, लेकिन अपने दूरदर्शी दिमाग के चलते किसी सामान्य व्यक्ति से भी तेज प्रगति करते हैं। उनका अविश्वसनीय दृढ़ संकल्प, उन्हें आसानी से आगे बढ़ने में असमर्थन रहने से लेकर एक स्वतंत्र व्यक्ति में तब्दील करने में मदद करता है, जिसमें बिजली से चलने वाली व्हील चेयर का भी अहम योगदान है। देश और समाज की रीतियों को बड़ी खूबसूरती से बुनती हुई उनकी यात्रा जानने योग्य है। अब वे कृष्णगिरी में रह रहे हैं और यह उनकी प्रेरणादायक असल कहानी है।

Synopsis - Sanath is a disabled person, but moving way faster than any abled person through his visionary mind. His unstoppable determination drove him from being unable to move easily on his own, to being a totally independent person, by means of an electric wheelchair.

प्रशस्ति यह चिकित्सा लापरवाही के उस पीड़ित की प्रेरक कहानी है जो जीवन के लिए अमान्य हो जाता है। अशिक्षित होने के साथ आर्थिक कठिनाइयों का सामना करते हुए वह एक शिक्षण संस्थान प्रारंभ करता है जहां हजारों लोग बहुत कुछ सीख सकते हैं और जीवन में कामयाब बन सकते हैं।

Citation - An inspiring story of a victim of medical negligence who becomes invalid for life. Uneducated and facing economic difficulties, he opens education nal institutions where thousands can learn and become successful in life.

Contact: directorvasanthsai@gmail.com

द वाटरफॉल
सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक फ़िल्म

The Waterfall | Best Educational Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

अंग्रेजी |21 मिनट
निर्देशक, लेखक और संपादक: लिपिका सिंह दराई
निर्माता: एलएक्सएल प्राइवेट लिमिटेड
छायांकार: इंद्रनील लहिरी
संगीत: गौरव चटर्जी
साउंड डिजाइन और मिक्सिंग: सुभदीप सेनगुप्ता
अभिनय: सोहम मैत्रा, रवीतोब्रोतो मुखर्जी और इंद्राशीष रॉय

English | 21 mins
Director, Writer & Editor: Lipika Singh Darai
Production Company: LXL Ideas Pvt Ltd
Cinematographer: Indraneel Lahiri
Music: Gaurav Chatterjee
Sound Design and Mixing: Shubhadeep Sengupta
Cast: Soham Maitra, Rwitobroto Mukherjee & Indrashish Roy

परिचय | PROFILE

लिपिका सिंह दराई (Lipika Singh Darai)

लिपिका भुवनेश्वर में एक फिल्म निर्माता है, जो ओडिशा के मयूरभंज जिले से आती हैं। ध्वनि रिकॉर्डिंग में विशेषज्ञता के साथ उन्होंने एफटीआईआई से पढ़ाई की है और अपने गृह राज्य में लौटकर खुद का काम शुरू करने से पहले एक–दो साल साउंड रिकॉर्डिस्ट के रुप में मुंबई में काम किया है।

Lipika is a filmmaker based in Bhubaneswar who hails from the Mayurbhanj district of Odisa. An alumnus of FTII with specialisation in sound recording, she has worked in Mumbai as a sound recordist for a year or two, before returning to her home state to pursue her own projects.

एलएक्सएल आईडियाज (LXL Ideas)

एडुमीडिया से **एलएक्सएल आईडियाज** बना यह प्रोडक्शन हाऊस छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को सीखने और अनुभव पैदा करने पर गहरा प्रभाव डालता है। पिछले 18 वर्षों से, इसने कुछ सीखाने के लिए अभिनव और रचनात्मक तरीके से कई फिल्में बनाई है। करीब 130 फिल्मों में 4 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते हैं।

LXL Ideas, formerly EduMedia, impacts learning and create experiences for students, parents and educators. For the past 18 years, they've brought innovative and creative methodologies to impact learning. With over 130 films, they have won 4 National Film Awards.

कथासार - यह फिल्म 16 साल के शहरी लड़के करुण के इर्द–गर्द घूमती है, जो एक विवाह के लिए एक छोटे से पहाड़ी शहर में अपने चचेरे भाई निलू (16 साल) के घर पर जाता है। नीलू, करुण को जंगलों में झरनों पर ले जाता है। उस दौरान करुण को उन झरनों से लगाव हो जाता है, लेकिन बाद में उसको पता चलता है कि ये झरने जल्द ही गायब हो जाएंगे।

Synopsis - The film revolves around Karun (16 years) a city-bred boy who is visiting his cousin Nilu's (16years) house in a small hilly town for a family wedding. Nilu takes Karun around the forests to the waterfall. Karun gets connected to the waterfall immediately but later learns that the waterfall is going to disappear soon.

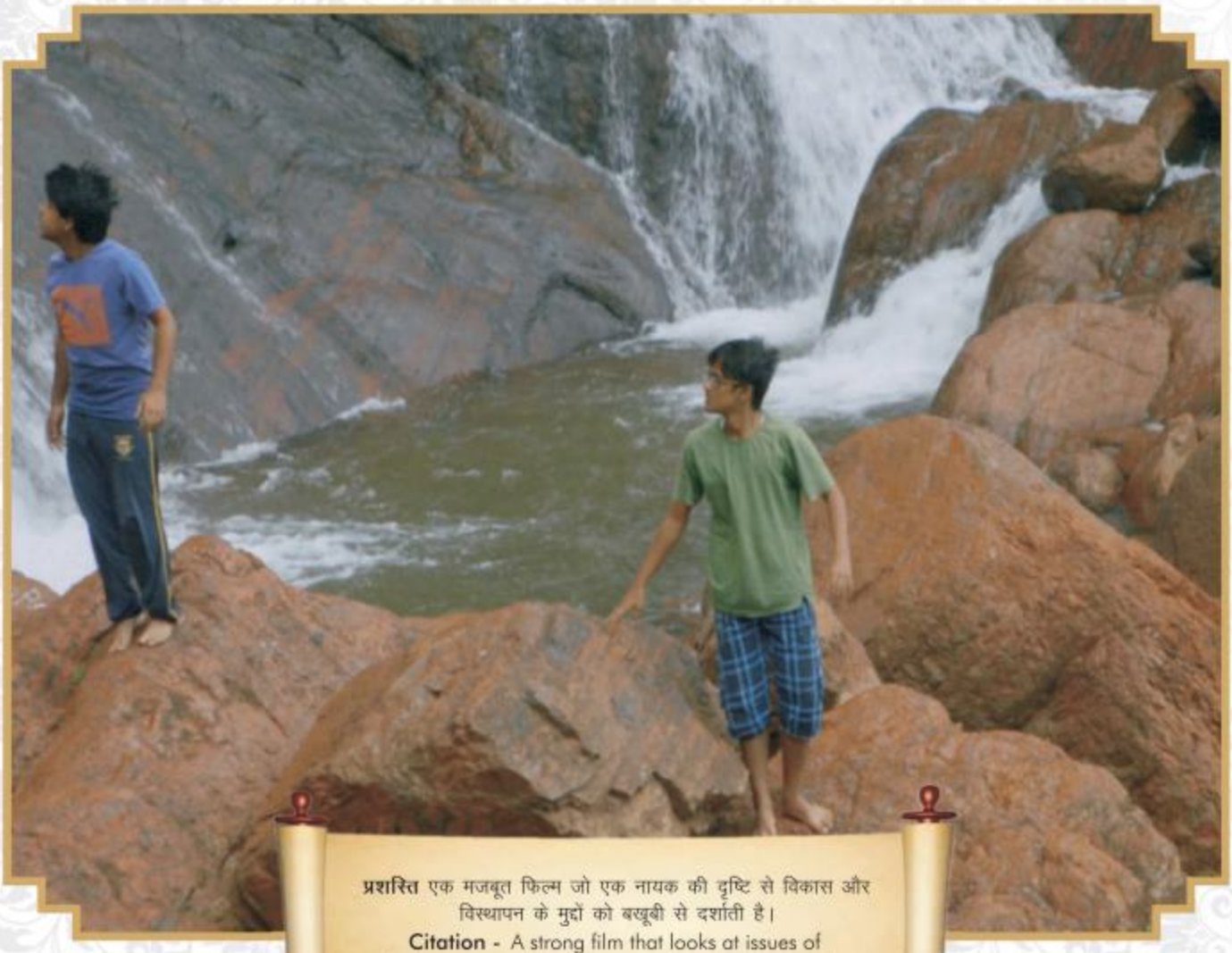

प्रशस्ति एक मजबूत फिल्म जो एक नायक की दृष्टि से विकास और विस्थापन के मुद्दों को बखूबी से दर्शाती है।

Citation - A strong film that looks at issues of development and displacement through the eyes of an endearing protagonist.

Contact: ruchi@lxl.in

माटित्ले कुस्ती

सर्वश्रेष्ठ गवेषणा / साहसिक फ़िल्म (खेल शामिल)

Matitle Kusti | Best Exploration/Adventure Film (to include sports)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

मराठी | 12 मिनट

निर्देशक, छायांकर, संपादक और संगीत निर्देशक: प्रांतिक विवेक देशमुख

निर्माता: जन संचार विभाग, सावित्री फुले पुणे विश्वविद्यालय

नरेटर: भगवान तंबेकर

Marathi | 12 mins

Director, Cinematographer, Editor & Music Director: Prantik Vivek Deshmukh

Production Company: Department of Media & Communication Studies, Savitribai Phule Pune University, Pune

Narrator: Bhagwan Tambekar

परिचय | PROFILE

प्रांतिक विवेक देशमुख (Prantik Vivek Deshmukh)

प्रांतिक विवेक देशमुख एक दृश्य कथाकार हैं, कभी कैमरे के माध्यम से अपनी बात कहते हैं तो कभी अपने हाथों में ब्रश और पेंसिल उठा लेते हैं। उन्होंने लघु फिल्में और वृत्तचित्र बनाए हैं और उन्हें निर्देशित किया है, जिन्हें कई राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में कई पुरस्कार मिले है।

Prantik Vivek Deshmukh is a visual storyteller, sometimes it is the camera in the hand or at times it is the brush/pencil. He has directed and photographed short films and documentaries, which have fetched him awards at National and International Film Festivals.

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय (Savitribai Phule Pune University)

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, में मीडिया और संचार अध्ययन विभाग जुलाई 1990 में स्थापित किया गया था। यह विभाग एम. फिल, पीएचडी मीडिया और संचार अध्ययन और एमएससी मीडिया और संचार अध्ययन आदि कोर्स करवाता है।

Savitribai Phule Pune University was established in 1990 to serve academic training in Communication. DMCS offers M.Phil. and Ph.D. Media and Communication Studies and M.Sc.

कथासार - भारत के सबसे पुराने मार्शल आर्ट में से एक 'कुश्ती' आज विलुप्त होने की कगार पर है। युवा 'पहलवान' अब इसे सीखने के पारंपरिक तरीके से दूर हो रहे हैं और मौजूदा दौर में इस खेल को अंतरराष्ट्रीय दर्जा मिलने के बाद, मैट पर कुश्ती करना पसंद कर रहे हैं। यह फिल्म आज के आधुनिक समय के पारंपरिक पहलवानों की उस लड़ाई को दर्शाती है, जो प्राचीन मार्शल आर्ट को जीवित रखने के लिए आधुनिक समय की फ्रीस्टाइल कुश्ती के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं।

Synopsis - One of the India's oldest Martial Art form 'Kusti' (traditional form of wrestling) is considered to be the dying sport in India today. The young 'pehlwans' (wrestlers) are turning away from the 'Talims' and instead preferring wrestling on mat due to the international status it has received in the recent past. This film showcases the struggle of the modern day traditional pehelwans and their battle against the Freestyle wrestling of the modern times in their struggle for keeping this ancient martial art form alive.

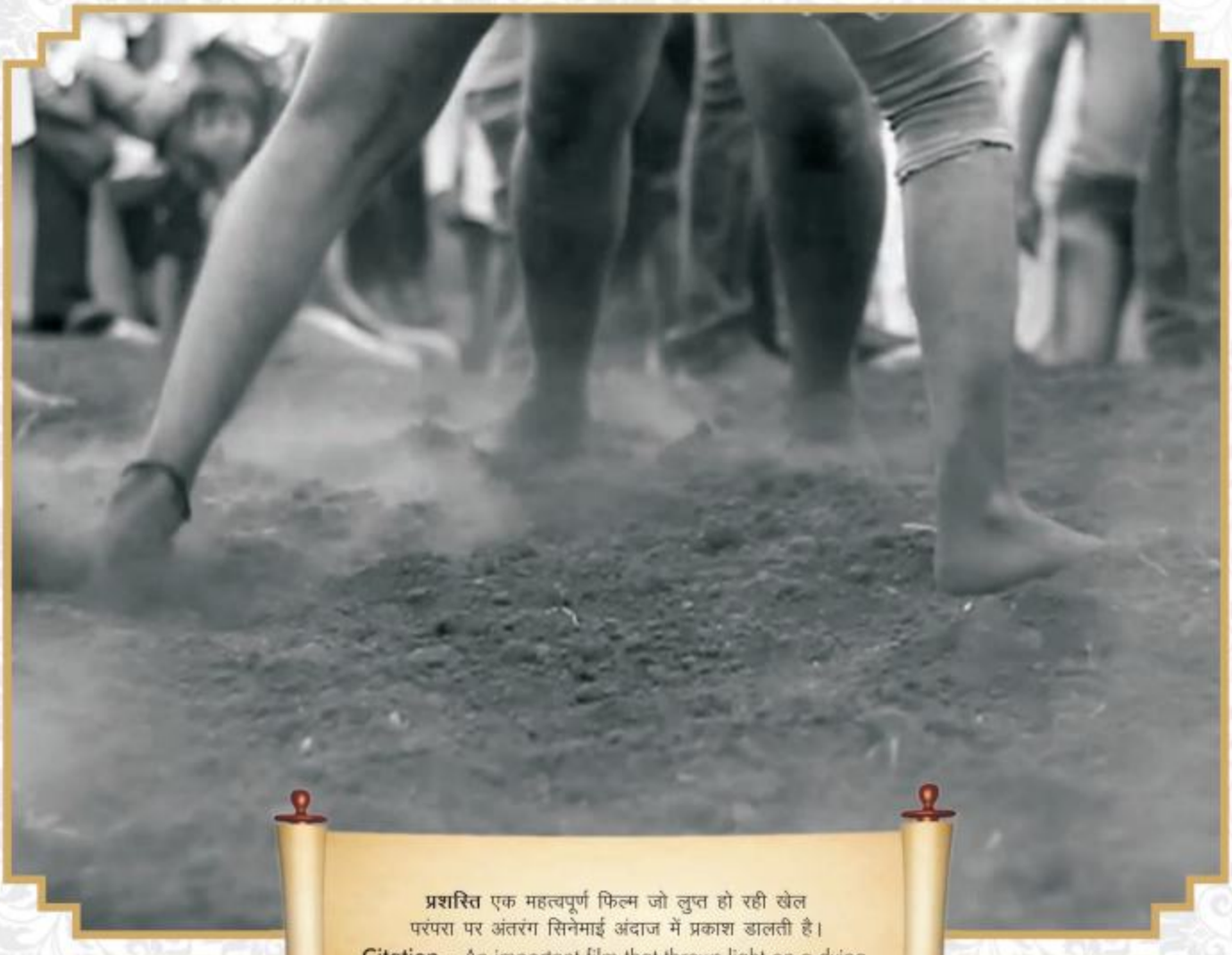

प्रशस्ति एक महत्वपूर्ण फिल्म जो लुप्त हो रही खेल परंपरा पर अंतरंग सिनेमाई अंदाज में प्रकाश डालती है।

Citation - An important film that throws light on a dying sporting tradition, told in a cinematically intimate manner.

Contact: hod_dcs@unipune.ac.in

प्लसिबो
सर्वश्रेष्ठ खोजपरक फ़िल्म

Placebo | Best Investigative Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

हिन्दी, अंग्रेजी | 93 मिनट
निर्देशक: अभय कुमार
निर्माता: स्टोरीटेलर इंक
संपादक: अभय कुमार और अर्चना फाड़के
छायांकार: अभय कुमार
संगीत: शाने मेंदोसा

Hindi, English | 93 mins
Direction: Abhay Kumar
Production Company: Storyteller Ink
Editor: Abhay Kumar & Archana Phadke
Cinematographer: Abhay Kumar
Music: Shane Mendosa

परिचय | PROFILE

अभय कुमार (Abhay Kumar)

अभय कुमार भारत के एक फिल्म निर्माता हैं। 2016 में, अभय को बर्लिन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह के बर्लिनाले टैलेंट कैंपस के लिए चुना गया था। अभय को फिक्शन, एनीमेशन और सांस्कृतिक और भावनात्मक रूप से गूंजने वाली कथाओं में कई सालों का अनुभव है।

Abhay Kumar is a Indian filmmaker. Abhay was selected for the Berlinale Talent Campus as part of the Berlin International Film Festival. Abhay has spent a decade in hybrid genres - merging fact and fiction, animation and live action to create emotionally resonant narratives which transcend cultural and geographical limitations.

स्टोरीटेलर इंक (Storyteller Ink)

Storytellerink.

स्टोरीटेलर इंक एक प्रोडक्शन कंपनी है, जिसके मालिक अर्चना फाडके और अभय कुमार हैं। अर्चना की ओर से निर्देशित की गई पहली लघु फिल्म ने 2009 में मामी में सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार जीता था।

Storyteller Ink is a production company owned by Archana Phadke, a graduate of Biotechnology and Abhay Kumar. Archana's first short as a director, won the Best Film award at MAMI in 2009.

कथासार - एक फिल्म निर्माता, भारत के सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल स्कूल में पढ़ रहे चार छात्रों के जीवन को दिखाता है, जो कि महत्वाकांक्षा, सपने और दर्द के साथ संघर्ष कर रहे हैं। हालांकि, समय के साथ उनका मानसिक दवाब इस कदर बढ़ जाता है कि उनके जीवन में होने वाली घटनाएं उन्हें अव्यक्त और बड़े मुद्दों का सामना करने के लिए बाध्य कर देती हैं।

Synopsis -A Film maker starts following four students in the most prestigious medical school of India – as they struggle with ambition, dreams, pain and healing. However, pressure reaches an unbreakable point as tragedy unfolds around them which forces them to confront unspoken and larger issues.

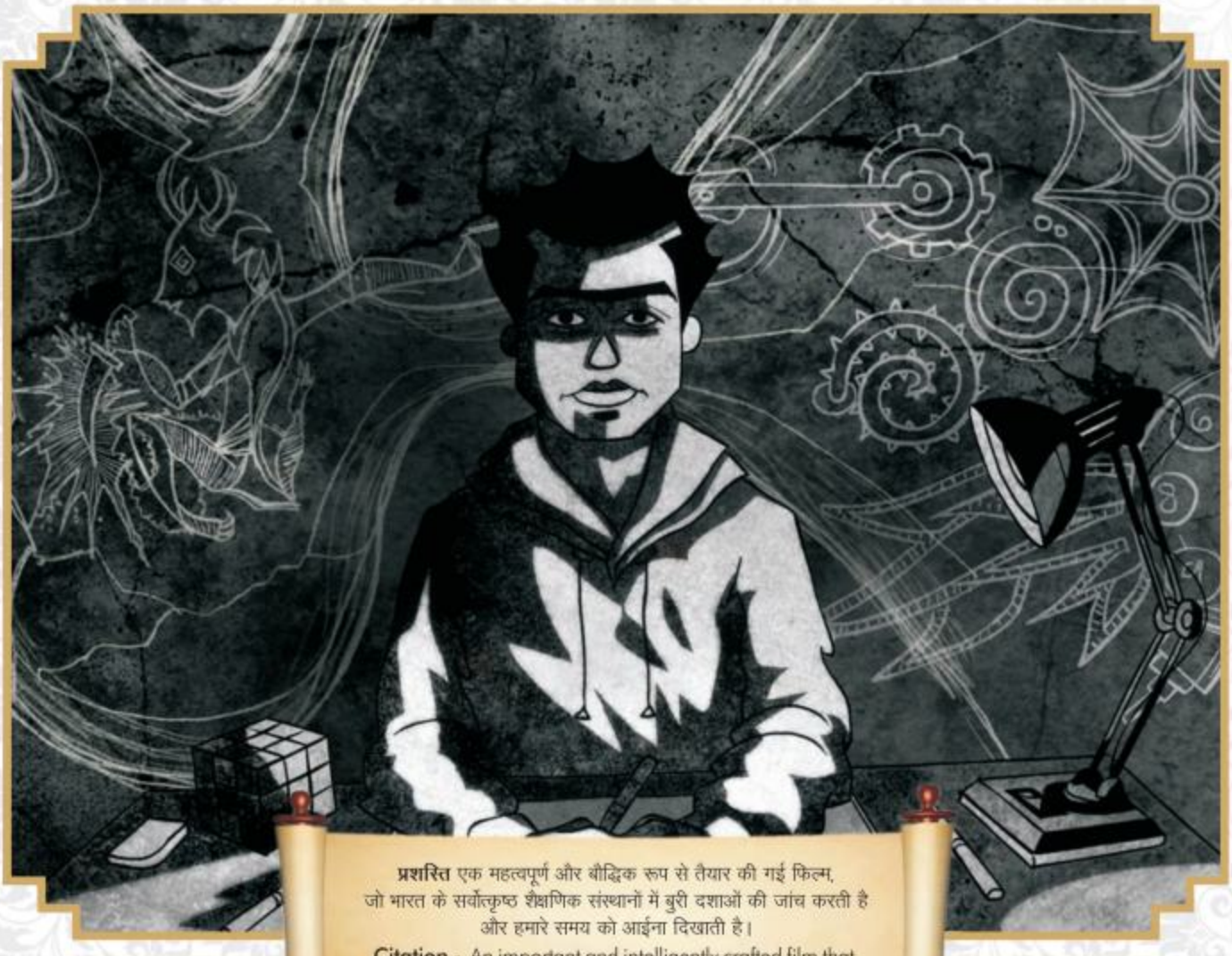

प्रशस्ति एक महत्वपूर्ण और बौद्धिक रूप से तैयार की गई फिल्म, जो भारत के सर्वोत्कृष्ठ शैक्षणिक संस्थानों में बुरी दशाओं की जांच करती है और हमारे समय को आईना दिखाती है।

Citation - An important and intelligently crafted film that investigates the malaise plaguing one of India's premiere educational institutions, showing us a mirror of our times.

Contact: archuphadke@gmail.com, storyteller.ink@gmail.com

हम चित्र बनाते हैं
सर्वश्रेष्ठ ऐनीमेशन फ़िल्म

Hum Chitra Banate Hai | Best Animation Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

हिन्दी | 9 मिनट

निर्देशन और छायांकनः नीना सबनानी

निर्माताः आईडीसी, आईआईटी, बोम्बे

संपादकः पीयूष वर्मा और नीना सबनानी

एनीमेटरः पीयूष वर्मा और श्याम सुंदर चटर्जी

संगीतः रजत ढोलकिया

Hindi | 9 mins

Direction & Cinematography: Nina Sabnani

Production Company: IDC, IIT, Bombay

Editor: Piyush Verma & Nina Sabnani

Animator: Piyush Verma and Shyam Sundar Chatterjee

Music: Rajat Dholakia

परिचय | PROFILE

नीना सबनानी (Nina Sabnani)

नीना सबनानी एक कलाकार और कथाकार हैं, जिन्होंने ललित कला संकाय, बड़ौदा से स्नातक हैं। उन्होंने फिल्म में सिराक्यूज यूनिवर्सिटी, न्यूयॉर्क से स्नातकोत्तर किया है। नीना वर्तमान में औद्योगिक डिजाइन केंद्र, आईआईटी बॉम्बे में प्रोफेसर हैं।

Nina Sabnani is an artist and storyteller who graduated from the Faculty of Fine Arts, Vadodara. She received a master's degree in film from Syracuse University, NY. Nina is currently Professor at the Industrial Design Centre, IIT Bombay.

औद्योगिक डिजाइन केंद्र (Industrial Design Centre)

IDC School of Design अभिकल्प विद्यालय

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बॉम्बे में **औद्योगिक डिजाइन केंद्र,** डिजाइन के क्षेत्र में शिक्षाविदों, अनुसंधान और अनुप्रयोगों के लिए एक उत्कृष्ट वातावरण प्रदान करता है।

Industrial Design Centre at the Indian Institute of Technology, Bombay offers an excellent environment for academics, research and applications in the field of design.

एनिमेटर (Animator)

पीयूष वर्मा एक स्वतंत्र फिल्मकार हैं। उन्होंने बीएचयू में दृश्य कला के संकाय में स्नातक किया है। उन्होंने आईडीसी, आईआईटी बॉम्बे से एनीमेशन और फिल्म में स्नातकोत्तर हैं। **Piyush Verma** is an independent film maker. He graduated at the Faculty of Visual Art at BHU. He received a Masters Degree in Animation and Film from IDC, IIT Bombay.

श्याम सुंदर चटर्जी हमेशा से ही चित्रकला, ड्राइंग, शिल्प, मूर्तिकला और कई स्पर्श आधारित रचनात्मक कला रूपों में रुचि रखते हैं। उन्होंने पुणे के (एसआईडी), संचार डिजाइन से स्नातक की पढ़ाई की। **Shyam Sundar Chatterjee** has been always interested in painting, drawing, crafts, sculpting and numerous tactile based creative art forms. He did a bachelor course in Communication Design from (SID), Pune.

कथासार - "हम चित्र बनाते हैं", मध्यप्रदेश के 'भील' समुदाय की व्याख्या है। भील समुदाय के लिए चित्रकला एक प्रार्थना की तरह है, जिसे फिल्म अच्छे से दर्शाती है। यह फिल्म उस समुदाय के कलाकार शेर सिंह और फिल्मकार नीना सबनानी के बीच एक सहयोग है, जो साथ में बात कहने के तरीकों को उजागर करता है।

Synopsis - "Hum Chitra Banate Hai" is an animated interpretation of a myth from the Bhil community in Madhya Pradesh, India. For the Bhil community painting is like offering a prayer and the film reveals why. The film is a collaboration between the indigenous artist Sher Singh from the community and the film maker Nina Sabnani that explores ways of telling together.

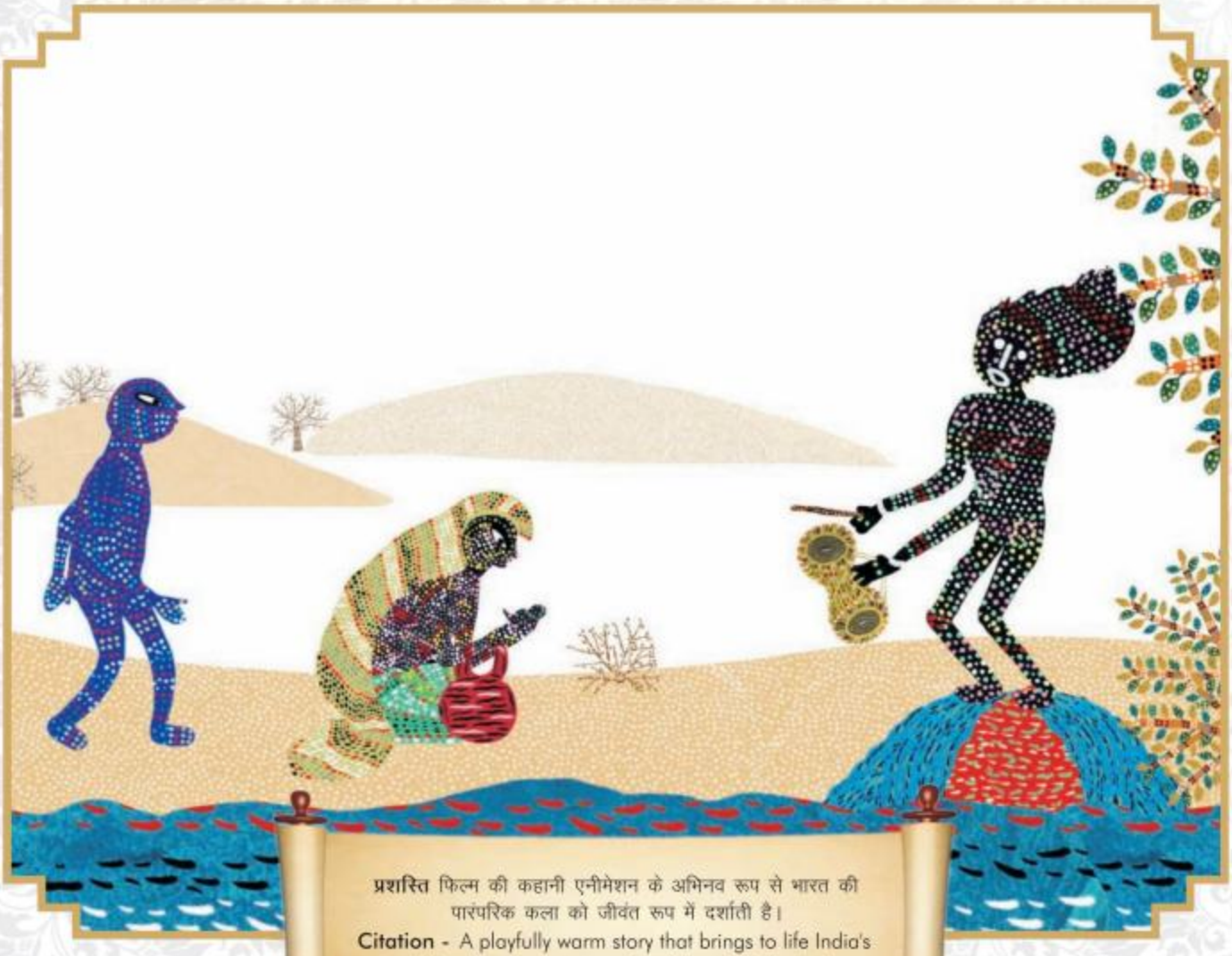

प्रशस्ति फिल्म की कहानी एनीमेशन के अभिनव रूप से भारत की पारंपरिक कला को जीवंत रूप में दर्शाती है।

Citation - A playfully warm story that brings to life India's traditional art by incorporating it innovatively in the animation itself.

Contact: nina.sabnani@gmail.com

द सिनेमा ट्रैवलर्स
निर्णायक मंडल का विशेष पुरस्कार

The Cinema Travellers | Special Jury Award

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

हिन्दी, पार्टली मराठी | 95 मिनट

निर्देशक और संपादक: अमित मधेशिया और शिरले अब्राहम

निर्माता: केव पिक्चर्स

छायांकार: अमित मधेशिया

संगीत: लौरा कर्पमन और नोरा क्रोल–रोसनबौम

साउंड डिजाईन और रि–रिकॉर्डिंग मिक्सर: पेटे होर्नर

Hindi, Partly Marathi | 95 mins

Director & Editor: Amit Madheshiya & Shirley Abraham

Production Company: Cave Pictures

Cinematographer: Amit Madheshiya

Music: Laura Karpman & Nora Kroll-Rosenbaum

Sound Designer and Re Recording Mixer: Pete Horner

परिचय | PROFILE

शिरले अब्राहम, अमित (Shirley Abraham, Amit Madheshiya)

शिरले अब्राहम एक वृत्तचित्र फिल्म निर्देशक और निर्माता हैं।

अमित महेशिया एक वृत्तचित्र फोटोग्राफर और कांस पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता और निर्माता हैं।

द सिनेमा ट्रैवलर्स दोनों की पहली फीचर–बड़ी वृतचित्र फिल्म है।

Shirley Abraham is a documentary film director and producer. The Cinema Travellers is her debut feature-length documentary.

Amit Madheshiya is a documentary photographer and Cannes prize-winning filmmaker and producer. It is his debut feature-length documentary.

केव पिक्चर्स प्रोडक्शन (Cave Pictures)

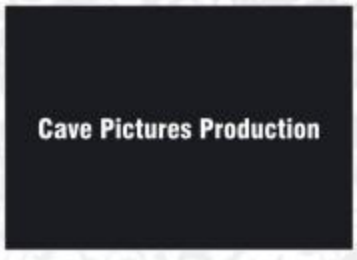

केव पिक्चर्स प्रोडक्शन हाऊस के मालिक शिरले अब्राहम और अमित मधेशिया हैं। उन्होंने एक साथ फिल्म का निर्माण और निर्देशन किया था, जिसका कांस फिल्म समारोह 2016 में आधिकारिक चयन किया गया था और उसने विशेष जूरी पुरस्कार–L'Oeil d'or भी जीता था।

Cave Pictures is a production house owned by Shirley Abraham and Amit Madheshiya. They have together produced and directed the film, which was an official selection at Cannes Film Festival 2016 and won the Special Jury Prize- L'Oeil d'or.

कथासार - 'द सिनेमा ट्रैवलर्स', महाराष्ट्र के उस यात्रा सिनेमा की कहानी है, जो समय के साथ दुनिया में खत्म हो गई, लेकिन ग्रामीण भारत में प्यार से संरक्षित है। सात दशकों से भी अधिक समय से, ये घुमता हुआ सिनेमा दूर दराज के गोवों में सामूहिक तौर पर फिल्मे देखने की परंपरा को संरक्षित किए हुए है। आज, इन सिनेमा वालों की हालत खस्ता है। इनकी लॉरी और प्रोजेक्टर उखड़ गए हैं और फिल्म रील कम हो जाती हैं। इसके अलावा उनके दर्शकों को डिजिटल प्रौद्योगिकी द्वारा प्रलोभित किया जाता है। पांच वर्षों तक फिल्माई गई द सिनेमा ट्रैवेलर्स में एक चतुर प्रदर्शक, एक उदार प्रदर्शनकार और एक ऐसे अलहड़ प्रोजेक्टर मैकेनिक का मिश्रण है, जो इस पारंपरिक कला को बचाने की पुरजोर कोशिश में लगा है।

Synopsis - 'The Cinema Travellers' tells the story of the traveling cinemas of Maharashtra- a cultural tradition lost to the world, but lovingly preserved in rural India. For more than seven decades, these touring cinemas have brought the wonder of the movies to faraway villages annually, preserving collective movie watching as a community tradition. Today, as their lorries and cinema projectors crumble and film reels become scarce, their audiences are lured by slick digital technology. Filmed over five years, The Cinema Travellers accompanies a shrewd exhibitor, a benevolent showman and a maverick projector mechanic who bear a beautiful burden - to keep the last traveling cinemas of the world running.

प्रशस्ति सेल्यूलॉयड के जादू को दर्शाती एक संवेदनशील और लयात्मक कहानी है और साथ ही यह भारतीय 'सिनेमा यात्रा' को एक काव्यात्मक श्रद्धांजलि है।
Citation - A sensitive and lyrical ode to the magic of celluloid and a poetic tribute to the last of India's travelling cinemas.

Contact: abraham.shirley@gmail.com

आबा
सर्वश्रेष्ठ लघु कल्पित फ़िल्म

Aaba | Best Short Fiction Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

अपटानी (अरूणाचल प्रदेश) | 22 मिनट
निर्देशन: अमर कौशिक
प्रोडक्शन कंपनी: रापचिक फिल्म्स
फिल्म संपादक: अरिंदम एस घटक
छायांकार: सौमिक मुखर्जी
संगीत: आलोकानंदादास गुप्ता
ध्वन्यांकार: साजिथ कोयेरी और सविता नामबर्थ

Apatani (AP) | 22 mins
Direction: Amar Kaushik
Production Company: Raapchik Films
Editor: Arindam. S. Ghatak
Cinematographer: Soumik Mukherjee
Music: Alokanandadas Gupta
Audiographer: Shajith Koyeri and Savitha Nambrath

परिचय | PROFILE

अमर कौशिक (Amar Kaushik)

1983 में, भारत के उत्तर प्रदेश में पैदा हुए **अमर कौशिक** अपने दादा–दादी के साथ कानपुर और अपने पिता के साथ आंध्र प्रदेश में बड़े हुए हैं। वे विज्ञान में स्नातक हैं। मुंबई में बिना किसी संपर्क के साथ अमर ने सहयोगी निर्देशक से सहायक निर्देशक बनने के लिए 9 वर्षों का सफर तय किया है।

Born in Uttar Pradesh, **Amar Kaushik** grew up between Kanpur and the north-eastern state of Arunachal Pradesh. He completed his graduation in Science. With no contact in the film industry, Amar spent years working as an assistant director.

रापचिक फिल्म्स (Raapchik Films)

raapchik films

रापचिक फिल्म्स एक प्रोडक्शन हाऊस है, जिसकी स्थापना 2013 में हुई थी। रापचिक फिल्म्स का उद्देश्य फीचर फिल्म, लघु फिल्म, वृत्तचित्र और टीवी सीरीज की सभी शैलियों में सार्थक सिनेमा का निर्माण करना है।

Raapchik Films is a production house established in the year 2013. Raapchik Films aims at producing content driven meaningful feature films, short films, documentary films and TV Series in all genres.

कथासार - आबा यानि दादाजी, उत्तर–पूर्व भारत में अरुणाचल प्रदेश की पृष्ठभूमि पर बनी हुई है। एक अनाथ लड़की अपने दादा–दादी के साथ रहती है। उसे पता चलता है कि उसके दादा जी को फैफड़ों में कैंसर है और आखिरी स्टेज पर होने के कारण वो कुछ ही हफ्तों तक जीवित रह सकते हैं। इस दौरान कुछ ज्यादा ना करते हुए दादाजी अपनी खुद की संपत्ति का पुनः दौरा करते हैं और खुद की कब्र खोदते रहते हैं। लेकिन जिंदगी उनके सामने कई आश्चर्यजनक चीजें लाती है।

Synopsis - Aaba (Grand Father) is set in a remote village of Arunachal Pradesh in North East India. An orphan girl staying with her grandparents comes across the news of her grandfather being in the advanced stages of lung cancer and would probably survive just a few weeks. With not much to do the grandfather spends rest of his days revisiting his personal possessions and digging his own grave. But then life has its own surprises.

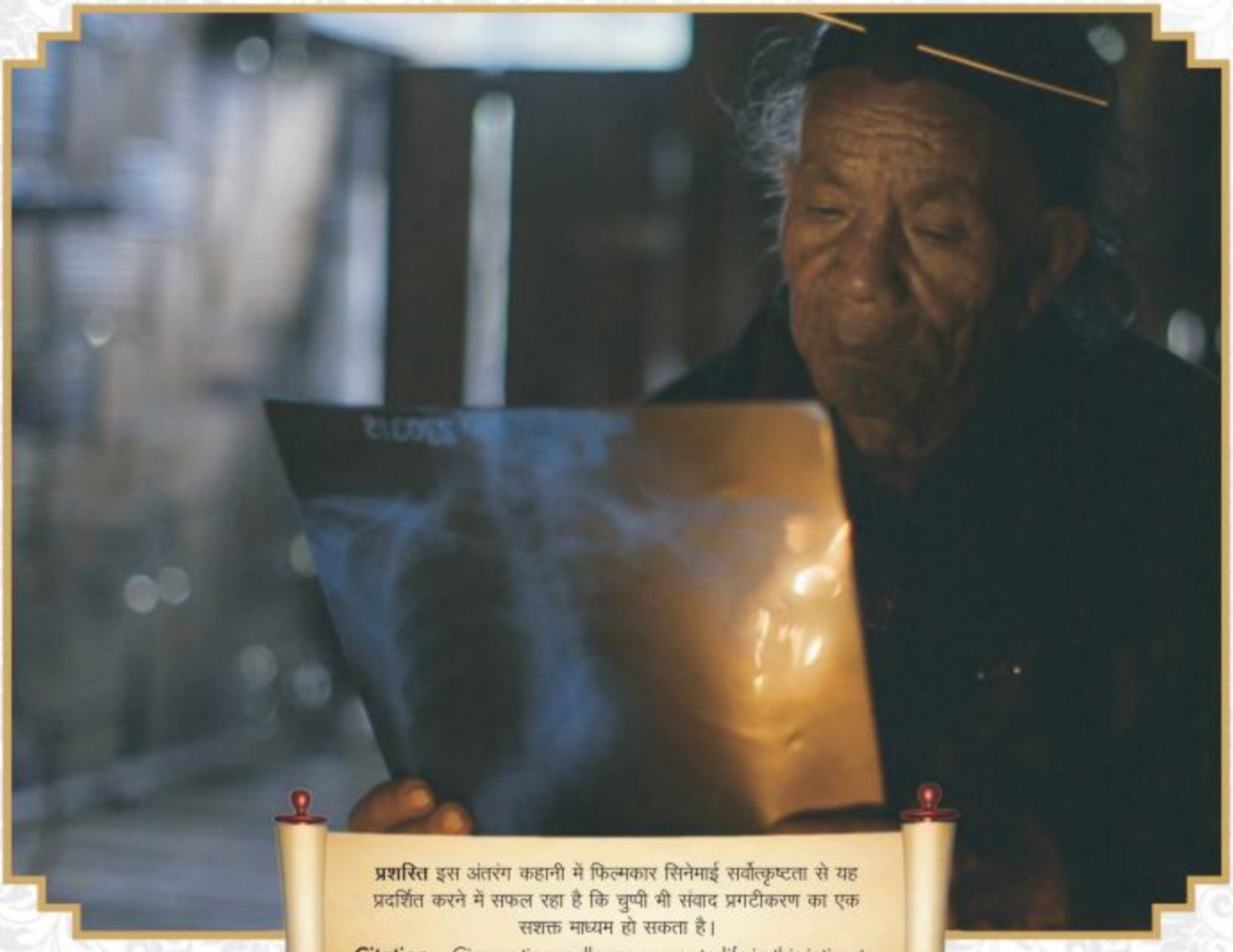

प्रशस्ति इस अंतरंग कहानी में फिल्मकार सिनेमाई सर्वोत्कृष्टता से यह प्रदर्शित करने में सफल रहा है कि चुप्पी भी संवाद प्रगटीकरण का एक सशक्त माध्यम हो सकता है।

Citation - Cinematic excellence comes to life in this intimate story where the filmmaker shows that silence can also be used as a powerful language of expression.

Contact: rajam8@yahoo.com

लिटिल मैजीशियन
पारिवारिक मूल्यों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म

Little Magician | Best Film on Family Values

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

अंग्रेजी | 22 मिनट
निर्देशक और लेखक: नेहा शर्मा
निर्माता: एलएक्सएल आइडियाज प्राइवेट लिमिटेड
संपादक: शेखर प्रजापति
छायांकार: सौरभ गोस्वामी
संगीत: सवेरा मेहता
ध्वनि डिजाइन: प्रनीत पुराओ
अभिनय: हेत्वी भानुशाली, मारिया गोरेत्ती, सिमरन नेटकर और गौरव शर्मा

English | 22 mins
Director & Writer: Neha Sharma
Production Company: LXL Ideas Pvt. Ltd.
Editor: Shekhar Prajapati
Cinematographer: Saurabh Goswami
Music: Savera Mehta
Sound Design: Pranit Purao
Cast: Hetvi Bhanushali, Maria Goretti, Simran Natekar & Gaurav Sharma

परिचय | PROFILE

नेहा शर्मा (Neha Sharma)

2006 से **नेहा शर्मा** फिल्म और टीवी उद्योग में मुंबई में काम कर रही हैं। उन्होंने सोनी टीवी के लोकप्रिय टीवी शो लेडीज स्पेशल और एंड टीवी के तुमसे नाराज नहीं जिंदगी के लिए संवाद लिखे हैं।

Neha Sharma has been working in Mumbai in the film & TV industry from 2006 and has honed her craft. Neha went on to write dialogues for the popular TV show Ladies Special for SONY TV and wrote the fiction show Tujhse Naraaz Nahin Zindagi for &TV.

एलएक्सएल आईडियाज (LXL Ideas)

एडुमीडिया से **एलएक्सएल आईडियाज** बना यह प्रोडक्शन हाऊस छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को सीखने और अनुभव पैदा करने पर गहरा प्रभाव डालता है। पिछले 18 वर्षों से, इसने कुछ सीखाने के लिए अभिनव और रचनात्मक तरीके से कई फिल्में बनाई है। उनकी करीब 130 फिल्मों में 4 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते हैं।

LXL Ideas, formerly EduMedia, impacts learning and create experiences for students, parents and educators. For the past 18 years, they've brought innovative and creative methodologies to impact learning. With over 130 films, they have won 4 National Film Awards.

कथासार - फिल्म एक 10 वर्षीय लड़की कनिका के बारे में है, जो जादू की दीवानी है। वह एक खास फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रही है, जो जादुई दुनिया पर आधारित है। कनिका आने वाले शुक्रवार का बेसब्री से इंतजार कर रही है, क्योंकि इसी दिन फिल्म रिलीज होगी। अब शुक्रवार के दिन ही कनिका की मां माधुरी, बीमार दादाजी की देखभाल का जिम्मा अपनी बेटियों को सौंप देती है। माधुरी कनिका से रविवार को फिल्म दिखाने का वादा करती है, लेकिन कनिका अपने उत्साह को रोक नहीं पाती और शुक्रवार को ही फिल्म देखने चली जाती है। लौटने के बाद कनिका को मालूम होता है कि उसकी न होने से कुछ ऐसा घट गया, जिसका उसे हमेशा मलाल रहेगा।

Synopsis - Ten year old Kanika is in love with magic spells and crazy about wizardry! She has been awaiting the release of a fantasy film for months. Friday is a big day for the family- while mom Madhuri has a big presentation at work,Kanika's sister has a violin recital. But the day holds most importance for Kanika- that's when the film Beasts of Wonderland is releasing. Friday also is the day when the nurse who looks after her bedridden grandfather is taking an off. She assigns her daughters to attend to their grandfather and promises to take Kanika for the movie on Sunday. However, unable to resist, Kanika takes off to watch the film without informing anyone and leaves her sick grandfather alone at home. On coming back, Kanika is in for a shock. What happens next makes Kanika rethink her behaviour.

प्रशस्ति एक खूबसूरत फिल्म जो दर्शाती है कि सिर्फ प्यार ही एक ऐसा जादू है जो परिवार को एक सूत्र में बांधे रखता है।

Citation - An innocent film that is a reminder that the only magic that keeps a family together is love.

Contact: sultan@lxl.in

आबा आइक्ताय ना ?
सर्वश्रेष्ठ निर्देशन

Aaba Aiktaay Na ? | Best Direction

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 1,50,000/-

मराठी | 29 मिनट

निर्देशन और पटकथा: आदित्य सुहास जामभले

निर्माता: श्री महालसा प्रोडक्शन पोंडा

संपादक: सतीश पाटिल

छायांकन: रवि रंजन

संगीत: रोहित प्रधान

पृष्ठभूमि: सुष्मित लिमाये

अभिनय: अरुण नालावडे, अवधूत कामत, दिलीप देसाई और मधुकर जोशी

Marathi | 29 mins

Direction & Screenplay: Aditya Suhas Jambhale

Production Company: Shree Mahalasa Productions Ponda

Editor: Satish Patil

Cinematographer: Ravi Ranjan

Sound Design: Rohit Pradhan

Background Score: Susmit Limaye

Cast: Arun Nalawade, Awadhoot Kamat, Dilip Desai & Madhukar Joshi

प्रशस्ति एक खुश परिवार की एक तीक्ष्ण कहानी का चित्रण किया गया है जो अप्रत्याशित चरमोत्कर्ष में उभरती है। इसमें मजबूत सिनेमाई शिल्प कौशल का समायोजन है।

Citation - A poignant story of a seemingly happy family that erupts in an unpredictable climax, held together by strong cinematic craftsmanship.

आदित्य सुहास जाम्भले

"श्री महलासा प्रोडक्शंस पोंडा" के संस्थापक, अध्यक्ष **आदित्य सुहास जाम्भले** गोवा के एक निर्देशक, पटकथा लेखक और थियेटर कलाकार हैं। अभियांत्रिकी में स्नातक करने और 2 साल तक काम करने के बाद, आदित्य ने डिजिटल एकेडमी फिल्म स्कूल (मुंबई) से फिल्म निर्माण (निर्देशन) में डिप्लोमा किया। वे विगत 6 सालों से लेखक, निर्देशक और अभिनेता के रूप में रंगमंच / नाटक (गोवा / मुंबई / पुणे) में काम कर रहे हैं। उन्होंने 4 मराठी मंच नाटक और 5 अभिनय नाटक का निर्देशन और लेखन किया है।

Aditya Suhas Jambhale, is a Goan Director, Screenplay writer and Theatre artist. He is the founder/President of 'Shree Mahalasa Productions Ponda'. After graduating in engineering and working for 2 years, Aditya pursued Diploma in Filmmaking with specialisation in Direction, from Digital Academy Film School (Mumbai). He has been working in Theatre/Dramas (Goa/Mumbai/Pune) since past 6 years as writer, director and actor. Directed and Written 4 full length marathi stage plays and 5 one act plays.

Contact: smppgoa@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 167

कल्पवृक्ष
सर्वश्रेष्ठ छायांकन (साझा)

Kalpvriksha | Best Cinematography (Shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

हिन्दी | 15 मिनट
निर्देशन: अभिजीत खुमान
निर्माता: एफटीआईआई
संपादक: शिनी जेके
छायांकार: अल्पेश नागर
अभिनय: चांदनी शर्मा, आलोकनाथ पाठक, स्नेहा सोनावने, माही काडू, टॉप एल्टर (आवाज), कृतिका पांडे (आवाज)

Hindi | 15 mins
Direction: Abhijeet Khuman
Producer: FTII
Editor: Shini JK
Cinematographer: Alpesh Nagar
Cast: Chandani Sharma, Aloknath Pathak, Sneha Sonawane, Maahi Kadu, Tom Alter (voice), Kritika Pande (voice)

प्रशस्ति कैमरे के बेहतरीन कार्य के माध्यम से कहानी की आंतरिक सुंदरता जीवित रहती है।

Citation - The mysterious beauty of the narrative comes alive through artful camerawork.

अल्पेश

2014 में फिल्म और टेलीविजन संस्थान भारत (एफटीआईआई, पुणे) से टीवी इलेक्ट्रॉनिक छायांकन की पढ़ाई करने से पहले **अल्पेश** ने 2011 में राजस्थान से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। उसके बाद वे बड़ौदा चले गए, जहां उन्होंने एमएसयू से नाटक का अध्ययन किया और विभिन्न विज्ञापन कंपनियों के लिए एक दृश्य कलाकार के रूप में काम किया। वर्तमान में वे मुंबई में स्वतंत्र छायांकार के रूप में काम कर रहे हैं।

Before coming to the Film and Television Institute India (FTII, Pune) in 2014 for the course of Electronic Cinematography for Television, **Alpesh** studied B. Tech. in Electronics and Communication Engineering from Rajasthan in 2011 and moved to Baroda, where he studied Dramatics at Faculty of Performing Arts, MSU (Baroda) and worked as a visual artist for different advertising firms. Currently based in Mumbai, he is working as a freelance cinematographer.

Contact: mr.khuman@yahoo.com

Synopsis of the film on page no. 167

अद्नयत
सर्वश्रेष्ठ छायांकन (साझा)

Adnyat | Best Cinematography (Shared)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

मराठी | 17 मिनट

निर्देशक और लेखक: संतोष दवाखर

निर्माता: डी टर्न फिल्म्स

संपादन: आशीष महात्रे, अपूर्वा मोतीवाले सहाय

छायांकार: विशाल संगवाई

संगीत: रजत ठोलकिया

अभिनय: पीयूष ठाकरे, मिनाक्षी राठौड. प्रमोद घोष, सुनील गोडसे और शिवकुमार मिश्रा

Marathi | 17 mins

Director & Writer: Santosh Davakhar

Production Company: D Turn Films

Editor: Ashish Mhatre & Apurva Motiwale Sahai

Cinematographer: Vishal Sangwai

Music: Rajat Dholkia

Cast: Piyush Thakrey, Meenakshi Rathod, Pramod Ghosh, Sunil Godse & Shivkumar Mishra

प्रशस्ति कैमरा कहानी का उत्तम और रंगीन चित्रण करता है जो गंभीर और दुखद दोनों है।

Citation - The camera paints a rich and colourful canvas for a narrative that is both grim and tragic.

विशाल संगवाई

विशाल संगवाई एक महत्वाकांक्षी छायांकार हैं और पिछले दशक से सिनेमा के छात्र हैं और वो ऐसे ही रह सकते हैं। उन्होंने फिल्में बनाने से पहले विनोद प्रधान की कई फिल्मों में सहायक के तौर पर काम किया हैं। वे कई फिल्मों, विज्ञापन फिल्म और वृतचित्रों में फोटोग्राफी निर्देशक की भूमिका अदा कर चुके हैं।

Vishal Sangwai is an aspiring Cinematographer and a student of cinema for the last decade & continues to be so. Commencing his career in films as an assistant to Binod Pradhan for many feature films before becoming independent. He has been the Director of photography for feature films , advertising films and documentaries.

Contact: dturnfilms7@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 167

इन रिटर्न जस्ट ए बुक
सर्वश्रेष्ठ ध्वनि आलेखन

In Return Just a Book | Best Audiography

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

मलयालम, रशियन | 45 मिनट
निर्देशन: शिनी जैकब बेनजामिन
निर्माता: सोमा क्रिएशंस
लेखक: पॉल ज़चारिया
संपादन: बी अजीत कुमार
छायांकन: केजी जयन
संगीत: सारथ
ध्वन्यांकन: अजीत अब्राहम जॉर्ज
अभिनय: ओकसना और व्लादीमिर पोस्तीनीकॉव

Malayalam, Russian | 45 mins
Direction: Shiny Jacob Benjamin
Production Company: Soma Creations
Writer: Paul Zacharia
Editor: B Ajith Kumar
Cinematographer: Kg Jayan
Music: Sarrath
Audiograpgy: Ajith Abraham George
Cast: Oksana Karmishina & Vladimir Postnikov

प्रशस्ति लाइव रिकॉर्डिंग व्यापक और गहराई से की गई है जो पूरे वातावरणीय ध्वनि को जीवित रखती है।

Citation - Live recording has been done in a detailed and in-depth manner bringing alive the entire ambience.

अजीत जॉर्ज

फिल्म और टेलीविजन संस्थान भारत से ध्वनि रिकॉर्डिंग और ध्वनि अभियांत्रिकी कर चुके हैं। साथ ही वे के आर नारायणन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ विजुअल साइंस एंड आर्ट्स, केरल के ध्वनि विभाग में सहायक व्याख्याता के तौर पर काम कर रहे हैं। उन्होंने डीएसएम एंड सी ऑडियो विजुअल सेंटर के कंसल्टेंट तकनीकी प्रमुख, विस्मायस मैक्स, त्रिवेन्द्रम के तकनीकी एवं परिचालन प्रमुख के रुप में काम किया है। इसके अलावा उन्होंने भारत में विभिन्न विज्ञापन एजेंसियों के लिए मिश्रित अभियंता के रूप में काम किया।

Ajith George has learnt Sound Recording and Sound Engineering, from FTII. He is currently, working as the Faculty of K R Narayanan National Institute of Visual Science & Arts, Kerala as Assistant Professor, Sound Department. He has worked as Technical and Operational Head for Vismayas Max Studio Complex at Trivandrum. Also worked for various Ad agencies in India as their Mixing Engineer.

Contact: shinyrishi@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 167

गुध
सर्वश्रेष्ठ संपादन

Gudh | Best Editor

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

नेपाली | 28 मिनट

निर्देशन, पटकथा और संवाद: सौरव राय

निर्माता: सत्यजीत रे फ़िल्म और टेलीविजन इंस्टीट्यूट

डीओपी: अभिषेक बासु रॉय

साउंड रिकॉर्डिंग और डिज़ाइन: अंकिता पुरकस्थथा

संपादक: जिष्णु सेन

अभिनय: अजय राय, सरिना तमांग, बीर बहादुर राय, शांति छेत्री

Nepali | 28 mins

Direction, Screenplay, Dialogue: Saurav Rai

Producer: Satyajit Ray Film & Television Institute

DOP: Abhishek Basu Roy

Sound Recording &Design: Ankita Purkayastha

Editing: Jishnu Sen

Cast: Master Ajay Rai, Mrs. Sarina Tamang, Bir Bahadur Rai, Mrs. Shanti Chettri

प्रशस्ति एक लड़के की मासूमियत के अंतरतम भावों को बेजोड़ तरीके से उन कठोर सच्चाइयों के साथ बुना गया है, जिन्हें वो अपनी जीवन यात्रा में सम्मिलित करता है।

Citation - Seamlessly weaves the inner worlds of a young boy's innocence with the harsh realities of the journey he is embarking on.

जिश्नु सेन

जिश्नु सेन एक संपादक और अभिनेता हैं, जो फिल्म बरखा झारी (2014) और झाजहल्को (2014) के लिए जाने जाते हैं। वे एसआरएफटीआई में संपादक विभाग के विद्यार्थी हैं।

Jishnu Sen is an editor and actor, known for Barkhay Jhari (Monsoon Rain) (2014) and Jhajhalko (2014). He is a student of Editing Department (10th batch) at the SRFTI.

Contact: fro.srifi@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 167

लीचिज़
सर्वश्रेष्ठ ध्वनि आलेखन

Leeches | Best Music

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

उर्दू | 27 मिनट
निर्देशक और निर्माता: पायल सेठी
संपादक: विवान चोपड़ा
छायांकार: जेम्स देमेत्री
संगीत: तनुज टीकू
ध्वन्यांकार: उदित दुसेजा

Urdu | 27 mins
Director & Producer: Payal Sethi
Editor: Vivan Chopra
Cinematographer: James Demetri
Music: Tanuj Tiku
Audiographer: Udit Duseja

प्रशस्ति यह संगीत नाटक के सुदृढ़ रूप से बढ़ने में और मुख्य किरदार की आपदा में एक किरदार की भूमिका अदा करता है।

Citation - Music becomes a character of its own in subtly heightening the drama and the tragedy of the central character.

तनुज टीकू

तनुज टीकू एक संगीतकार और संगीत निर्माता है। बचपन से ही टीकू संगीत में गहरी रुचि रखते हैं और उन्होंने पियानो, तुरही, शहनाई और हार्मोनियम जैसे कई वाद्य यंत्र बजाने शुरू कर दिए थे। हाल ही में उन्होंने राहुल बोस की जीवनी फिल्म, पूर्णा के लिए पृष्ठभूमि संगीत प्रदान किया था। उन्होंने 200 से अधिक विज्ञापन, 50 फीचर फिल्म, कई गानों और कई ब्रांड के लिए एक संगीतकार और संगीत निर्माता के रूप में काम किया है।

Tanuj Tiku is a composer and music producer based in Mumbai. From an early age, he was deeply interested in music and picked up several instruments like the piano, trumpet, clarinet and harmonium. Most recently he provided the background music for Rahul Bose's biographical film, Poorna. He has worked as a composer and music producer on over 200 commercials, 50 feature films and many songs for some of the top brands, composers and filmmakers in the country.

Contact: payal1202@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 167

मकिनो–एन इंडियन हाईकु
सर्वश्रेष्ठ नेरेशन / वॉइस ओवर

Makino –An Indian Haiku | Best Narration/Voice Over

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

बंगाली | 51 मिनट
निर्देशक और निर्माता: तीर्थांकर दासगुप्ता
संपादक: निलोत्पल मजूमदार
छायांकार: संदीप भट्टाचार्य, निलोत्पल मजूमदार और तीर्थांकर दासगुप्ता
संगीत: तीर्थांकर दासगुप्ता

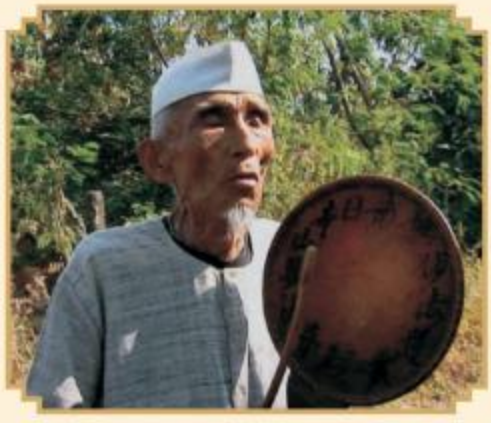

Bengali | 51 mins
Director & Producer: Tirthankar Dasgupta
Editor: Nilotpal Majumdar
Cinematographer: Sandip Bhattacharya, Nilotpal Majumdar & Tirthankar Dasgupta
Music: Tirthankar Dasgupta
Narration: Setsu Makino Togawa

प्रशस्ति एक बेटी द्वारा पिता को सुनाई गई कविता इस वॉयस ओवर को बेहद निजी, मार्मिक और काव्यात्मक बनाती है।

Citation - A simply narrated daughter's ode to a father makes this voice-over intensely personal, poignant and poetic.

सेत्सु तोगावा

सेत्सु तोगावा स्वर्गीय प्रोफेसर साईजी मोकिनो की बेटी हैं, जिनका जन्म भारत में ही हुआ है, जब उनके जापानी माता–पिता भारत में रह रहे थे। वो पश्चिम बंगाल के शांति निकेतन में बड़ी हुई और विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन में मणिपुरी नृत्य में स्नातकोत्तर हैं। वो शांति निकेतन में सांस्कृतिक गतिविधियों में अपने पूरे दिल से भाग लेने के लिए जानी जाती है।

Setsu Togawa is, the only daughter of late Professor Saiji Makino, was born in India, when her Japanese parents were living in India. She grew up in Santiniketan, West Bengal, and finished her Master Degrees in Manipuri Dance at Visva-Bharati University, Santiniektan. She is very much well known for her whole hearted participation in the cultural activities in Santinekatan.

Contact: tirthadgp@yahoo.com

Synopsis of the film on page no. 167

रि–मेम्बरिंग कुर्दी
सर्वश्रेष्ठ ऑन–लोकेशन साउंड पुरस्कार

Re-Membering Kurdi | Best On-Location Sound

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

कोंकणी, मराठी, हिन्दी, अंग्रेजी
64 मिनट
निर्देशक–छायांकार: सौम्यानंदा साही
निर्माता: फ़िल्म्स डिविज़न
संपादक: तनुश्री दास साही

Konkani, Marathi, Hindi, English
64 mins
Director & Cinematographer: Soumyananda Sahi
Production Company: Films Division
Editor: Tanushree Das Sahi

प्रशस्ति एक अद्भुत और बेहद खूबसूरत स्थानीय ध्वन्यांकन है, जो तटीय गांव की उज्ज्वल ध्वन्यांकृति और उसके अतीत का प्रस्तुतिकरण करता है।

Citation - Stunning location recording that brings to life the vivid soundscape of a coastal village, evoking memories of the past.

क्रिस्टोफर बर्शेल

क्रिस्टोफर बर्शेल केन स्कूल ऑफ आर्ट्स से ललित कला में स्नातक हैं। दो साल के लिए एक ग्राफिक डिजाइनर के रूप में काम करने के बाद, उन्होंने फिल्म बनाने और ध्वनि डिजाइन के क्षेत्र में प्रवेश किया। 2007 के बाद से, उन्होंने लोकेशन रिकॉर्डिस्ट और ध्वनि डिजाइनर के रूप में सौ से अधिक वृत्तचित्र फिल्मों पर काम किया है।

Christopher Burchell is a graduate of fine arts from the Ken school of Arts. After working as a graphic designer for two years, he entered the field of film-making and sound design. Since 2007, he has worked on over a hundred documentary films, as a location recordist and sound designer.

Contact: publicity@filmsdivision.org

Synopsis of the film on page no. 168

द आई ऑफ डार्कनेस
विशेष उल्लेख

The Eye of Darkness | Special Mention

प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

हिन्दी | 54 मिनट
निर्देशक और निर्माता: अमिताभ पराशर
संपादक: श्रीकांत शेठी
छायांकार: अभय आनंद
संगीत: अभय सिंह
ध्वन्यांकार: राज कुमार

Hindi | 54 mins
Director & Producer: Amitabh Parashar
Editor: Shitikanth Ksheti
Cinematographer: Abhay Anand
Music: Abhay Singh
Audiographer: Raj Kumar

प्रशस्ति एक प्रमुख फिल्म है जो घृणित अपराध के पीड़ितों को न्याय से वंचित होने पर प्रकाश डालती है।

Citation - An important film that sheds light on the denial of justice to victims of a heinous crime.

अमिताभ पराशर

अमिताभ पराशर दिल्ली के एक पत्रकार हैं जिन्होंने 'स्क्रीन वीकली' और एचटी ग्रुप के हिंदुस्तान डेली जैसे प्रकाशकों के साथ विशेष संवाददाता के रूप में काम किया है। अमिताभ ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों को व्यापक रूप से कवर किया है। उन्होंने वर्ष 2003 और 2013 में राष्ट्रीय फीचर फिल्म पुरस्कारों में एक ज्यूरी सदस्य के रूप में भी काम किया है और वर्ष 2006 में सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार के चयन के लिए ज्यूरी में भी काम किया है।

Amitabh Parashar is a Delhi based journalist who has worked for publications like 'Screen Weekly' & Hindustan Daily of HT group as Special Correspondent. Amitabh has widely covered many National and International film festivals. He has also served as a Jury member in the National Feature Film awards in the year 2003 & 2013 and also on Jury for the selection of National Award for the Best writing on Cinema in the year 2006.

Contact: amitabhparashar@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 168

सीकर अरु सीत्कर
विशेष उल्लेख

Sikar Aru Sitkar | Special Mention

प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

असमी | 22 मिनट

निर्देशक: रामेन बोरा और सिबानु बोरा

निर्माता: नामदंग प्रोडक्शन

लेखन: निलॉय भट्टाचार्जी, नाबो ज्योति बोरा और पुरबानी गोस्वामी

हिंदी लेखन: दिनकर कुमार और अवकाश कुमार जम्मर

संपादक: रमन बोरा

छायांकार: हितेन ठकुरिया

संगीत: मनोज सर्मा

Assamese | 22 mins

Direction: Ramen Borah & Sibanu Borah

Production Company: Namdang Productions

Script: Niloy Bhattacharjee, Nabo Jyoti Bora & Purbani Goswami

Hindi Script: Dinkar Kumar & Avkash Kumar Jammar

Editor: Ramen Borah

Cinematographer: Hiten Thakuria

Music: Manoj Sarmah

प्रशस्ति एक महत्वपूर्ण फिल्म, जिसमें शिकार की क्रूरता को उजागर करने के लिए काल्पनिक दृश्य का इस्तेमाल किया गया है।

Citation - An important film that uses raw visual imagery to highlight the brutality of poaching.

रामेन बोरा, सिबानु बोरा

असम के नागांव जिले के **रामेन बोरा** ने 1998–99 में गुवाहाटी विश्वविद्यालय से वित्त में स्नातकोत्तर किया है। वे विगत 17 सालों से फिल्म जगत से जुड़े हुए हैं और उन्होंने कई फिल्में भी बनाई हैं।

सिबानु बोरा विगत 26 सालों से पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं। कई वृत्तचित्र फिल्म बनाने के साथ ही उन्होंने नाटक फिल्मों और नाटकों में अभिनय भी किया है और कई नाटकों के लिए कहानी भी लिखी हैं। 'मनुह बिसोरा मानुजन' उनकी पहली वृत्तचित्र फिल्म थी, जो उन्होंने खुद बनाई थी।

Ramen from Nagaon District of Assam , has done a Master Degree in Finance from Guwahati University in the year 1998-99. It has been 17 years since he began his professional career in film making.

Sibanu Borah has been in the industry for 26 years since, he began her professional career in journalism. Besides producing documentary films, he acted in films and dramas and also wrote stories for plays. 'MANUH BISORA MANUHJON' was the first documentary film that he produced.

Contact: vramenborah@yahoo.com

Synopsis of the film on page no. 168

चेम्बाई–माइ डिस्कवरी ऑफ ए लेजेंड
विशेष उल्लेख

Chembai-My discovery of a legend | Special Mention

प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

मलयालम | 37 मिनट

निर्देशनः सौम्या सदानंदन

निर्माताः साइकी एंटरटेनमेंट्स

लेखकः वीनू जनार्दन और मनु चंद्रन

छायांकार और संपादकः अजाई राहुल

संगीतः पीएस जयहरी

Malayalam | 37 mins

Direction: Soumya Sadanandan

Production Company: Psyche Entertainments

Writer: Vinu Janardanan & Manu Chandran

Cinematographer & Editor: Ajai Rahul

Music: PS Jayhari

प्रशस्ति यह फिल्म संगीतकार चेम्बई को एक अच्छा इंसान होने के साथ–साथ उनकी चेतनशीलता और जोश पर ध्यान केंद्रित करती है।

Citation - This film brings to focus the person of Chembai as musician as well as a human being with vigour and vitality.

सौम्या सदानंदन

सौम्या सदानंदन मलयालम और विज्ञापन फिल्म उद्योग में 6 वर्षों से निर्देशन कर रही हैं और फिल्में बना रही हैं। वे इंदुलेखा, धरती, कोकोस, कौला जैसे कई विज्ञापनों में सहायक निर्देशक रही हैं। उन्होंने 2012 में डेविड और गोलियठ, 2013 में इनाम, 2014 में ओरमायुंडु ए मुगम और 2015 में मिली में अभिनय भी किया। वह एक संगीत वीडियो की योजना बना रहीं हैं और वर्तमान में संगीत का काम चल रहा है।

Soumya Sadanandan has been worked for 6 Years in the Malayalam Film & Ad Film Industry in Direction and Production. She is an associate director to most of Indulekha, Dhatri, Kokos, Kaula ads telecasted on TV. She has acted in David and Goliath 2012, Inam 2013, Ormayundo e Mugham 2014 and Mili 2015. She is planning a music video, of which currently the work is going on.

Contact: soumyaseparate@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 168

कथासार | SYNOPSIS

आबा आइक्ताय ना? (Aaba Aiktaay Naa?)

आबा, एक सेवानिवृत्त वृद्ध व्यक्ति हैं, जो अपनी देखभाल करने वाले परिवार और हंसमुख दोस्तों के साथ सुखमय जीवन यापन करते हैं। जहां उनके साथी जिंदगी की परेशानियों से जूझ रहे हैं, वहीं आबा एक श्प्रशंसनीय भाग्यशाली आदमीश की प्रतिष्ठा का आनंद लेते हैं। एक दिन डॉक्टर उन्हें सुनने वाली मशीन लगवाने की सलाह देता है। यह मशीन उनके जीवन में उन्हें उन ध्वनियों के एहसास से रूबरू करवाती है जिससे वह वंचित रहे। मशीन के माध्यम से आबा रोज आवाज की खस्ता बनावट की खोज करने के लिए एक बच्चे की तरह प्रसन्न और उत्सुक होते हैं। लेकिन इस ध्वनि की सुंदरता के साथ, अब तक आबा की पहुंच से दूर रही फुसफुसाहट भी वापस आती है, जो कि आबा के बड़े फैसलों और उनके श्निर्दोष जीवनश पर सवाल उठाती हैं। विडंबना यह है कि आबा अब की अपनी धारणाओं और नई वास्तविकताओं के बीच लंबा फासला है, जिससे उन्हें श्मन की शांतिश प्राप्त करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा रहा है।

Aaba, a retired old man, spends a happy dusk of his life with his caring family and jolly friends. While his fellow friends have their own set of problems, Aaba enjoys the reputation of a 'quintessential lucky man', who is always praised and envied by others. When the doctor advises him to use a hearing aid machine, Aaba is dazzled to witness, whole new world of sound, that was absent in his exemplary life. Exploring the tiny details and crispy textures of everyday sounds, Aaba is delighted and curious, no less than a child. But along with this sonic beauty, the aid also brings whispers that have been out of Aaba's reach so far; whispers that raise question on Aaba's biggest decisions and his flawless life. Ironically Aaba is now left with arduous task of handling this 'widened gap' between his own perceptions and new found realities, which now starts challenging his very 'peace of mind'.

कल्पवृक्ष (Kalpvriksha)

फिल्म एक लड़की की यात्रा को दिखाती है, जो प्राचीन पौराणिक पेड़, कल्पवृक्ष की खोजती है। यह पेड़, किसी भी इच्छा को पूरा कर सकता है।

A girl takes the journey to find ancient mythical tree called kalpvriksha. The tree which can grant any wish or fulfill any desire.

अद्नयत (Adnyat)

अद्नयत एक आठ साल के बच्चे का चित्रण है, जो खुद अपने धर्म और भगवान से अनजान है। वो अपने आप को खोजने के लिए धार्मिक रीति–रिवाजों और परंपराओं का अनुकरण करने को तैयार है। इस फिल्म के माध्यम से शांत भावपूर्ण कहानी और धार्मिक संवेदनाओं को दिखाने की कोशिश की गई है। साथ ही यह धर्म के असल अर्थ पर सवाल उठाती है।

Adnyat is a touching portrayal of 8 year old boy the protagonist who is unaware of his own religion and god, and he too has set out on a journey to borrow religious customs and traditions to discover himself. Through this film we intend to present a silent soulful story, religious sensitivity and question the true meaning of religion.

इन रिटर्न जस्ट ए बुक (In Return Just A Book)

यह फिल्म गति विज्ञान का अन्वेष्ण करने के लिए वृत्तचित्र और कल्पना को एक साथ गूंथती है, जो समय और स्थान के बीच पुल का निर्माण करते हुए रचनात्मकता से जुड़ती है। फिल्म यह समझाने की कोशिश करती है कि एक महान कल्पना सृष्टि के दूसरे मूल कार्य का बीज बो सकती है। यह फिल्म श्रीधरन को रूस और सेंट पीटर्सबर्ग की पहली यात्रा पर ले जाती है, जिसके लिए उन्होंने महान रूसी उपन्यासकारों के अनुवाद की गई किताबों को पढ़ने के अलावा कुछ नहीं सोचा था। इन लेखकों में महान डोस्तोव्स्की भी शामिल हैं।?

The film interweaves documentary and fiction to explore the dynamics that connect creativities, bridging space and time. It attempts to understand how one great imagination may sow the seed of another original act of creation, taking a quantum jump across geographical distances and centuries. The film takes Sreedharan on his first ever visit to Russia and St. Petersburg, a country and a city he had imagined out of almost nothing, except for his reading in translation of the great Russian novelists, including Dostoevsky. His journey of discovery starts from his village in interior Kerala as he recalls how, as he wrote his novel, those 21 days of Dostoyevsky had entrapped him as if his life had caught fire and how he was entangled in Dostoevsky's traumatic and troubled personality. His memories of writing the novel, presented through brief face-to-face encounters and voice-overs, are supplemented by enacted moments that flash forward to the present, crystalizing the dynamics of recollection. The film follows him in St. Petersburg as he explores a city he had once imagined from nothing, looking at its great landmarks, visiting Dostoevsky's home, sitting on Neva's shore, wandering in the country side. As he immerses himself in the city recollecting Dostoevsky and his intense creative engagement with him, visions and moments from his novel envelopes his present and he becomes an eye-witness to them. Soon Sreedharan is back in his village, merged into its quiet flow and the journey into the far-away world of his novel turned into a beautiful memory.

गुध (Gudh)

नई राज्यसत्ता के लिए संघर्ष और क्रांति को पृष्ठभूमि के रूप में इस्तेमाल करती यह फिल्म एक 10 वर्षीय लड़के की अपने गाँव की यादों में डूबकर की गई यात्रा की कहानी है। यह अतीत की स्मृतियों को तलाशती हैं।

Set in the backdrop of revolution for a new state, the film is about a 10 year old boy's journey into the labyrinth of memories from his native village. It explores ideas of the past and of memories.

लीचिज़ (Leeches)

रायसा अपने अम्मी और तीन छोटी बहनों के साथ हैदराबाद के पुराने शहर में रहती है। जब अम्मी अपनी 13 साल की बेटी, जैनाब की एक विदेशी कारोबारी के साथ शादी करने का वादा कर देती है तो रायसा किसी भी कीमत पर अपनी बहन को बचाने का फैसला करती है। एक पुरानी परंपरा के बारे में है जो गरीब मुस्लिम परिवारों की जड़ों में फैली है , जहां अमीर संरक्षक कुशल एजेंटों को दलाली देकर पूरी व्यवस्था करते हैं, जबकि एक लिपिक लालच देते हुए मजेदार विवाह और तलाक का एक साथ अनुबंध तैयार करता हैं, ताकि कारोबारी जब चाहे देश छोड़ने के लिए स्वतंत्र रहे। जैनाब के लिए कोई रास्ता खोजने के लिए बेताब राइसा एक खतरनाक और असंभव योजना बनाती है ताकि उसकी बहन इससे बच सके।

Raisa lives with her Ammi and three younger sisters in Hyderabad's Old City. When Ammi promises her 13-year old daughter, Zainab, in marriage to a foreign businessman, Raisa decides to save her little sister at any cost. In an old custom that has found new roots among poor families in Muslim ghettos, rich patrons pay for an arrangement brokered by efficient agents, while a pliant cleric draws up both marriage and divorce contracts simultaneously, so that the businessman is free to end the sham union whenever he is ready to leave the city.Desperate to find a way out for Zainab, Raisa hatches a dangerous and improbable plan involving an archaic remedy that claims to restore a girl's virginity.

मकिनो–एन इंडियन हाईकु (MAKINO - An Indian Haiku)

फिल्म भारत और विदेशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों के बारे में है, जो भारत की आत्मा को समझने की कोशिश करती है। श्साईजी मिकोनोश जापानी सेना का एक जवान है, जो हिरोशिमा के परमाणु विस्फोट के बाद अपना मानसिक संतुलन खो देता है। मृत्यु और तबाही देखने के कारण वह लक्ष्यहीन घुमक्कड़ बन गया है और मन को शांति करने वाली जगह खोज रहा है । उसके गुरु उसे भारत जाने का सुझाव देते हैं। उसने पहले भी वर्धा में महात्मा गांधी के आश्रम श्सेवाग्रामश और बोलपुर में श्शांतिनिकेतनश के बारे में सुना था। मैकिनो पहले दो वर्ष के लिए सेवाग्राम (1958) में रहता है और फिर जापानी भाषा के प्रोफेसर के रूप में शांतिनिकेतन में विश्वभारती विश्वविद्यालय चला जाता है।

कथासार | SYNOPSIS

This is a film about the intercultural relationship between India and abroad, which tries to grasp and understand the soul of India. Saiji Makino,a young Japanese army personnel, lost his balance of mind after the nuclear explosion in Hiroshima during the 2nd World War. The deaths & devastation made him an aimless wanderer. His restless mind was frantically looking for a place where he could put his tortured soul to peace. His mentor suggested him to go to India, where he might get this solace. He had already heard about 'Sevagram', the Ashram of Mahatma Gandhi at Wardha and also about 'Santiniketan' at Bolpur. Makino first joined Sevagram (1958), for two years and then came to VisvaBharati University at Santiniketanas Professor of Japanese language. His soul healed under the shades of thousands of trees in Santiniketan.

रि–मेम्बरिंग कुर्दी (Remembering Kurdi)

दक्षिणी गोवा का कुर्दी शहर, तीन दशक पहले सलाली नदी पर बांध के निर्माण के बाद जलमग्न हो गया था। इसकी वजह से करीब 550 परिवारों को विस्थापित होना पड़ा। यह फिल्म, कुर्दी के पूर्ववर्ती निवासियों की एक परंपरा को दर्शाती है, जिसमें वो हर साल अपने शहर लौटते हैं। हालांकि उस शहर का कोई निशान भी नहीं बचा है।

Kurdi census town in South Goa, was submerged after the Salaulim dam was constructed over the river over three decades ago. Around 550 families were asked to relocate. This film, set in more recent times, is about a ritual that the erstwhile residents of Kurdi conduct where they return to the town each year even though there is almost no trace of it left.

द आई ऑफ डार्कनेस (The Eyes Of Darkness)

दक्षिणी गोवा का कुर्दी शहर, तीन दशक पहले सलाली नदी पर बांध के निर्माता के बाद जलमग्न हो गया था। इसकी वजह से करीब 550 परिवारों को विस्थापित होना पड़ा। यह फिल्म, कुर्दी के पूर्ववर्ती निवासियों की ,क परंपरा को दर्शाती है, जिसमें वो हर साल अपने शहर लौटते हैं। हालांकि उस शहर का कोई निशान भी नहीं बचा है।

the Eyes of Darkness is about the non ending horrific incidences of forcible blindings of alleged 'criminals', petty thieves and many times innocent kids by individuals or mob. Set in Bihar, this character driven film is told through the words of Munna Thakur, a former criminal, who is blinded by injecting acid into his eyes because he dared to contest local election and fielded his wife to fight against a local strongman. The film follows Munna's arduous quest for justice and dangerous toll his quest takes on his personal life and his family.

सीकर अरु सीत्कर (Sikar Aru Sitkar)

'सीकर अरु सित्कर', प्रकृति के सबसे शालीन जानवरों में से एक 'एक–सींग' वाले गेंडों (राइनोसिरस यूनिकॉर्न) की हो रही हत्याओं पर आधारित एक वृत्तचित्र फिल्म है। दरअसल, चीन और दक्षिण पूर्व एशिया में पारंपरिक दवाइयां बनाने के लिए गेंडे के सींग की तेजी से बढ़ती मांग की वजह से असम में ही उन पर बेरहमी से हमले किए जा रहे हैं। सीकर अरु सित्कर इस मुद्दे पर आम लोगों से एक ऐसी कार्रवाई करने का आह्वान करती है, जिससे शिकारियों के शिकार से गेंडों को बचाया जा सके।

Sikar aru Sitkar is a documentary film on the rapacious and indiscriminate killing of one of nature's most gentle animals - the Indian one-horned Rhino (Rhinoceros Unicornis). Fuelled by a booming demand for Rhino horns in China and south east Asia, where it is used in traditional medicines, the Rhino has been under merciless attack at its home in Assam. More than 100 rhinos have been killed by poachers in Assam in the last three years alone. Sikar aru Sitkar is a call to action - and documents as well as contributes to growing public activism around saving the rhino from the bullet of the poacher. The objective is not to shock or disgust, but to provoke audiences to understand the brutality being displayed by humans against a gentle giant of an animal."

चेम्बाई–माइ डिस्कवरी ऑफ ए लेजेंड (CHEMBAI - My Discovery of a Legend)

एक यात्रा, जो अपने पंसदीदा गायक, डॉ केजी येसुदास को केरल के एक गांव चेम्बाई में गाते हुए देखने के लिए जाने से शुरू होती है और उसके बाद फिल्मकार को कई अन्य चीजों का बोध कराती है। चेंबाई गांव के पदम भूषण से सम्मानित और कर्नाटक के शास्त्रीय गायक श्री चेम्बाई वैद्यनाथ भागवथर असली रत्न माने गए। वे सिर्फ एक कलाकार ही नहीं थे, बल्कि उनके पास ज्ञान और संगीत की मूल्यवान शक्ति थी। यह फिल्म श्री चेम्बाई को मानने वालों द्वारा याद किए गए उपाख्यानों का एक संग्रह है। फिल्म निर्माता उस व्यक्ति के बारे में जानने का प्रयास करता है जो कि 100 साल से अधिक समय से चले आ रहे चेम्बाई पार्थसारथी संगीत समारोह के पीछे की महत्वपूर्ण प्रेरणा रहे हैं।

A journey that started out as a trip to watch her favorite singer, Dr. K.J. Yesudas, perform live at a concert in the village of Chembai, in Palakkad district of Kerala; led the filmmaker to new personal discoveries. The village of Chembai was found to be entirely musically gifted and even a layman enjoyed a classical karnatic music performance, just as a trained individual would. This quality was found to be attributed to the real gem of the villages Kottai and Chembai, Padma Bhushan Shri Chembai Vaidyanatha Bhagvathar, the Karnatic classical singer who wasn't merely an artiste, but was the man who valued the power of knowledge and music above all. This film is a collection of anecdotes recollected by the disciples of Shri Cembai, an attempt made by the filmmaker to learn about the man who has been the key inspiration behind the Chembai Parthasarathy Music Festival that has been going on for over 100 years now.

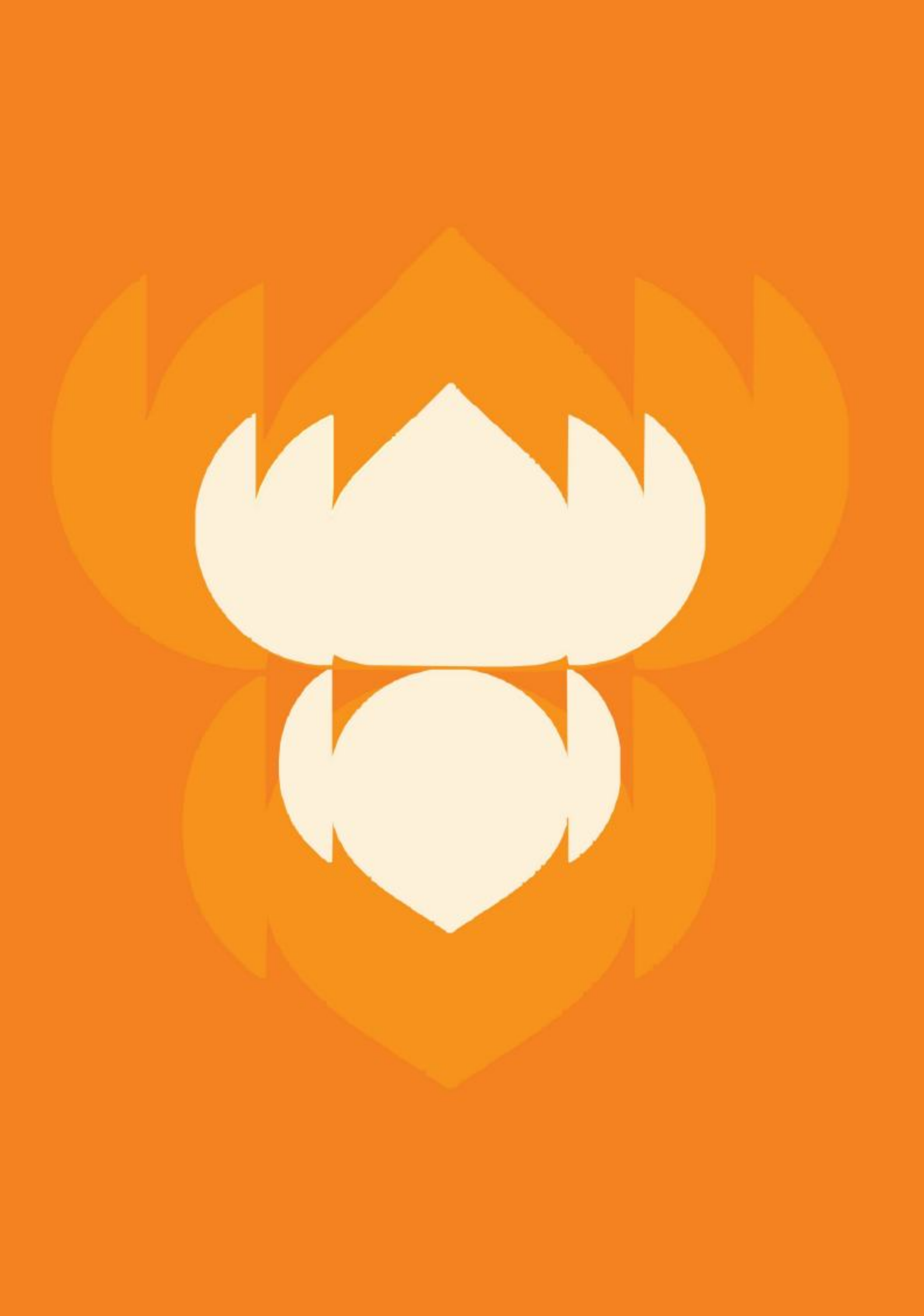

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन
BEST WRITING ON CINEMA

64 वें
राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2016
NATIONAL FILM AWARDS 2016

पुस्तकों, लेखों एवं समीक्षा के माध्यम से सिनेमा का एक कला के रूप में मूल्यांकन करने के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

The awards aim at encouraging study and appreciation of cinema as an art form and dissemination of information and critical appreciation of this art form through publication of books, articles, reviews etc.

लता: सुर गाथा
(ए म्यूज़िकल जर्नी ऑफ लता मंगेशकर)
सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक

Lata: Sur Gatha (A Musical Journey of Lata Mangeshkar)

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 75,000/-

लेखक परिचय | About the Author

यतींद्र मिश्र (Yatindra Mishra)

कवि, संपादक और सिनेमा विद्वान, **यतींद्र मिश्र** को हिंदी कविता के चार संग्रह, यदा कदा, अयोध्या तथा अन्य कविताएं, दयोरही पर अलाप और विभास का श्रेय जाता है। वे भारतीय ज्ञानपीठ फैलोशिप सहित कई पुरस्कार से सम्मानित किए जा चुके हैं। उन्होंने 2014–2016 तक डीडी भारती (दूरदर्शन केंद्र, प्रसार भारती, नई दिल्ली) के एक चौनल सलाहकार के रूप में काम किया है।

Poet, Editor and Cinema Scholar, **Yatindra Mishra** has four collections of Hindi poetry to his credit - Yada Kada, Ayodhya Tatha Anya Kavitayein, Dyorhi par Aalap and Vibhas. He is a recipient of numerous awards including Bhartiya Jnanpitha Fellowship. He has worked as a Channel Advisor to DD Bharati (Doordarshan Kendra, Prasar Bharati, New Delhi) for the term 2014-2016.

वाणी प्रकाशन (Vani Prakashan)

वाणी प्रकाशन विगत 54 वर्षों से 32 शैलियों में बेहतरीन हिंदी साहित्य प्रकाशित कर रहा है। प्रकाशन ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑडियो प्रारूप में 6000 किताबें प्रकाशित की है। संगठन को राष्ट्रीय पुस्तकालय, स्वीडन, भारत–रूस साहित्यिक क्लब और रूसी संस्कृति केंद्र कला और पोलिश सरकार द्वारा सम्मानित किया गया है।

Vani Prakashan has been publishing finest Hindi literature since 54 years in over 32 genres. It has published over 6,000 books in print, electronic and audio format. The organisation is honored at National library, Sweden, Indo-Russian Literary Club and Russian Center of Art Culture and by Polish Government.

पुस्तक परिचय - सिनेमा, संगीत और साहित्य का संगम 'लताः सुर–गाथा' एक दुर्लभ पुस्तक है, जिसमें गायिका लता मंगेशकर के जीवन की पृष्ठभूमि को पूर्णतया कला से ओतप्रोत बताया गया है। इस पुस्तक में लता मंगेश्कर का परिचय एक पार्श्व गायिका के साथ एक महान विचारक, बौद्धिक और सांस्कृतिक प्रतिपादक के रूप में दिया गया है। 'लताः सूर–गाथा' में उत्साही प्रशंसक की कलम के माध्यम से लता मंगेशकर की शानदार उपस्थिति दर्ज की गई है। 'लताः सुर गाथा' ब्रिटिश युग से 21वीं शताब्दी तक सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तन का एक दस्तावेज है। लता मंगेशकर को 'भारत की आवाज' और 'कंठ कोकिला' के रूप में जाना जाता है। यह पुस्तक उन सभी छोटे प्रभावों को इकट्ठा करने और उन्हें समझने की एक कोशिश है, जो एक राष्ट्र और उसकी आवाज को आकार देती है।

About the Book - Standing at the confluence of Cinema, Music and Literature 'Lata: Sur-Gatha' is a rare book which celebrates Art in all its totality, against the backdrop of the life of the legendary singer Lata Mangeshkar. The book introduces Lata Mangeshkar to the world as a great thinker, an intellectual and a cultural exponent, apart from her popular image as a playback singer. 'Lata : Sur-Gatha' is an ode to the Majestic presence of Lata Mangeshkar, through the pen of an ardent admirer. 'Lata: Sur Gatha' is a document of socio-cultural changes from the late British Era through Post Independent India right up to the twenty first century. Lata Mangeshkar is known as the 'Voice of India'. This book is an effort to understand and put together all the little influences which shape a nation and ultimately its voice.

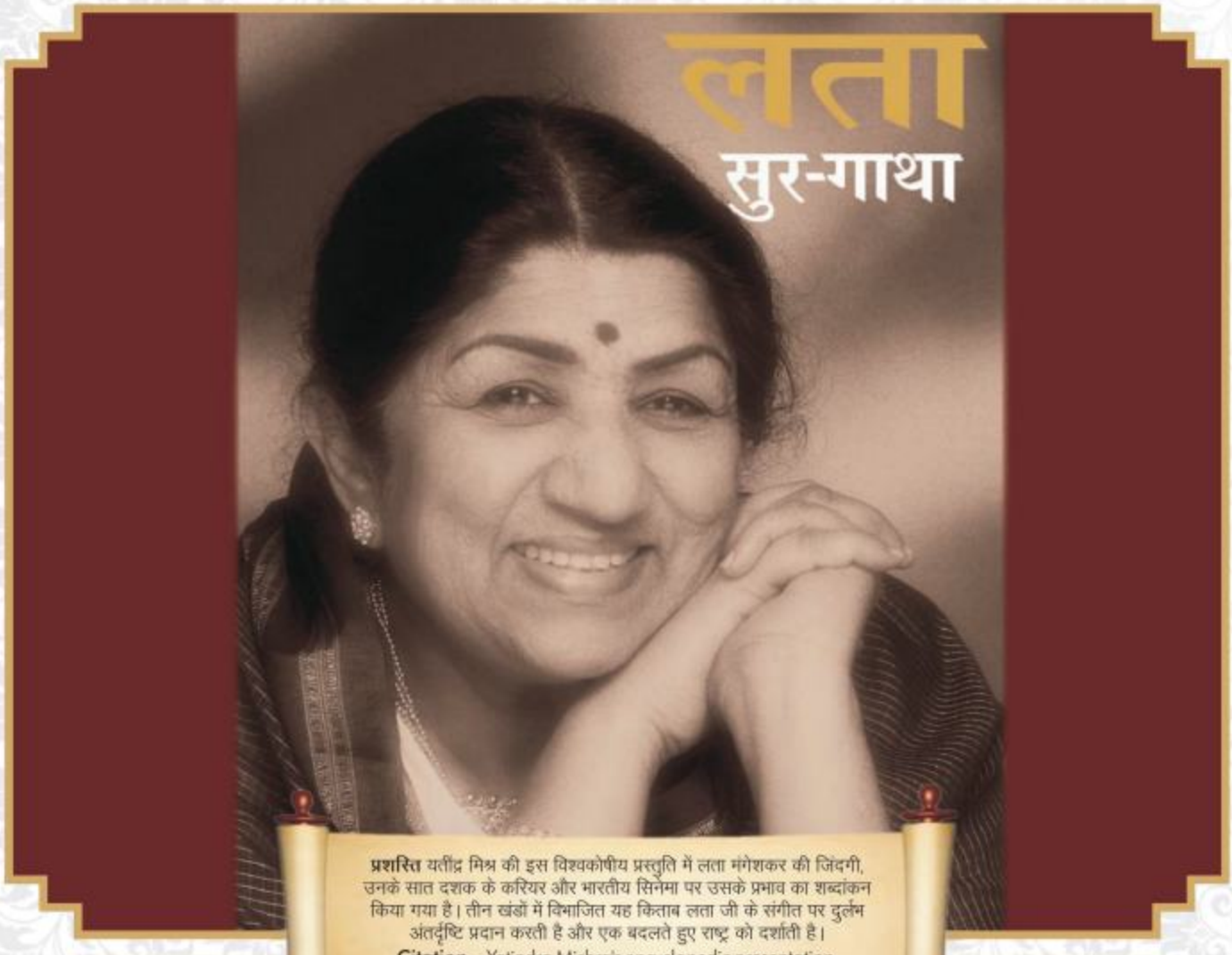

प्रशस्ति यतींद्र मिश्र की इस विश्वकोषीय प्रस्तुति में लता मंगेशकर की जिंदगी, उनके सात दशक के करियर और भारतीय सिनेमा पर उसके प्रभाव का शब्दांकन किया गया है। तीन खंडों में विभाजित यह किताब लता जी के संगीत पर दुर्लभ अंतर्दृष्टि प्रदान करती है और एक बदलते हुए राष्ट्र को दर्शाती है।

Citation - Yatindra Mishra's encyclopedic presentation encompasses her life, seven decade career and its' impact on Indian cinema. Divided into three sections, the book offers rare insights on the icon, her music and reflects a changing nation.

जी धनंजयन
सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म समीक्षक

G. Dhananjayan | Best Film Critic

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 75,000/-

प्रशस्ति जी धनंजयन फिल्म, ब्रांड, फिल्म देखने की नई रणनीति, कराधान प्रभाव और टिकट की कीमत जैसे कई मुद्दों पर गहराई से विश्लेषण करते हैं। उनके विचार फिल्म दर्शक और फिल्म निर्माताओं को प्रभावित करने वाले प्रासंगिक मुद्दों को उठाते हैं और उन्हें व्यावहारिक समाधान सुझाते हैं।

Citation - G Dhananjayan's in-depth analysis on a wide range of topics such as film genres, brands, new strategies in movie watching, taxation impact and ticket pricing. His thought provoking essays raise relevant issues affecting the movie watcher as well as the filmmaker and suggest practical solutions.

जी धनंजयन फिल्म जगत में विगत 15 वर्षों से हैं और उन्होंने तमिल, मलयालम और हिंदी भाषा में 27 फिल्में बनाई है और कई फिल्मों में सह–निर्माता रहे हैं। उनकी कई फिल्में व्यावसायिक रुप से सफल रही हैं और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित भी हैं। वे फिल्म निर्माता के साथ बीओएफटीए। फिल्म संस्थान, चेन्नई के संस्थापक भी हैं। उनकी किताब प्राइड ऑफ तमिल सिनेमा को 62 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में विशेष उल्लेख मिला था। उन्होंने अपनी फिल्म निर्माण और वितरण कंपनी ब्लू ओसियन एंटरटेनमेंट भी स्थापित की है, जिसके माध्यम से वे दक्षिण भारतीय भाषाओं में फिल्मों का विपणन और वितरण कर रहे हैं। धनंजयन ने तमिल सिनेमा के इतिहास पर दो पुस्तकें लिखी हैं, जिन्हें तमिल फिल्म उद्योग के दिग्गजों ने व्यापक रुप से सराहा है।

G. Dhananjayan has spent over 15 years in film business so far and has produced or co-produced 27 films in Tamil, Malayalam and Hindi and many of them were commercial successes and critically acclaimed. He is also a film producer and founder of BOFTA Film Institute at Chennai. His book PRIDE OF TAMIL CINEMA received a special mention at the 62nd National Film Awards. He has also set up his film production and distribution company BLUE OCEAN ENTERTAINMENT, through which he is marketing and distributing films in South languages. Dhananjayan has written two books on the history of Tamil cinema which have been widely appreciated by the legends of Tamil film industry.

अंजलि मॉन्टेरो – के.पी. जयशंकर
विशेष उल्लेख

Anjali Monteiro and K.P. Jayasankar | Special Mention

रजत कमल | CERTIFICATE

प्रशस्ति के.पी. जयशंकर – अंजलि मॉन्टेरो ने भारत में स्वतंत्र वृतचित्र का अन्वेषण किया और फिल्म निर्माताओं तथा उनकी कथाओं के बीच के रिश्तों की पुनर्समीक्षा की। किताब सिनेमा के अध्ययन के संदर्भ और रूपरेखा में नए मानक तय करती है।

Citation - K.P. Jayashankar - Anjali Monteiro explore independent documentary films in India and revisit the relationships between film-makers and their narratives. The book sets new standards in form and context in cinema studies.

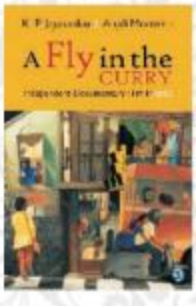

के.पी. जयशंकर – अंजलि मॉन्टेरो स्कूल ऑफ मीडिया और कल्चरल स्टडीज– टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई में व्याख्याता हैं। वे मीडिया प्रोडक्शन, शिक्षण और अनुसंधान से जुड़े हैं। उनके कई वृतचित्र दुनिया भर में दिखाई जा चुके हैं, जिन्होंने 32 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए हैं। वे सेंसरशिप, वृतचित्र, मीडिया और सांस्कृतिक अध्ययन के व्यापक क्षेत्रों में लिखते हैं और उन्होंने कई पत्रिकाओं के पत्रों और संपादित संस्करणों में योगदान दिया है। वे कई प्रमुख मीडिया और डिजाइन संस्थानों में अतिथि शिक्षक रहे हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप और एशियाई देशों के विश्वविद्यालयों में पढ़ाते हैं।

Anjali Monteiro and **K.P. Jayasankar** are Professors at the School of Media and Cultural Studies- Tata Institute of Social Sciences, Mumbai. They are involved in media production, teaching and research. Their documentary films, which have been screened across the world, have won 32 national and international awards. They write in the broad areas of censorship, documentary film and media and cultural studies and have contributed to scholarly journals and edited volumes. They have also been visiting faculty and fellows at several leading media and design institutions and lectured at universities in the USA, Australia, Europe, and in Asian countries.

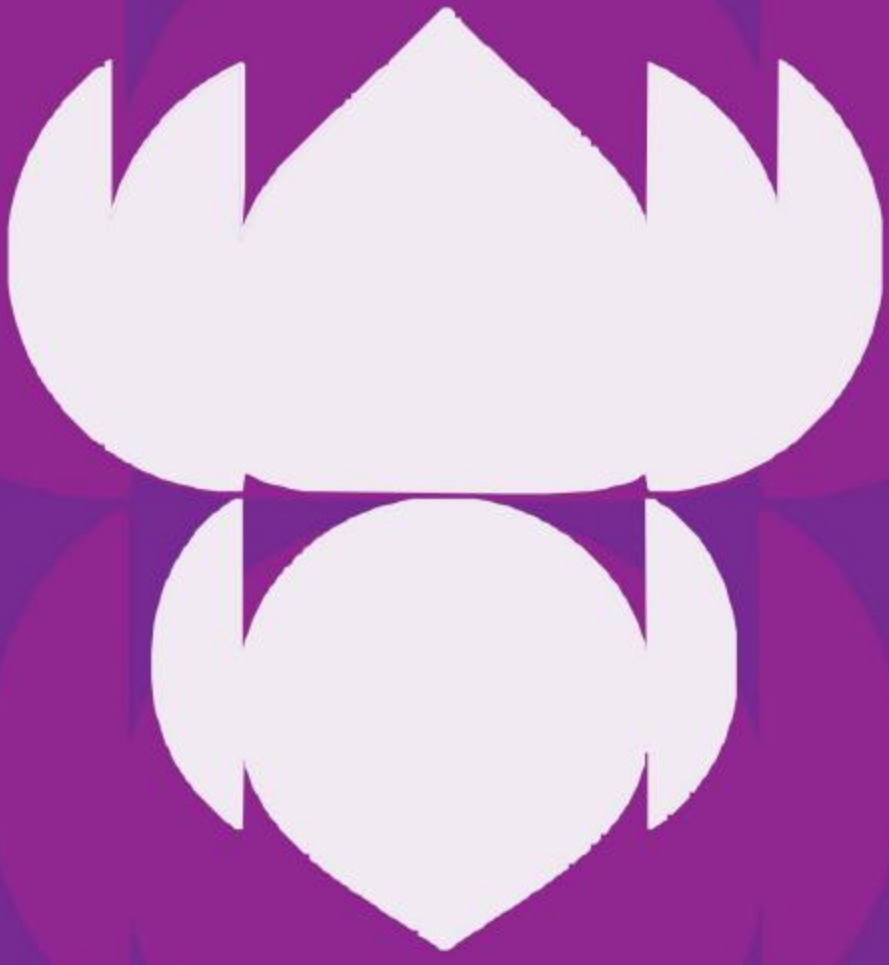

फ़िल्म अनुकूल प्रदेश पुरस्कार
FILM FRIENDLY STATE AWARD

64वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार 2016

NATIONAL FILM AWARDS 2016

राज्य सरकार द्वारा सिनेमा गतिविधियों और प्रमोशन के लिए समर्पित प्रयास, जो भारतीय सिनेमा के संवर्धन के लिए सकारात्मक माहौल बनाए, 'फ़िल्म अनुकूल राज्य' पुरस्कार के योग्य होगा।

A state government that makes dedicated effort in the direction of facilitating film shootings and in creating a conducive environment towards promotion of Indian Cinema shall be eligible for the award for 'Most Film Friendly State'

फ़िल्म अनुकूल प्रदेश पुरस्कार
FILM FRIENDLY STATE AWARD

उत्तर प्रदेश (Uttar Pradesh)

सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म अनुकूल राज्य
Most Film Friendly State

रजत कमल एवं प्रशस्ति पत्र
Rajat Kamal & Certificate

प्रशस्ति (Citation)

एक अनूठी फिल्म नीति लागू करने के लिए, यह ध्यान में रखते हुए कि फिल्म माध्यम मनोरंजन के लिए ही नहीं बल्कि रोजगार, सामाजिक जागरूकता और सांस्कृतिक विकास का एक महत्वपूर्ण जरिया भी है। राज्य की फिल्म नीति एक उपयुक्त वातावरण बनाती है, जो ना सिर्फ राज्य में बड़े पैमाने पर निर्माताओं को फिल्म शूटिंग के लिए आमंत्रित करती है बल्कि अन्य गतिविधियों को भी बढ़ावा देती है। यह नीति फिल्म निर्माण के विभिन्न पहलुओं से संबंधित है जिसमें फिल्म निर्माताओं के लिए जमीनी स्तर पर वित्तीय प्रोत्साहन भी शामिल है।

For implementing a unique film policy, taking into account that the film medium is not only about entertainment but is also a very important vehicle of employment, social awareness and cultural development. The State's Film Policy includes various measures to create a suitable environment, which not only invites shooting of films on a large scale in the State but also promotes other activities, which are related to various aspects of film production at the ground level, including financial incentives for filmmakers.

झारखण्ड (Jharkhand)

विशेष उल्लेख
Special Mention

प्रशस्ति पत्र
Certificate

प्रशस्ति (Citation)

फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित करने और देशभर के फ़िल्म निर्माताओं को प्रोत्साहन देने के सद्प्रयास के लिए। इसके अलावा प्रदेश की फिल्म नीति राज्य में स्थानीय फिल्म निर्माण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है।

To foster the film Industry and their endeavour to give incentives to filmmakers from across India. In addition to the above, the Film Policy also provides growth opportunities to the local filmmaking talent from within the State.

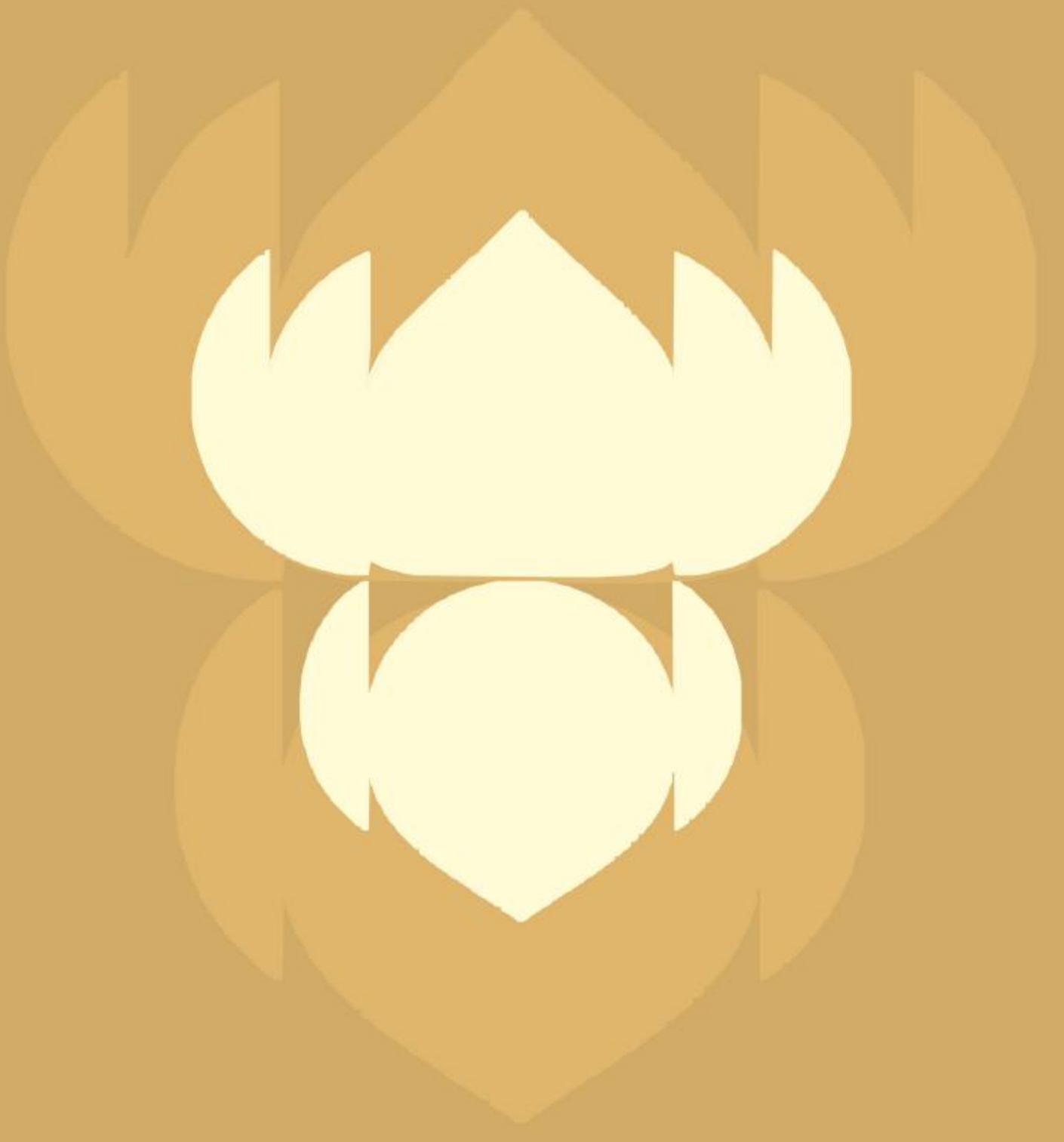

फ़िल्म समारोह निदेशालय समूह
Directorate of Film Festivals Team

इंद्राणी बोस (उप निदेशक)
Indrani Bose (Dy. Director)

तनु राय (उप निदेशक)
Tanu Rai (Dy. Director)

अतुल कांसरा (उप निदेशक) (लेखा)
Atul Kansra (Dy. Director) (A/Cs)

मुकेश चंद | Mukesh Chand
विनोद कुमार बस्सी | Vinod Kumar Bassi
रोशन कुमार वत्स | Roshan Kumar Vatsa
गणेश चंद | Ganesh Chand
कौशल्या मेहरा | Kaushalya Mehra
गौतम सिंह | Gautam Singh
प्रवीण कुमार चावला | Pravin Kumar Chawala
सुशांत श्रोत्रिय | Sushant Shrotriya
चिरंजी लाल मीणा | Chiranji Lal Meena
महेश चंद | Mahesh Chand
राजेन्द्र कुमार | Rajendra Kumar
दीपू चौधरी | Deepu Choudhary

सचिन कुमार | Sachin Kumar
अरविंद | Arvind
अनुप | Anup
जयदेव | Jaidev
देवेन्द्र प्रसाद | Devendra Prasad
कमलेश कुमार रावत | Kamlesh Kumar Rawat
चण्डी प्रसाद | Chandi Prasad
गोविन्द राम | Govind Ram
कैलाश | Kailash
अशोक | Ashok
अमित | Amit

64वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार समूह
64th NATIONAL FILM AWARDS TEAM

अंशुमन शेखर | Anshuman Shekhar
हर्ष अग्रवाल | Harsh Agarwal
सुरेन्दर कुमार | Surender Kumar
रजत अगरवाल | Rajat Aggarwal
जीविका कालरा | Jeevika Kalra
जितेश कुमार (सहायक) | Geetesh Kumar (Assistance)

इंजीनियरिंग एवं प्रोजेक्शन समूह
ENGINEERING AND PROJECTION TEAM

एस.के. शर्मा (ए.ई.) सिविल | S.K Sharma (A.E) Civil
आर के त्यागी (ए.ई.) इलैक्ट्रिकल | R.K Tyagi (A.E) Electrical
डी.पी. गौतम (ए.ई.) पी | D.P Gautam (A.E) P
अशोक (फिल्म्स डिविजन) | Ashok (Films Division)
राम प्रसाद (प्रोजेक्शनिस्ट) | Ram Prasad (Projectionist)
योगीन्दर (प्रोजेक्शनिस्ट) | Yoginder (Projectionist)
किशन (प्रोजेक्शनिस्ट) | Kishan (Projectionist)
विपुल (प्रोजेक्शनिस्ट) | Vipul (Projectionist)
सुनील (प्रोजेक्शनिस्ट) | Sunil (Projectionist)

आभार
ACKNOWLEDGEMENTS

फ़िल्म निर्माता / निर्माण समूह, विगत डीएसपीए विजेताओं की फ़िल्म से संबंधित सामग्री फोटोग्राफ उपलब्ध करवाने के लिए:
भारतीय राष्ट्रीय फ़िल्म अभिलेखागार, पुणे (भारत सरकार)
फ़िल्म प्रभाग राष्ट्रीय पुरस्कार और डीएसपीए पुरस्कार विजेताओं की दृश्य–श्रव्य प्रस्तुति के लिए

Film Producers/Production Houses for providing the film-related material Photographs of Past DSPA Winners:
National Film Archives of India, Pune (Government of India)
Films Division for DSPA and Doordarshan News for National Award Winners Audio Visual presentation

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

फ़िल्म समारोह निदेशालय
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार
सिरी फोर्ट सभागार परिसर, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली–110049

DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS
Ministry of Information and Broadcasting, Government of India
Siri Fort Auditorium Complex, August Kranti Marg, New Delhi – 110049.
www.dff.nic.in